

Table of Contents

परिच्छेद १: परिचय	१
१.१. अध्ययनको परिचय:-	१
१.२. उद्देश्य:-	२
१.३. अध्ययनको महत्व :-	३
१.४ अध्ययनको आवश्यकता र औचित्य :-	३
१.५ अध्ययन विधि र प्रकृया :-	३
१.५.१ घरधूरी सर्भेक्षण (प्राथमिक श्रोत) :-	३
१.५.२ संस्थागत सर्भेक्षण (दोश्रो श्रोत) :-	४
१.५.३ तथ्यांक विश्लेषण र प्रस्तुतिकरण :-	४
१.५.४ नगरपालिका वस्तुगत विवरण अन्तिम प्रतिवेदन तयारी :-	४
१.६ अध्ययनको क्षेत्र र सीमा :-	४
परिच्छेद २: नगरपालिकाको परिचय	५
२.१. सप्तकोशी नगरपालिकाको परिचय	५
२.२. भौगोलिक तथा प्रशासनिक अवस्थिति	५
२.३. ऐतिहासीक चिनारी तथा नामाकरण	१०
२.४. राजनैतिक अवस्था	१०
२.५. भू-धरातल	११
२.६. भू-उपयोग, वस्ति विकास र सहरिकरण	११
२.६.१ भू-उपयोगको अवस्था:	११
२.६.२ वस्ती विकास र सहरिकरण:	१२
२.७. सिँचाईको प्रबन्ध	१३
२.८ खानेपानीको अवस्था	१४
२.९ स्थानीय चाडपर्व,मेला र पर्यटन विकासको अवस्था	१५

परिच्छेद ३ :जनसंख्याको विवरण	१६
३.१ जनसङ्ख्याको विवरण -	१६
३.२ वडा अनुसार तुलनात्मक जनसांख्यिक विवरण	१७
३.३ लिङ्ग अनुसार तुलनात्मक जनसंख्या विवरण	१८
३.४ समूहगत उमेरको जनसंख्या विवरण:	१९
३.५ जनसांख्यिक बनावट र संरचना	२०
३.६ अस्थाई बसाइसराई गर्ने वडागत जनसंख्या	२२
३.७ वडा अनुसार निश्चित उमेर समूहको जनसंख्या विवरण	२३
३.८ व्यक्तिगत घटना दर्ता :	२९
३.८.१ नगरपालिकाको जन्मदर्ता तथा मृत्युदर्ता सम्बन्धी विवरण	३०
३.८.२ नगरपालिकाको विवाह,सम्बन्ध-विच्छेद,बसाइ-सराई दर्ता सम्बन्धी विवरण:	३१
३.८.३ बसाइ सराई तथा जनसांख्यिक गतिशिलता :	३१
३.८.४ अस्थाई बसाइ सराई गरेका जनसंख्या र देशहरुको विवरण :	३३
३.८.५ बसाइ सराई र जनसांख्यिक गतिशिलता	४१
३.९ जातजाति अनुसार नगरपालिकाको विवरण	४२
३.१०.१ थर र जातका आधारमा जनसंख्या विवरण	४३
३.१०.२ वडागत रुपमा जात जातियताको जनसांख्यिक विवरण	४५
३.११ धर्म अनुसार जनसंख्या विवरण	५३
३.१२. मातृभाषाको आधारमा जनसंख्या विवरण :	५४
३.१३. मातृभाषा र लिङ्गका आधारमा जनसंख्या विवरण	५७
३.१४ उमेर अनुसार वैवाहिक स्थितिका विश्लेषण	५८
३.१५. अपाङ्गता सम्बन्धी जनसांख्यिक विवरण:	५९
३.१५.१ अपाङ्गता अनुसार जनसंख्या विवरण:	६०
३.१५.२ अपाङ्ग परिचय पत्रका आधारमा जनसंख्या विवरण	६१
३.१६. व्यक्तिगत घटना दर्ता	६२

परिच्छेद ४ : आर्थिक स्थिती	६५
४.१ पारिवारीक आम्दानीको विवरण :	६५
४.२ पारिवारीक आम्दानीको वडा अनुसारको बार्षिक विवरण:	६७
४.३. पारिवारीक बार्षिक खर्चको विवरण:	७७
४.४. पारिवारीक खर्चको वडागत विवरण:	७९
४.५. पेशा अनुसार जनसंख्या विवरण:	८५
४.६ कृषि	८६
४.६.१ कृषिजन्य उत्पादनहरुको विवरण:	८७
४.६.२. कृषिजन्य उत्पादनमा खाद्यान्नवाली/अन्नवालीको उत्पादनको अवस्था:	८८
४.६.३. कृषिजन्य दलहनवाली उत्पादनको विवरण:	८९
४.६.४. कृषिजन्य तेलहन वालीको उत्पादन विवरण:	९०
४.६.५. कृषिजन्य तरकारी वाली उत्पादनको अवस्था :	९१
४.६.६ कृषिजन्य उत्पादनमा फलफूल खेतीको अवस्था:	९२
४.७. वैदेशिक रोजगारीको अवस्था:	९३
४.७.१. रेमिटेन्स सम्बन्धी विवरण:	९४
४.८ सामाजिक सुरक्षा प्राप्त व्यक्तिको विवरण	९४
४.९. विमा:	९५
४.१०. गरिवीको रेखामुनी भएका घर परिवारको विवरण	९७
४.११. सुकुम्वासीको अवस्था:	९८
४.१२.कृषि उपजमा लाग्ने रोग किरा सम्बन्धी जानकारी विवरण:	९९
४.१३. पशुपंक्षीपालन:	१००
४.१३.१ पशुनश्लः	१०१
४.१३.२ पशुपंक्षीमा लाग्ने रोगहरु:	१०१
४.१४. बैंक तथा वित्तिय संस्था :	१०२
४.१४.१. सहकारी संस्थाको विवरण:	१०२

परिच्छेद-५	१०४
सामाजिक पूर्वाधार	१०४
५.१ शिक्षा - (पृष्ठभूमि)	१०४
५.१.१ शैक्षिक संस्थाहरूको विवरण	१०५
५.१.२ वडा अनुसार शैक्षिक संस्थाहरू	१०५
५.१.३ नगरपालिकामा कार्यरत तहगत शिक्षक विवरण	१०६
५.१.४ शैक्षिक छात्रवृत्ति तथा लक्षित सुविधाको विवरण	१०७
५.१.५ साक्षरताको स्थिति निश्चित उमेर समूहमा	१०७
५.१.७ वडा र लिङ्गगत रूपमा साक्षरताको विवरण	१०७
५.१.८ नगरपालिकाको शैक्षिक स्तरको विवरण	१०८
५.१.९ जातिगत आधारमा विद्यार्थीहरूको विवरण	१०९
५.१.१० विद्यालयमा पहुचको स्थिति	१०९
५.२ विशेष सीप र दक्षता भएको जनसंख्याको वडागत विवरण	११०
५.३ जनचेतनामूलक तालिम सम्बन्धी विवरण	१११
५.४ स्वास्थ्य	११२
५.४.१ दीर्घ रोग र जनसंख्या विवरण	११३
५.४.२ नगरपालिकाका स्वास्थ्य सेवा प्रदायक स्थलहरू	११४
५.४.३ नियमित खोप	११५
५.४.४ गाउँघर क्लिनिक	११६
५.४.५ सरकारी स्वास्थ्य संस्था	११७
५.५ स्वास्थ्य सेवा तथा पोषणको स्थिति	११७
५.६ परिवार नियोजन सम्बन्धी विवरण	११८
५.७ सुरक्षित मातृत्वको आवश्यकता	११८
५.८ पोषण सम्बन्धी विवरण	११९
५.९ खानेपानी तथा सरसफाई	१२०

५.९.१ खानेपानी :	१२०
५.९.२. खानेपानी सुरक्षित बनाउने घरपरिवार सम्बन्धी विवरण :	१२१
५.९.३. खानेपानी सुरक्षित बनाउने तरिका सम्बन्धी विवरण :	१२३
५.१०. फोहोरमैला व्यवस्थापन :	१२४
५.१०.१. घरवाट निस्कने फोहोरको व्यवस्थापन :	१२५
५.१०.२. खुल्ला दिशामुक्त क्षेत्र र शौचालयको व्यवस्थापन:	१२७
५.११. महिला तथा बालबालिका:	१२८
५.११.१. पीरिवारीक संरचनामा महिला :	१२९
५.११.२. बालबालिका सम्बन्धी विवरण:	१३१
५.११.३. बाल श्रमको अवस्था:	१३१
५.१२. संघ संस्थामा आवद्धता सम्बन्धी	१३२
परिच्छेद -६	१३४
भौतिक विकासको अवस्था	१३४
६.१. घरायसी विवरण:	१३४
६.२. घरपरिवारले प्रयोग गरेको घरको भित्ता सम्बन्धी विवरण:	१३५
६.३. घरपरिवारले प्रयोग गरेको घरको भुइको विवरण:	१३६
६.४. खाना पकाउन उपयोग हुने मुख्य उर्जाको श्रोत:	१३७
६.५. सूचना तथा सञ्चार:	१३८
६.६. यातायातका साधनहरुको विवरण:	१३९
६.७. घरायसी सरसामानहरुको विवरण:	१४०
परिच्छेद - ७	१४१
नगरपालिकाका आधारभूत सेवाहरु	१४१
७.१. स्थानीय तहको कार्यलय:	१४१
७.२. सुरक्षा निकाय:	१४३
७.३. स्वास्थ्य संस्था:	१४४

७.४. गाउघर बिलिनिक:	१४५
७.५. वैक तथा वित्तिय संस्थाहरु:	१४६
७.६. कृषि सेवा केन्द्र:	१४७
७.७. सहकारी संस्था :	१४८
७.८. खेलमैदान:	१५०
७.९. स्थानीय बजारमा पहुचको अवस्था सम्बन्धी विवरण:	१५१
७.१०. सामूदायिक भवनसम्मको पहुच विवरण:	१५२
७.११. शवदाह गर्ने स्थानमा पहुचको अवस्था:	१५३
७.१२. हुलाक सेवा केन्द्र:	१५४
७.१३. गैर सरकारी संस्था:	१५५
परिच्छेद -८	१५७
वन तथा वातावरणिय स्थिति :	१५७
८.१. वन जंगल र खोलानाला:	१५७
८.२. जैविक विविधता र वातावरणिय अवस्था :	१५७
८.३. प्राकृतिक प्रकोप र विपदको व्यवस्थापन:	१५८
८.४. प्राकृतिक विपद वा प्रकोपको आधारमा पारिवारीक विवरण :	१५९
परिच्छेद -९ विकासमा नगरवासीको चाहना/आवश्यकता	१६०
९.१. आवश्यकताको विश्लेषणको पृष्ठभूमि:	१६०
९.२. विकाश आवश्यकताको प्राथमिकीकरण :	१६०
९.३. वडा न.२ को आवश्यकताको प्राथमिकीकरण:	१६१
९.४. वडा न.३ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:	१६१
९.५. वडा न.४ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:	१६२
९.६. वडा न.५ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:	१६३
९.७. वडा न.६ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:	१६३
९.८. वडा न.७ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:	१६४

परिच्छेद - १०	१६७
संस्थागत सुशासनको स्थिति	१६७
१०.१. सरकारी कार्यलय सम्बन्धी विवरण:	१६७
१०.२. नगरपालिकामा रहेका विभिन्न समूह सम्बन्धी विवरण:	१६७
१०.३.विकाश साभेदार गर्ने गैर सरकारी संस्था:	१६८
१०.४. नगरपालिकाको संगठनात्मक संरचना:	१६९
१०.५. नगरपालिका आफैले बनाएका नियम/विनियमहरूको नियमावलि:	१६९
१०.६. नगरकार्यपालिका सदस्यको नामावली:	१६९

तालिका न.१ : प्रशासनिक अवस्थिति	५
तालिका न.२ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.१ को टोल सम्बन्धी विवरण	६
तालिका न.३ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.२ को टोल सम्बन्धी विवरण	७
तालिका न.४ :सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.३ को टोल सम्बन्धी विवरण	७
तालिका न.५ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.४ को टोल सम्बन्धी विवरण	७
तालिका न.६ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.५ को टोल सम्बन्धी विवरण	८
तालिका न.७ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.६ को टोल सम्बन्धी विवरण	८
तालिका न.८ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.७ को टोल सम्बन्धी विवरण	८
तालिका न.९ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.८ को टोल सम्बन्धी विवरण	९
तालिका न.१० : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.९ को टोल सम्बन्धी विवरण	९
तालिका न.११ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.१० को टोल सम्बन्धी विवरण	९
तालिका न.१२ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.११ को टोल सम्बन्धी विवरण	९
तालिका न.१३ : सप्तकोशी नगरपालिका भु-उपयोग विवरण	११
तालिका न.१४ : ग्रामीण तथा सहरोन्मुख क्षेत्रहरू	१३
तालिका न.१५ : सिचाई सम्बन्धि विवरण	१४
तालिका न.१६ : खानेपानी आयोजना	१४
तालिका न.१७ : स्थानीय चाडपर्व,मेला र पर्यटन विकासको अवस्था	१५

तालिका न.१८	: जनसंख्या विवरण	१६
तालिका न.१९	: वडागतजनसांख्यिक विवरण	१८
तालिका न.२०	: उमेर र लिङ्ग समूहका आधारमा जनसंख्या विवरण र प्रतिशत	२०
तालिका न.२१	: घरमूलिको आधारमा वडागत घरधूरी विवरण	२१
तालिका न.२२	: वडा अनुसार स्थाइ वसाइ सराई गर्ने जनसंख्या विवरण	२३
तालिका न.२३	: वडा न.१ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२४
तालिका न.२४	: वडा न.२ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२४
तालिका न.२५	: वडा न.३ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२५
तालिका न.२६	: वडा न.४ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२५
तालिका न.२७	: वडा न.५ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२६
तालिका न.२८	: वडा न.६ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२६
तालिका न.२९	: वडा न.७ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२७
तालिका न.३०	: वडा न.८ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२७
तालिका न.३१	: वडा न.९ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२८
तालिका न.३२	: वडा न.१० को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२८
तालिका न.३३	: वडा न.११ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण	२९
तालिका न.३४	: जन्म तथा मृत्यु दर्ता सम्बन्धी विवरण	३०
तालिका न.३५	: विवाह र सम्बन्ध-विच्छेद सम्बन्धी विवरण	३१
तालिका न.३६	: वडा अनुसार अस्थाइ बसाइ सराई गर्ने जनसंख्याको विवरण	३२
तालिका न.३७	: नेपालमै अस्थाइ बसोवास गर्नेहरुको वडागत विवरण	३३
तालिका न.३८	: भारतमा अस्थाइ रुपमा बसोवास गरेका वडागत जनसंख्या विवरण	३५
तालिका न.३९	: यूरोप र अमेरिकी देशहरुमा अस्थाइ रुपमा बसोवास गरेको विवरण	३६
तालिका न.४०	: अस्थाइ रुपमा खाडी मूलुकमा बसोवास गर्नेहरुको वडागत विवरण	३७
तालिका न.४१	: जापान,कोरियामा कामको कारण अस्थाइ बसोवास गर्ने जनसंख्या	३८
तालिका न.४२	: अष्ट्रेलियामा बसोवास गरेको वडागत विवरण	३९
तालिका न.४३	: अन्य देशमा बसोवास गर्ने जनसंख्या विवरण	४०
तालिका न.४४	: वडा अनुसार बसाइ सराई गर्नुको कारणहरुको विवरण	४२
तालिका न.४५	: जात/जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण	४३
तालिका न.४६	: तराई दलितहरुको जनसंख्या विवरण	४४
तालिका न.४७	: पहाडे दलित जातिहरुको जनसंख्या विवरण	४४

तालिका न. ४८ : तराई जनजातिहरूको समग्र जनसांख्यिक विवरण	४५
तालिका न. ४९ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.१	४६
तालिका न. ५० : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.२	४६
तालिका न. ५१ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.३	४७
तालिका न. ५२ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.४	४७
तालिका न. ५३ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.५	४८
तालिका न. ५४ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.६	४९
तालिका न. ५३ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.७	५०
तालिका न. ५६ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.८	५०
तालिका न. ५७ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.९	५१
तालिका न. ५८ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.१०	५२
तालिका न. ५९ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.११	५२
तालिका न. ६० : वडागत रुपमा धर्मका आधारमा जनसंख्या विवरण	५३
तालिका न. ६१ : मातृभाषाको आधारमा जनसंख्या विवरण	५५
तालिका न. ६२ : मातृभाषा र लिङ्गका आधारमा जनसंख्या विवरण	५७
तालिका न. ६३ : नगरपालिकाको वैवाहिक स्थितिको विवरण	५९
तालिका न. ६४ : वडाअनुसार अपाङ्गता भएकाको विवरण	६०
तालिका न. ६५ : अपाङ्गताको किसिम अनुसार जनासंख्या विवरण	६१
तालिका न. ६६ : अपाङ्ग परिचय पत्रका आधारमा जनसंख्या विवरण	६२
तालिका न. ६७ : ५ बर्ष भन्दा मूनिका बालबालिकाका जन्मदर्ता सम्बन्धी विवरण	६३
तालिका न. ६८ : औषत पारिवारीक बार्षिक आम्दानी विवरण	६५
तालिका न. ६९ : पारिवारीक बार्षिक खर्च विवरण	७८
तालिका न. ७० : पेशा अनुसार जनसंख्या विवरण	८५
तालिका न. ७१ : कृषिजन्य उत्पादनहरूको गतबर्षको विवरण	८८
तालिका न. ७२ : अन्नवाली उत्पादनको विवरण	८९
तालिका न. ७३ : दलहनवाली उत्पादनको अवस्था र विवरण	९०
तालिका न. ७४ : तेलहन वाली उत्पादनको अवस्था..	९१
तालिका न. ७५ : कृषिजन्य तरकारी वाली उत्पादनको विवरण	९२
तालिका न. ७६ : फलफूल खेतीवाट भएको उत्पादनको विवरण	९३
तालिका न. ७७ : वैदेशिक रोजगारीमा गएकाको वडागत विवरण	९४

तालिका न.७८ : रेमिटेन्स सम्बन्धी विवरण	९४
तालिका न.७९ :सामाजिक सुरक्षा प्राप्त व्यक्तिको विवरण	९५
तालिका न.८० :वडा अनुसार विमा गरेकाको विवरण	९६
तालिका न.८१ :गरिवीको रेखामुनी भएका घर परिवारको विवरण	९७
तालिका न.८२ :सुकुम्वासी र जग्गा धनिको विवरण	९८
तालिका न.८३ :वालीमा लाग्ने रोगको विवरण	९९
तालिका न.८४ :तराईका कृषि वालीमा लाग्ने रोग किरा सम्बन्धी विवरण	१००
तालिका न.८५ :पशुपंक्षीहरुको विवरण	१००
तालिका न.८६ :पंक्षीमा लाग्ने रोग	१०१
तालिका न.८७ :पशुमा लाग्ने रोग	१०२
तालिका न.८८ :वित्तीय संस्थाको विवरण	१०२
तालिका न.८९ :सहकारी संस्था सम्बन्धी विवरण	१०३
तालिका न.९० :शैक्षिक संस्थाहरु सम्बन्धी विवरण	१०५
तालिका न.९१ :वडागत शैक्षिक संस्थाहरुको विवरण	१०६
तालिका न.९२ :तहगत शिक्षक विवरण	१०६
तालिका न.९३ :शैक्षिक छात्रवृत्ति लक्षित सुविधाको विवरण	१०७
तालिका न.९४ :निश्चित उमेरसमूहमा साक्षरता प्रतिशत	१०७
तालिका न.९५ :वडा र लिङ्गगत रुपमा साक्षरता स्थिति	१०८
तालिका न.९६ : वडागत शैक्षिक स्तर सम्बन्धी विवरण	१०८
तालिका न.९७ : जातिगत आधारमा विद्यार्थीको संख्या	१०९
तालिका न.९८ :वडागत रुपमा विद्यालय पुग्न लाग्ने समय अनुसार घरधूरी विवरण	११०
तालिका न.९९ : वडागत रुपमा विशेष सीप वा दक्षता भएको जनसंख्याको विवरण	१११
तालिका न.१०० :नगरपालिकामा जनचेतनामूलक तालिम	११२
तालिका न.१०१:वडा अनुसार उपचारका लागी घरधूरी विवरण	११३
तालिका न.१०२ : वडा अनुसार दीर्घ रोगका किसिम र जनसंख्या	११४
तालिका न.१०३ : स्वास्थ्य संस्थाको खोप केन्द्र पुग्न लाग्ने समय अनुसार घरभूरी विवरण	११४
तालिका न.१०४ :नियमित राष्ट्रिय खोप विवरण	११५
तालिका न.१०५:खोप सम्बन्धी विवरण	११६
तालिका न.१०६ : गाउघर क्लिनिक पुग्न लाग्ने समयका आधारमा घरधूरी विवरण	११६
तालिका न.१०७ :सरकारी स्वास्थ्य संस्था सम्मको दूरी सम्बन्धी विवरण	११७

तालिका न.१०८ : परिवार नियोजन सम्बन्धी विवरण	११८
तालिका न.१०९ :सुरक्षित मातृत्व सम्बन्धी विवरण	११९
तालिका न.११० :विगत ३ बर्षमा पोषणको अवस्था	१२०
तालिका न.१११ : वडाअनुसार खानेपानी श्रोतको वर्गिकरण विवरण	१२१
तालिका न.११२ :खानेपानी शुद्ध बनाउने घरधूरी विवरण	१२२
तालिका न.११३ :खानेपानी सुरक्षित बनाउने तरिका सम्बन्धी विवरण	१२३
तालिका न.११४ :घरवाट निस्कने फोहोरलाई छुट्याउने र नछुट्याउने घरधूरी	१२५
तालिका न.११५ :घरवाट निस्कने फोहोरको व्यवस्थापन सम्बन्धी विवरण	१२६
तालिका न. ११६ : वडा अनुसार घरपरिवारले प्रयोग गर्ने चर्पीको प्रकार	१२८
तालिका न.११७ : महिला हिंसा सम्बन्धी विवरण	१२९
तालिका न.११८ :वडाअनुसार घरमूलिको वनावट र महिला घरमूलि विवरण	१३०
तालिका न.११९ :वडा अनुसार बाल श्रमको विवरण	१३२
तालिका न.१२० :संघ संस्थामा आवद्ध भएका घरधूरी विवरण	१३३
तालिका न.१२१ :घरको प्रकार अनुसार घरधूरी विवरण	१३५
तालिका न १२२ . : वडा अनुसार घरपरिवारले प्रयोग गरेको भित्ताको विवरण	१३६
तालिका न.१२३ : वडा अनुसार घरपरिवारले प्रयोग गरेको भुइको प्रकार सम्बन्धी विवरण	१३७
तालिका न.१२४ :वडा अनुसार घरपरिवारले प्रयोग गर्ने इन्धनको स्रोत	१३८
तालिका न.१२५: वडा अनुसार सञ्चारका का माध्यम र साधनको प्रयोग गर्ने घरधूरी	१३९
तालिका न.१२६ :वडा अनुसार यातायात र सवारी साधनको विवरण	१३९
तालिका न.१२७ : वडाअनुसार आधारभूत घरायसी सामग्रीको विवरण	१४०
तालिका न.१२८ : स्थानीय तहको कार्यलयमा पहुचको अवस्था	१४२
तालिका न.१२९ :स्थानीय स्तरमा सुरक्षा निकायमा पहुचको अवस्था	१४३
तालिका न.१३० :खोप केन्द्रमा पहुचको अवस्था	१४४
तालिका न.१३१:गाउघर क्लिनिकमा पहुचको अवस्था	१४५
तालिका न.१३२ :वैकं तथा वित्तिय संस्थामा पहुचको अवस्था	१४६
तालिका न.१३३ : कृषि सेवा केन्द्रमा स्थानीयको पहुच विवरण	१४७
तालिका न.१३४ :सहकारी संस्थामा वडागत रुपमा पहुच सम्बन्धी विवरण	१४९
तालिका न.१३५ :खेलमैदान सम्मको पहुचको आधारमा घरधूरी विवरण	१५०
तालिका न.१३६ :स्थानीय हाट बजारमा पहुचको अवस्था	१५१
तालिका न.१३७:सामूदायिक भवनमा पुग्न लाग्ने समयको आधारमा वडागत विवरण	१५२

तालिका न.१३८:शवदाह गर्ने स्थल सम्मकोसहजता सम्बन्धी विवरण	१५३
तालिका न.१३९ :हुलाक सेवा केन्द्रमा पहुच सम्बन्धी विवरण	१५४
तालिका न.१४०:गैर सरकारी संघ संस्थामा वडावासीको पहुच सम्बन्धी विवरण	१५५
तालिका न.१४१ : अस्थाई विचरणका रुपमा पाइने जनवार र चराचुरुङ्गी	१५८
तालिका न.१४२ : प्राकृतिक प्रकोपको अवस्था	१५८
तालिका न.१४३ : प्रकोपको आधारमा क्षतिको आर्थिक तथा मानविय विवरण	१५९
तालिका न.१४४ : वडा न.१ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६०
तालिका न.१४५ : वडा न.२ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६१
तालिका न.१४६ : वडा न. ३ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६२
तालिका न.१४७ : वडा न.४ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६२
तालिका न.१४८ : वडा न.५ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६३
तालिका न.१४९ : वडा न.६ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६३
तालिका न.१५० : वडा न.७ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६४
तालिका न.१५१ : वडा न.८ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६४
तालिका न.१५२ : वडा न.९ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६५
तालिका न.१५३ : वडा न.१० को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६५
तालिका न.१५४ : वडा न.११ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण	१६६
तालिका न.१५५: सरकारी कार्यलय सँग सम्बन्धीत विवरण	१६७
तालिका न.१५६ : नगरपालिकामा रहेका विभिन्न समूहहरुको विवरण	१६८
तालिका न.१५७ : विकाश साभेदार गर्ने गैर सरकारी संस्था	१६८
तालिका न.१५८	१६९
तालिका न.१५९ : नगरकार्यपालिका सदस्यको नामावली:	१६९

वृत्त चित्र न.	१. क्षेत्रफल - (हेक्टरमा)	१२
वृत्त चित्र न.	२: जनसांख्यिक विवरण	१७
वृत्त चित्र न.	३ :घरमूलिका आधारमा पारिवारीक संरचना	२२
वृत्त चित्र न.	४ : वडा अनुसार अस्थाई बसाई सराई गर्ने जनसंख्याको विवरण	३३
वृत्त चित्र न.	५ : नेपालमै अस्थाई बसोवास गर्नेहरुको वडागत विवरण	३४
वृत्त चित्र न.	६ : भारतमा अस्थाई रुपमा बसोवास गरेका वडागत जनसंख्या विवरण	३६
वृत्त चित्र न.	७ : यूरोप र अमेरिकी देशहरुमा अस्थाई रुपमा बसोवास गरेको विवरण	३७
वृत्त चित्र न.	८ : अस्थाई रुपमा खाडी मूलुकमा बसोवास गर्नेहरुको वडागत विवरण	३८
वृत्त चित्र न.	९ : जापान,कोरियामा कामको कारण अस्थाई बसोवास गर्ने जनसंख्या	३९
वृत्त चित्र न.	१० : अष्ट्रेलियामा बसोवास गरेको वडागत विवरण	४०
वृत्त चित्र न.	११ : अन्य देशमा बसोवास गर्ने जनसंख्या विवरण	४१
वृत्त चित्र न.	१२ : :धर्मको आधारमा जनसांख्यिक बाहुल्यता	५४
वृत्त चित्र न.	१३ : अपाङ्गताको किसिमको आधारमा जनसंख्याको विवरण	६१
वृत्त चित्र न.	१४ : पाँच बर्षमूनिका बालबालिकाको जन्मदरता विवरण	६४
वृत्त चित्र न.	१५ : पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	६६
वृत्त चित्र न.	१६ : वडा न.१ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	६७
वृत्त चित्र न.	१७ : वडा न.२ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	६८
वृत्त चित्र न.	१८ : वडा न.३ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	६९
वृत्त चित्र न.	१९ : वडा न.४ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	७०
वृत्त चित्र न.	२० : वडा न.५ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	७१
वृत्त चित्र न.	२१ : वडा न.६ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	७२
वृत्त चित्र न.	२२ : वडा न.७ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	७३
वृत्त चित्र न.	२३ : वडा न.८ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	७४
वृत्त चित्र न.	२४ : वडा न.९ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	७५
वृत्त चित्र न.	२५ : वडा न.१० को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	७६
वृत्त चित्र न.	२६ : वडा न.११ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण	७७
वृत्त चित्र न.	२७ : वार्षिक पारिवारीक खर्चको विवरण	७८
वृत्त चित्र न.	२८ : वडा न.१ को पारिवारीक खर्चको वार्षिक औषत विवरण	७९
वृत्त चित्र न.	२९ : वडा न.२ को पारिवारीक खर्चको वार्षिक औषत विवरण	८०
वृत्त चित्र न.	३० : वडा न.३ को पारिवारीक खर्चको वार्षिक औषत विवरण	८०

वृत्त चित्र न. ३१	: वडा न.४ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण	८१
वृत्त चित्र न. ३२	: वडा न.५ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण	८१
वृत्त चित्र न. ३३	: वडा न.६ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण	८२
वृत्त चित्र न. ३४	: वडा न.७ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण	८२
वृत्त चित्र न. ३५	: वडा न.८ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण	८३
वृत्त चित्र न. ३६	: वडा न.९ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण	८३
वृत्त चित्र न. ३७	: वडा न.१० को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण	८४
वृत्त चित्र न. ३८	: वडा न.११ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण	८४
वृत्त चित्र न. ३९	:पेशाको आधारमा जनसख्या विवरण	८६
वृत्त चित्र न. ४०	: कृषिजन्य उत्पादनको विवरण	८८
वृत्त चित्र न. ४१	: अन्नवाली भित्रका अन्नहरुको बार्षिक उत्पादन विवरण	८९
वृत्त चित्र न. ४२	: दलहन वाली वर्गको उत्पादनको प्रतिशत	९०
वृत्त चित्र न. ४३	:तेलहन वाली उत्पादनको अवस्था	९१
वृत्त चित्र न. ४४	: कृषिजन्य तरकारी वाली उत्पादनको विवरण	९२
वृत्त चित्र न. ४५	: फलफूल खेतीवाट भएको उत्पादनको विवरण	९३
वृत्त चित्र न. ४६	: विमा गर्नेहरुको वडागत प्रतिशतको विवरण	९६
वृत्त चित्र न. ४७	:खानेपानीको मुख्य स्रोतको आधारमा घरधूरी विवरण	१२१
वृत्त चित्र न. ४८	:खानेपानी शुद्ध बनाउने र नबनाउने घरधूरी	१२२
वृत्त चित्र न. ४९	:खानेपानी सुरक्षित बनाउने प्रयोग गरिने माध्यमको आधारमा घरधूरी प्रतिशत	१२४
वृत्त चित्र न. ५०	:फोहोरको प्रकार अनुसार सड्ने र नसड्नेगरी छुट्याउने घरधूरी प्रतिशत	१२५
वृत्त चित्र न. ५१	:फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी प्रतिशत सहितको विवरण	१२७
वृत्त चित्र न. ५२	:घरमूलिको आधारमा घरधूरी विवरण	१३०
वृत्त चित्र न. ५३	:स्थानीय तहको कार्यलयमा पहुचको अवस्था	१४२

ग्राफ १ : लिङ्ग अनुसार २०७६ साल र २०६८ सालको जनसांख्यिक अवस्था	१९
ग्राफ २ : मातृभाषाको आधारमा जनसंख्या विवरण	५६
ग्राफ ३ : मातृभाषा र लिङ्गका आधारमा जनसंख्या विवरण	५८
ग्राफ ४ : परिचय-पत्रको आधारमा अपाङ्गताको विवरण	६२
ग्राफ ५ : स्थानीय स्तरमा सुरक्षा निकायमा पहुचको अवस्था	१४३
ग्राफ ६ : खोप केन्द्रमा पहुचको अवस्था	१४५
ग्राफ ७ : गाउघर क्लिनिकमा पहुचको स्थिति	१४६
ग्राफ ८ : वैक तथा वित्तिय संस्थामा पहुचको अवस्था	१४७
ग्राफ ९ : कृषि सेवा केन्द्रमा पहुचको अवस्था	१४८
ग्राफ १० : सहकारी संस्थामा वडागत पहुचको प्रतिशत विवरण	१४९
ग्राफ ११ : खेल मैदानमा पहुचको विवरण	१५०
ग्राफ १२ : स्थानीय हाट बजारमा पहुच सम्बन्धी विवरण	१५२
ग्राफ १३ : सामूदायिक भवनमा पहुचको आधारमा प्रतिशत विवरण	१५३
ग्राफ १४ : शवदाह स्थल सम्मको पहुचको अवस्था	१५४
ग्राफ १५ : हुलाक सेवा केन्द्रमा पहुच सम्बन्धी विवरण	१५५
ग्राफ १६ : गैर सरकारी संघ संस्थामा पहुचको अवस्था	१५६

परिच्छेद १: परिचय

यस परिच्छेदमा नगरपालिका पार्श्वचित्र तयारीका आधार, उद्देश्य, विधी प्रकृया र विश्लेषण विधिहरु समावेश गरिएको छ । जसलाई शिर्षक र विभिन्न उप-शिर्षकहरुमा राखि व्याख्या र विश्लेषण गरिएको छ ।

१.१. अध्ययनको परिचय:-

नेपालको सन्दर्भमा नगरपालिका स्थानिय स्तरको सरकार हो । यसले स्थानीय स्तरमा जनतालाई तोकिएको सेवाहरु प्रवाह गर्दछ । नेपालमा रहेका नगरपालिकाहरु स्थानीय स्वायत्त शासन ऐन तथा यस (यस अन्तर्गत जारी भएका) नियमावलि द्वारा निर्देशित भएका छन् । यस नियमावलिमा नगरपालिकाहरुले वस्तुगत विवरण तयार गरी यसैका आधारमा योजना छनौट गर्नु पर्ने व्यवस्था उल्लेख गरेको छ । वस्तुगत विवरण तयारीका लागि सूचना संकलन र विश्लेषण गर्नु पर्दछ । संकलन गरिएका सूचाङ्कलाई यर्थात परक ढंगले राखी वस्तुगत विवरण तयार गर्दा त्यसले नगरपालिका लगायत अन्य सरोकारवालाहरुलाई विकास क्रियाकलाप संचालन गर्न ठूलो सहयोग पुर्याउँदछ । कुनैपनि व्यक्ति, घटना, प्रकृया वा संस्था बारेको तथ्य वा विस्तृत विवरणलाई सामान्यतः सूचना भनिन्छ । सूचनाहरु संकलनका आधार २ प्रकारका हुन्छन् -प्राथमिक र द्वितिय सूचना । सूचना संकलनकर्ता आफैले सम्बन्धीत क्षेत्रमा गएर संकलन गरिन्छ भने त्यस्तो सूचना प्राथमिक सूचना हो । अरुले संकलन गरेको सूचनालाई द्वितिय सूचना भनिन्छ । यि सूचनालाई संकलन, प्रशोधन (तालिकाकरण, व्याख्या वा विश्लेषण) तथा प्रकाशन गर्ने सम्मका सम्पूर्ण कार्यहरु सूचना व्यवस्थापन अन्तर्गत पर्दछ । आवश्यकता अनुसार चाहिएको मात्रामा र समयमा सूचना प्राप्त गर्न सकियोस् भन्ने उद्देश्यले सूचना व्यवस्थापन गरिन्छ । व्यवस्थित गरीएको सूचनालाई आवश्यक मात्रामा निकाल्ने र प्रयोग गर्न सकिने हुनुपर्छ । सूचनाहरु व्यवस्थापन नगरी सवै वा अनावश्यक मात्रामा दिदा मुख्य विषय छुट्ने वा ओभरलमा पर्ने सम्भावना हुन्छ । त्यसकारण सूचनाको व्यवस्थापन आवश्यक हुने गर्दछ ।

नगरपालिकाको वस्तुगत विवरण वा नगरपालिकाको पार्श्वचित्र भनेको यसको प्रतिविम्ब हो । जसरी मानिसले आफूलाई ऐनाको अगाडी उभिएर आफ्नो मूल्यांकन गर्छ । जस्तो मेरो रंग अलि कालो छ , अनुहार थप्लो छ , कालो तिलकोठी पनि छ । कपाल लामो छ । आँखा अलि भित्र पसेको छ । नाक चुच्चो छ भनी आफ्नो वर्णन आफै गर्छ । त्यसरी नै यस नगर वा नगरपालिकाको पार्श्वचित्रले सो नगरपालिकाको तथ्याङ्कीय भाषामा सवै कुरा उल्लेख गर्छ । जस्तोकि- यस ठाउँमा वसोवास गर्ने विभिन्न उमेर समूहको जनसंख्या यति, महिला, पुरुष तथा अपाङ्गको संख्या आदी । त्यसैले यो वस्तुगत विवरण सहितको दस्तावेज भनेको नगरपालिकाको लागि हिन्दु धर्ममा आस्था राख्नेका लागि 'गीता', क्रिस्चियनका लागि 'बाइबल', किरातका लागि 'मुन्धुम', बौद्धका लागि 'त्रिपिटक' जत्तिकै हो । समयले फड्को मार्दै जाँदा अहिले हामी एक्काइसौं शताब्दि मा आइपुगेका छौं । यो समय भनेको विज्ञान र प्रविधिको संयोजन लाई अधिकतम मानविय हित अनुकुल बनाई सहश्राब्दि विकाशको लक्ष्य हासिल गर्नु हो । यसरी लक्ष्य हासिल गर्नको लागि दुरगामी महत्वको कार्यक्रमका योजनाको आवश्यकता पर्दछ । नगर पार्श्व चित्र पनि सम्बन्धित नगरको लागि सहश्राब्दि विकासको लक्ष्य हासिल गर्ने एक दुरगामी महत्वको कार्यक्रमिक योजना हो । त्यसैले यस पार्श्वचित्र स्थानीय सरकारको लागि ऐना जत्तिकै हो साथै यो नगरपालिकाको लागि नगरको भाग्य र भविष्य निर्धारण गर्ने दुरगामी महत्वको दस्तावेज हो ।

नगरको विकास निर्माण र सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा स्थानिय तहको भूमिका बढिरहेको सन्दर्भमा नगर विकास सम्बन्धी सूचना व्यवस्थापन नगरपालिकाको एक महत्वपूर्ण कार्य हो । नगरपालिकाहरुमा वस्तुगत विवरणहरु राज्यको पुर्नसंरचना, स्थानिय निकाय र तहहरुको स्वरूपमा भएको फेर बदलले गर्दा वस्तुगत विवरणहरु अपूर्ण छन् भने तिनिहरुमा एकरूपताको अभावका कारण योजना निर्माणका कार्यमा कठिनाई उत्पन्न भएको देखिन्छ । नगरपालिकाका विविध पक्षहरुको वास्तविक स्थितिको तथ्यांक र सूचना विना कुनैपनि योजनाको सहि छनौट हुन सक्दैन । तसर्थ वस्तुगत विवरणको आधारमा प्राथमिकताक्रम निर्धारण गरी वास्तविक आवश्यकता र जनताको चाहनामा आधारित कार्यक्रम संचालन गर्न तथा भविष्यका लागि पूर्व तयारी गर्न समेत यसले सहयोग गर्नेछ ।

नगरको भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक इत्यादि सम्पूर्ण पक्षहरू जस्तै, नगरपालिकाको वाई अनुसार जनसंख्याको स्थिति, महिला, पुरुष तथा बालबालिका, अपाङ्गताको अवस्था बसाइसराइको अवस्था के, कस्तो अवस्था छ, एवं विकासका पूर्वाधारहरूको अवस्था के कस्तो रहेको छ भन्ने पक्षलाई प्रस्तुत नगरपालिकापार्श्वचित्रमा समेट्ने प्रयास गरिएको छ । यहाँ छरिएर रहेका तथा अव्यवस्थित रूपमा रहेका नगरपालिकाका सूचनाहरूलाई व्यवस्थित गर्न तथा एकिकृत गर्ने प्रयास गरिएको छ ।

स्थानिय निकायको पून(संरचना भए पश्चात् करिब २० वर्षपछि निर्वाचन भई निर्वाचीत जनप्रतिनिधिहरू स्थानिय तहमा पद वहाली भइ काम गर्न थालेको अवस्था छ । यस स्थानिय तहलाई व्यवस्थित ढंगले सञ्चालन गर्नका लागि , स्थानिय सरकारको काम , कर्तव्य र अधिकारलाई व्यवस्थित गर्न स्थानिय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ लागू भैसकेको छ । जस अनुसार ऐनको दफा - ११ उपदफा २ को च, ड, र थ मा जनसाङ्खिक , सामाजिक , आर्थिक, संस्कृतिक, भौतिक पूर्वाधार, प्राकृतिक, रोजगारी अवस्था, कुल ग्राहस्थ उत्पादन, प्रतिव्यक्ति आम्दानी राजस्व तथा आयव्यय, मानव विकास सूचांक जस्ता सूचनाका INDICATOR माध्यम द्वारा तथ्याङ्क सङ्कलन गरि त्यसलाई अध्यावधिक रूपमा सूचना प्रणालीमा राखनुपर्ने स्थानिय सरकारलाई दायित्व छ । स्थानियतहको योजना तर्जुमा, बजेट, कार्यक्रम छनौट र विनियोजन गर्दा भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, तथा पूर्वाधार लगायत क्षेत्रको यथार्त स्थिति आकलन गरि मात्र विनियोजन गर्न निर्देशन प्राप्त छ ।

केन्द्रीकृत शासन प्रणालीबाट प्रादेशिक (संघात्मक) शासन प्रणालीमा रुपान्तरित भएपछि हाम्रो देशको प्रशासनिक, राजनैतिक, संरचनागत स्वरूपमै परिवर्तन भएको छ । सोहि अनुरूप विगतमा रहेका केन्द्र, विकास क्षेत्र, जिल्ला तथा गाउँविकास समिति र नगरपालिकाको संरचनाहरूमा परिवर्तन भई संघ, प्रदेश र स्थानिय तहको रूपमा वर्गिकरण गरिएको हालको संरचनामा केन्द्र सरकार-१,प्रदेश सरकार-७ र स्थानिय सरकार(७५३मा परिवर्तित छ । स्थानिय तह अन्तर्गत महानगरपालिका-६, उपमहानगरपालिका-११, नगरपालिका-२७६ र गाउँपालिका-४६० रहेका छन् ।

सप्तकोशी नगरपालिका सप्तरी जिल्लाको सदरमुकामबाट ५४ किलोमिटरको दुरीमा अवस्थित छ । यस नगरपालिकाले फत्तेपुर पूर्वमा सप्तकोशी नदि तथा कोशी टप्पू वन्यजन्तु आरक्ष, पश्चिममा चुरे पहाड,उत्तरमा त्रियुगा नदि तथा बेलका नगरपालिका, दक्षिणमा कन्चनरुप नगरपालिकासँग यसको सिमाना जोडिएको छ । यस सप्तकोशी नगरपालिका राज्यको पुनसंरचना भइसके पछाडी यसको पनि संरचना, आकार र क्षेत्रफलमा बृद्धि भै हाल पहिलाको फत्तेपुर, ओढाहा र कमलपुरको सम्पूर्ण क्षेत्रहरू मिलेर ११ वटा वडाहरूमा अवस्थित रहेको छ । यस सप्तकोशी नगरपालिका अन्तर्गत ५०३३ घरधुरीहरू रहेको यस अध्ययनका क्रममा पाइएको छ ।

१.२. उद्देश्य:-

यस नगरपालिकासंग सम्बन्धीत सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, भौगोलिक तथा स्वास्थ्य र जनसंख्यिक अवस्था भल्कने विवरणहरू तयार गर्दै योजना छनौट, कार्यन्वयन र तर्जुमा तथा अनुगमन र मुल्यांकनलाई सहयोग पुर्याउने उद्देश्यमा अध्ययन केन्द्रित मुख्य उद्देश्य पनि रहेको छ । जसलाई निम्न वुदाहरूमा उल्लेख गरीएको छ ।

१. नगरपालिकाको वडागत जनसंख्यिक विवरण लगायत घरधुरी तथ्याङ्क संकलन गर्ने ।

२. शैक्षिक अवस्थाको सूचना संकलन गर्ने ।

३. सामाजिक,सांस्कृतिक अवस्थाबारे जानकारी लिने ।

४ आर्थिक अवस्थाको बारेमा जानकारी संकलन गर्ने ।

यिनै उद्देश्यहरूको सेरोफेरोमा रहेर यस अध्ययन विषयगत तथ्याङ्कहरूलाई तथ्याङ्कीय भण्डारणको रूपमा प्रस्तुत गरिने छ ।

१.३. अध्ययनको महत्व :-

विकासका प्रतिफलहरु जनता समक्ष पुर्याउन र साभेदारहरुलाई अनुभूत गराउन एंव सवै वर्गले उपयोग गर्न सक्ने वातावरणको श्रृजना गर्नका लागि स्थानिय तहको वास्तविक वस्तुस्थिति र आवश्यकताको पहिचान गर्नु आजको सन्दर्भमा प्रमुख आवश्यकता रहेको छ । आजको विश्वव्यापिकरणको युगमा समय सापेक्ष ढंगले समानुपातिक विकाशका प्रकृयाहरुलाई अगाडी बढाउन सम्बन्धीत क्षेत्रको वस्तुगत र विश्लेषणात्मक अध्ययन हुनु जरुरी छ । यस अध्ययनले सम्बन्धित क्षेत्रको वास्तविकता, वस्तुस्थिति पहिचान गरि भावि विकाश योजना र रणनीतिहरु तर्जुमा गर्नमा विशेष महत्व राख्ने छ । यसका अतिरिक्त प्रस्तुत नगरपालिका सग सम्बन्धित क्षेत्रका संस्था, अनुसन्धानकर्ता, योजनाकार, विकाश चिन्तक, समाजसेवी लगायत जिज्ञासु महानुभावहरुलाई समेत उपयोगी हुने भएकोले यस अध्ययनको महत्व अति नै व्यापक रहेको छ ।

१.४ अध्ययनको आवश्यकता र औचित्य :-

नेपाल सरकारले स्थानिय तह अन्तर्गत नगरपालिकाहरुलाई दिदै आएको विकाश अनुदानमा बर्षेनि बढ्दोतरी भै रहेको छ । केन्द्र सरकारले नगरपालिकाहरुको न्यूनतम शर्त मापनका सूचांकहरु लागु पनि गरेको हुँदा ति सूचांकहरु मध्ये हरेक नगरपालिकाहरुले आफ्नो क्षेत्रको वस्तुगत विवरण तयार गर्नुपर्ने अनिवार्य व्यवस्था मिलाएको छ । जसका कारण प्रत्येक आर्थिक वर्षमा यसको मुल्यांकन गरीने हुँदा वस्तुगत विवरण अध्ययनको आवश्यकता देखिएको हो । नगरपालिकाले वस्तुगत विवरणका आधारमा श्रोत साधनको व्यवस्थापन र उचित कार्यक्रमहरुको तर्जुमा कार्यन्वयन एंव अनुगमन र मूल्यांकन का साथै नीति नियम तर्जुमामा सहयोगी हुने हुँदा पनि यो अध्ययन अपरिहार्य बन्न पुगेको छ ।

१.५ अध्ययन विधि र प्रकृया :-

उपलब्ध कानूनी र नीतिगत व्यवस्था र विभिन्न नगरपालिकाहरुले अभ्यास गरेका र संघिय मामिला स्थानिय विकास मन्त्रालयबाट जारी नगरपालिका वस्तुगत विवरण ढाँचा अनुसार यस नगरपालिकाको वस्तुगत विवरण तयार गरिएको छ । यस नगरपालिका वस्तुगत विवरण आवधिक नगरपालिका योजना तर्जुमाका लागि आधार रेखा र नगरपालिका योजनाको अनुगमन तथा मुल्यांकनका लागि आधारभूत सूचनाको आधार सहित देहायका विधि तथा प्रकृया जनगणनाको आधारमा पुरा गरिएको थियो । यस घरधुरी सर्वेक्षणकालागी मिति २०७६ साल माघ महिनाको ९,१०,११ र १२ गते ४ दिन २२ जना तथ्याङ्क संकलकहरुलाई तालिम दिइएको थियो । यस तालिम अवधिमा गणकहरुले तथ्याङ्क संकलनका वारेमा सैद्धान्तिक ज्ञानका साथै फिल्डमा गएर प्रत्यक्ष अन्तवार्ता पनि गरेका थिए । यसमा जम्मा २२ जना गणकले स्थलगत घरधुरी सर्भेक्षण गरेका थिए । ती गणकहरुलाई यस सर्भेक्षण सम्बन्धि २ दिनको तालिम पहिला Paperwork सिकाएर Software Application निर्माण गरि Tablet मा data collection गराइएको थियो । यस Software र गणकहरुलाई तथ्यांक संकलन गर्नु पूर्व २ दिनको पूर्व परिक्षण समेत गरी ४ दिनमा दक्ष बनाई सर्भेक्षण कार्यका लागि यस सप्तकोशी नगरपालिकाको ११ वटा वडाहरुमा २-२ जनाको दरले खटाइएको थियो ।

१.५.१ घरधुरी सर्भेक्षण (प्राथमिक श्रोत) :-

स्थानिय विकास मन्त्रालयबाट जारी नगरपालिका वस्तुगत विवरणको ढाँचा, नगर विकास योजनाको आधार सूचनाको ढाँचा अनुसार घरधुरी सर्भेक्षणबाट सूचना संकलन गरिएको थियो । साथै घरधुरी सर्भेक्षणका लागि तथ्यांक विवरणहरु विभिन्न अध्ययन सर्भेक्षण र प्रतिवेदनबाट सूचाङ्कहरुको आधार तयार गरी अर्थात् प्रश्नावली बनाई अध्ययन सर्भेक्षण कार्य गर्नु भन्दा अगाडी पूर्वपरिक्षण(Pre-Testing) गरि पूर्वपरिक्षण गरी सके पश्चात् यसलाई प्रयोगमा ल्याइएको थियो। यसरी घरधुरी सर्भेक्षणका लागि तयार भएका प्रश्नवलीका माध्यमबाट सूचना संकलन गर्न जनगणना विधी अपनाई स्थानिय गणकहरुलाई तालिम प्रदान गरी घरधुरी सर्भेक्षणबाट तथ्यांक संकलन गरिएको थियो।

१.५.२ संस्थागत सर्भेक्षण (दोश्रो श्रोत) :-

पेशागत विज्ञहरु र प्राविधिक टोलीहरुले संस्थागत श्रोत तथा अध्ययन र प्रतिवेदन जस्ता श्रोतहरुबाट आवश्यक तथ्यांक, सूचना विवरणहरु संकलन गरिएकोथियो । यस नगरपालिका वस्तुगत विवरणमा दोश्रो श्रोतमा संस्थागत तथा अध्ययनका लागि सूची तयार गरीएकोथियो जसमा नगरपालिका, स्वास्थ्य संस्था, विद्यालय, सेवाकेन्द्र तथा संघ संस्थामा उपलब्ध तथ्यांक गरिएको छ । यसैगरी राष्ट्रिय जनगणना, नेपाल जीवनस्तर सर्भेक्षण, आर्थिक सर्भेक्षण, कृषि गणना तथा विभिन्न उपलब्ध विषयगत अध्ययन प्रतिवेदनहरुलाई यस द्वितीय श्रोतमा समावेश गरिएको छ ।

१.५.३ तथ्यांक विश्लेषण र प्रस्तुतिकरण :-

घरधुरी सर्भेक्षणका तथ्यांकहरुलाई computer software तयार गरी प्रत्येक घरधुरीको संकलित तथ्यांकलाई computer प्रणालीबाटै प्रशोधन गरि तथ्यांकशास्त्रीय विधी द्वारा तथ्यांक विश्लेषण गरीएको छ । विश्लेषित तथ्यांकहरुलाई नगरपालिका वस्तुगत विवरणमा उल्लेख गरिएको छ । दोश्रो श्रोतबाट प्राप्त तथ्यांकलाई घरधुरी सर्भेक्षणबाट उपलब्ध या प्राप्त हुन नसक्ने नगरविकासको वस्तुगत चित्रण गर्ने तथा दुई समयावधिका तुलनात्मक विवरण भल्काउने गरि प्रस्तुत गरिएको छ । प्राथमिक तथ्यांकको विश्लेषणका लागि घरधुरीलाई मुख्य गरेर टोल, वार्ड, जनसंख्या, उमेर, लिङ्ग र जातियताका आधारमा वर्गिकरण पनि गरिएको छ । तथ्यांकलाई विश्लेषण गर्ने क्रममा प्राप्त सूचनालाई तालिका, चित्र र नक्सामा समेत प्रस्तुत गरिएको छ । यसै क्रममा घरधुरी सर्भेक्षणबाट प्राप्त सूचनालाई वर्णानात्मक तथ्यांकीय विधिबाट विश्लेषण पनि गरिएको छ । यस अध्ययनको आवश्यकता अनुरूप विभिन्न माध्यम द्वारा तथ्याङ्क लाई प्रस्तुत गरिएको छ ।

१.५.४ नगरपालिका वस्तुगत विवरण अन्तिम प्रतिवेदन तयारी :-

नगरपालिका स्तरीय साभेदारी, सरोकारवाला बाट प्राप्त राय सल्लाह सुभाब समावेश गरी यस प्रतिवेदनलाई अन्तिम रूप दिइएको छ । यसका लागि Reflecting workshop stakeholder गराई Data को प्रमाणिकरण गरिएको छ । यस सर्भेक्षणबाट प्राप्त नतिजा/तथ्याङ्कहरुलाई सूचना प्रविधि को प्रयोग हुने भविष्यमा Digitization process को प्रकृत्यामा समावेश गराउन सहज र सरल हुने गरी व्यवस्थापन गरीएको छ र यस अध्ययन बाट प्राप्त तथ्याङ्कहरुलाई नगरपालिका स्तरिय गोष्ठी द्वारा प्रमाणित गरी लाइभ (live) गरिएको छ ।

१.६ अध्ययनको क्षेत्र र सीमा :-

प्रस्तुत प्रोफाइलको अध्ययन क्षेत्र विस्तृत भएको हुदा अध्ययनको उद्देश्यले दर्शाएका विषय वस्तुलाई नै मुख्य क्षेत्रको रूपमा लिइएको छ । नगरपालिका वस्तुगत विवरणलाई संघीय मामिला तथा विगतमा नगरपालिकाले स्थानीय विकास मन्त्रालयबाट जारी गरेका ढाँचा अनुसार यो नगरपालिका प्रोफाइल तयार गरिएको छ । यो नगरपालिका वस्तुगत विवरण स्थानिय तहको पूर्णसंरचना पश्चातको पहिलो स्थलगत सर्भेक्षणको लिखित दस्तावेज भएको कारणले केहि कमी कमजोरीहरु रहन सक्ने सम्भाव्यतालाई नर्कान नसकिने हुँदा यसलाई आगामी दिनमा परिमार्जन गर्दै लान सकिने रूपमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

परिच्छेद २: नगरपालिकाको परिचय

२.१. सप्तकोशी नगरपालिकाको परिचय

यस परिच्छेदमा भौगोलिक तथा प्रशासनिक अवस्थिति, ऐतिहासिकता पर्यटकिय अवस्थितिका साथै मनोरम स्थलहरूका विवरण, तथ्यांक र विश्लेषणहरू समेटिएका छन् । र ति तथ्याङ्कहरूलाई तालिका, ग्राफ मा तथा प्रतिशतका माध्यम द्वारा यस परिच्छेदको चर्चा गरिएको छ ।

२.२. भौगोलिक तथा प्रशासनिक अवस्थिति

सप्तकोशी नगरपालिका सप्तरी जिल्लाको नक्सामा सदरमुकामबाट पूर्व उत्तर भागमा अवस्थित रहेको देखिन्छ । यस नगरपालिकाको नक्सामा हेर्दा लम्बाकार रुपमा ठाडो आकारमा अवस्थित रहेको छ । सप्तकोशी नगरपालिकाको अक्षांश २६.७१ डिग्रि र देशान्तर ८६.८९ डिग्रि रहेको छ । यो नगरपालिका ६०.३१ वर्ग किलोमिटर मा फैलिएको छ । यस नगरपालिकाको फत्तेपुर पूर्वमा सप्तकोशी नदि तथा कोशी टापू वन्यजन्तु आरक्ष पश्चिममा चुरे पहाड, उत्तरमा त्रियुगा नदि तथा बेलका नगरपालिका, दक्षिणमा कन्चनरुप नगरपालिकासँग यसको सिमाना जोडिएको छ। यस नगरपालिकाको मुख्यगरी फत्तेपुर बजार यहाँको प्रमुख व्यापारिक केन्द्र हो । जमिनको भूबनोट अनुसार यस नगरपालिकाको जमिन भित्री तराई क्षेत्रभित्र नै पर्दछ । उष्ण र समशितोष्ण हावापानी भएको यस नगरपालिकामा गर्मी याममा अधिकतम ४३ डिग्रि सेल्सीयस र जाडो मौसममा न्यूनतम तापक्रम ४ डिग्रि सेल्सीयस सम्म पुग्ने गरेको छ । समुन्द्र सतह भन्दा ७५ मिटर देखि ८१ मिटर सम्म उचाइ भएको भू-धरातल रहेको छ । यस नगरपालिकाको लगभग २५ प्रतिशत भूभाग वन जंगल, नदीनाला, पोखरी र आवास क्षेत्रले ढाकेको पाईन्छ भने ७५ प्रतिशत भूभागमा कृषियोग्य जमिन रहेको देखिन्छ । प्रशासनिक अवस्थितिका आधारमा यस नगरपालिकालाई निम्नानुसार तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.१ : प्रशासनिक अवस्थिति

क्रासं।	नयाँ वडा	समावेश गा.वि.स र नगरपालिका	जनसंख्या (२०६८)	क्षेत्रफल(वर्ग कि।मी।)
१	१	सप्तकोशी नापाठ १ण	४४३१	७।८९
२	२	सप्तकोशी नापाठ २ण	२३१५	२।८८
३	३	सप्तकोशी नापाठ ३ण	११२४	५।०६
४	४	सप्तकोशी	२१२२	१।७१

		नापाठ४ण		
५	५	सप्तकोशी नापाठ५ण	१३१२	१२१०९
६	६	सप्तकोशी नापाठ६ण	१५१३	२१५५
७	७	सप्तकोशी नापाठ७ण	१२९३	११६
८	८	सप्तकोशी नापाठ८ण	१६८८	११५९
९	९	सप्तकोशी नापाठ९ण	१४९२	२१७४
१०	१०	सप्तकोशी नापाठ१०ण	२०९९	११०५
११	११	सप्तकोशी नापाठ११ण	१७४३	२१११५
	जम्मा		२११३२	६०१३१

श्रोत :- संघिय मामिला मन्त्रालयको वेब साइट

माथिको तालिकामा सप्तकोशी नगरपालिका भित्र रहेका वडाहरु विवरण क्षेत्रफल संघिय मामिला मन्त्रालयको वेबसाइट वाट लिइएको हो । जस अन्तर्गत यस नगरपालिकाको क्षेत्रफलको आधारमा सवैभन्दा ठूलो वडाको रुपमा ११ न वडा र सवैभन्दा सानो वडाको रुपमा वडा न १० रहेको देखिन्छ । यस नगरपालिकाका पहिला निम्नानुसारका गाउँ तथा टोलहरु समेटिएर नगरका रुपमा हाल अवस्थित छन् । जसलाई निम्नानुसार तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.२ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.१ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	पारुहाडुग टोल	
२	हरियाली टोल	
३	शान्तिनगर टोल	
४	आदर्श टोल	
५	शिवालय टोल	
६	रत्नमाला टोल	

७	हेडवाध टोल	
८	हनुमान मार्ग	
९	कल्याणकारी माग	
१०	राधा कृष्ण मार्ग	
११	माँ भगवति	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न.३ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.२ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	दास टोल	
२	सत्य नारायण	
३	डिहिवार वावा	
४	उद्मशिल टोल	
५	सयपत्री	
६	मिलन मार्ग	
७	भगवति	
८	सुकुम्बासी टोल	
९	तीन कुने मार्ग	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न.४ :सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.३ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	शिवालय टोल	
२	पिपल चौक	
३	उत्तर टोल	
४	नव दुर्गा टोल	
५	नया वस्ति टोल	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न.५ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.४ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	तुलसी मार्ग	

२	प्रगति टोल	
३	बगैचा टोल	
४	तुलसी चौक	
५	डिहिवार वावा डिहिवार वावा	
६	शान्तिनगर टोल	
७	शितल नगर टोल	
८	रामजानकी टोल	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न. ६ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.५ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	पिपल टोल	
२	आदर्श टोल	
३	अक्वनी टोल	
४	वाँसघारी टोल	
५	गंगाजली टोल	
६	डीना भद्री टोल	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न. ७ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.६ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	नया सलहेश टोल	
२	रामजानकी टोल	
३	म्यागनिज टोल	
४	स्कूल टोल	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न. ८ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.७ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	खलिफा टोल	
२	मिलन टोल	
३	शान्ति टोल	
४	चकरघट्टा टोल	
५	कोशीताल कम्पनी टोल	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न.९ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.८ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	मन्दिर टोल	
२	मंगल टोल	
३	मयुर टोल	
४	बजरंग वली टोल	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न.१० : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.९ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	पाटन टोल	
२	साविक टोल	
३	स्कूल टोल	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न.११ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.१० को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	भगनी अकवनी टोल	
२	कमलपुर मलाह टोल	
३	गंगजली टोल	
४	अकवनी पहाडे	
५	सन्तपुर टोल	
६	भगनी चौधरी टोल	
७	भगनी हटिया टोल	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

तालिका न.१२ : सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.११ को टोल सम्बन्धी विवरण

क्र.स	टोल/बस्तीको नाम	कैफियत
१	अम्बनी टोल	
२	भग्नी टोल	
३	धारा टोल	
४	धोवी टोल	
५	साडा टोल	

६	नया वस्ती	
७	मण्डल टोल	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/०७७

२.३. ऐतिहासिक चिनारी तथा नामाकरण

नेपालको प्रमुख तिन नदी मध्ये एक नदी सप्तकोशी हो । बोलीचालीको भाषामा यसलाई कोशी नदि पनि भन्ने गरिन्छ । विभिन्न सातवटा नदीहरू मिलेर कोशी जलाधार क्षेत्र बनेको छ । यो चीनको त्वाङ्गो नदि पछीको अत्यधिक तिब्र गतिमा बहने र बालुवा बोक्ने संसारको दोस्रो नदि हो । यसलाई बिहारको दुःख पनि भनिन्छ । यो नदि बिहारको कर्सेला घाटमा पुगेर गंगामा मिसिन्छ । पौराणिक कथा अनुसार कौशिक ऋषिले तपस्या यहि गरेको हुनाले उनैको नामबाट कोशी नदि नाम रहन गएको किम्बदन्ती पाइन्छ । यस नदीको किनारमा चतरा, बराहक्षेत्र, कंकालिनी माई जस्ता महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलहरू रहेका छन् । यस्तो पवित्र विशेषता बोकेको नदीको नाम बाट सप्तकोशी नगरपालिका नामाकरण गरिएको हो । नेपालको पवित्र एवं सवैभन्दा ठुलो नदीको रूपमा चिनिने सप्तकोशी नदीको नामबाट नामाकरण गरिएको यो नगरपालिका प्राकृतिक स्रोत र साधनले सम्पन्न, ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक दृष्टिकोणले महत्वपूर्ण मानिन्छ ।

संघीय संरचना पश्चात नेपालको प्रदेश नं २ कोसप्तरी जिल्ला स्थित यो सप्तकोशी नगरपालिका साविक का गा.वि.स फत्तेपुर,ओद्राहा, र कमलपुर मिलाई वि.स २०७१ साल मङ्सिर १६ गते घोषणा गरिएको हो । कुल ६०.३१ वर्ग किलोमिटर क्षेत्रफलमा फैलिएको ११ वडा भएको यो नगरपालिका भित्र विभिन्न जात(जति,भाषा(भाषी तथा संस्कृति र परम्पराले भरिपूर्ण जनसंख्याको बसोबास रहेको छ । यस नगरपालिकाको पूर्वमा सप्तकोशी नदि तथा कोशी टप्पू बन्धनजन्तु आरक्ष, पश्चिममा चुरे पहाड,उत्तरमा त्रियुगा नदि तथा बेलका नगरपालिका, दक्षिणमा कन्चनरुप नगरपालिका बीच अवस्थित रहेको छ । यस सप्तकोशी नगरपालिकाको फत्तेपुर बजारको शिरोभागमा ऐतिहासिक चन्द्रनहरको सिचाई प्रणालीमा त्रियुगा नदीको मुलधार प्रवाहित भई बगिरहेको परिवेश अवस्थित छ । यो नगरपालिका पूर्व-पश्चिम राजमार्ग अन्तर्गत को कञ्चनपुर देखि १२ कि.मि उत्तरमा अवस्थित छ । नेपालको प्रथम चन्द्रनहर, पौराणिक कोशी मेला, कमल दह पर्यटकीय स्थल सिमसार क्षेत्र तथा अर्नाको लागि साथै होटेल, पर्यटन र हात्ति सवारको सम्भावना भएको पूर्वको सौराहाको रूपमा लिईने प्रसिद्ध कोशी टप्पू बन्धनजन्तु आरक्ष, तुलसी चौक पिकनिक स्पोर्ट र चुरेक्षेत्रको घना जंगल तथा मनोरम थुम्काहरू रहेको छ । कोशी टप्पू बन्धनजन्तु आरक्ष मा हरेक वर्ष साइबेरिया बाट चराचुरुंगी आउने भएको हुदा यस नगरपालिकाले पर्यावरणिय पर्यटनको प्रचुर सम्भावना बोकेको देखिन्छ । यसका साथै जल यात्रामा रमाउने पर्यटकहरूको लागि पनि यहा अपार सम्भावनाहरू रहेको देखिन्छ ।

२.४. राजनैतिक अवस्था

सप्तरी जिल्लाको विकाशोन्मुख नगरपालिकाको रूपमा अधि बढी रहेको यस सप्तकोशीनगरपालिकामा राजनितिमा चासो राख्ने व्यक्तिहरूको संख्या भने यहा कम छैन । विभिन्न आन्दोलनका क्रममा यहाका बासिन्दाहरूको प्रत्यक्ष तथा

अप्रत्यक्ष रुपमा संलग्नता रहेको पाइन्छ । २०४६ सालको प्रजातान्त्रिक आन्दोलनका निमित्त संगठित रुपमै यहाका जनताहरुको संलग्न रहेको बताउदछन् । तात्कालिन द्वन्द समयताका यहाका बासिन्दाहरुले अविश्वरणीय घटनाहरुको सामना गर्नु परेको तथा स-साना बालबालिका देखि बुढापाकाहरुमा समेत यहाँ घटेका घटना विभिन्न जनयुद्धका घटनाहरुको स्मरण अझै मानसपटलमा ताजै देखिन्छ । विभिन्न राजनितिक साथै अधिकार प्राप्तिका लागि भएको आन्दोलनमा यहाँका मानिसहरुको प्रत्यक्ष/परोक्ष रुपमा समर्थन र सहभागिता रह्यो । यिनै घटनाहरुले गर्दा यहाका मानिसहरुमा राजनितिप्रतिको चासो र चेतनाको स्तर बढेको पाइन्छ । त्यसैले राजनीतिक रुपमा सू-सूचित जनमानस यस नगरपालिकामा रहेका छन् ।

२.५. भू-धरातल

भू सूचना प्रणाली -Geographical Information System (GIS) अनुसार यस सप्तकोशीनगरपालिकाको भू अवस्थिति/धरातल भित्री तराइको भूमीका रुपमा विद्यमान रहेको छ । यद्यपी खोला नाला खोल्सा तथा पोखरीहरुले यस क्षेत्रको धरातलिय स्वरुपमा एकरुपता आउन दिइएको छैन । समथर भूभागको आधारमा हेर्दा २६ डिग्री देखि ८७ डिग्री सम्मको समथर जमिन यो नगरपालिकामा अवस्थित छ। यस नगरपालिका समुन्द्र सतहबाट करिब ७५ मिटरको उचाइ देखि ८१ मिटरसम्मको उचाइमा अवस्थित छ ।

२.६. भू-उपयोग, वस्ति विकास र सहरिकरण

२.६.१ भू-उपयोगको अवस्था:

कृषि यस नगरपालिकाको मुख्य पेशा हो । नगरपालिकाको २४८४ हेक्टर मध्ये धनहर १७०९.३ हेक्टर खेती योग्य जमिन रहेको देखिन्छ । समथर उब्जाउ, चिम्ट्याइलो, दोमट र बलौटे माटो भएकाले यस क्षेत्रमा कृषि उत्पादनको अझ बढी सम्भावना बोकेको देखिन्छ । कृषि अन्तर्गत खाद्यन्न, दलहन, तेलहन, नगदेवाली, तरकारी खेती, फलफूल खेती, माछापालन र पशुपालनका परम्परागत तथा आधुनिक अभ्यासहरु मार्फत भू उपयोग गरिएको छ । यसैगरी २६७.६९ हेक्टर भिठको रुपमा रहेको छ भने बाकी क्षेत्र (५०७.०१) नदिनाला र चरन क्षेत्र तथा वन क्षेत्र रहेको छ । सप्तकोशी नगरपालिकामा सिचाई सम्बन्धि नहर र डिपवोर्डिड ४ वटा प्रयोग रहेका छन् । अन्य स-साना खोला, खोल्सीहरुबाट परम्परागत रुपमा सञ्चालनमा आएका सिचाइका कुलाहरु मार्फत यस नगरपालिकाका कृषि योग्य भूमिमा सिचाइ सुविधा उपलब्ध भएको देखिन्छ । यस नगरपालिकाको क्षेत्रफललाई हेर्दा २५ प्रतिशत जति भूभाग वनजंगल, नदीनाला, आवास, पोखरी, सिमसार सडक संजाल र औद्योगिक क्षेत्र आदिले ढाकेको छ । बाँकी भूमि कृषि योग्य जमिनको रुपमा देखिन्छ । जसलाई निम्नानुसारको तालिका मा अझ विस्तृत रुपमा देखाइएको छ ।

तालिका न. १३ : सप्तकोशी नगरपालिका भु-उपयोग विवरण

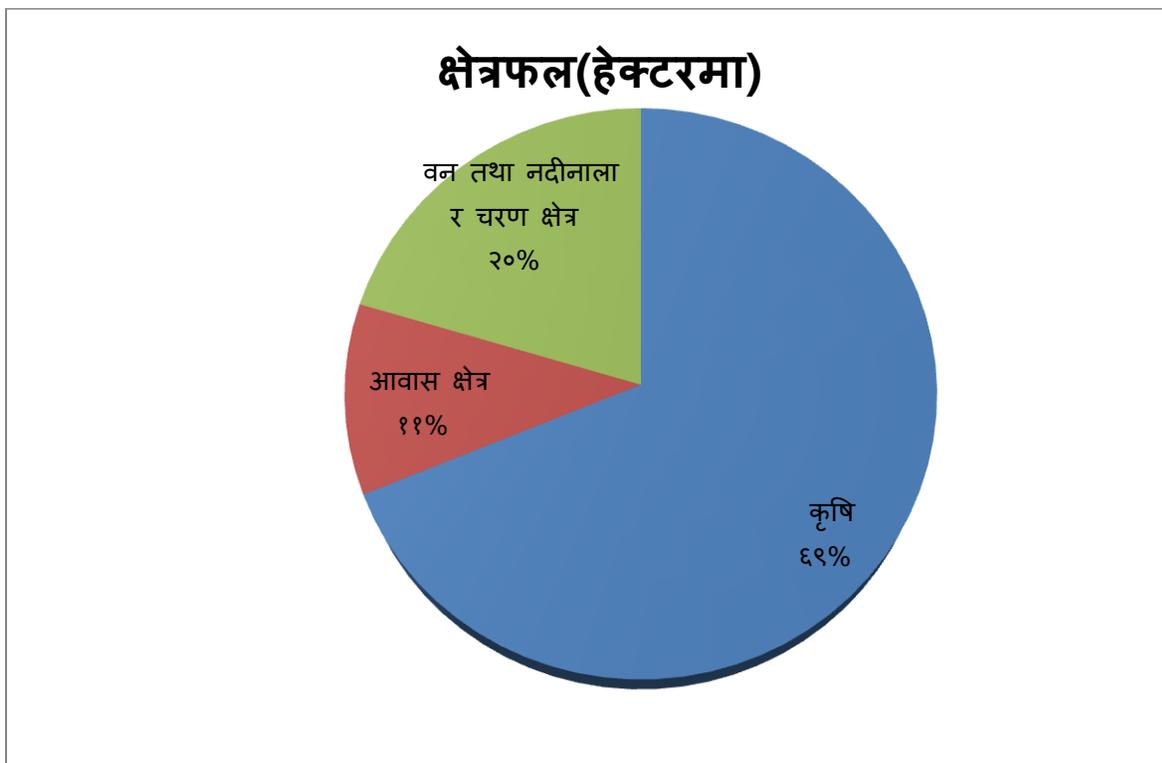
क्र.स.	साविक गा.वि.स	खेती गरिएको क्षेत्र		कुल क्षेत्र हेक्टर
		कृषिक्षेत्र	आवास/घडेरी	
१	कमलपुर	४७७.९३	२९.३६	५०७.२९
२	आद्राहा	४३२.०२	७४.७६	५०६.७८
३	फत्तेपुर	७९९.३५	१६३.५७	९६२.९२
जम्मा		१७०९.३	२६७.६९	१९७६.९९

श्रोत: वार्षिक कृषि विकास कार्यक्रम एक भलक आ.व. ०७२/०७३

माथि को तालिका मा सप्तकोशी नगरपालिकाको नगरक्षेत्र भित्र खेति गरिएको जमिन र घडेरी भएको जमिन को तथ्यांक प्रस्तुत गरिएको छ, तथ्यांक अनुसार साविक को गा.वि.स कमलपुर मा घडेरी जमिन थोरै र फत्तेपुर मा

घडेरी जमिन धेरै रहेको देखिन्छ । त्यसै गरि साविक को आद्राहा मा धनहर जमिन कम र फत्तेपुर मा बढी देखिन्छ । मथिको तालिका लाई निम्न वृत्तचित्रको आधारमा थप प्रष्ट पारिएको छ ।

वृत्त चित्र न. १. क्षेत्रफल - (हेक्टरमा)



श्रोत:नगरपालिका कार्यलय २०७७

कूल क्षेत्रफल मध्ये कृषि क्षेत्र ले ६९ प्रतिशत,आवास/घडेरी क्षेत्रले ११ प्रतिशत र वन तथा नदीनाला र चरण क्षेत्रले २० प्रतिशत भू -भाग ओगटेको देखिन्छ । समग्रमा हेर्दा यस नगरपालिकामा खेतियोग्य जमिन अर्थात कृषि क्षेत्र सवैभन्दा रहेको वृत्तचित्र वाट प्रष्ट हुन्छ ।

२.६.२ वस्ती विकास र सहरीकरण:

सडक पहुँचसँगै ग्रामीण वस्तीहरु हुँदै गएर सहरोन्मुख हुने क्रम सप्तकोशी नगरपालिकामा पनि बढ्दै गएको छ साथै ग्रामीण जनसङ्ख्या घट्दै गएको छ जुन स्वभाविक हो ।तर सहरोन्मुख क्षेत्रमा जाने क्रममा बढी सुविधायुक्त बजार

क्षेत्रमा जाने क्रम पनि बढेको बढ्यै छ । वैदेशिक रोजगारमा गएका यूवाहरु पनि फर्किएपछि गाउँमा नभइ सुविधासम्पन्न क्षेत्रमा बस्ने गरेका छन् । सप्तकोशी नगरपालिका क्षेत्रभित्र तपशिलका ५ वटा ग्रामिण केन्द्रहरुमा घना वस्ती विकास हुँदै गएर सहरको आकार लिने सम्भावना देखिन्छ जसमा निम्न बमोजिम हाटबजारहरु पनि लाग्ने गर्दछ ।

तालिका न.१४ : ग्रामीण तथा सहरोन्मुख क्षेत्रहरु

क्र.स	वडा न	बजारको नाम	उपलब्ध सेवा, सुविधा	हाट, बजार लाग्ने बार
१	१	शान्तिनगर हाटबजार	तरकारि,फलफुल,माछा, मासु,किराना,लत्ता,कपडा,बाँसकोसामाग्री , विउ, विजन,कृषिजन्य उत्पादन आदी ।	सोमवार र शुक्रवार
२	२	बजरंग हाटबजार		आइतवार र विहिवार
३	३	ओद्राहा बजार		मंगलवार र शनिवार
४	४	भगनी हटिया		बूधवार र शनिवार
५	फत्तेपुर ३	गुदरी कृषि हाट	कृषि जन्य उत्पादन	हरेक दिन

श्रोत: सप्तकोशी उद्यम विकास रणनीतिक योजना सर्वेक्षण २०७४

मथिको तालिकामा उल्लेख गरिएका वडाहरु क्रमशः ग्रामीण बाट सहरोन्मुख मा वृद्धि हुँदै गएका र वसोवासको गन्तव्य स्थल बन्दै गएका क्षेत्रहरु हुन् ।यो नगरपालिकाको वडा न १,२,३,४ र साविकको फत्तेपुर न.पा को वडा न ३ लगायतका क्षेत्रमा ग्रामीण हाट-बजारहरु समय-समयमा सञ्चालन हुँदा यसले ग्रामीण अर्थतन्त्रलाई समेत टेवा पुर्याउँदै जीविकोपार्जन र वस्ती विकासलाई समेत सहजता प्रदान गरेको छ ।

२.७. सिंचाईको प्रबन्ध

यस नगरपालिकाका ११ वटा वडाहरुमा मुख्यतया -चार वटा सिंचाई आयोजनाहरु नेपाल सरकारको सहयोगमा सम्पन्न भई सञ्चालनमा रहेका छन् । एउटा सिंचाई आयोजना सञ्चालनको क्रममा रहेको छ । वडा नं १ देखि ११ सम्म नै समेट्ने गरि पुरानो चन्द्र नहर सञ्चालनमा रहेको देखिन्छ । यस नगरपालिकामा कृषी कार्यको लागी सिचाइको सुविधा उपलब्ध गराई जनताको जीवनस्तर उकास्नका निम्ति संघिय सरकारको प्रत्यक्ष लगानीमा सञ्चालीत सिचाइ आयोजना निम्नानुसार छन् ।

तालिका न.१५ : सिचाई सम्बन्धि विवरण

क्र. स.	योजनाको नाम	स्थान	सिंचित क्षेत्रफल	लाभान्वित घरधुरी र जनसंख्या	निर्माण भएको मिति	सहयोग	प्रविधि (कुलो, स्प्रिङकलर,...)
१	आमाहा सिँचाई	सप्तकोशी १	५००	३००	२०५६		नहर
२	जुटपानी सिँचाई	सप्तकोशी १	६००	३००	२०६४		नहर
३	गंगाजली सिँचाई	सप्तकोशी ५	६५० विघा	२९५	निर्माण हुँदै	नेपाल सरकार	डिपबोर्डिङ
४	चन्द्र नहर	१ देखि ११	१५०० हेक्टर	१९९५	०	नेपाल सरकार	नहर

श्रोत: सिचाई डिभिजन कार्यालय, सप्तरी

माथिको तालिकामा उल्लेखित तथ्याङ्क अनुसार सिचाई सुविधाबाट २५९५ घरधुरी लाभान्वित भइसकेका छन् । निर्माणधिन गंगाजली सिचाई आयोजना बाट करिब थप २९५ घरधुरी लाभान्वित हुनेछन् । यसरी हेर्दा २८९० घरधुरी प्रत्यक्ष रुपमा सिचाई सुविधाबाट लाभान्वित हुनेछन् । कूल घरधुरीको भण्डै ३० प्रतिशत वा सो भन्दा बढि घरधुरि सिचाई सुविधाबाट लाभान्वित छन् ।

२.८ खानेपानीको अवस्था

खानेपानी विकासका पूर्वाधार मध्ये प्रमुख एक हो । यो मानव जीवनको अपरिहार्य र आधारभूत आवश्यकता हो । यस नगरपालिकामा तीनवटा मात्र खानेपानी का आयोजनाहरु सञ्चालन भएको पाइन्छ । आमाहा खानेपानी आयोजना करिब अठार वर्षअघि निर्माण भएको र अहिलेसम्म पनि नियमित प्रयोगमै रहेको पाइन्छ । त्यसैगरि खुरुरिया खानेपानी आयोजना फण्डबोर्डको सहयोगमा निर्माण भएको राम्रैसँग सञ्चालन भएको देखिन्छ । त्यस्तै जुटपानी खानेपानी आयोजना भने निर्माणधिन अवस्थामा नै रहेको छ । यस नगरपालिकामा भएका र बन्दै गरेका खानेपानी आयोजना लाई निम्न तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.१६ : खानेपानी आयोजना

क्र.स	योजनाको नाम	स्थान	लाभान्वित घरधुरी र जनसंख्या	निर्माण भएको मिति	सहयोग	अवस्था(राम्रो,सामान्य,जीर्ण)
१	आमाहा खानेपानी	सप्तकोशी १	३००	२०५६	जिल्ला खा.पा.का	सामान्य
२	जुटपानी खानेपानी	सप्तकोशी १	३००	२०६४	जिल्ला खा.पा.का	निर्माणधिन
३	खुरुरिया खानेपानी	सप्तकोशी ४,५	२७५	२०५६	फण्डबोर्ड	राम्रो

श्रोत: सप्तकोशी उच्च विकास रणनीतिक योजना सर्वेक्षण २०७४

माथिको तालिकामा उल्लेखित क्र.स १ र २ का खानेपानी आयोजनाबाट यस नगरपालिका करिब ६०० घरधुरी र जनसंख्या लाभान्वित भएका छन् । त्यसैगरि क्र.स ३ को निर्माणधिन आयोजनाबाट करिब २७५ घरधुरी र जनसंख्या लाभान्वित हुने देखिन्छ ।

२.९ स्थानीय चाडपर्व,मेला र पर्यटन विकासको अवस्था

यस नगरपालिकाको नगर क्षेत्र र आसपासमा स्थानीय मेला, चाडपर्व, जात-जातीका मौलिक पर्वहरु, मठ-मन्दिरहरु, वनभोज लगायतका रमणिय स्थलहरु रहेका छन् । यिनिहरुको भ्रमण गर्न आन्तरिक र बाह्य गरी भण्डै २ लाख तीर्थवर्त गर्न, अवलोकन भ्रमण गर्न आउने क्रम रहेको देखिन्छ । यस्ता स्थलहरुलाई सबलिकरण र स्तरिकरण गर्न सके र थप रमणिय स्थलहरु विकास गरेर प्रचार-प्रसार गर्न सकेमा आन्तरिक र बाह्य पर्यटकको गन्तव्य स्थल बनाउन सकिने प्रचुर सम्भावना रहेको छ । नगरपालिकाकामा रहेका धार्मिक,पर्यटकिय, रमणिय स्थल र मेलाहरुलाई तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका न.१७ : स्थानीय चाडपर्व,मेला र पर्यटन विकासको अवस्था

क्र.स	धार्मिक तथा पर्यटकिय स्थल	रहेको स्थान	वार्षिक पर्यटक आगमन		
			आन्तरिक	बाह्य	विदेशि
१	चन्द्रनगर हेडवाँध	सप्तकोशी न.पा. १			
२	तुलसीचोक(पिकनिक स्थल)	सप्तकोशी न.पा. ४			
३	कमलदह	सप्तकोशी न.पा.१०			
४	कोशी टप्पु बन्यजन्तु आरक्ष	सप्तकोशी न.पा. ६,८,९,१०			
५	फत्तेपुर (भगवति मन्दिर)	सप्तकोशी न.पा.१			
६	हनुमान मन्दिर,शिव, विष्णु	सप्तकोशी न.पा.१			
७	मगतगैया	सप्तकोशी न.पा. ८,९	१००००	१५०	
८	कोशी मेला	सप्तकोशी न.पा.६	२५०००	५०००	१०००
९	शिव मन्दिर (शिवरात्री मेला)	सप्तकोशी न.पा. ८	६०००		
१०	डिहवार मेला	सप्तकोशी न.पा.८	१५०००		
११	भोलन मेला	सप्तकोशी न.पा.७	३०००		
१२	सलहेस मेला	सप्तकोशी न.पा.६	३०००		
१३	कमलदह	सप्तकोशी न.पा.११	५००	२००	

श्रोत: सप्तकोशी उच्चम विकास रणनीतिक योजना सर्वेक्षण २०७४

माथीको तालिकामा उल्लेख गरिएका धार्मिक, पर्यटकिय तथा रमणिय स्थल यस नगरको समृद्धिको कोसेढुङ्गा हुन् । धार्मिक स्थल, पर्यटकिय स्थल र स्थानीय मेलाले भरिपूर्ण भएको यस नगरपालिकामा आन्तरिक साथै बाह्य पर्यटकको उपस्थिति नगन्य मात्रामा रहेको छ । लक्षित वर्ग र समुदायमा प्रचार-प्रसार,आवश्यक पूर्वाधारको निर्माण, सहज आवागमनको व्यवस्थापन गर्ने हो भने भविष्यमा सप्तकोशी नगरपालिका महत्वपूर्ण पर्यटकिय गन्तव्य बन्न सक्छ ।

परिच्छेद ३ : जनसंख्याको विवरण

३.१ जनसङ्ख्याको विवरण -

सप्तकोशी नगरपालिकामा २०७७ सालमा सम्पन्न गरिएको घरधूरी सर्भेक्षण बाट प्राप्त तथ्याङ्कहरू अनुसार यस नगरपालिकाको ११ वटै वडाहरूको कूल क्षेत्रफल ६०.३१ वर्ग किलोमिटर मा फैलिएर रहेका ५०३३ घरधूरी अर्थात घरपरिवार यस अध्ययनको क्रममा समेटिएका छन् । यस अध्ययनमा घरधूरी सर्भेक्षण गर्दा कुनै पनि घर नछुटोस् भन्ने उद्देश्यले जनगणना विधी बाट तथ्यांक संकलन गरिएको थियो । यसै क्रममा यस अध्ययनलाई एउटा निश्चित दिशा प्रदान गर्नका लागि कस्ता घरधूरी र कस्ता घरपरिवार यस अध्ययनमा समेट्ने भन्ने परिभाषा पनि यसै सर्भेक्षणको दौरानमा निकोयोल गरीएको थियो । यस अध्ययनमा यस नगरपालिकाको ११ वटा वडाहरूमा बसोवास गरेका आफ्ना पूख्यौली बसोवास गरेका र विगतमा अन्यत्रबाट वसाइसराइ गरेर यहि स्थायी रुपमा बसोवास गर्ने घरधूरीहरूलाई पनि यस अध्ययनका क्रममा समेटिएको छ । यस नगरपालिकाका केही वडाहरू हाल आएर शहरिकृत वडाहरूमा रुपान्तरण भएका र केही वडाहरू हालपनि ग्रामिण परिवेशका वडाहरूको रुपमा रहेका छन् ।

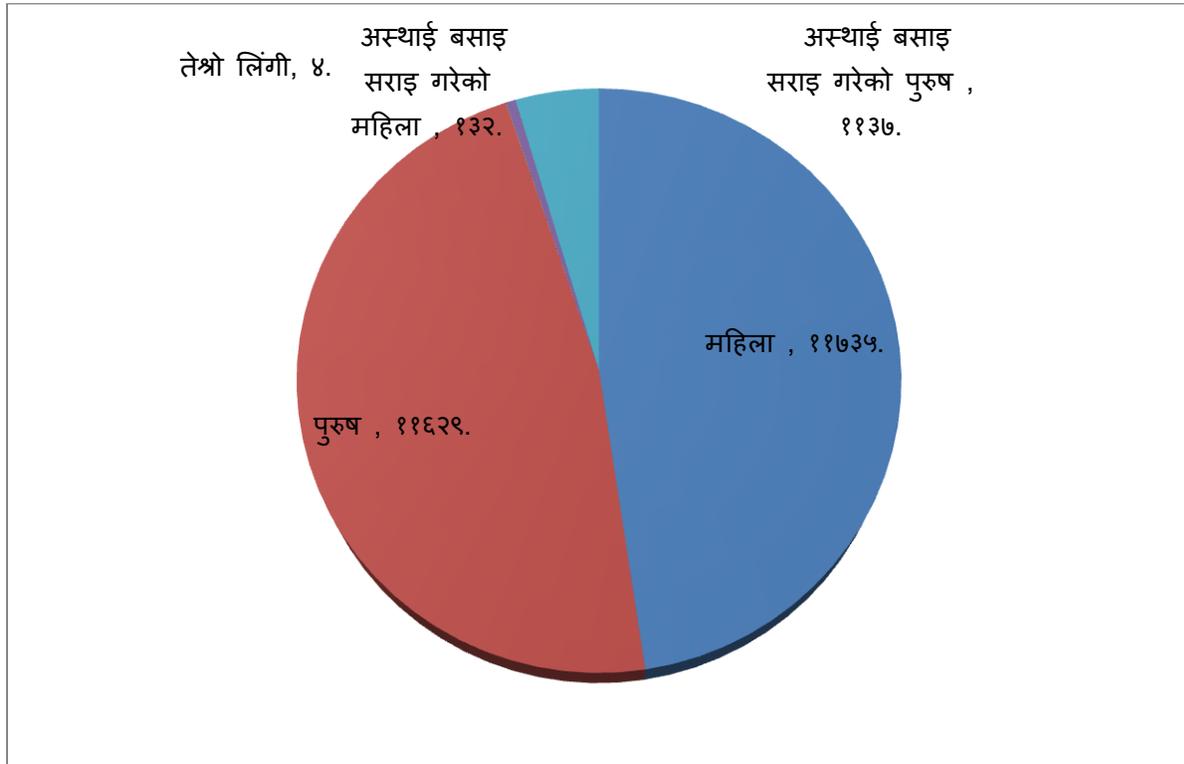
यस नगरपालिकाका ११ वटा वडाहरूमा सर्भेक्षणका क्रममा कूल जनसङ्ख्या २४६३७ जना रहेको देखिन्छ । यस तथ्यांकलाई हेर्दा यहाको लैङ्गिक अनुपात ९९.०९ जना पुरुष रहेको पाइन्छ । अर्कोतर्फ प्रतिवर्ग कि.मि क्षेत्रफलमा ४०८ जनाको दरले जनघनत्व रहेको देखिन्छ । जनसङ्ख्याको हिसाबले हेर्दा यस नगरपालिकाको सर्वाधिक जनसङ्ख्या वडा नं ७ मा सर्वाधिक कम र वडा नं १ मा सर्वाधिक बढी रहेको देखिन्छ । यस वडामा बढी जनसङ्ख्या हुनुमा विभिन्न मानविय सुविधाहरू जस्तै: शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, सुरक्षा, व्यापार आदिको सहज उपलब्धता नै रहेको देखिन्छ । तसर्थ योजना निर्माणमा जनघनत्व र त्यसलाई प्रत्यक्ष प्रभाव पार्ने तत्वहरू को अध्ययन गर्नु अर्थात जनसङ्ख्या वितरणलाई क्षेत्रगत हिसाबले सन्तुलनमा राख्न मानविय सुविधाहरूमा केन्द्रित हुनुपर्दछ । अर्कोतर्फ पुरुषहरूको तुलनामा महिलाहरूको जनसङ्ख्या बढी हुनु समेत जनसांख्यिक विश्लेषणको महत्वपूर्ण पाटो हो । छोरा या छोरी जन्मने विषय एउटा विशुद्ध जैविक परिघटना भएतापनि सामान्यतया नेपाली सामाजिक संरचना र परम्परा लाई हेर्दा पितृसत्तात्मक स्वरूपको समाजमा छोराको चाहना पुरा गर्ने मनोविज्ञानका कारण छोरीहरूको संख्या अप्रत्यक्ष ढंगले बढेको पाइन्छ । अर्कोतर्फ छोरीहरूको अर्थात महिलाहरूको विशिष्ट आवश्यकताहरू जस्तै- प्रजनन स्वास्थ्य, महिला शिक्षा, महिला अधिकार जस्ता विषयहरूलाई सम्बोधन गर्ने योजनाहरू राज्यद्वारा निर्माण हुनु आवश्यक देखिन्छ । साथै लैङ्गिक अनुपातमा रहेको अन्तर वृद्धि हुदैजादा यसले सामाजिक स्वरूपमा नै लैङ्गिक संरचनाको खाडल बढाइदिन्छ । यसतर्फ समग्र समाजको ध्यान जानु आवश्यक छ । यस नगरपालिकाको समग्र जनसांख्यिक विवरणलाई निम्नानुसार वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.१८ : जनसंख्या विवरण

विवरण	गणना
कुल जनसंख्या	२३३६८
घरधूरी	५०३३
महिला	११७३५
पुरुष	११६२९
तेस्रो लिङ्ग	४
अस्थाई बसाई सराई गरेको महिला	१३२
अस्थाईबसाई सराई गरेको पुरुष	११३७
जम्मा	२४६३७

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

वृत्त चित्र न.२ : जनसांख्यिक विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको वृत्तचित्र अनुसार यस नगरपालिकाको कुल जनसंख्या मध्ये अस्थायी रूपमा बसोवास गर्नेको संख्या हेर्ने हे भने पुरुषहरूको तुलनामा महिलाहरूको संख्या कम देखिन्छ । यसको प्रमुख कारण पुरुषहरू आर्थिक आर्जन गर्नका लागि तथा रोजगारीको शिलशिलामा यसनगरपालिकाको भन्दा बाहिर बसोवास गरेको कारणले यस्तो जनसांख्यिक विवरण देखिएको हो । यस नगरपालिका बाट अस्थायी रूपमा विभिन्न कारणले गर्दा नगरपालिकाको हाल उपस्थित नभएको जनसंख्यामा पुरुष ४.६१% र महिला ०.५३% रहेको देखिन्छ । यि अस्थायी जनसंख्या यस नगरपालिकाको पार्श्वचित्र निर्माणको क्रममा गरिएको अध्ययनमा मात्र अनुपस्थित रहेको देखिन्छ ।

३.२ वडा अनुसार तुलनात्मक जनसांख्यिक विवरण

वि.स २०६८ सालको राष्ट्रिय जनगणना र हालको पार्श्वचित्र निर्माणका लागि गरिएको स्थलगत सर्भेक्षणका क्रममा पाइएको घरधूरी विवरण लगायत जनसंख्याको विवरणहरूको तुलनात्मक अध्ययन यस शिर्षकमा गरिएको छ । यस सर्भेक्षणका क्रममा यस नगरपालिकामा घरमा ताला लगाएको अवस्था घरधूरीमा जानकारी दिने व्यक्ति नभेटिएको तथा पहाड र मधेश दुवैतर्फ घर भएका र हाल उनिहरू पहाडमा बसोवास गर्ने गरेका र घरधूरीहरूको संख्या पनि यस नगरपालिकाका वडाहरूमा रहेको स्थलगत अध्ययनमा क्रममा पाइएको थियो । नगरपालिकाको ११ वटा वडाहरूमा सर्भेक्षणको दौरानमा सर्भेक्षण टोलीले जानकारी दिने उपयुक्त व्यक्तिको उपस्थिति नभएकोले अन्तवार्ता गरेका थिएनन् । यसरी अन्तवार्ता लिन नसकिएका केही घरधूरीहरू पनि पाइएको थियो । पारिवारिक तथा जनसांख्यिक विवरणमा सप्तकोशी नगरपालिकाको विवरण तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.१९ : वडागतजनसांख्यिक विवरण

वडा	घरधूरी	जनसंख्या २०७७			अस्थाइ बसाइ सराइ गर्ने			कुल जनसंख्या
		महिला	पुरुष	ते.लि	महिला	पुरुष	ते.लि	
१	१०९६	२४०९	२४८७	०	४२	२१३	०	५१५१
२	५६९	१३१९	११८७	०	६	५७	०	२५६९
३	३१७	७३३	६५५	१	२२	९४	०	१५०५
४	४७९	११९३	११९१	०	८	७९	०	२४७१
५	३२१	७२७	७५१	०	११	७४	०	१५६३
६	३४०	८४५	७०५	०	७	१५९	०	१७१६
७	३११	६८१	५९८	०	१४	१३०	०	१४२३
८	३९३	९३३	९२०	०	४	९३	०	१९५०
९	३७६	८५७	९५५	०	१	२५	०	१८३८
१०	४६२	११०५	११६७	१	१२	१३२	०	२४१७
११	३६९	९३३	१०१३	२	५	८१	०	२०३४
जम्मा	५०३३	११७३५	११६२९	४	१३२	११३७	०	२४६३७

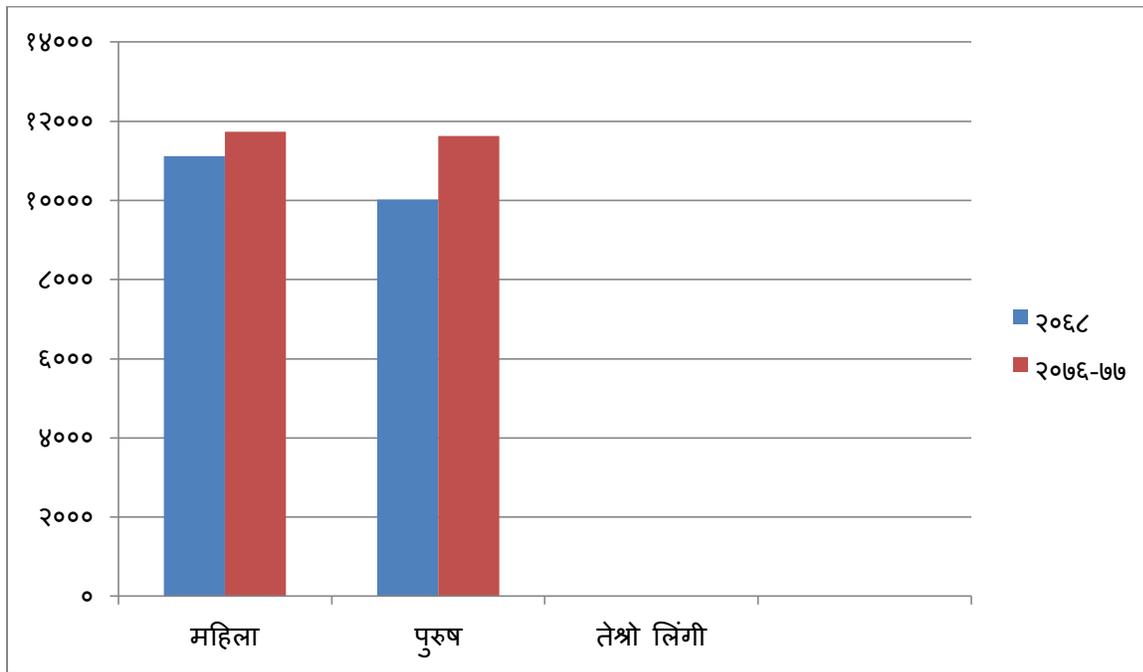
श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार २०६८ सालको राष्ट्रिय जनगणनामा भन्दा यस सर्भेक्षणमा सवै वडाहरुमा घरधूरी तथा जनसंख्या वृद्धि भएको पाइन्छ । स्थलगत सर्भेक्षणको दौरानमा COVID – 19 का कारणले गर्दा केही दिन काम रोकिएको र पुन सञ्चालन गरि सर्भेक्षण सम्पन्न गरिएको थियो । २०६८ सालको जनगणना अनुसार ओद्राहा, कमलपुर र फत्तेपुरमा गरी जम्मा ४४३९ घरधूरी रहेकोमा हाल ५०३३ घरधूरी रहेको पाइयो । यसैगरी जनसंख्या विवरणलाई हेर्दा २०६८ सालमा २९९३९ र २०७७ सालको सर्भेक्षणमा २४६३७ जनसंख्या देखिन्छ ।

३.३ लिङ्ग अनुसार तुलनात्मक जनसंख्या विवरण

यस सप्तकोशी नगरपालिकाको जनसंख्यालाई तुलनात्मक रुपमा हेर्ने हो भने विगतको राष्ट्रिय जनगणना २०६८ को तुलनामा हाल लिङ्ग अनुसार जनसंख्या कुन रुपमा वृद्धि भएइको छ र कस्तो अवस्था छ भन्ने कुराको जानकारी तलको ग्राफमा देखाइएको छ ।

ग्राफ न.१ : लिङ्ग अनुसार २०७६ साल र २०६८ सालको जनसांख्यिक अवस्था



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको ग्राफमा हेर्दा यस नगरपालिकामा अन्य नगरपालिकाको दाजोमा उल्लेख्य वृद्धि भएको देखिदैन । यसको प्रमुख कारण मानिसहरु बढी सुख-सुविधा र अवसरको खोजीमा ग्रामिण भेगबाट नजिकै रहेका शहरी क्षेत्रतर्फको बसाइसराइको कारण नै प्रमुख देखिन्छ । यस नगरपालिकाको नजिकै रहेका राजविराज नगरपालिका र उत्तरतर्फ रहेको धरान उपमहानगर पालिका तर्फ पलायनको अवस्था पनि यहा देखिएको छ । पहिला २०६८ सालको जनगणनामा यस नगरपालिकामा महिलाको दाजोमा पुरुषहरुको संख्या बढी देखिएको थियो भने हाल आएर पुरुषहरुको दाजोमा केही रुपमै भएपनि महिलाहरुको संख्या बढी देखिएकोछ । यस अवस्थालाई गहन रुपमा विश्लेषण गर्दा अस्थायी रुपमा यस नगरपालिका बाट विभिन्न रुपमा बाहिर जाने तथा समय-समयमा केही निश्चित समय पश्चात यसै नगरपालिका फर्किनेहरुको संख्यालाइ पनि हाल यसै नगरपालिकाको संख्या मान्नुपर्ने देखिन्छ । यस पार्श्वचित्र निर्माणका क्रममा २०६८ सालमा तेश्रो लिङ्ग भनेर पहिचान खुलेको संख्या एकजना पनि नदेखिएको र अहिले पनि कोही पाइएको छैन ।

३.४ समूहगत उमेरको जनसंख्या विवरण:

समूहगत उमेर समूहको जनसंख्या विश्लेषणमा स्थानीय निकायहरुलाई यसको धेरै नै महत्व रहेको हुन्छ । समूहगत रुपको जनसंख्याको भूमिका महत्वपूर्ण हुने हुदा नगरपालिकाको जनसांख्यिक विवरणको ढाँचालाई वर्गिकरण गरेर कुन उमेर समूहको जनसंख्या कति छ ? कुन उमेर समूह बसी खाने आश्रीत समूहमा पर्दछ भन्ने कुरा सो विश्लेषणमा निर्भर रहन्छ । यस शिर्षकमा यो उमेर समूहको जनसंख्याले स्थानीय तह हरूलाई यहाँको श्रम शक्ति र जनशक्ति कसरी परिचालित गर्ने, उनिहरुको जिवनस्तर उठाउन, वृत्ति विकास गर्न के,कसरी केन्द्रित रहने भन्ने कुरामा जानु पर्छ । अर्को तर्फ उमेर समूहको जनसंख्या आत्मनिर्भर भइनसकेको अवस्था विभिन्न अध्ययन अनुसंधानले देखाएपनि हाल वृत्ति विकाशमा केन्द्रित हुनुपर्ने उमेर समूह भएकोले राज्यले व्यापक लगानी गरि शिक्षा,स्वास्थ्य,वाल तथा युवा मनोविज्ञानमा आधारित योजना तथा कार्यक्रमलाई कार्यन्वयन गर्नुपर्ने हुन्छ । युवा उमेरको जनसंख्या बढी हुनु राम्रो भएतापनि राज्यले उनिहरुको शिक्षा,स्वास्थ्य,मानव संसाधन विकाशमा जोड दिदै सहि दिशातर्फ उँमूख गराउनु र रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना गरी राष्ट्र निर्माणमा सरीक बनाउनु समाज र राज्यको दायित्व हुन आउछ । वाल-वालिका तथा शिशुहरुको संख्या कम हुनुले कमशः प्रजनन दर घट्दै गएको संकेत गर्दछ, भने वृद्धहरुको तथा प्रौढहरुको

संख्या कम हुनुले औषत आयू हुनु र प्रौढ अवस्थामा लाग्ने रोगहरुका कारणले पाका उमेरमा जनसंख्याको मृत्युदर बढी हुनु भन्ने जनाउछ। उमेर समूहको जनसंख्या को विश्लेषण गर्दा प्रत्येक उमेर समूहका आवश्यकताहरु सम्बोधन नगरी उनिहरुको उचित व्यवस्थापन गनु नै चुनौतिपूर्ण हुन्छ। बालबालिकाको पोषण, स्याहार तथा शिक्षा, युवालाई उचित रोजगारी र वृद्धहरुलाई आवश्यक सामाजिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा राज्यले निर्वाह गर्नुपर्ने दायित्व भित्र आउछन्। नगरपालिकाले त्यस तर्फ ध्यान पुर्याउनु पनि आजको आवश्यकता हो। समूहगत उमेर समूहको विश्लेषण गर्ने क्रममा उमेर समूहलाई निम्नानुसार वर्गिकरण गरेर ति उमेर समूह अन्तर्गत रहेका महिला, पुरुष तथा तेश्रो लिङ्गी को विश्लेषण गरीएको छ। १ वर्षभन्दा मूनीको जनसंख्या, १ वर्ष भन्दा माथीको ५ वर्ष सम्मको जनसंख्या, ६ वर्ष देखि १० वर्ष सम्मको जनसंख्या एवं प्रकारले ति उमेर समूहमा पर्ने जनसंख्याको विश्लेषण तलको तालिकामा गरिएको छ।

तालिका न. २० : उमेर र लिङ्ग समूहका आधारमा जनसंख्या विवरण र प्रतिशत

क्रासा	उमेर समूह	जनसंख्या			जम्मा	प्रतिशत		
		महिला	पुरुष	तेस्रो लिङ्गी		महिला	पुरुष	तेस्रो लिङ्गी
१	१ वर्ष मुनिको	९८	११९	०	२१७	४५।१६	५४।८४	०
२	०१-०५	१००६	११३३	०	२१३९	४७।०३	५२।९७	०
३	०६(१०)	१०१३	११३६	१	२१५०	४७।१२	५२।८४	०।०५
४	११(१५)	१००३	१०३७	१	२०४१	४९।१४	५०।८१	०।०५
५	१६(२४)	२१००	१८९०	०	३९९०	५२।६३	४७।३७	०
६	२५(४०)	३४२९	३०९०	१	६५२०	५२।५९	४७।३९	०।०२
७	४१(६०)	२१००	२२०८	०	४३०८	४८।७५	५१।२५	०
८	६१(७४)	७१७	७४४	१	१४६२	४९।०४	५०।८९	०।०७
९	७५ देखि माथि	२६९	२७२	०	५४१	४९।७२	५०।२८	०
जम्मा		११७३५	११६२९	४	२३३६८	४४।११८	४५।८६४	०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथिको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा अस्थायी रुपमा बसाइ सराइ गरी हाल यस अध्ययनको क्रममा नभेटिएको जनसंख्या लाई यस शिर्षकमा समावेश गरीएको छैन। यस तालिकामा दिइएको तथ्याङ्क अनुसार नगरपालिकामा काम गरी खाने उमेर समूहको जनसंख्या हेर्ने हो भने १०५१० जना अर्थात श्रम गर्ने उमेर समूहको बाहुल्यता रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनसंख्या पनि यस नगरपालिकामा उल्लेख्य रुपमा रहेका माथिको तालिका बाट प्रष्ट हुन्छ।

३.५ जनसांख्यिक बनावट र संरचना

सप्तकोशी नगरपालिकाको जनसांख्यिक वनोटलाई हेर्दा घरमूलिको आधारमा घरको पारिवारिक बनावट महिला घरमूलि हुने घरपरिवार १८.१८ प्रतिशत र पुरुष घरमूलि हुने घरधूरि ८१.८२ प्रतिशत देखिन्छ।

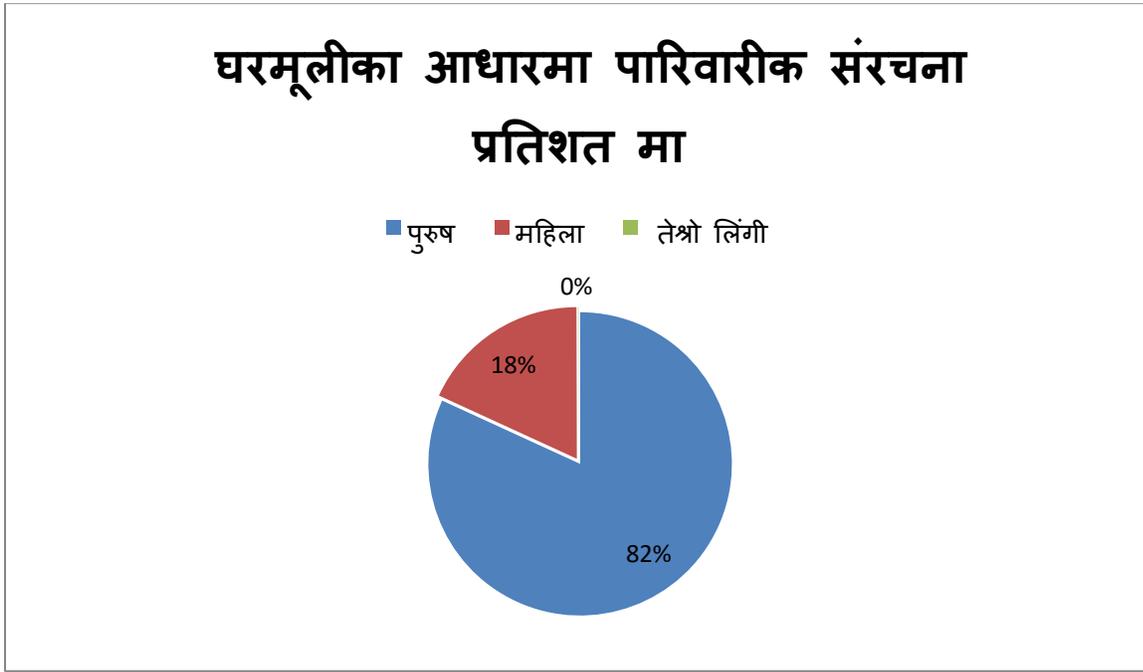
अधिकांशत नेपाली समाज पितृसत्तात्मक समाजका रुपमा परिचीत हाम्रो समाज हिजोआज विस्तारै रुपान्तरण हुदै गएको पनि देखिन्छ। विशेष गरेर पुरुषहरु घरवाहिरको काममा बढी जाने गर्दा घरको नेतृत्व विहिन अवस्था आउने भएकोले घरमा सामाजिक, आर्थिक रुपमा घर व्यवहारको सम्पूर्ण पक्षको निर्णय गर्ने अधिकार हाल महिलाहरुमा पनि हस्तान्तरण हुदै गएको पाइन्छ। यस सप्तकोशी नगरपालिकाको ११ वटा घरहरुमा वडागत रुपमा घरमूलिलाई निम्नानुसारको तालिकामा देखाइएको छ।

तालिका न. २१ : घरमूलको आधारमा वडागत घरधूरी विवरण

वडा न..	घरमूल अनुसार घरधूरी			जम्मा	जम्मा जनसंख्या	परिवारको आकार प्रतिशतमा
	महिला	पुरुष	ते.ली			
१	२१८	८७८	०	१०९६	४८९६	४.४९
२	११७	४५२	०	५६९	२५०६	४.४१
३	६५	२५२	०	३१७	१३८९	४.३८
४	७६	४०३	०	४७९	२३८४	४.८७
५	४३	२७८	०	३२१	१४७८	४.६२
६	११६	२२४	०	३४०	१५५०	४.५५
७	८५	२२६	०	३११	१२७९	४.११
८	७५	३१८	०	३९३	१८५३	४.७१
९	३९	३३७	०	३७६	१८१२	५.१८
१०	४२	४१९	१	४६२	२२७३	४.९१
११	३९	३२९	१	३६९	१९४८	५.२७
जम्मा	९१५	४११६	२	५०३३	२३३६८	४.६५

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथिको तालिकामा अस्थाई रुपमा वसाइ सराइ गरेको जनसंख्यालाई समावेश गरीएको छैन । तालिका अनुसार हेर्दा यस नगरपालिकामा महिला घरमूल हुने घरधूरी संख्या ९१५ देखिन्छ भने पुरुष घरमूल भएका घरधूरी संख्या ४११६ रहेको देखिन्छ । यसबाट के देखिन्छ, पुरुष प्रधान समाजवाट महिलाहरुमा पनि अधिकार विस्तारै हस्तान्तरण हुदै गएको हालको पारिवारीक संरचना भिन्न पाइन थालेको छ । यसलाई प्रतिशतको आधारमा निम्नानुसारको वृत्त चित्रमा पनि देखाइएको छ ।



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथिको वृत्तचित्र अनुसार यस सप्तकोशी नगरपालिका मा हाल यस स्थलगत अध्ययनका क्रममा १८.१८ प्रतिशत घरधूरीहरु महिलाहरुले नेतृत्व गरेका छन् । लैङ्गिक विभेदका घटनाहरु आइरहेको हालको हाम्रो नेपालका ग्रामिण भेगमा विशेष गरेर पितृसत्तात्मक समाजका कारणबाट एकतर्फ छलफल र बहसको विषय भइ रहेको अवस्थामा निर्णय गर्ने स्तरमै महिलाहरुको प्रतिनिधित्व घर, समाज र टोल बाटै हुन थालेका कारण वाट लैङ्गिक विभेदहरु कम हुने आशा राख्न सकिन्छ तर पनि यस नगरपालिकाको हालको पारिवारीक संरचना मा महिलाहरुको भूमिकालाई अभै पनि स्थापित हुन नसकिरहेको तथ्याङ्क ले देखाउछ ।

३.६ अस्थायी बसाइसराई गर्ने वडागत जनसंख्या

सप्तकोशी नगरपालिकामा अस्थायी रुपमा बसाइसराई गर्ने जनसंख्या पनि रहेको देखिन्छ । यसरी अस्थायी रुपमा बसाइ सार्ने जनसंख्यालाई पनि यसै नगरपालिकाको समग्र जनसंख्याको गणनामा उल्लेख गर्नुपर्ने हुन जान्छ । ति जनसंख्या जो भोलीका दिनमा यस नगरपालिकामा आउने सम्भावना शतप्रतिशत नै रहेको हुन्छ । ति र यस्ता जनसंख्या ले पनि नगरपालिकाको समग्र अवस्थालाई प्रभाव पारिरहेको हुन्छ । यसरी यस अध्ययनका शिलशिलामा घरधूरीहरुमा अनुपस्थित हुने जनसंख्या हाल विभिन्न कारणले घर बाहिर बसोवास गरेको हुन्छ । उनिहरुको प्रमुख कारणहरुमा अध्ययन,रोजगारी तथा अन्य कामका अवसरका कारणले बाहिरिएको देखिन्छ । नगरपालिका भित्र नै सवै प्रकारका सेवा, सुविधा र सुनिश्चित भएको खण्डमा यसरी अनुपस्थित हुने संख्या स्वतः न्यून हुन जान्छ । सामान्यतया उर्जावान युवा जनशक्ति नै बढी अनुपस्थित वा अस्थायी बसाइ सराई हुने प्रवृत्तिका कारण यसले नगरपालिकाको दिगो विकाशमा दीर्घकालिन असर पार्दछ ।

यस शिर्षकको विश्लेषण वाट सशक्त युवा अवस्थाको पुरुषहरु को जनसंख्या काम,रोजगारी,अध्ययन वा अन्य कारणहरुले नगरपालिका बाहिर हुनु भनेको नगरपालिका भित्र ति सवैखाले अवसरहरु न्यून वा कम तथा गुणस्तरीय नहुनु नै हो । अर्को तर्फ महिलाहरुको अनुपस्थित जनसंख्या उल्लेख्य रुपमा कम हुनुले लैङ्गिक रुपमा असमानता रहेको स्पष्ट हुन्छ । यसरी सक्षम र जुभारु युवा जनशक्तिको ठूलो हिस्सा नगरपालिका बाट बाहिर रहदा

नगरपालिकाको समग्र विकाशमा दिर्घकालिन नकारात्मक प्रभाव पर्दछ । यस्ता अस्थाई वसाइ सराइ गर्ने यस अध्ययनको शिलशिलामा छुटेका जनसंख्याको विवरण निम्नानुसारको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न. २२ : वडा अनुसार स्थाई वसाइ सराइ गर्ने जनसंख्या विवरण

वार्ड नं	महिला	पुरुष	तेस्रो लिङ्गी	जम्मा
१	६२	२९	०	९१
२	१	१	०	२
३	३५	७	०	४२
४	१	०	०	१
५	१०	६	०	१६
६	४६	४८	०	९४
७	२१	१६	०	३७
८	८	९	०	१७
९	०	०	०	०
१०	६	४	०	१०
११	७	७	०	१४
जम्मा	१९७	१२७	०	३२४

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

३.७ वडा अनुसार निश्चित उमेर समूहको जनसंख्या विवरण

कूल जनसंख्याको सवैभन्दा ठूलो हिस्सा कुन उमेर समूह भित्र छ, लैङ्गिक अवस्था, बाल-बालिकाको अवस्था तथा वृद्धहरूको अवस्था कस्तो छ । ति लिङ्ग र उमेर समूहलाई तलको तालिकामा विश्लेषण गरिएको छ । वडागत लैङ्गिक तथा उमेर समूहको जनसंख्याले विभिन्न खालका कार्यक्रम तथा योजनाहरूमा सहयोग पूरणे सम्भावना रहेको हुन्छ । बाल-बालिकाको जनसंख्या अर्थात ०-५ वर्ष सम्मका बाल-बालिका पोषण, खोप, तथा अन्य सरुवा रोगका लागी कार्यक्रम बनाउदा यस्ता लिङ्ग र उमेर समूहले सहजता ल्याउने गर्दछ । त्यसैले यस नगरपालिकाका कुन वडामा कुन उमेर समूहको बाहुल्यता छ भन्ने कुरा देखाउन सकिन्छ जसलाई निम्न तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न. २३ : वडा न.१ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	१ बर्ष भन्दा मुनिको	११	१०	०	२१
	१ बर्ष देखि ५ बर्ष सम्म	१६७	१९८	०	३६५
	६ बर्ष देखि १० बर्ष सम्म	१८४	२१७	०	४०१
	११ बर्ष देखि १५ बर्ष सम्म	२०५	२११	०	४१६
	१६ बर्ष देखि २४ बर्ष सम्म	४१२	४११	०	८२३
	२५ बर्ष देखि ४० बर्ष सम्म	७४०	६८२	०	१४२२
	४१ बर्ष देखि ६० बर्ष सम्म	४७२	४९३	०	९६५
	६१ बर्ष देखि ७५ बर्ष सम्म	१५२	१८०	०	३३२
	७६ बर्ष माथी सवै	६६	८५	०	१५१
जम्मा	२४०९	२४८७	०	४८९६	

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराई गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न. १ मा ५ बर्ष भन्दा मुनिको जनसंख्या पुरुष र महिला दुवैको गरी २१ जना रहेको देखिन्छ भने ७५ बर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पुरुष दुवैको १५१ जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति २२४५ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति १२७० जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न. २४ : वडा न.२ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
२	१ बर्ष भन्दा मुनिको	२०	२८	०	४८
	१ बर्ष देखि ५ बर्ष सम्म	१२०	१०५	०	२२५
	६ बर्ष देखि १० बर्ष सम्म	१०५	९६	०	२०१
	११ बर्ष देखि १५ बर्ष सम्म	१०१	१०४	०	२०५
	१६ बर्ष देखि २४ बर्ष सम्म	२७५	२०३	०	४७८
	२५ बर्ष देखि ४० बर्ष सम्म	३५१	३१७	०	६६८
	४१ बर्ष देखि ६० बर्ष सम्म	२४८	२३०	०	४७८
	६१ बर्ष देखि ७५ बर्ष सम्म	७०	७४	०	१४४
	७६ बर्ष माथी सवै	२९	३०	०	५९
जम्मा	१३१९	११८७	०	२५०६	

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराई गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न. २ मा ५ बर्ष भन्दा मुनिको जनसंख्या पुरुष र महिला दुवैको गरी ४८ जना रहेको देखिन्छ भने ७५ बर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पुरुष दुवैको संख्या ५९ जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति ११४६ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ६७७ जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न. २५ : वडा न.३ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
३	१ बर्ष भन्दा मुनिको	२	८	०	१०
	१ बर्ष देखि ५ बर्ष सम्म	६६	५०	०	११६
	६ बर्ष देखि १० बर्ष सम्म	५६	४९	०	१०५
	११ बर्ष देखि १५ बर्ष सम्म	५९	६९	१	१२९
	१६ बर्ष देखि २४ बर्ष सम्म	११७	९४	०	२११
	२५ बर्ष देखि ४० बर्ष सम्म	२३१	१९०	०	४२१
	४१ बर्ष देखि ६० बर्ष सम्म	१४२	१४०	०	२८२
	६१ बर्ष देखि ७५ बर्ष सम्म	४५	४४	०	८९
	७६ बर्ष माथी सवै	१५	११	०	२६
जम्मा	७३३	६५५	१	१३८९	

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराइ गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न.३ मा ५ बर्ष भन्दा मुनिको जनसंख्या पुरुष र महिला दुवैको गरी १० जना रहेको देखिन्छ भने ७५ बर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पुरुष दुवैको २६ जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति ६३२ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ३४६ जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न. २६ : वडा न.४ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
४	१ बर्ष भन्दा मुनिको	४	१	०	५
	१ बर्ष देखि ५ बर्ष सम्म	१२५	१२०	०	२४५
	६ बर्ष देखि १० बर्ष सम्म	११४	११३	०	२२७
	११ बर्ष देखि १५ बर्ष सम्म	९८	१०२	०	२००
	१६ बर्ष देखि २४ बर्ष सम्म	२२४	१९४	०	४१८
	२५ बर्ष देखि ४० बर्ष सम्म	३१७	३३६	०	६५३
	४१ बर्ष देखि ६० बर्ष सम्म	२१६	२३८	०	४५४
	६१ बर्ष देखि ७५ बर्ष सम्म	६०	६२	०	१२२
	७६ बर्ष माथी सवै	३५	२५	०	६०
जम्मा	११९३	११९१	०	२३८४	

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराई गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न. ४ मा ५ वर्ष भन्दा मूनिको जनसंख्या पूरुष र महिला दुवैको गरी ५ जना रहेको देखिन्छ भने ७५ वर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पूरुष दुवैको संख्या ६० जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति १०७१ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ६५९ जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न.२७ : वडा न.५ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पूरुष	ते.ली	जम्मा
५	१ वर्ष भन्दा मूनिको	९	५	०	१४
	१ वर्ष देखि ५ वर्ष सम्म	४८	५७	०	१०५
	६ वर्ष देखि १० वर्ष सम्म	५७	७३	०	१३०
	११ वर्ष देखि १५ वर्ष सम्म	६०	७३	०	१३३
	१६ वर्ष देखि २४ वर्ष सम्म	१४२	१३३	०	२७५
	२५ वर्ष देखि ४० वर्ष सम्म	१९५	१८२	०	३७७
	४१ वर्ष देखि ६० वर्ष सम्म	१५०	१५९	०	३०९
	६१ वर्ष देखि ७५ वर्ष सम्म	५१	४५	०	९६
	७६ वर्ष माथी सवै	१५	२४	०	३९
जम्मा	७२७	७५१	०	१४७८	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराई गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न.५ मा ५ वर्ष भन्दा मूनिको जनसंख्या पूरुष र महिला दुवैको गरी १४ जना रहेको देखिन्छ भने ७५ वर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पूरुष दुवैको ३९ जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति ६५२ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ३८४ जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न.२८ : वडा न.६ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पूरुष	ते.ली	जम्मा
६	१ वर्ष भन्दा मूनिको	१८	१७	०	३५
	१ वर्ष देखि ५ वर्ष सम्म	७७	७४	०	१५१
	६ वर्ष देखि १० वर्ष सम्म	७७	८९	०	१६६
	११ वर्ष देखि १५ वर्ष सम्म	८५	७३	०	१५८
	१६ वर्ष देखि २४ वर्ष सम्म	१३२	१०५	०	२३७
	२५ वर्ष देखि ४० वर्ष सम्म	२५३	१६३	०	४१६
	४१ वर्ष देखि ६० वर्ष सम्म	१२३	१०४	०	२२७
	६१ वर्ष देखि ७५ वर्ष सम्म	७३	६३	०	१३६
	७६ वर्ष माथी सवै	७	१७	०	२४
जम्मा	८४५	७०५	०	१५५०	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराइ गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न ६ मा ५ वर्ष भन्दा मूनिको जनसंख्या पूरुष र महिला दुवैको गरी ३५ जना रहेको देखिन्छ भने ७५ वर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पूरुष दुवैको २४ जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति ६५३ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ५९२ जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न. २९ : वडा न.७ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पूरुष	ते.ली	जम्मा
७	१ वर्ष भन्दा मूनिको	७	१३	०	२०
	१ वर्ष देखि ५ वर्ष सम्म	४८	५२	०	१००
	६ वर्ष देखि १० वर्ष सम्म	५१	६५	०	११६
	११ वर्ष देखि १५ वर्ष सम्म	५३	४९	०	१०२
	१६ वर्ष देखि २४ वर्ष सम्म	१२९	९९	०	२२८
	२५ वर्ष देखि ४० वर्ष सम्म	२०५	१२६	०	३३१
	४१ वर्ष देखि ६० वर्ष सम्म	१३५	१२६	०	२६१
	६१ वर्ष देखि ७५ वर्ष सम्म	४३	५४	०	९७
	७६ वर्ष माथी सवै	१०	१४	०	२४
	जम्मा	६८१	५९८	०	१२७९

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराइ गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न.७ मा ५ वर्ष भन्दा मूनिको जनसंख्या पूरुष र महिला दुवैको गरी २० जना रहेको देखिन्छ भने ७५ वर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पूरुष दुवैको २४ जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति ५५९ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ३५७ जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न. ३० : वडा न.८ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पूरुष	ते.ली	जम्मा
८	१ वर्ष भन्दा मूनिको	१५	१९	०	३४
	१ वर्ष देखि ५ वर्ष सम्म	९३	९२	०	१८५
	६ वर्ष देखि १० वर्ष सम्म	६९	८९	०	१५८
	११ वर्ष देखि १५ वर्ष सम्म	७८	८८	०	१६६
	१६ वर्ष देखि २४ वर्ष सम्म	१७३	१५०	०	३२३
	२५ वर्ष देखि ४० वर्ष सम्म	२६६	२२२	०	४८८
	४१ वर्ष देखि ६० वर्ष सम्म	१६५	१९७	०	३६२
	६१ वर्ष देखि ७५ वर्ष सम्म	४८	४८	०	९६
	७६ वर्ष माथी सवै	२६	१५	०	४१
	जम्मा	९३३	९२०	०	१८५३

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराइ गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न. ८ मा ५ वर्ष भन्दा मूनिको जनसंख्या पूरुष र महिला दुवैको गरी ३४ जना रहेको देखिन्छ भने ७५ वर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पूरुष दुवैको ४१ जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति ८११ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ५१४ जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न.३१ : वडा न.९ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पूरुष	ते.ली	जम्मा
९	१ वर्ष भन्दा मूनिको	७	१०	०	१७
	१ वर्ष देखि ५ वर्ष सम्म	८३	१२२	०	२०५
	६ वर्ष देखि १० वर्ष सम्म	८८	९९	०	१८७
	११ वर्ष देखि १५ वर्ष सम्म	६६	८२	०	१४८
	१६ वर्ष देखि २४ वर्ष सम्म	१६०	१४४	०	३०४
	२५ वर्ष देखि ४० वर्ष सम्म	२४१	२५९	०	५००
	४१ वर्ष देखि ६० वर्ष सम्म	१३७	१६८	०	३०५
	६१ वर्ष देखि ७५ वर्ष सम्म	६०	५७	०	११७
	७६ वर्ष माथी सवै	१५	१४	०	२९
	जम्मा	८५७	९५५	०	१८१२

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराइ गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न.९ मा ५ वर्ष भन्दा मूनिको जनसंख्या पूरुष र महिला दुवैको गरी १७ जना रहेको देखिन्छ भने ७५ वर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पूरुष दुवैको २९ जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति ८०४ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ५५५ जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न.३२ : वडा न.१० को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पूरुष	ते.ली	जम्मा
१०	१ वर्ष भन्दा मूनिको	४	८	०	१२
	१ वर्ष देखि ५ वर्ष सम्म	९८	१३८	०	२३६
	६ वर्ष देखि १० वर्ष सम्म	१२५	१४३	०	२६८
	११ वर्ष देखि १५ वर्ष सम्म	११२	९९	०	२११
	१६ वर्ष देखि २४ वर्ष सम्म	१७५	१८३	०	३५८
	२५ वर्ष देखि ४० वर्ष सम्म	३५५	३४२	१	६९८
	४१ वर्ष देखि ६० वर्ष सम्म	१४८	१८७	०	३३५
	६१ वर्ष देखि ७५ वर्ष सम्म	६३	५२	०	११५
	७६ वर्ष माथी सवै	२५	१५	०	४०
	जम्मा	११०५	११६७	१	२२७३

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराइ गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न. १० मा ५ वर्ष भन्दा मूनिको जनसंख्या पूरुष र महिला दुवैको गरी १२ जना रहेको देखिन्छ भने ७५ वर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पूरुष दुवैको ४० जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति १०५६ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ६७१ जना रहेको देखिन्छ ।

तालिका न. ३३ : वडा न.११ को निश्चित उमेर समूहको जनसांख्यिक विवरण

वडा न	निश्चित उमेर समूह	जनसंख्या			
		महिला	पूरुष	ते.ली	जम्मा
११	१ वर्ष भन्दा मूनिको	१	०	०	१
	१ वर्ष देखि ५ वर्ष सम्म	८१	१२५	०	२०६
	६ वर्ष देखि १० वर्ष सम्म	८७	१०३	१	१९१
	११ वर्ष देखि १५ वर्ष सम्म	८६	८७	०	१७३
	१६ वर्ष देखि २४ वर्ष सम्म	१६१	१७४	०	३३५
	२५ वर्ष देखि ४० वर्ष सम्म	२७५	२७१	०	५४६
	४१ वर्ष देखि ६० वर्ष सम्म	१६४	१६६	०	३३०
	६१ वर्ष देखि ७५ वर्ष सम्म	५२	६५	१	११८
	७६ वर्ष माथी सवै	२६	२२	०	४८
जम्मा	९३३	१०१३	२	१९४८	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यहा अस्थाई बसाई सराइ गरेको जनसंख्या समावेश गरीएको छैन । यस वडा न. ११ मा ५ वर्ष भन्दा मूनिको जनसंख्या पूरुष र महिला दुवैको गरी १ जना रहेको देखिन्छ भने ७५ वर्षभन्दा माथीको जनसंख्या महिला र पूरुष दुवैको ४८ जना देखिन्छ । यस वडामा सक्रिय श्रम जनशक्ति ८८१ जना रहेको देखिन्छ भने परनिर्भर जनशक्ति ५६४ जना रहेको देखिन्छ ।

३.८ व्यक्तिगत घटना दर्ता :

नागरिक ले आफ्नो व्यक्तिगत अधिकार उपयोग गर्न राज्यमा विद्यमान कानुनी प्रकृयाहरु पालना गर्नु पर्ने हुन्छ । नागरिकता, राहदानी वा अन्य परिचय पत्र लिन, रोजगारी वा अन्य इलम, उद्योग गर्न,विदेश जान राज्यले आधिकारिक प्रमाण-पत्र उपलब्ध गराउदछ । जन्म,विवाह,सम्बन्ध-बिच्छेद, बसाइसराई,मृत्यु जस्ता घटना समयमै दर्ता गर्नु पर्ने हुन्छ । संविधानले नागरिकलाई विभिन्न अधिकारहरु प्रत्याभूत गरेको छ । यस प्रकारको सेवा,सुविधा र अधिकार प्राप्तीको प्रस्थान बिन्दु भनेकै व्यक्तिगत घटनाको दर्ता हो । राष्ट्रिय तथ्याक बनाउने यसको विश्वव्यापी मान्यता हो । कहाँ कति जन्मे, कतिको मृत्यु भयो,कतिको विवाह भयो , कति बसाइ सरे, कतिको सम्बन्ध बिच्छेद भयो भनिने कुराको जानकारी राज्यले पाउनु पर्छ । यसैको आधारमा सरकारले वा स्थानीय तहहरुले नीति, नियम र कानुन बनाउने हुदा व्यक्तिगत घटना दर्ता सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

सप्तकोशी नगरपालिकामा व्यक्तिगत घटनासंग सम्बन्धीत विवरणहरुलाई समूदाय र लिङ्गका आधारमा हेर्दा कस्तो स्थिति रहेको छ । यस क्षेत्रमा गतवर्ष भएका जन्म, मृत्यु, विवाह, सम्बन्ध-विच्छेद र बसाइ सराई सम्बन्धी घटना कुन रूपमा रहेका छन् भन्ने बारेको तथ्यांक निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

३.८.१ नगरपालिकाको जन्मदत्ता तथा मृत्युदत्ता सम्बन्धी विवरण

नगरपालिकामा जन्म तथा मृत्यु जस्ता व्यक्तिगत घटनासंग सम्बन्धीत विवरणहरु प्रत्येक दिन, महिना र साल अध्यावधिक गरेर राखिन्छ । यसतथ्यांक ले लिङ्ग, जात/जाति, समूदायका आधारमा व्याख्या र विश्लेषण गरेर हेर्ने गरेको पाइन्छ । यस सप्तकोशी नगरपालिकामा गतवर्ष भित्रमा जन्मदत्ता गर्ने पुरुष तथा महिला बाल-बालिकाहरुको संख्या यति भनि बताइन्छ । यस पार्श्व चित्र निर्माणका क्रममा नगरपालिकाको विवरण देहाय बमोजीम रहेको देखिन्छ ।

तालिका न.३४ : जन्म तथा मृत्यु दत्ता सम्बन्धी विवरण

वडा नं.	जन्मदत्ता संख्या						मृत्यु दत्ता संख्या						
	कूल संख्या			जातिय संख्या			कूल संख्या				जातिय संख्या		
	केटा	केटी	जम्मा	दलित	जनजाति	अन्य	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा	दलित	जनजाति	अन्य
१													
२													
३													
४													
५													
६													
७													
८													
९													
१०													
११													
जम्मा													

श्रोत: नगरपालिका कार्यालय २०७७

३.८.२ नगरपालिकाको विवाह,सम्बन्ध-विच्छेद,बसाइ-सराई दर्ता सम्बन्धी विवरण:

व्यक्तिगत घटना दर्ता भन्नाले जन्म, विवाह, बसाइ-सराई, सम्बन्ध-विच्छेद र मृत्यु गरी पाँच घटनालाई जनाउदछ । यस सम्बन्धी विवरणलाई हेर्दा समुदायमा वा वडाहरुमा फरक-फरक स्थिति देखिने गर्दछ । गत बर्षको तथ्यांकमा लाई हेर्दा यस नगरपालिकामा निम्नानुसरको विवरण देखिन्छ ।

तालिका न.३५ : विवाह र सम्बन्ध-विच्छेद सम्बन्धी विवरण

वडा न.	विवाह दर्ता जोडी				सम्बन्ध-विच्छेद विवरण			
	दलित	जनजाति	अन्य	जम्मा	दलित	जनजाति	अन्य	जम्मा
१								
२								
३								
४								
५								
६								
७								
८								
९								
१०								
११								
जम्मा								

श्रोत: नगरपालिका कार्यालय २०७७

३.८.३ बसाइ सराई तथा जनसांख्यिक गतिशिलता :

नेपालमा बसाइसराई एकदमै प्रचलित छ । लगभग आधाजसो (४७ %) घरपरिवारले कम्तीमा १ जना सदस्य विगत १० बर्षमा बसाइ सराई गरेको बताएका थिए । सन २०१५ मा मात्रै तीन जना मध्ये एकजना बसाइ सराई गरेका थिए । हरेक दश पुरुष मध्ये आठ पुरुष कामको शिलशिलामा बसाइ सराई गरेका थिए र दुइ तिहाइ महिलाहरु बैवाहिक कारणले बसाइ गरेका थिए । पुरुषहरुको गन्तव्य स्थल धेरैजसो खाडी मूलुक (३२%) र भारत (१७%) थियो । महिलाहरुको मुलुक बाहिर बसाइ सराई गर्ने प्रचलन खासै पाईदैन (NHDS-2016) ।

माथीको तथ्यांक हेर्दा नेपालमा बसाइ सराई एकदमै प्रचलित छ । सप्तकोशीनगरपालिकामा पनि जिल्ला भित्रै र बाहिर विभिन्न तेश्रो देशहरुमा पनि आफ्नो थाक-थलो छाडेर विभिन्न उद्देश्य राखि जस्तै : रोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्यका लागि

बसाइ सनेहरु प्रशस्तै रहेको देखिन्छ । यसरी ठूलो हिस्सा जनसंख्या कामको लागी वाहिरिदा विप्रेषणले मात्र कालान्तरमा नगरपालिकाको विकाश सम्भव हुदैन । यसका लागी दूरदृष्टि सहित दिगो सोच र विकाशको लक्ष्य लिएर अगाडी बढ्ने युवा जमातको उपस्थिति नगरपालिकामै हुनु अनिवार्य छ । यसरी युवा शक्तिलाई नगरपालिकामै विकासका लागी परिचालन गरी स्थाई वा अस्थायी रूपमा बसाइ सराई गर्ने जनसंख्यालाई कम गर्ने प्रभावकारी योजना र त्यसको कार्यन्वयन गर्नु स्थानीय सरकारको लक्ष्य हुनु जरुरी छ ।

वडागत रूपमा यस सप्तकोशी नगरपालिकाको अस्थायी बसाई सराई गर्ने जनसंख्याको विवरण निम्नानुसार तालिकामा दिइएको छ ।

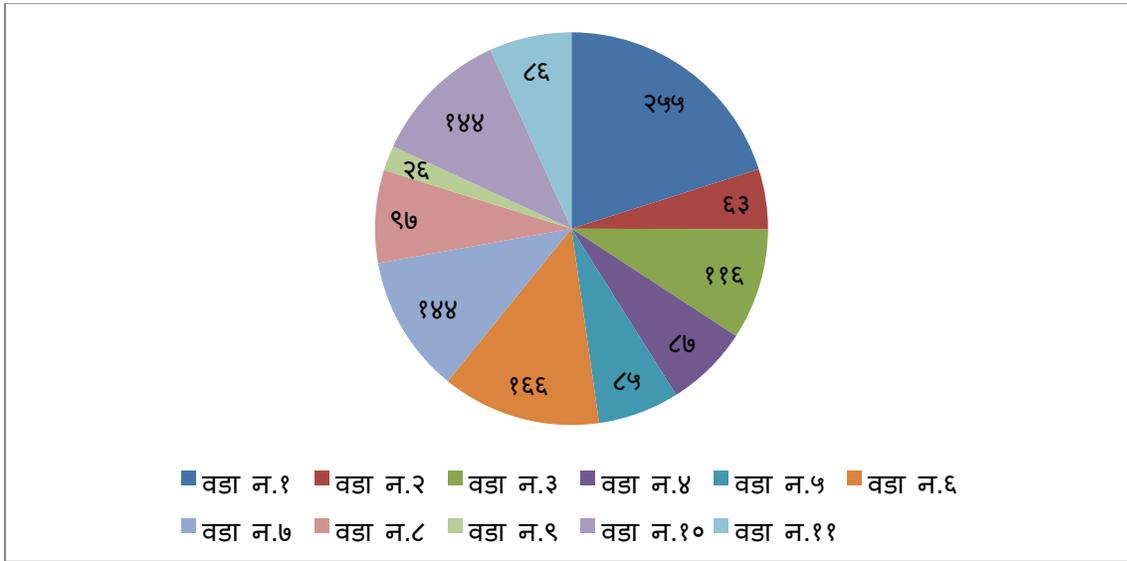
तालिका न.३६ : वडा अनुसार अस्थायी बसाइ सराई गर्ने जनसंख्याको विवरण

वडा न.	जनसंख्या			जम्मा जनसंख्या	प्रतिशत वडागत
	महिला	पुरुष	ते.ली		
१	४२	२१३	०	२५५	४.६९
२	६	५७	०	६३	२.३६
३	२२	९४	०	११६	७.१५
४	८	७९	०	८७	३.१८
५	११	७४	०	८५	५.१७
६	७	१५९	०	१६६	८.८२
७	१४	१३०	०	१४४	९.१९
८	४	९३	०	९७	४.७३
९	१	२५	०	२६	१.७२
१०	१२	१३२	०	१४४	५.९५
११	५	८१	०	८६	४.००
जम्मा	१३२	११३७	०	१२६९	

श्रोत: पाश्चिमा २०७६/२०७७

माथिको तालिका अनुसार यस सप्तकोशी नगरपालिकाका ११ वटा वडाहरुबाट अस्थायी रूपमा बसाइ सराई गर्ने जनसंख्या जम्मा १२६९ रहेको देखिन्छ । जसमा महिलाको दाजोमा पुरुषहरुको संख्या उल्लेख्य रहेको तथ्यांकमा देखिन्छ । यस नगरपालिकामा सबैभन्दा बढी वडा न १ बाट २५५ जना महिला,पुरुष तथा बाल-बालिकाहरु अस्थायी रूपमा बसाइ सराई गरेको देखिन्छ भने सबैभन्दा कम वडा न ९ बाट २६ जना यस अध्ययनको क्रममा अनुपस्थित रहेको देखिन्छ ।

वृत्त चित्र न. ४ : वडा अनुसार अस्थाई बसाई सराई गर्ने जनसंख्याको विवरण



३.८.४ अस्थाई बसाई सराई गरेका जनसंख्या र देशहरुको विवरण :

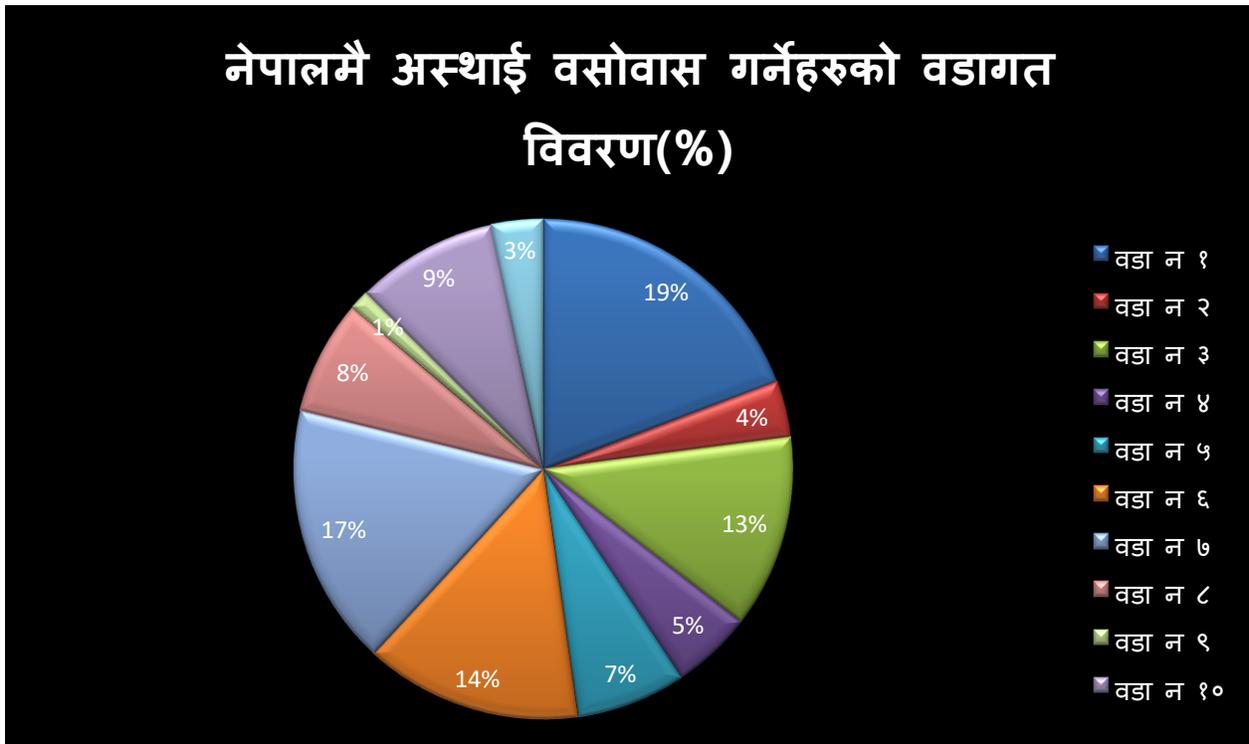
यसैगरी यस सप्तकोशी नगरपालिकाको ११ वटै वडाहरुबाट अस्थाई रुपमा बसाई सराई गरी जाने पुरुष र महिलाहरुको वडागत विवरण र गन्तव्य देशहरुको विस्तृत विवरण पनि आजको दिनमा अति महत्वपूर्ण तथ्यांकको रुपमा देखिन्छ। त्यसलाई अझ सहज रुपमा बुझ्नका लागि तालिकामा विश्लेषण गरिएको छ।

तालिका न.३७ : नेपालमै अस्थाई बसोवास गर्नेहरुको वडागत विवरण

वडा न.	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	२९	९३	०	१२२
२	३	२०	०	२३
३	२२	५७	०	७९
४	४	२९	०	३३
५	११	३४	०	४५
६	६	८३	०	८९
७	१२	९५	०	१०७
८	२	४५	०	४७
९	१	७	०	८
१०	१२	४६	०	५८
११	५	१६	०	२१
जम्मा	१०७	५२५	०	६३२

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशी नगरपालिका बाट नेपालकै विभिन्न जिल्लाहरुमा अस्थाई रुपमा गएको जनसंख्यालाई हेर्दा सबैभन्दा बढी वडा न.१ बाट १२२ जना तथा सबैभन्दा कम वडा नं.९ बाट ८ जना गएको देखिन्छ। तालिकामा उल्लेखित प्रतिशतका आधारमा वडागत विवरण लाई वृत्त चित्रमा समेत प्रस्तुत गरिएको छ।



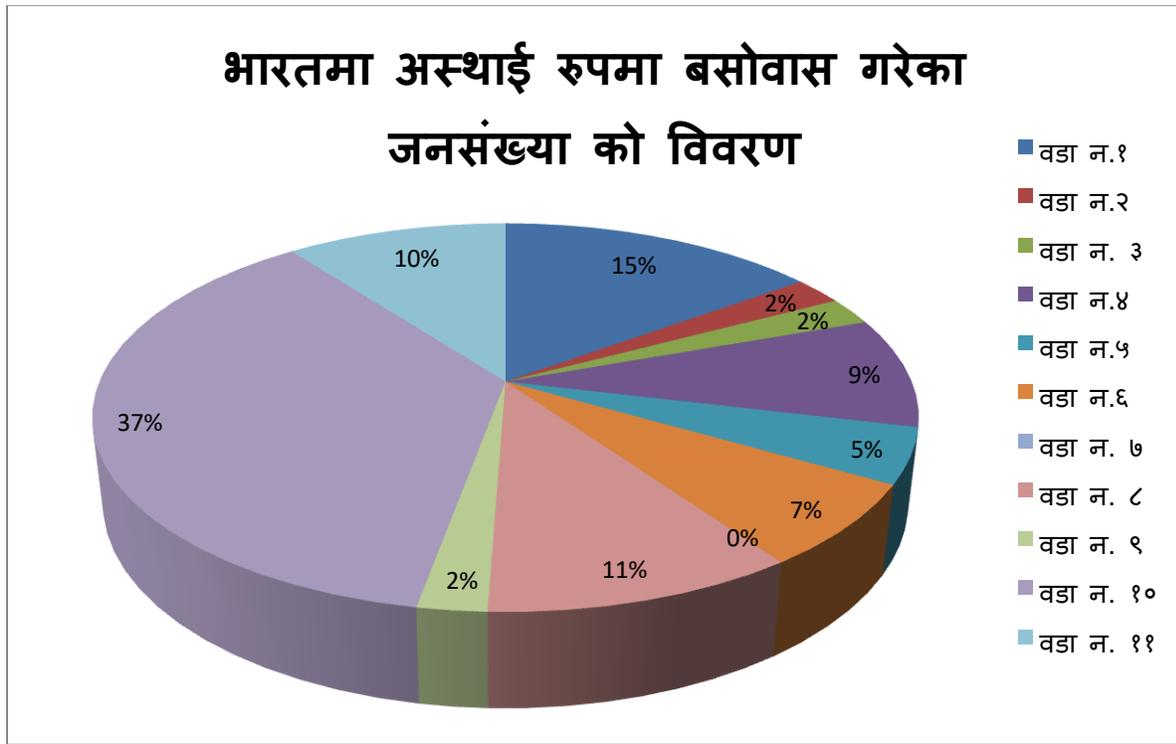
यसैगरी कामको शिलशिलामा भारतका विभिन्न शहरहरूमा रोजगारीका लागि जाने जनसंख्या पनि यस नगरपालिकामा अध्ययनको क्रममा पाइएको थियो । जसलाई तलको तालिकामा प्रस्तुत गरीएको छ । नेपाल बाट रोजगारीका लागि जाने गन्तव्यहरूमा सहज र सरल रूपमा सबैभन्दा नजिकको स्थल भारतको विभिन्न सहरहरू मध्ये पनि पञ्जाव, हरियाणा, मुम्बई, दिल्ली, कर्नाटक तथा आसाम र पश्चिम बंगालका सहरहरूमा मुख्य रूपमा आउने-जाने गरेको स्थलगत अध्ययनको क्रममा पाइएको थियो । भारतमा रोजगारीका लागि जानेहरूले धेरै ठूलो खर्च र लगानी गर्नु नपर्ने तथा उनिहरूले मौसमी रोजगारी प्राप्त गर्ने हुदा पनि नेपालका तराइ भेगबाट भारतका माथि उल्लेखित स्थानहरू मुख्य आकर्षणक श्रम गन्तव्यको रूपमा रहेको पाइन्छ । वडागत रूपमा तलको तालिकामा यसरी यस नगरपालिका बाट जाने जनसंख्यालाई देखाइएको छ ।

तालिका न.३८ : भारतमा अस्थाई रुपमा बसोवास गरेका वडागत जनसंख्या विवरण

वडा न..	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	१	१२	०	१३
२	०	२	०	२
३	०	२	०	२
४	०	८	०	८
५	०	४	०	४
६	०	६	०	६
७	०	०	०	०
८	१	८	०	९
९	०	२	०	२
१०	०	३२	०	३२
११	०	९	०	९
जम्मा	२	८५	०	८७

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथिका तालिका अनुसार भारतमा कामको लागी जाने जनसंख्या जसलाई Seasonal Migrants Population भनिन्छ । उनिहरु विशेषतः भारतका विभिन्न शहरहरुमा गएर एउटा निश्चित समयसम्म काम गर्ने, तत्पश्चात नेपाल फर्कने गर्ने गरेको विभिन्न अध्ययन अनुसन्धानले देखाएका छन् । त्यहि रुपमा यस नगरपालिका बाट पनि भारतमा गएर काम गर्नेहरुको संख्या सवै भन्दा बढी वडा न १० मा ३२ जना र सवैभन्दा कम अर्थात २ जना वडा न ९ मा देखिन्छ । माथिको तालिकाको आधारमा भारतमा अस्थाई रुपमा बसोवास गरेका जनसंख्याको विवरणलाई वडागत रुपले प्रतिशतको आधारमा तलको वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरिएको छ ।



यसरीनै सप्तकोशी नगरपालिका बाट तेश्रो मूलुकका रुपमा रहेका यूरोप र अमेरिकी देशहरुमा जानेहरुको संख्या पनि यस अध्ययन को कममा पाइएको थियो । जसलाई निम्नानुसारको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.३९ : यूरोप र अमेरिकी देशहरुमा अस्थाई रुपमा बसोवास गरेको विवरण

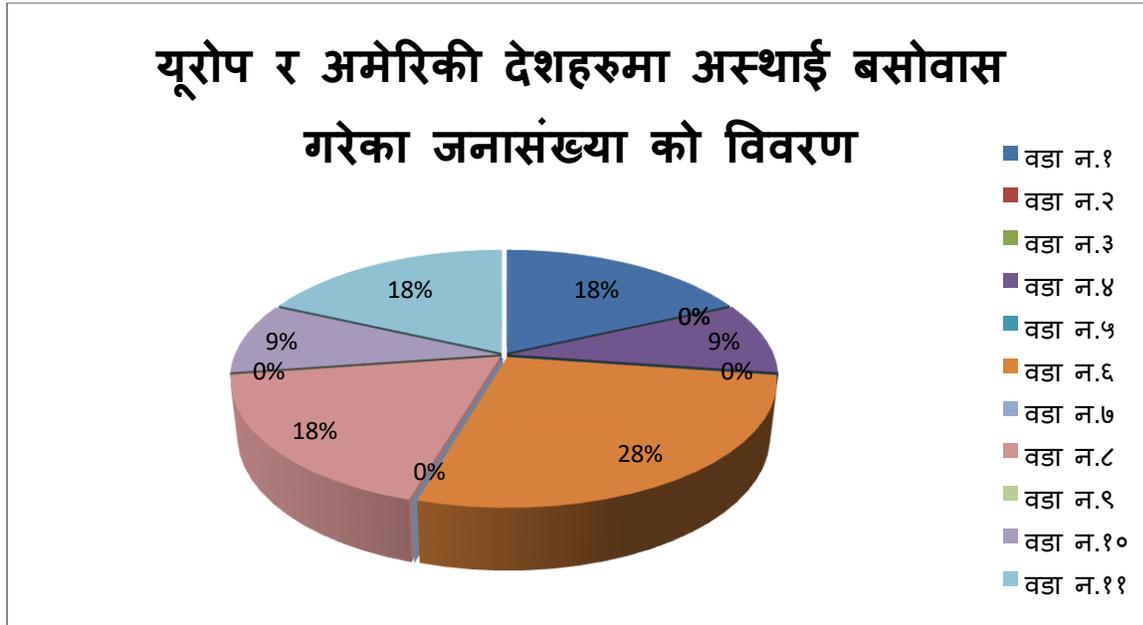
वडा नं.	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	२	०	०	२
२	०	०	०	०
३	०	०	०	०
४	०	१	०	१
५	०	०	०	०
६	०	३	०	३
७	०	०	०	०
८	०	२	०	२
९	०	०	०	०
१०	०	१	०	१
११	०	२	०	२
जम्मा	२	९	०	११

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

उपरोक्त तालिका अनुसार हेर्दा यस नगरपालिका बाट अस्थाई रुपमा तेश्रो मूलुकको रुपमा अमेरिका र यूरोपियन युनियनका देशहरुमा रोजगारी गर्न ,शिक्षा आर्जन गर्न , जानेहरुको संख्या ११ जना रहेको देखिन्छ । सवैभन्दा बढी वडा

न.६ बाट ३ जना र कम वडा न. १० र ४ बाट क्रमश १/१ जना गएको देखिन्छ । माथीको तालिकाको आधारमा तेश्रो मूलकमा बसोवास गर्ने वडागत जनसंख्याको प्रतिशतलाई तलको वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरीएको छ ।

वृत्त चित्र न.७ : यूरोप र अमेरिकी देशहरुमा अस्थायी रूपमा बसोवास गरेको विवरण



यसरीनै खाडी मूलकमा रोजगारीमा जाने महिला/पुरुषहरुको संख्या पनि गाउँपालिकाका ११ वटा वडाहरुमा उल्लेख्य रूपमा रहेको देखिन्छ । जसलाई निम्न तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.४० : अस्थायी रूपमा खाडी मूलकमा बसोवास गर्नेहरुको वडागत विवरण

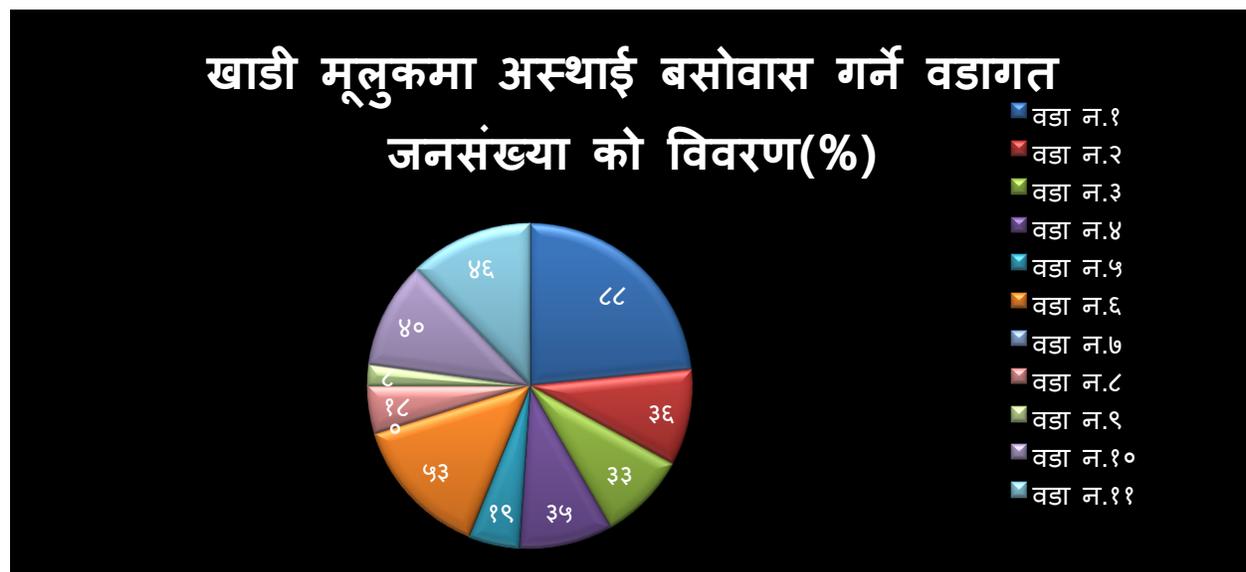
वडा नं.	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	६	८२	०	८८
२	३	३३	०	३६
३	०	३३	०	३३
४	२	३३	०	३५
५	०	१९	०	१९
६	०	५३	०	५३
७	०	०	०	०
८	१	१७	०	१८
९	०	८	०	८
१०	०	४०	०	४०
११	०	४६	०	४६
जम्मा	१२	३६४	०	३७६

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकामा सप्तकोशीनगरपालिकाबाट मुख्यतया: कतार,दुबई, साउदि अरब, बहराईन जस्ता मूलकहरुमा रोजगारीको शिलशिलामा जानेहरु सवैभन्दा बढी वडा न १ बाट महिला ६ जना र पुरुष ८२ जना गरी जम्मा ८८ जना रहेका छन् भने सवैभन्दा कम वडा न.९ बाट जम्मा ८ जना गएको देखिन्छ । माथिको तालिकाको आधारमा

खाडी मूलुकमा अस्थाई बसाइ सराई गरेको वडागत जनसंख्यालाई प्रतिशतको आधारमा निम्न वृत्त चित्रमा देखाइएको छ ।

वृत्त चित्र न.८ : अस्थाई रुपमा खाडी मूलुकमा बसोवास गर्नेहरुको वडागत विवरण



यसैगरी सप्तकोशी नगरपालिका बाट जापान,कोरियामा कामको शिलशिलामा विगत १० वर्ष भित्रमा कति घरपरिवारका सदस्यहरु गएका रहेछन् भन्ने बारेमा पनि यस पार्श्वचित्र निर्माणका क्रममा तथ्यांक संकलन गरीएको थियो जसलाई देहायको तालिकामा देखाइएको छ ।

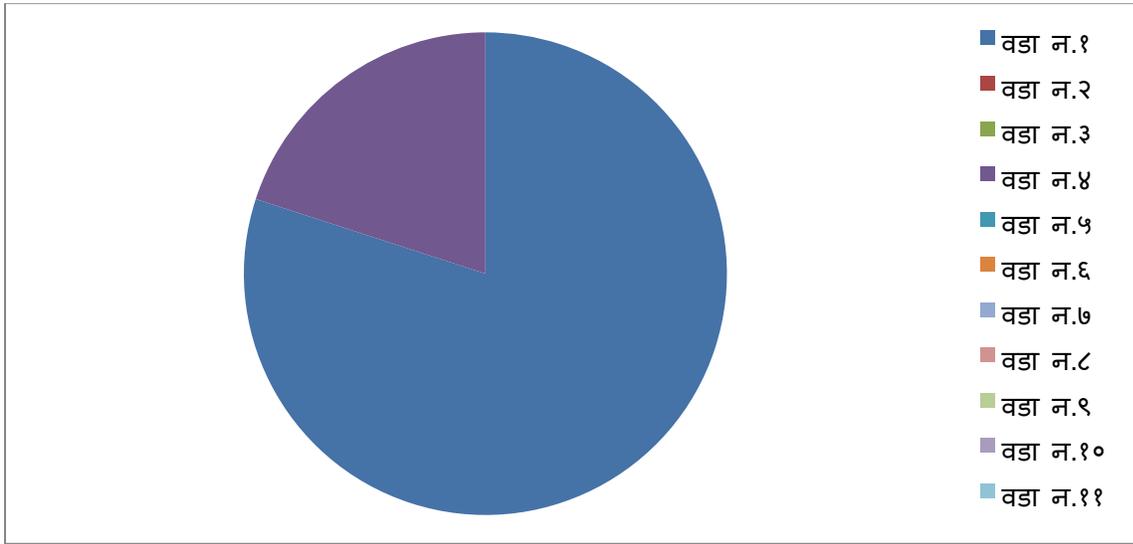
तालिका न.४१ :जापान,कोरियामा कामको कारण अस्थाई बसोवास गर्ने जनसंख्या

वडा नं.	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	१	७	०	८
२	०	०	०	०
३	०	०	०	०
४	०	२	०	२
५	०	०	०	०
६	०	०	०	०
७	०	०	०	०
८	०	०	०	०
९	०	०	०	०
१०	०	०	०	०
११	०	०	०	०
जम्मा	१	९	०	१०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकाअनुसार ११ वटै वडाहरु बाट जापान तथा कोरियामा रोजगारको शिलशिलामा जाने महिला तथा पुरुषहरुको संख्या मध्ये सबैभन्दा बढी वडा नं.१ मा ८ जना देखिन्छ भने सबैभन्दा कम वडा नं.४ मा देखिन्छ । जसलाई वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरीएको छ ।

वृत्त चित्र न. ९ : जापान,कोरियामा कामको कारण अस्थाई बसोवास गर्ने जनसंख्या



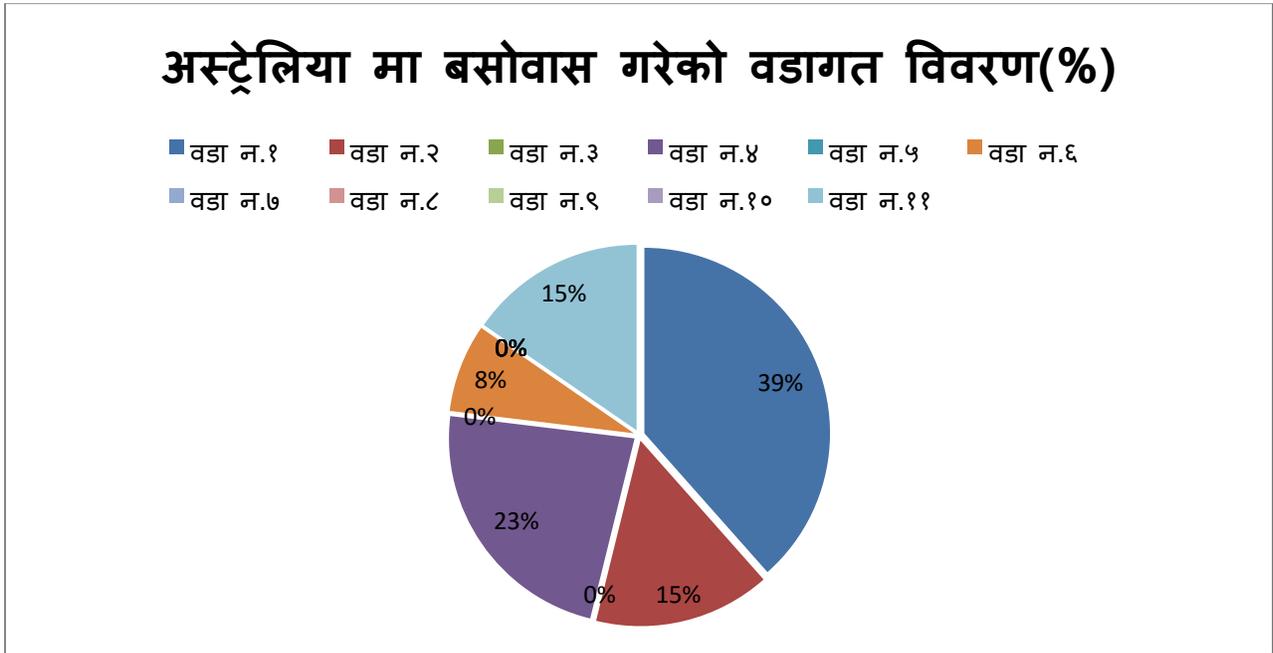
यसैगरी नगरपालिका बाट अष्ट्रेलिया मा रोजगार वा अध्ययनको शिलशिलामा जानेहरु पनि यस अध्ययनको क्रममा पाइएको छ । यसरी अष्ट्रेलिया गएका जनसंख्यालाई निम्नानुसारको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न. ४२ : अष्ट्रेलियामा बसोवास गरेको वडागत विवरण

वडा न..	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	२	३	०	५
२	०	२	०	२
३	०	०	०	०
४	२	१	०	३
५	०	०	०	०
६	०	१	०	१
७	०	०	०	०
८	०	०	०	०
९	०	०	०	०
१०	०	०	०	०
११	०	२	०	२
जम्मा	४	९	०	१३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार अष्ट्रेलियामा रहेर रोजगार वा उच्च शिक्षा आर्जन गर्ने महिला/पुरुषहरुको संख्या १३ जना रहेको छ । जस मध्ये वडा न १ बाट ५ जना र वडा न ६ मा सबैभन्दा कम १ जना रहेको तथ्याकं देखिन्छ । माथीको तालिकाको आधारमा वडागत जनसंख्याको विवरणलाई प्रतिशतको आधारमा वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरीएको छ ।



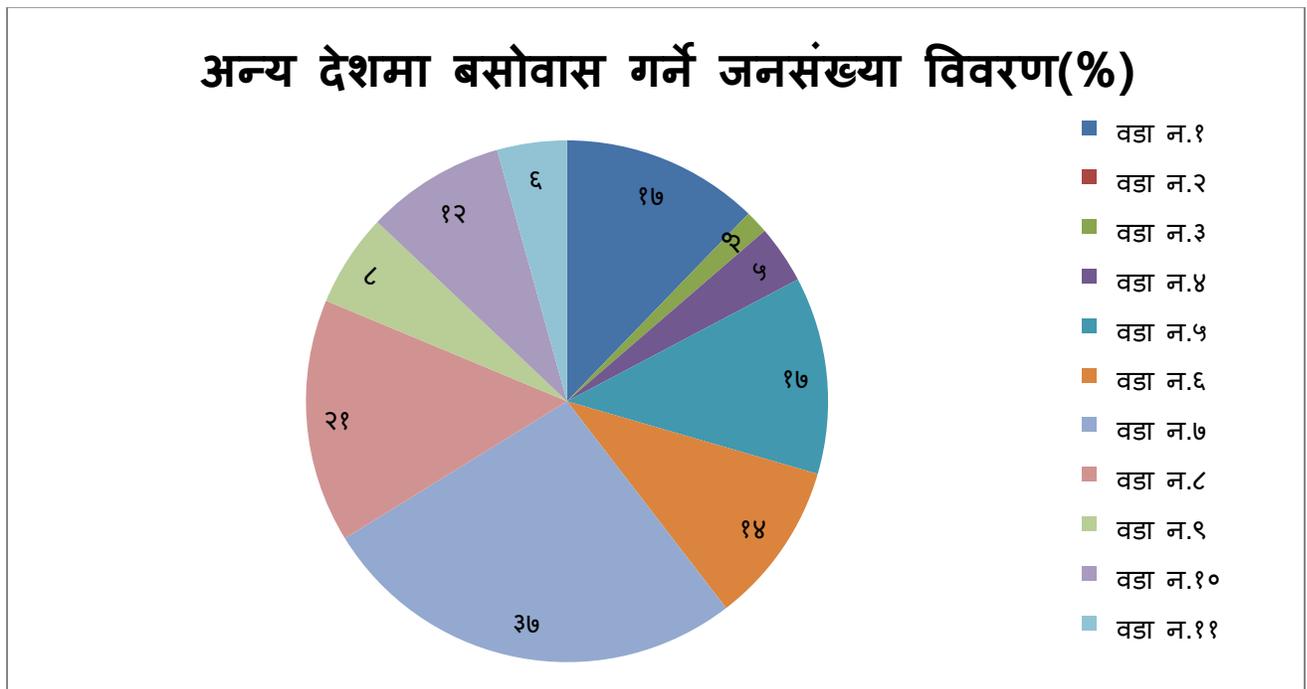
यसैगरी सप्तकोशीनगरपालिका का सबै वडाहरुबाट अस्थाई रुपमा अन्य देश : मलेशिया लगायतका देशहरुमा बसोवास गर्नेको संख्या पनि उल्लेख्य मात्रामा रहेको देखिन्छ । यसलाई तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.४३ : अन्य देशमा बसोवास गर्ने जनसंख्या विवरण

वडा नं.	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	१	१६	०	१७
२	०	०	०	०
३	०	२	०	२
४	०	५	०	५
५	०	१७	०	१७
६	१	१३	०	१४
७	२	३५	०	३७
८	०	२१	०	२१
९	०	८	०	८
१०	०	१२	०	१२
११	०	६	०	६
जम्मा	४	१३३	०	१३९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकामा देखाइए अनुसार सप्तकोशी नगरपालिका सबै वडाहरु बाट अन्य मूलुक भन्नाले चीन, मलेशीया, थाईल्याण्ड लगायतका मूलुकहरुमा जानेको विवरण समेटिएको छ । जसमा सबैभन्दा बढी वडा न ७ बाट ३७ जना र सबैभन्दा कम वडा न ३ बाट २ जना गएको तथ्यांकमा देखिन्छ । यसलाई अझ प्रष्ट पार्न प्रतिशतको आधारमा वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरीएको छ ।



सप्तकोशी नगरपालिकाका सबै वडाहरूबाट पार्श्वचित्र निर्माणका क्रममा प्रत्येक घरधूरीबाट लिएको तथ्यांक अनुसार अर्थाई प्रकृतिको बसाइ सराई मा विगत १० वर्षमा कहाँ गएको, किन गएको भन्ने जवाफमा थाहा छैन भन्ने केही व्यक्तिमात्र रहेको अध्ययनका क्रममा पाइएको छ । यस नगरपालिकाको यसरी हेर्दा अर्थाई प्रकृतिको बसाइ सराईले पनि आगामी दिनमा नगरपालिकाका विभिन्न कार्यक्रम, योजना तथा जनसंख्यामा प्रत्यक्ष वा परोक्ष ढंग वाट प्रभाव पर्ने देखिन्छ । हाल देशमा भइरहेको **ऋद्धि** (१९ स्वास्थ्यसँग सम्बन्धीत विषम परिस्थिति लाइ मध्यनजर गर्दै वडाहरूबाट बाहिरिएका जनसंख्याको विस्तृत विवरण प्रस्तुत गरीएको हो । जुन नगरपालिका तथा वडा कार्यलयहरूलाई यस विषम परिस्थितिमा त्यसको व्यवस्थापनमा सहजता ल्याउने विश्वास पनि यस अर्थाई प्रकृतिको जनसंख्या विवरणले सरलता ल्याउने आशा राखिएको छ ।

३.८.५ बसाइ सराई र जनसांख्यिक गतिशिलता

यसरी स्थाई वा अर्थाई रूपमा बसाइ सराई गर्ने विभिन्न कारण र माध्यम हुन सक्दछन् । मानिस सामाजिक प्राणी भएका कारणले गर्दा समाज,टोल, बस्ति, गाउ या आफूलाई स्थापित गराउन, राम्रो र मीठो खाना खान तथा स्वास्थ्यका दृष्टिकोण बाट स्वास्थ्य भएर जीवन निर्वाह गर्ने चाहाले बढी नै दौडधूप गर्छ । आफू र आफ्ना सन्तानको उज्वल भविष्यको लागी आर्थिक र सामाजिक तवरले स्थापित भएरबस्ने चाहना जो कोहीमा हुन सक्दछ । बसाइ सर्नु कसैको बाध्यता पनि हुन सक्दछ । मूलतः आम मानिसहरूको उद्देश्य भनेको उन्नत भविष्यको चाहना नै प्रमुख कारण हुन जान्छ भन्ने तथ्य विभिन्न अध्ययन अनुसन्धान प्रतिवेदनहरूले समेत पुष्टि गरीसकेको छ । यि यसरी बसाइ सर्नुको मूल कारणहरु के हो भनि अध्ययनको क्रममा खोजिएको थियो। जसलाई निम्नानुसारको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न. ४४ : वडा अनुसार बसाइ सराई गर्नुको कारणहरूको विवरण

वडा न..	काम लागी	गर्न/रोजगारीको	पढाइ गर्न/अध्ययन गर्न	विवाह भएर गएको	परिवार सँग गएको	सुरक्षाको कारणले	अन्य	थाहा छैन
१		१९८	५४	१४	७७	३	०	०
२		५५	८	०	२	०	०	०
३		८१	३५	१०	३२	०	०	०
४		६९	१६	१	०	२	०	०
५		६५	२०	०	१५	०	०	१
६		१५३	१३	१	९३	०	०	०
७		११७	२७	०	३७	०	०	०
८		८९	८	०	१६	०	०	१
९		२२	४	०	०	०	०	०
१०		१२५	१८	०	९	१	०	१
११		७४	९	०	१२	३	२	०
जम्मा		१०४८	२१२	२६	२९३	९	२	३

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकामा नगरपालिका बाट मुख्य रूपमा वा बढी जसो कुन कारणले कति जना कुन वडा बाट बाहिरिएका रहेछन् भन्ने विवरण देखाइएको छ। काम गर्न या रोजगारीका लागी अधिकांश वडाका व्यक्तिहरू बहिर गएको देखिन्छ, भने सुरक्षाका कारण बाट पनि सात जना व्यक्तिहरूले पनि सरेको तथ्यांकमा देखिन्छ। यस तालिकामा अन्य शिर्षकहरूमा रोजगारी खोज्न जाने, स्वास्थ्य उपचारको लागी उतै गएर बस्ने, अंश वण्डा गरेर छुट्टिएको भन्ने जवाफहरू पनि आएको देखिन्छ। यसैगरी यस नगरपालिकामा अवसर लगायत आधुनिकताको प्रभाव विस्तारभएका र विकाशका पूर्वाधारहरूको सहजता भएको स्थलहरूमा जानेहरू पनि अध्ययनको क्रममा पाइएको थियो।

३.९ जातजाति अनुसार नगरपालिकाको विवरण

यस सप्तकोशीनगरपालिकामा विगतको जात-जातियताको विवरणहरूलाई उचयार्षि मा समावेश गर्दा थरका आधारमा प्रस्तुत गरिने गरीएको दस्तावेजहरूमा देखिन्छ। यसरी विभाजन गर्दा यस नगरपालिकामा जात वा थरका आधारमा ७० वटा भन्दा बढी थरहरूलाई रिपोर्टहरूमा पनि प्रस्तुत गरीएको देखिन्छ। यस अध्ययनमा केन्द्रीय तथ्यांक विभाग द्वारा राष्ट्रिय स्तरमा गरीने सर्वेक्षणको रूपमा प्रयोग गरीने जात जातियतालाई आधार बनाएर अध्ययन गरीएको थियो। मुख्य रूपमा तथ्यांक विभागले २०६८ सालमा गरेको जनगणना, त्यसैगरी स्वास्थ्य मन्त्रालयले इ.स २०१६ मा गरेको जनसांख्यिक स्वास्थ्य सर्वेक्षणका जात जातियताको कोडहरूलाई आधार बनाएर यस नगरपालिकाको जात जातिको अवस्थालाई हेर्ने वा विश्लेषण गरिएको छ। यस जात जातियताको आधारमा जनसंख्याको विवरणलाई निम्नानुसार तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका न. ४५ : जात/जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण

सि.न	जात/जातियता	पूरुष जम्मा	महिला जम्मा	तेश्रो लिङ्गी जम्मा	जम्मा	जम्मा प्रतिशत
१	ब्राह्मण	२८०	२७८	०	५५८	२।४
२	पहाडे क्षेत्री	१६०१	१६३५	०	३२३६	१३।८१
३	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	३५०	३५६	०	७०६	३।०१
४	अन्य तराई जाती	२२८८	२११९	०	४४०७	१८।८
५	पहाडे दलित	२३५	२३५	०	४७०	२।०३
६	तराई दलित	२८१०	२७१४	२	५५२६	२३।६९
७	नेवार	२२४	२१७	०	४४१	१।८८
८	पहाडे जनजाति	५१७	५३८	०	१०५५	४।५४
९	तराई जनजाती	३०४०	३३८७	२	६४२९	२७।४३
१०	मुस्लिम	२६२	२४०	०	५०२	२।२४
११	अन्य	२२	१६	०	३८	०।१६
	जम्मा	११६२९	११७३५	४	२३३६८	१००।००

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

उपरोक्त तालिका अनुसार सप्तकोशीनगरपालिकाको समग्र जनसंख्या घरमा जात जातियताको अवस्थाका बारेमा देखाइएको छ । जसमा ब्राह्मण जात जातियता भित्र-अर्याल ,आचार्य अधिकारी, भट्टराई, पोखरेल,रिमाल, न्यौपाने, भण्डारी, ठकाल, पौडेल, खनाल, बराल, उपाध्याय, रेग्मि, घिमिरे जस्ता धेरै प्रकारका थरहरु समेटिएको हुन्छ । ति ब्राह्मण जात जातिको प्रतिशत समग्र जनसंख्यामा २.३८ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । यसैगरी तराई जनजाति भित्र समेटिएका थरहरुमा थारु, कठरिया, खाँ, विश्वास, राजी, खवास, चौधरी, परिहार, सैलिमार, जोगी, दनुवार, माभी, खस, भगत आदि जस्ता लगायत कुश्वाहा, धानुक, राजवंशी, धिमाल, सतार,सन्थाल, भागड, ताजपूरिया आदी पनि यहि जातियता भित्र समेटिएको छ । जसको समग्र प्रतिशत हेर्दा २७.५१ प्रतिशत नगरपालिकामा देखिन्छ ।

३.१०.१ थर र जातका आधारमा जनसंख्या विवरण

सप्तकोशीनगरपालिकाका सवै वडाहरुमा बसोवास गर्ने थर रजातलाई हेर्दा अत्यन्तै विविधता पाईन्छ । नेपाल राष्ट्र नै एउटा विविधता भएको मूलुक भएकाले यहा पनि सोहि विविधताको फलको देखिन्छ । जात जातियता भित्रका विभिन्न थरीका जनसंख्याले आफ्नो धर्म, परम्परा, रितिरिवाज,संस्कृति तथा आफ्नो पहिचान लाई पनि सुनिश्चित गरेका छन् । यस शिर्षकमा सप्तकोशीनगरपालिकाका विभिन्न जात जातियता भित्रका जातिहरुको अवस्थिति कस्तो छ , उनिहरुको संख्या के,कति छ, भन्ने बारेमा तलको तालिकामा विस्तृत रुपमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न. ४६ : तराई दलितहरूको जनसंख्या विवरण

क्रासा	जात र जातियता	महिला	पुरुष	तेस्रो लिङ्गी	जम्मा
१	चमार	२१५	२३६	०	४५१
२	मुसहर	११६१	११५१	०	२३१२
३	दुसाध	१०१	१०९	०	२१०
४	तत्मा	१५	१६	०	३१
५	धोबी	४१७	४८०	२	८९९
६	डोम	१८	१८	०	३६
७	हलखोर	०	०	०	०
८	बन्तर	१५७	१६०	०	३१७
९	खत्वे	५३०	५२६	०	१०५६
१०	चिडीमार	०	१	०	१
११	पत्थरकठा	०	०	०	०
					५३१३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

उपरोक्त तालिका बमोजिम यस सप्तकोशी नगरपालिकामा तराई दलितका रूपमा परिभाषित भएका जातिहरूलाई समेटिएको छ। यस नगरपालिकामा तराई दलितहरू मध्ये २६९९ जना पुरुष र २६१४ जना महिलाहरू समेटिएका छन्। यसरी हेर्दा नगरपालिकाको समग्र जनसंख्याका करीब २२।७३ प्रतिशत जनसंख्या तराई दलितहरूको रहेको छ।

यसैगरी सप्तकोशी नगरपालिकाको पहाडे दलित जात जातियता भित्र को परिभाषामा समेटिएका थरहरू कामी, दमाई, ढोली, सार्की, गाइने, वादी जस्ता जातहरूको अवस्थिति पनि नगरपालिकाको लागी महत्वपूर्ण हुन सक्ने सम्भावनालाई मध्यनजर गरेर उनिहरूको अवस्थाका वा अवस्थितिका बारेमा तलको तालिकामा समग्र गाउँपालिकाको अवस्था देखाइएको छ।

तालिका न. ४७ : पहाडे दलित जातिहरूको जनसंख्या विवरण

क्रासा	जात र जातियता	महिला	पुरुष	तेस्रो लिङ्गी	जम्मा
१	कामि	१२०	११५	०	२३५
२	दमाइ	७०	८४	०	१५४
३	सार्की	४१	३३	०	७४
४	बादी	०	०	०	०
५	ढोली	०	०	०	०
६	गाइने	०	०	०	०
					४६३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार नगरपालिकामा पहाडे दलितहरूको संख्या ४६३ जना देखिन्छ। यसरी नगरपालिकाको समग्र जनसंख्याको १.९८ प्रतिशत जनसंख्या पहाडे दलित समुदायहरूको रहेको छ। पछाडी पारिएका वर्गहरू मध्ये पर्ने दलित

समूदायको उत्थान तथा सहज जिवीकोपार्जन का निमित्त यस्ता खालका विवरणहरूले नगरपालिकाको समग्र योजना तथा कार्यक्रम निर्माण गर्दा यिनिहरूको पनि विकास निर्माणमा सम्बोधन हुन सकेको खण्डमा वा ति यस्ता कार्यक्रमहरू मा साथै यस वर्ग समूदायलाई सहभागि गराउन सकेको खण्डमा नगरपालिकाको समग्र विकासमा समानुपातिकताको अवधारणा विकास भएर जाने हुन्छ ।

यसैगरी सप्तकोशी नगरपालिकाको जात जातियताको अवस्थालाई हेर्दा तराई जनजाती भित्र केन्द्रीय तथ्यांक विभागको राष्ट्रिय जनगणनामा समेटिएका जातजातीहरूको अवस्था कस्तो छ , उनिहरू जातको आधारमा कति संख्यामा छन् भन्ने बारेको विश्लेषण पनि गाउँपालिकाका विभिन्न कार्यक्रमहरूमा सहयोगी हुन सक्छन् भन्ने उद्देश्यले यस शिर्षकमा ति तराई जनजाती भित्र समेटिएकाहरूको विवरण प्रस्तुत गरीएको छ । यसरी हेर्दा तराई जनजाती भित्र थारु जातीमा विभिन्न थरहरू मूख्य रूपमा कठरीया, खाँ, विश्वास, राजी, खवास, चौधरी, परिहार, जोगी, दनुवार, माभी, महन्त, भगत आदी जस्ता जातिहरू समेटिएको पाईन्छ । यसलाई अझ विस्तृत रूपमा देहायको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.४८ : तराई जनजातिहरूको समग्र जनसांख्यिक विवरण

क्रासा	जात र जातियता	महिला	पुरुष	तेस्रो लिङ्गी	जम्मा
१	थारु	३०६५	२६८६	१	५७५२
२	कुशवाह	२८	२५	०	५३
३	धिमाल	१०	१०	०	२०
४	धानुक	१८७	२१५	१	४०३
५	राजवंसी	४७	५२	०	९९
६	सतार	२	३	०	५
७	सन्थाल	१	३	०	४
८	झागड	६	३	०	९
					६३४५

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा ६३४५ जना जनसंख्या देखिएको छ जसमा थारु जति भित्र पनि विभिन्न थरका जनसंख्या रहेका छन् । बाहुल्य जनसंख्याको अवस्था रहेका यि तराई जनजातिहरू समग्र नगरपालिकाको २७.१५ प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

३.१०.२ वडागत रूपमा जात जातियताको जनसांख्यिक विवरण

सप्तकोशी नगरपालिकाका सबै वडाहरूमा जात, जाति र लिङ्गका आधारमा वडागत विवरण कस्तो रहेछ भनेर हेर्दा देहाय बमोजिमको तालिकामा विस्तृत विश्लेषण गरीएको छ । यस विवरणले नगरपालिकाका वडाहरूमा विभिन्न रूपमा वसोवास गर्ने मानिसहरूको जातजातियताका आधारहरू कस्तो रहेछ भनेर हेर्नका लागि मदत पुग्नेछ । यस तालिकामा पनि केन्द्रीय तथ्यांक विभागद्वारा विगतमा गरिएको जनगणनाका अवधिका जातजातियताको वर्गिकरणलाई आधार बनाई विश्लेषण गरिएको छ ।

तालिका न.४९ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.१

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
१	ब्राह्मण	१६७	१७३	०	३४०
	पहाडे क्षेत्री	८८२	८८९	०	१७७१
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	११६	९८	०	२१४
	अन्य तराई जाती	२७६	२४६	०	५२२
	पहाडे दलित	१८१	१७७	०	३५८
	तराई दलित	४२	४०	०	८२
	नेवार	६१	४५	०	१०६
	पहाडे जनजाति	३५०	३५६	०	७०६
	तराई जनजाती	३१६	३१३	०	६२९
	मुस्लिम	९०	६५	०	१५५
	अन्य	६	७	०	१३
जम्मा		२४८७	२४०९	०	४८९६

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.१ को समग्र मध्ये महिला २४१९ र पुरुष २५०६ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा पहाडे क्षेत्री,पहाडे जनजाति जस्ता जातिहरुको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याको ५०.५९ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरुको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

तालिका न.५० : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.२

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
२	ब्राह्मण	६	७	०	१३
	पहाडे क्षेत्री	१९८	२१०	०	४०८
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	१०	१५	०	२५
	अन्य तराई जाती	३६	४२	०	७८
	पहाडे दलित	१८	१५	०	३३
	तराई दलित	२६५	२६८	०	५३३
	नेवार	३३	२४	०	५७
	पहाडे जनजाति	३२	४५	०	७७
	तराई जनजाती	४३९	५४९	०	९८८
	मुस्लिम	१३९	१३७	०	२७६
	अन्य	११	७	०	१८
जम्मा		११८७	१३१९	०	२५०६

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.२ को समग्र मध्ये महिला १३१९ र पुरुष ११८७ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा पहाडे क्षेत्री र तराई जनजाति जस्ता जातिहरुको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याको ५५.७० प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरुको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

तालिका न.५१ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.३

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
३	ब्राह्मण	२५	२४	०	४९
	पहाडे क्षेत्री	२२७	२४३	०	४७०
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	२०	१९	०	३९
	अन्य तराई जाती	२	४	०	६
	पहाडे दलित	३	१०	०	१३
	तराई दलित	१४२	१३७	०	२७९
	नेवार	१६	१७	०	३३
	पहाडे जनजाति	२	२	०	४
	तराई जनजाती	२१८	२७७	१	४९६
	मुस्लिम	०	०	०	०
	अन्य	०	०	०	०
जम्मा		६५५	७३३	१	१३८९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.३ को समग्र मध्ये महिला ७३४ र पुरुष ६५५ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा पहाडे क्षेत्री र तराई जनजाति जस्ता जातिहरूको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याको ६९.५४ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरूको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

तालिका न.५२ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.४

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
४	ब्राह्मण	२०	१६	०	३६
	पहाडे क्षेत्री	४८	४५	०	९३
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	१३६	१५०	०	२८६
	अन्य तराई जाती	१६९	१५६	०	३२५
	पहाडे दलित	७	७	०	१४
	तराई दलित	५०९	४९०	०	९९९
	नेवार	४९	६२	०	१११
	पहाडे जनजाति	२२	२५	०	४७
	तराई जनजाती	१९८	२०४	०	४०२
	मुस्लिम	३३	३८	०	७१
	अन्य	०	०	०	०
जम्मा		११९१	११९३	०	२३८४

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.४ को समग्र मध्ये महिला ११९३ र पुरुष ११९१ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा अन्य तराई जाति र तराई दलित जस्ता जातिहरूको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याको ५५।५३ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरूको संख्या समावेश गरिएको छैन । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरूको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

तालिका न.५३ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.५

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
५	ब्राह्मण	४९	४४	०	९३
	पहाडे क्षेत्री	११८	११८	०	२३६
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	१०	१५	०	२५
	अन्य तराई जाती	४४	३१	०	७५
	पहाडे दलित	४	६	०	१०
	तराई दलित	१७७	१७४	०	३५१
	नेवार	०	०	०	०
	पहाडे जनजाति	१४	१२	०	२६
	तराई जनजाती	३३५	३२७	०	६६८
	मुस्लिम	०	०	०	०
	अन्य	०	०	०	०
जम्मा	७५१	७२७	०	१४७८	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.५ को समग्र मध्ये महिला ७२७ र पुरुष ७५१ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा तराई दलित र तराई जनजाति जस्ता जातिहरूको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याको ६८.२६ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरूको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

तालिका न.५४ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.६

वडा.न	जात/जातियता	पूरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
६	ब्राह्मण	०	०	०	०
	पहाडे क्षेत्री	३	३	०	६
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	६	१२	०	१८
	अन्य तराई जाती	२५४	३१०	०	५६४
	पहाडे दलित	७	६	०	१३
	तराई दलित	१४४	१५७	०	३०१
	नेवार	२	२	०	४
	पहाडे जनजाति	२३	२४	०	४७
	तराई जनजाती	२६६	३३१	०	५९७
	मुस्लिम	०	०	०	०
	अन्य	०	०	०	०
जम्मा		७०५	८४५	०	१५५०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.६ को समग्र मध्ये महिला ८४५ र पूरुष ७०५ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा अन्य तराई जाति र तराई जनजाति जस्ता जातिहरुको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याको ७५ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरुको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

तालिका न.५५ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.७

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
७	ब्राह्मण	०	०	०	०
	पहाडे क्षेत्री	२	३	०	५
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	०	०	०	०
	अन्य तराई जाती	८५	८५	०	१७०
	पहाडे दलित	३	४	०	७
	तराई दलित	८८	८४	०	१७२
	नेवार	०	०	०	०
	पहाडे जनजाति	०	०	०	०
	तराई जनजाती	४२०	५०५	०	९२५
	मुस्लिम	०	०	०	०
	अन्य	०	०	०	०
जम्मा	५९८	६८१	०	१२७९	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.७ को समग्र मध्ये महिला ६८१ र पुरुष ५९८ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा अन्य तराई जाति र तराई जनजाति जस्ता जातिहरूको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याको ८५.६९ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरूको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

तालिका न.५६ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.८

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
८	ब्राह्मण	८	५	०	१३
	पहाडे क्षेत्री	६०	५९	०	११९
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	१५	१५	०	३०
	अन्य तराई जाती	२५१	२३२	०	४८३
	पहाडे दलित	०	०	०	०
	तराई दलित	३१०	३०४	०	६१४
	नेवार	३२	३६	०	६८
	पहाडे जनजाति	१६	१६	०	३२
	तराई जनजाती	२२८	२६६	०	४९४
	मुस्लिम	०	०	०	०
	अन्य	०	०	०	०
जम्मा	९२०	९३३		१८५३	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न ८ को समग्र मध्ये महिला ९३३ र पुरुष ९२० जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा तराई दलित र तराई जनजाति जस्ता जातिहरूको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याका ५९.७९ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरूको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

तालिका न.५७ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.९

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
९	ब्राह्मण	५	९	०	१४
	पहाडे क्षेत्री	०	०	०	०
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	२१	१५	०	२५
	अन्य तराई जाती	५२३	४३९	०	६७१
	पहाडे दलित	०	२	०	०
	तराई दलित	३४१	३३०	०	६१४
	नेवार	०	०	०	०
	पहाडे जनजाति	०	०	०	०
	तराई जनजाती	६५	६२	०	७२
	मुस्लिम	०	०	०	०
	अन्य	०	०	०	०
जम्मा		९५५	८५७	०	१८१२

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न ९ को समग्र मध्ये महिला ८५७ र पुरुष ९५५ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा अन्य तराई जाति र तराई दलित जस्ता जातिहरूको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याको ७०.९१ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरूको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

तालिका न. ५८ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.१०

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
१०	ब्राह्मण	०	०	०	०
	पहाडे क्षेत्री	६३	६५	०	१२८
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	६	८	०	१४
	अन्य तराई जाती	५५५	४८४	०	१०३९
	पहाडे दलित	०	०	०	०
	तराई दलित	२३०	२३०	०	४६०
	नेवार	२९	२८	०	५७
	पहाडे जनजाति	४७	५१	०	९८
	तराई जनजाती	२३२	२३७	१	४७०
	मुस्लिम	०	०	०	०
	अन्य	५	२	०	७
जम्मा	११६७	११०५	१	२२७३	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.१० को समग्र मध्ये महिला ११०५ र पुरुष ११६७ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा अन्य तराई जाति र तराई जनजाति जस्ता जातिहरूको बाहुल्यता देखिन्छ। समग्र जनसंख्याको ६६.३८ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ। यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरूको संख्या समावेश गरिएको छैन।

तालिका न.५९ : जात जातियताको आधारमा जनसंख्या विवरण वडा न.११

वडा.न	जात/जातियता	पुरुष	महिला	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा
११	ब्राह्मण	०	०	०	०
	पहाडे क्षेत्री	१०	९	०	१९
	तराई ब्राह्मण/क्षेत्री	९३	९०	०	१८३
	अन्य तराई जाती	१२	८	०	२०
	पहाडे दलित	५६२	५००	२	१०६४
	तराई दलित	२	३	०	५
	नेवार	११	७	०	१८
	पहाडे जनजाति	३२३	३१६	०	६३९
	तराई जनजाती	०	०	०	०
	मुस्लिम	०	०	०	०
	अन्य	०	०	०	०
जम्मा	१०१३	९३३	२	१९४८	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.११ को समग्र मध्ये महिला ९३३ र पुरुष १०१३ जनालाई जातको आधारमा विश्लेषण गर्दा पहाडे जनजाति र पहाडे दलित जस्ता जातिहरूको बाहुल्यता देखिन्छ । समग्र जनसंख्याका ८७.४२ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको पाईन्छ । यस तालिकामा अस्थाइ वसाइसराई गर्नेहरूको संख्या समावेश गरिएको छैन ।

३.११ धर्म अनुसार जनसंख्या विवरण

नेपालमा सदियौदेखि रहि आएको धार्मिक सहिष्णुता यस नगरपालिकामा पनि देखिन्छ । नेपालमा प्राचीनकाल देखि चलि आएको र मान्दै आएको, नेपालको प्राचीनकालवाट नै राष्ट्रिय स्तरमा मान्दै आएको हिन्दु धर्म नेपाली संस्कृतिको एउटा विशिष्टकृत अवस्थामै रहेको छ । देश गणतन्त्रमा प्रवेश गरिसकेको र धर्म निरपेक्षता समेत ग्रहण गरीसकेको छ । धर्म अनुसारको जनसंख्या हेर्दा यस सप्तकोशी नगरपालिकामा विभिन्न धर्म र सम्प्रदायका मानिसहरूको बसोवास रहेको देखिन्छ । विशेष गरी हिन्दु धर्मात्मवीहरूको बाहुल्यता यस नगरपालिकामा रहेको देखिन्छ । यसैगरी सबैभन्दा कम प्रकृतिधार्मिक सम्प्रदाय अंगिकार गर्ने धर्माभिरुहरू मध्ये २ जना प्रकृति धर्मका देखिन्छन् ।

यस पार्श्वचित्र निर्माणका क्रममा यस नगरपालिकाको ५५३३ घरधूरीहरूमा प्रत्येक सदस्यहरूको धर्म प्रतिको आस्थाका बारेमा प्रश्न सोधिएको थियो । नगरपालिकाको समग्र जनसंख्या २३३६८ ले कुन-कुन धर्म मान्दछन् भनि अझ विस्तृत रूपमा देहायको तालिका बाट बुझ्न सकिन्छ ।

तालिका न.६० : वडागत रूपमा धर्मका आधारमा जनसंख्या विवरण

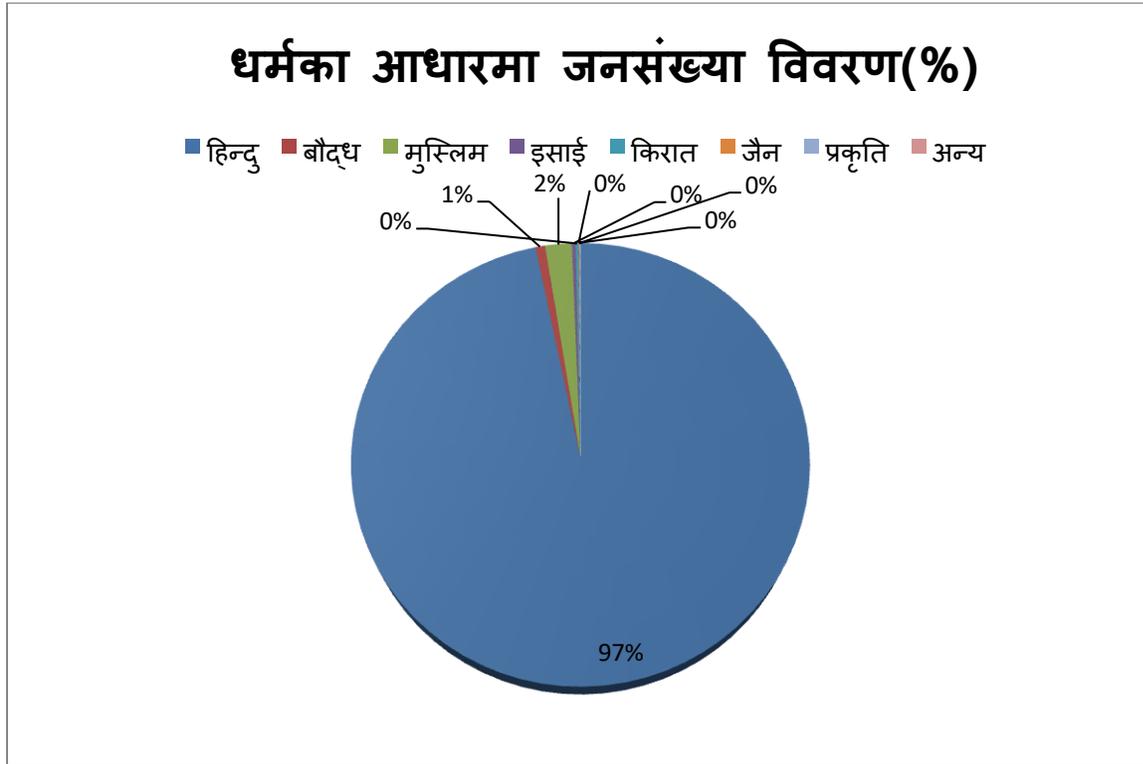
वडा.न.	हिन्दु	बौद्ध	मुस्लिम	इसाई	किरात	जैन	प्रकृति	अन्य
१	४५६७	८५	१५१	४६	४१	५	०	१
२	२२५७	१९	२०५	१	१०	१	०	१३
३	१३७४	११	४	०	०	०	०	०
४	२२९७	८	७३	५	०	०	०	१
५	१४५७	१८	१	०	१	१	०	०
६	१५४१	४	०	२	०	१	२	०
७	१२७०	०	०	८	१	०	०	०
८	१८३८	०	१४	०	०	०	०	१
९	१८०९	०	१	१	०	०	१	०
१०	२२६२	६	५	०	०	०	०	०
११	१९३८	१०	०	०	०	०	०	०
जम्मा	२२६१०	१६१	४५४	६३	५३	८	३	१६

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकाको ११ वटा वडाहरूमा मा यस पार्श्वचित्र निर्माणका क्रममा घरधूरी सर्भेक्षण गर्दा प्रत्येक घरधूरी भित्र हाल रहेका व्यक्तिहरूको धर्मप्रतिको आस्थाका बारेमा प्रश्न सोधिएको थियो । उनिहरू प्रत्येकले मान्ने धर्मका आधारमा हेर्दा सबैभन्दा बढी २२६१० जना हिन्दु धर्म मान्ने पाइएको छ भने सबैभन्दा कम जैन र प्रकृति धर्म मान्ने क्रमशः ८ र ३ जना पाइएको छ । यसैगरी अन्य धर्म भन्नाले हिन्दु धर्म सम्प्रदाय भित्रकै मानव धर्म तथा अन्य शिर्षकमा समेटिएको बताएका थिए भने केहीले इसाई धर्मकै अर्कै हाँगा हो भनि स्थलगत अध्ययनको क्रममा बताएका थिए । यसरी हेर्दा नगरपालिकामा ९६.६७ प्रतिशत जनसंख्याले हिन्दुधर्म मान्ने गरेको र दोश्रोमा १.९४ प्रतिशत जनसंख्याले मुस्लिम धर्म मान्ने गरेको बताएका थिए ।

धर्म अनुसारका जनसंख्याको अवस्थालाई हेर्दा त्यसको प्रतिशतको आधारमा विभिन्न धर्मको अवस्था बारे निम्न वृत्त चित्रबाट थप प्रष्ट पारिएको छ ।

वृत्त चित्र न.१२ : :धर्मको आधारमा जनसांख्यिक बाहुल्यता



श्रोत: पाश्र्वचित्र २०७६/२०७७

यस नगरपालिकाको बाहुल्य जनसंख्याले हिन्दु धर्म मान्ने गरेको माथीको वृत्त चित्रमा देखिन्छ । त्यसैगरी मुस्लिम धर्म मान्ने व्यक्तिहरूको प्रतिशत दोश्रो नम्बरमा देखिन्छ । जसमा ४२४ जना अर्थात १.९४ प्रतिशतले मान्ने गर्दछन् । एवं प्रकारले बौद्ध,किरात,इसाई, जैन, प्रकृति र अन्य धर्मावलम्बीहरू रहेको देखिन्छ ।

३.१२. मातृभाषाको आधारमा जनसंख्या विवरण :

नेपालको संविधानको धारा ३२ मा भाषा तथा संस्कृतिको हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ र धारा ३१ मा शिक्षा सम्बन्धी हकको उपधारा ५ बमोजिम “ नेपालमा बसोवास गर्ने प्रत्येक नेपाली समूदायलाई कानून बमोजिम आफ्नो मातृभाषामा शिक्षा पाउने र त्यसका लागी विद्यालय तथा शैक्षिक संस्था खोल्ने हक हुनेछ ” भनि प्रष्ट किरान गरीएको छ । तसर्थ नेपाली बाहेक अन्य मातृभाषामा यस नगरपालिकामा आधारभूत शिक्षा पढ्न चाहने विद्यार्थीहरूलाई नगरपालिकाले विशेष व्यवस्थापन गर्न सक्ने संवैधानिक प्रावधान रहेको छ । अर्कोतर्फ जनसंख्याको हिसाबले तराई जातिमा मैथिलि, थारु, राजवंशी, सन्थाल जातिहरूका भाषाभाषिहरू धेरै भएता पनि सबैले आ-आफ्नो भाषा नबोल्ने नेपाली नै बोल्ने गरेको पनि पाइन्छ । यो कम बढ्दै जादा कालान्तरमा कम बोलिने भाषा र उनिहरूका विशिष्ट पहिचान र संस्कृति लोप हुने अवस्था आउने भएकोले यस्ता बौद्धिक सम्पत्तिको संरक्षण गर्नु राज्य, समूदाय र स्थानीय सरकारहरूको दायित्व पनि हो ।

यस नगरपालिकामा विभिन्न भाषाभाषि बोल्ने मानिसहरूको बसोवास रहेको छ । यहा विभिन्न भाषा बोलचालमा आउने भए पनि आफ्नो जातियता अनुसार मानिसहरूले आफ्नो घर व्यवहार र परिवार भित्र बोलिने भाषालाई

मातृभाषाको रूपमा अपनाउने र बोलिचालिमा प्रयोगमा ल्याउने गर्दछन् । यसरी हेर्दा यस नगरपालिकामा मातृभाषाको रूपमा सबैभन्दा बढी बोलिचालिमा आउने भाषा मैथिलि नै देखिन्छ । यस भाषालाई यस क्षेत्रमा शुद्ध मैथिलि नभनेर ठेटि पनि भन्नेगरीएको स्थलगत अध्ययनको क्रममा पाइएको छ । मातृभाषाको आधारमा नगरपालिकाको जनसंख्यालाई देहायको तालिकामा देखाइएको छ ।

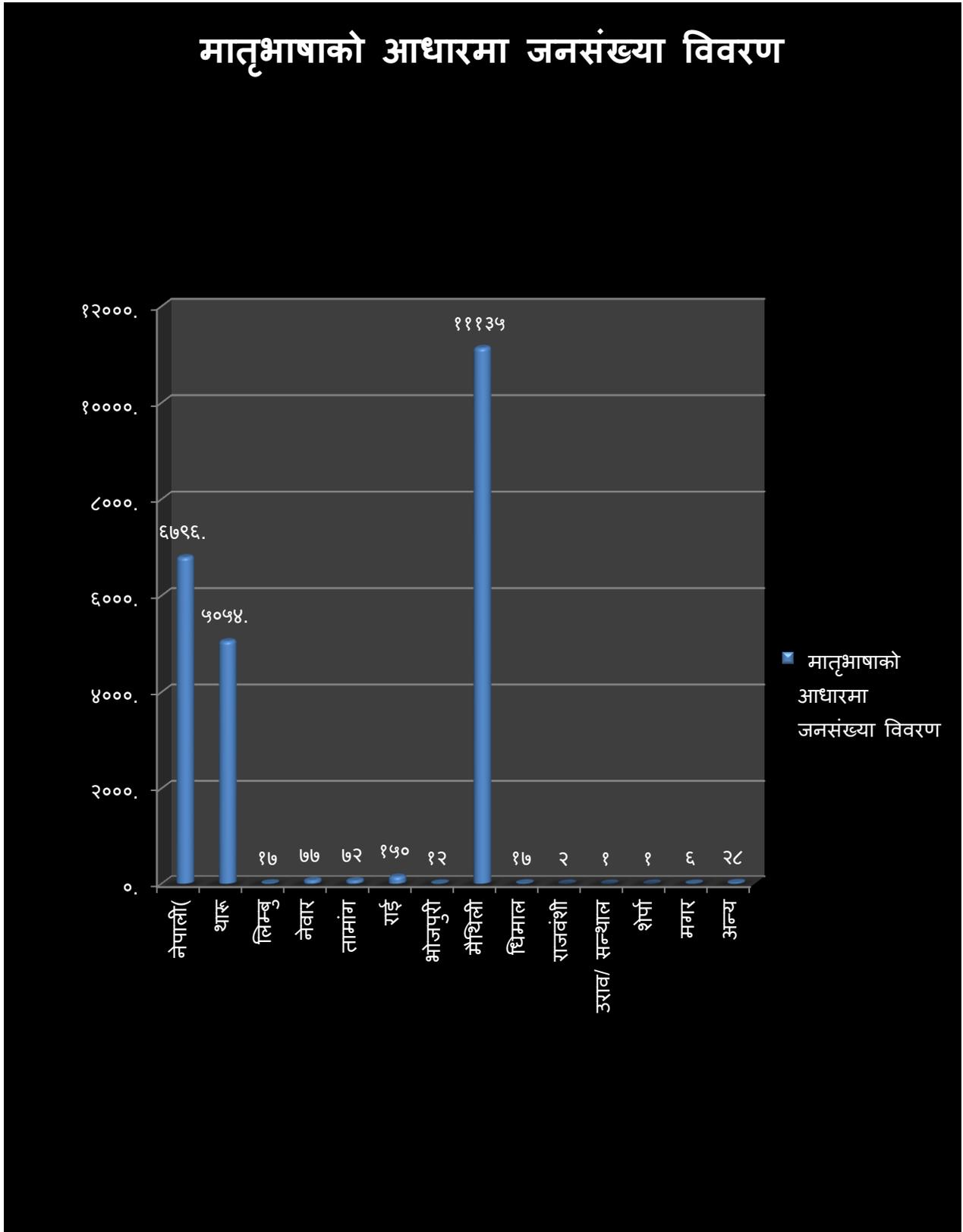
तालिका न. ६१ :मातृभाषाको आधारमा जनसंख्या विवरण

वडा.न.	नेपाली	थारु	लिम्बु	नेवार	तामा ङ्ग	राई	भोजपुरी	मैथिलि	धिमाल	राजवंशी	उराव/ सन्थाल	शेर्पा	मगर	अन्य
१	३८५८	२४१	१०	३२	६५	९३	१	५८३	२	०	०	०	६	५
२	६६६	८६०	३	४	०	१	१	९५५	१	०	०	०	०	१५
३	५४१	६५६	१	१५	०	८	०	१६८	०	०	०	०	०	०
४	६७२	२२९	०	१	१	३५	०	१४४३	२	०	०	०	०	१
५	४३४	३८१	०	०	०	०	०	६६३	०	०	०	०	०	०
६	८६	५९८	०	१	०	१	०	८६२	१	१	०	०	०	०
७	७	९३६	०	१	०	१	१	३३१	२	०	०	०	०	०
८	२३४	२७६	०	९	०	०	६	१३२७	१	०	०	०	०	०
९	२	२	०	०	०	०	१	१८०६	१	०	०	०	०	०
१०	२४४	३७१	३	१४	६	११	१	१६१२	३	०	०	१	०	७
११	५२	५०४	०	०	०	०	१	१३८५	४	१	१	०	०	०
जम्मा	६७९६	५०५४	१७	७७	७२	१५०	१२	१११३५	१७	२	१	१	६	२८

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

उपरोक्त तालिका अनुसार नगरपालिकामा रहेका कूल जनसंख्या मध्ये सबैभन्दा बढी मैथिलि १११३५ अर्थात ४७.६५ प्रतिशतले बोल्ने, नेपाली भाषा ६७९६ जना अर्थात २९.०८ प्रतिशतले बोल्ने, त्यसैगरी ५०५४ जना अर्थात २१.६२ प्रतिशतले थारु भाषा लाई मातृभाषाको रूपमा आफ्नो दैनिकिमा प्रयोग गर्ने गरेको यस अध्ययनका क्रममा पाइएको छ । यस तथ्यांकलाई ग्राफ चित्रको माध्यम बाट थप विश्लेषण गरीएको छ ।

ग्राफ न. २ : मातृभाषाको आधारमा जनसंख्या विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

३.१३. मातृभाषा र लिङ्गका आधारमा जनसंख्या विवरण

सप्तकोशी नगरपालिकाको सबै वडाहरूमा बसोवास गरेका जनसंख्यालाई लिङ्गका आधारमा मातृभाषाको अवस्था देखाउन निम्न तालिकामा प्रस्तुत गरीएको छ । यस तालिकामा अस्थायी रूपमा बसाइ सराई गरेका जनसंख्यालाई समावेश गरीएको छैन ।

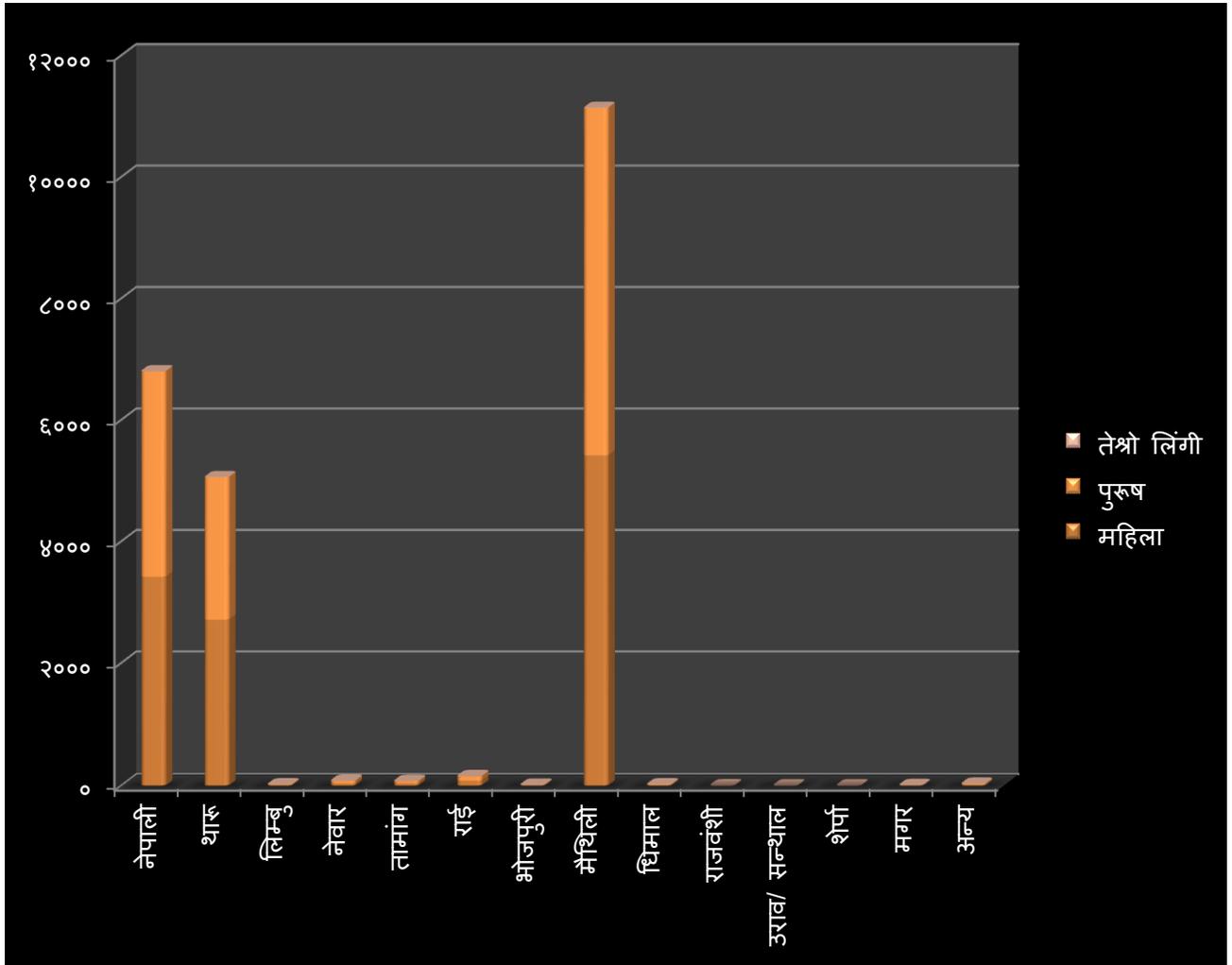
तालिका न.६२ : मातृभाषा र लिङ्गका आधारमा जनसंख्या विवरण

क्र.स.	जात/जातियता	महिला	पुरुष	तेश्रो लिङ्गी	जम्मा	प्रतिशत
१	नेपाली	३४१४	३३८२	०	६७९६	२९।०८
२	थारु	२७०८	२३४५	१	५०५४	२१।६३
३	लिम्बु	१२	५	०	१७	०।०७
४	नेवार	३६	४१	०	७७	०।३३
५	तामाङ्ग	३९	३३	०	७२	०।३१
६	राई	८०	७०	०	१५०	०।६४
७	भोजपुरी	६	६	०	१२	०।०५
८	मैथिलि	५४१२	५७२०	३	१११३५	४७।६५
९	धिमाल	७	१०	०	१७	०।०७
१०	राजवंशी	१	१	०	२	०।०१
११	उराव/सन्थाल	०	१	०	१	०
१२	शोर्पा	१	०	०	१	०
१३	मगर	४	२	०	६	०।०३
१४	अन्य	१५	१३	०	२८	०।१२
	जम्मा	११७३५	११६२९	४	२३३६८	१००

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकामा हेर्ने हो भने यस नगरपालिकामा मैथिलि भाषिहरूको संख्या समग्र जनसंख्याको ४७.६५ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । त्यसैगरी सबैभन्दा कम भाषाभाषि शोर्पा समुदायको देखिन्छ । उनिहरूको कूल संख्या १ जना अर्थात् ०.००४ प्रतिशत रहेको यस अध्ययनको क्रममा पाइएको छ । यसलाई थप प्रष्ट तलको स्तम्भ चित्रबाट पारिएको छ ।

ग्राफ. ३ : मातृभाषा र लिंगका आधारमा जनसंख्या विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

३.१४ उमेर अनुसार वैवाहिक स्थितिका विश्लेषण

विवाहको सन्दर्भमा नेपाल सरकारले आफ्नो छुट्टै नीति कायम गरेको छ । विवाहको लागि केटा र केटीका उमेर पनि निर्धारण गरी समाजमा सानै वा कलिलै उमेरमा हुने विवाहलाई निरुत्साहित गर्नका लागि विभिन्न खालका सचेतना मूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन पनि गर्ने गरेको पाइन्छ । नेपालको सन्दर्भमा तराई तथा पहाड र हिमाली जिल्लाहरूमा वाल वालिकाको सानै उमेरमा विवाह गर्ने परम्परा पनि सदियौं देखि चलन चल्तिमा आएको पनि देखिन्छ । कानूनले दण्डनिय रुपमा हेरे पनि हाल यदाकदा वाल विवाह जस्ता परम्परागत संस्कृति कायमै रहेको देख्न र सुन्न सकिन्छ ।

यस सर्वेक्षणमा घरधूरीहरूमा तथ्यांक लिने क्रममा १० वर्ष भन्दा माथीका उमेर समूहका सबैलाई वैवाहिक स्थितिका बारेमा प्रश्न सोधिएको थियो । कति उमेर समूहमा वैवाहिक सम्बन्ध कायम हुने रहेछ भन्ने कुरा महत्वपूर्ण हुने हुदा यस शिर्षकमा उमेर समूह निर्माण गरी १० वर्ष भन्दा माथीका उमेर समूहलाई छुट्ट्याएर विश्लेषण गरीएको छ । यसलाई अभि विस्तृत रुपमा देहायको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न. ६३ : नगरपालिकाको वैवाहिक स्थितिको विवरण

क्र.न	उमेर समूह	अविवाहित		विवाहित		पारपाचुके		एकल(श्रीमान वा श्रीमती वितेको)		बहुविवाह	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
१	१० वर्ष देखि १५ वर्ष सम्म	९९५	९५९	४१	४४	०	०	१	०	०	०
२	१६ वर्ष देखि २४ वर्ष सम्म	१५०१	११३३	३८७	९६१	१	३	१	३	०	०
३	२५ वर्ष देखि ४० वर्ष सम्म	४८६	१७९	२५८८	३२०५	१	३	१५	४२	०	०
४	४१ वर्ष देखि ६० वर्ष सम्म	२६	१६	२१३३	१८७३	३	५	४६	२०६	०	०
५	६१ वर्ष देखि ७५ वर्ष सम्म	९	६	७१४	४९७	२	१	८३	२७८	०	०
६	७६ वर्ष माथी सबै	५	२	१९६	१०४	१	०	७०	१६३	०	०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा अझै पनि बाल विवाहको स्थिति ४४ जना महिला तथा ४१ जना पुरुषहरूमा देखिन्छ । यो तथ्यांक अनुसार हाल यस नगरपालिकामा पहिलाको दाजोमा बालविवाह निरुत्साहनमा उल्लेख्य प्रगती हासिल भएको देखिन्छ । एकल उमेर समूहको पनि यस नगरपालिकामा उल्लेख्य रूपमा संख्या देखिएका कारणले आगामी दिनका कार्यक्रमहरू यस्ता वर्ग र समुदायमा लक्षित हुनुपर्ने देखिन्छ ।

३.१५. अपाङ्गता सम्बन्धी जनसांख्यिक विवरण:

शरीरका अंगहरू र शारीरिक प्रणालीमा भएको समस्याका कारण भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक वातावरणका साथै सञ्चार समेत बाट सिर्जना भएको अवरोध समेतले दैनिक कयाकलाप सामान्य रूपमा सञ्चालन गर्न एवं सामाजिक जिवनमा पूर्ण सहभागी हुन कठीनाई हुने अवस्थालाई अपाङ्गता भनिन्छ । खासगी व्यक्तिहरूमा अपाङ्गता हुने कारण आयोडिन युक्त नुनको कमी, दुर्घटना, जन्मजात, प्राकृतिक प्रकोप, कुपोषण, स्वास्थ्य उपचार नपाएर, द्वन्द्व वा युद्ध वा विस्फोटक पदार्थको प्रयोग आदी देखिएका छन् । जसलाई घटाउन प्रतिरोधात्मक र सुधारात्मक दुवै कार्य गरिनु पर्दछ । नेपालले अपाङ्गता भएका व्यक्ति तथा बाल बालिकाहरूको हक, हित र अधिकारको संरक्षण एवं सम्बर्द्धन हुने गरी विकास गर्न १९ वटा क्षेत्रलाई समेटि अपाङ्गता संरक्षण तथा कल्याण ऐन २०३९ र अपाङ्गता सम्बन्धी कार्ययोजना २०६३ तयार गरी कार्यन्वयनमा ल्याएको छ । त्यसैगरी २०६६ साल पुष १२ गते नेपालले अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको अधिकार सम्बन्धी संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासन्धी २००६ लाई अनुमोदन गरिसकेको छ । नेपालको संविधान २०७२ मा अपाङ्गता सम्बन्धी देहाय बमोजिम व्यवस्था गरिएको छ ।

- धारा ४२ “सामाजिक न्याय को हक” अन्तर्गत उपधारा ३ मा अपाङ्गता भएका भएका नागरिकलाई विविधताको पहिचान सहित मर्यादा र आत्मसम्मान पूर्वक जीवनयापन गर्न पाउने र सार्वजनिक सेवा सुविधामा समान पहुचको हक हुने व्यवस्था गरिएको छ ।
- धारा ३१ “ शिक्षा सम्बन्धी हक” अन्तर्गत उपधारा ३ मा अपाङ्गता भएका नागरिकलाई कानून बमोजिम निःशुल्क उच्च शिक्षा पाउने हक हुने तथा उपधारा ४ मा दृष्टिविहिन नागरिकलाई ब्रेललिपी तथा बहिरा र स्वर वा बोलाई सम्बन्धी अपाङ्गता भएका नागरिकलाई सांकेतिक भाषाको माध्यमबाट कानून बमोजिम निःशुल्क शिक्षा पाउने हक हुने व्यवस्था गरिएको छ ।

- धारा ३९ “ बाल बालिकाको हक” अन्तर्गत उपधारा ९ मा अपाङ्गता भएका बालबालिका लाई राज्यबाट विशेष संरक्षण र सुविधा पाउने हक हुने व्यवस्था उल्लेख छ ।

अपाङ्गता परिचय-पत्र वितरण गर्नका लागि अपाङ्गता भएका व्यक्तिलाई अपाङ्गताका आधारमा शारीरिक अपाङ्गता, दृष्टि विहिन र न्यून दृष्टि युक्त, स्वर बोलाई सम्बन्धी अपाङ्गता, सुस्त श्रवण र वहिरा, श्रवण विहिनता, मानसिक अपाङ्गता, बौद्धिक अपाङ्गता, बहुअपाङ्गता गरी सात किसिमले गाम्भीर्यताका आधारमा तह-क (रातो रंगको परिचय पत्र), तह-ख(निलो रंगको परिचय पत्र), तह-ग(पहेलो रंगको परिचय पत्र) र तह-घ(सेतो रंग) गरी चार तहमा विभक्त परिचय पत्र वितरण गर्ने कार्य सुरु गरिएको छ । हालसम्म यस सामाजिक आर्थिक अवस्थामा परिवर्तन ल्याउन केहीसामान्य आयमूलक र सीपमूलक तालिमहरु सञ्चालन गरिएतापनि यिनिहरुको आत्मविश्वासलाई बढाउन र समुदायबाट हुने गरेको उपेक्षाबाट मुक्त राख्न स्थानीय स्रोत ,साधन रनिकायहरुमा यो समुदायको पहुच पुर्याउन विभिन्न कार्यक्रम ल्याउनु पर्ने देखिन्छ ।

यस नगरपालिकामा विभिन्न किसिमका अपाङ्गता भएका मानिसहरुको बसोवास रहेको देखिन्छ । स्थलगत अध्ययनका क्रममा यस नगरपालिकाका प्रत्येक वडाहरुमा अपाङ्गताको अवस्थालाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.६४ : वडाअनुसार अपाङ्गता भएकाको विवरण

वडा नं.	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	१६	१८	०	३४
२	१	०	०	१
३	५	८	०	१३
४	१६	२२	०	३८
५	१०	२०	१	३१
६	९	१०	०	१९
७	४	६	०	१०
८	४	१४	०	१८
९	३	१३	०	१६
१०	१५	२२	०	३७
११	१०	११	०	२१
जम्मा	९३	१४४	१	२३८

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकामा अनुसार यस नगरपालिकाको वडाहरु मध्ये सबैभन्दा बढी अपाङ्गता वडा नं.४ मा ३८ जना जसमा पुरुष २२ जना र महिला १६ जना रहेको देखिन्छ । यसैगरी सबैभन्दा कम वडा नं.२ मा १ जना व्यक्तिहरु अपाङ्गता भएको जसमा महिला १ जना रहेको देखिन्छ ।

३.१५.१ अपाङ्गता अनुसार जनसंख्या विवरण:

यस शिर्षक अन्तर्गत मानिस जन्मजात वा जन्मपश्चात विभिन्न कारणहरुले, आकस्मिक घटनाक्रमले , दुर्घटना वा भवितव्यमा परेर अपाङ्गताको अवस्था आएको छ । अपाङ्गता कुन हो, अपाङ्गता कस्तो प्रकृतिको छ भन्ने बारेमा अपाङ्गता भएको व्यक्तिले प्राप्त गरेको परिचय पत्र वा डाक्टरको रिपोर्ट अनुसार पत्ता लगाइने गरिन्छ । यस सर्भेक्षणमा यिनै कुराहरुलाई तथा केही अवलोकनका आधारमा पनि अपाङ्गताको किसिम निर्धारण गर्ने प्रयास गरिएको छ । कस्तो अपाङ्गता भएको व्यक्ति पुरुष वा महिला वा तेश्रो लिङ्गी के हो भनेर देहायको तालिकामा विस्तृत रुपमा देखाइएको छ ।

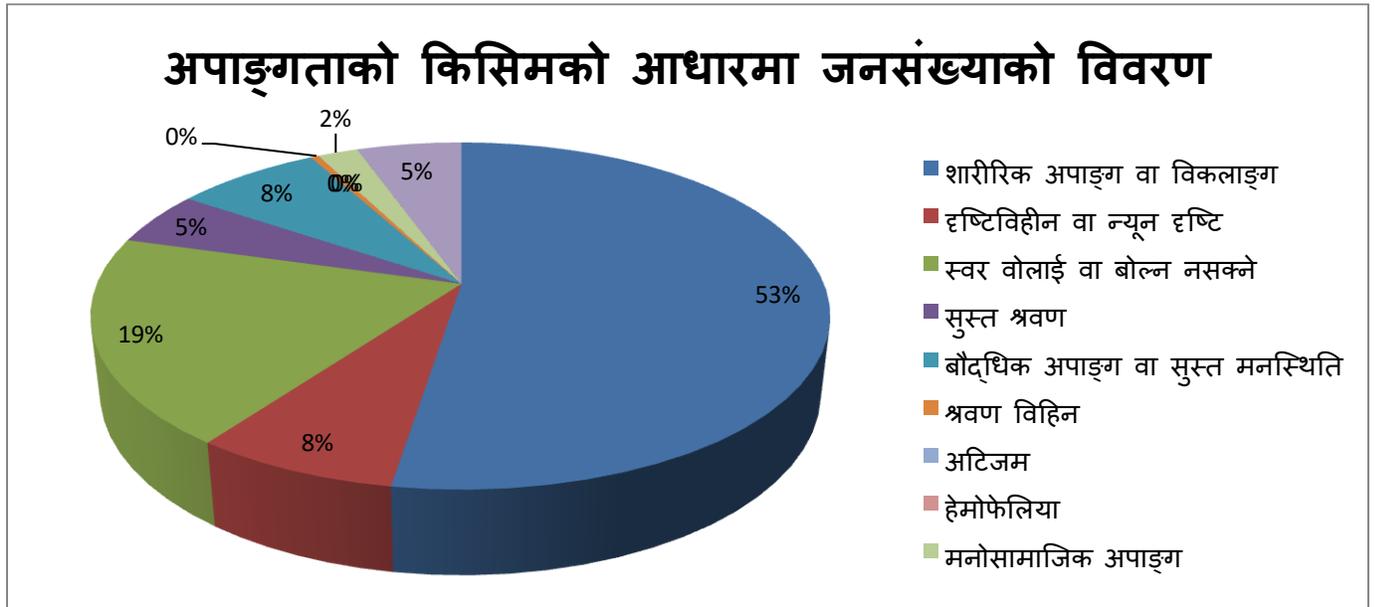
तालिका न. ६५ : अपाङ्गताको किसिम अनुसार जनसंख्या विवरण

क्र.स.	अपाङ्गताको किसिम	महिला	पुरुष	ते.ली	जम्मा
१	शारीरिक अपाङ्ग वा विकलाङ्ग	५०	७४	१	१२५
२	दृष्टिविहीन वा न्यून दृष्टि	८	१०	०	१८
३	स्वर बोलाई वा बोल्न नसक्ने	१७	२९	०	४६
४	सुस्त श्रवण	४	८	०	१२
५	बौद्धिक अपाङ्गता वा सुस्त मनस्थिति	६	१२	०	१८
६	श्रवण विहीन	०	१	०	१
७	अटिजम	०	०	०	०
८	हेमोफेलिया	०	०	०	०
९	मनोसामाजिक अपाङ्ग	२	३	०	५
१०	अन्य	६	७	०	१३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा अपाङ्गताका किसिम अनुसार जनसंख्या विवरण हेर्ने हो भने सबैभन्दा बढी शारीरिक अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको संख्या धेरै रहेको छ । यसमा मुख्यतयाः शरीरको बाहिरि बनावट मा सवालंगमा देखिने जस्ता हात खुट्टा, आँखा, कान या बाहिरी अंगहरू नहुनु नै हो । यसैगरी स्वर र बोलाई सम्बन्धी अपाङ्गता भएकाहरू पनि नगरपालिकामा रहेको तथ्यांकले देखाउछ । यस अपाङ्गताको किसिम समबन्धी विवरणलाई निम्न वृत्त चित्रवाट थप प्रष्ट पारिएको छ ।

वृत्त चित्र न.१३ : अपाङ्गताको किसिमको आधारमा जनसंख्याको विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

३.१५.२ अपाङ्ग परिचय पत्रका आधारमा जनसंख्या विवरण

अपाङ्गता भएको महिला तथा पुरुषहरूलाई नेपाल सरकारले अपाङ्गताको अवस्था अनुसार परिचय पत्र प्रदान गरेको देखिन्छ । यसरी अपाङ्गता परिचय पत्र पाएका सो व्यक्ति कस्तो प्रकारको अपाङ्गता हो र उसको स्तर के हो भन्ने कुरा प्रष्ट खोलेको हुन्छ । यस नगरपालिका बाट वितरण भएको र यस अध्ययनको क्रममा पाइएको कार्डहरूको स्तर वर्गिकरण देहाय बमोजिम रहेको देखिन्छ ।

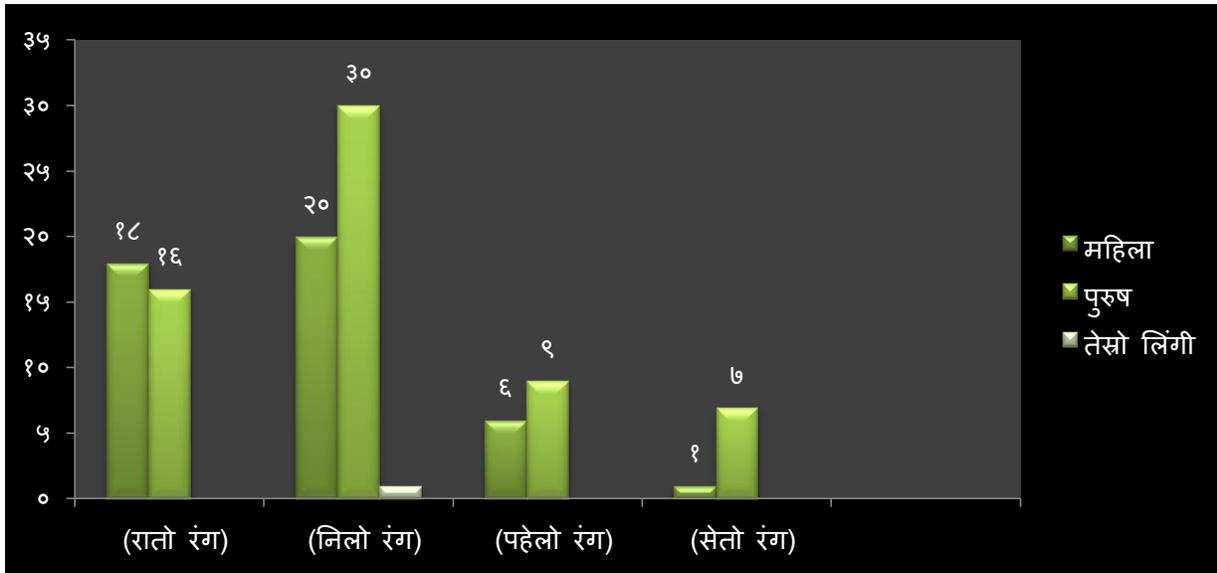
तालिका न. ६६ : अपाङ्ग परिचय पत्रका आधारमा जनसंख्या विवरण

लिङ्ग.	पूर्ण अशक्त अपाङ्गता (रातो रङ्ग)	अति अशक्त अपाङ्गता (निलो रङ्ग)	मध्यम अशक्त अपाङ्गता (पहेलो रङ्ग)	सामान्य अशक्त अपाङ्गता (सेतो रङ्ग)	जम्मा
महिला	१८	२०	६	१	४५
पुरुष	१६	३०	९	७	६२
ते.ली	०	१	०	०	१

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा अपाङ्गताको अवस्था अनुसार वितरण गरीएको कार्डहरुको अवस्था देखाइएको छ । जसमा सबैभन्दा बढी २० जना महिला तथा ३० जना पुरुषहरुले निलो रंगको कार्ड पाएको देखिन्छ । त्यस्तै रातो रंगको कार्ड अर्थात पूर्णरूपमा अपाङ्गता भएकाको संख्या ३४ जनामात्र देखिन्छ । यि माथीका कार्ड अनुसारको संख्या हेर्दा अझ पनि यस नगरपालिकामा सरकारद्वारा अपाङ्गताको प्रकार अनुसार दिइने सेवा र सुविधा बाट एउटा ठूलो संख्या बाहिर रहेको देखिन्छ । नगरपालिकाको कूल अपाङ्गताको संख्या २३८ जना देखिएको भएपनि हाल कार्ड १०८ जनाले मात्र प्राप्त गरेको देखिन्छ । यस तथ्यांकलाई ग्राफमा देहाय अनुसार देखाउन सकिन्छ ।

ग्राफ न. ४ : परिचय-पत्रको आधारमा अपाङ्गताको विवरण :



३.१६. व्यक्तिगत घटना दर्ता

नागरिकले आफ्नो व्यक्तिगत अधिकार उपयोग गर्न राज्यमा विद्यमान कानूनी प्रकृयाहरु पलना गर्नुपर्ने हुन्छ । नागरिकता, राहदानी वा अन्य परिचयपत्र सिलन, रोजगारी वा उद्यम गर्न , विदेश जान राज्यले आधिकारीक प्रमाणपत्र उपलब्ध गराउछ । जन्म, मृत्यु, बसाइ सराई , विवाह र सम्बन्ध विच्छेद जस्ता घटना समयमै दर्ता गर्नुपर्ने हुन्छ । संविधानले नागरिक लाई विभिन्न अधिकारको प्रत्याभूत गरेको छ । यस प्रकारको सेवा , सुविधा र अधिकार प्राप्तीको प्रस्थान विन्दु भनेकै व्यक्तिगत घटना दर्ता हो । राष्ट्रिय तथ्यांक वनाउन यसको विश्वव्यापी मान्यता हो । कहाँ कति जन्मे, कतिको मृत्यु भयो, कतिले बसाइ सराई गर, कतिको सम्बन्ध विच्छेद भयो भन्ने कुराको जानकारी राज्यले पाउनु पर्छ । यसको आधारमा सरकारले नीति तथा कार्यक्रमहरु बनाउने हुदा व्यक्तिगत घटना दर्ता सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

नगरपालिकामा बालबालिकाहरुको जन्मदर्ता सम्बन्धी विवरण एउटा महत्वपूर्ण सूचांकको रूपमा रहने गर्दछ । यसले यस नगरपालिकामा विगत ५ वर्ष भित्रका कति बालबालिकाहरुले जन्म दर्ता गराएका रहेछन् भन्ने तथ्यांक दिन्छ । यस शिर्षकमा सप्तकोशी नगरपालिकाका सबै वडाहरुमा ० देखि ५ वर्ष भित्रका कतिजना रहेछन् भन्ने बारेमा देहायको तालिकामा विस्तृत रूपमा दिइएको छ ।

तालिका न.६७ : ५ वर्ष भन्दा मूनिका बालबालिकाका जन्मदर्ता सम्बन्धी विवरण

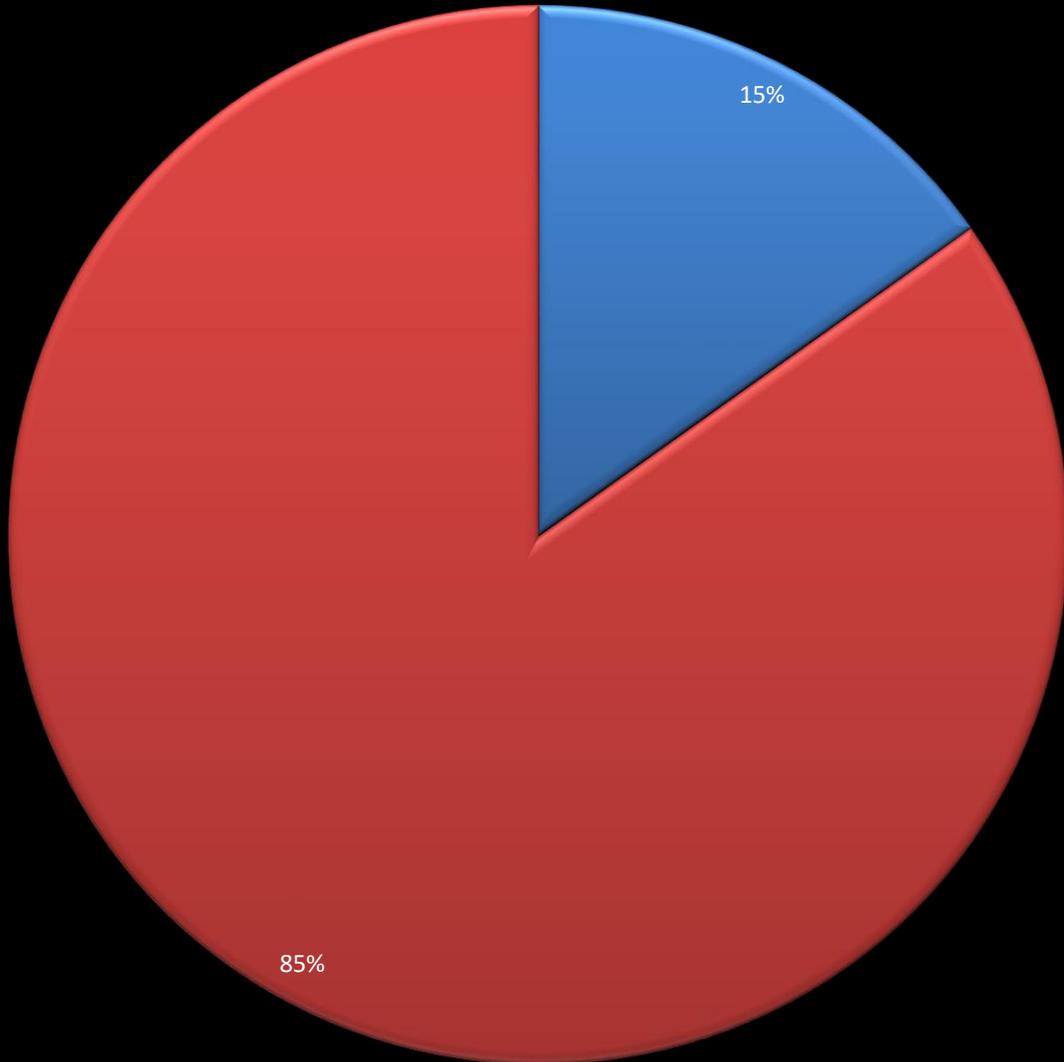
वडा नं.	कूल संख्या		जन्मदर्ता	
	केटा	केटी	केटा	केटी
१	२०८	१७८	१७३	१५६
२	१३३	१४०	१०९	११७
३	५८	६८	४८	५१
४	१२१	१२९	९७	१०७
५	६२	५७	५०	५१
६	९१	९५	६६	६७
७	६५	५५	५४	५३
८	१११	१०८	८१	८३
९	१३२	९०	९०	७७
१०	१४६	१०२	१२३	८८
११	१२५	८२	९९	७४
जम्मा	१२५२	११०४	९९०	९२४

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकाअनुसार यस नगरपालिकामा ५ वर्ष मूनिका बाल बालिकाहरुको कूल संख्या सर्भेक्षण गरिएको समयमा २२५६ जना देखिन्छ । बालबालिकाको जम्मा संख्याको करीब ८४.८४ प्रतिशत बालबालिकाहरुले मात्र जन्मदर्ता गराएको देखिन्छ भने ३४२ जना अर्थात १५.१६ प्रतिशत बालबालिकाहरुले अझै पनि जन्मदर्ता जस्तो स्थानीय तहको प्रारम्भिक चरण पनि पार नगरेको माथीको तथ्यांकमा देखिन्छ । जन्म, मृत्यु, बसाइ सराई र विवाह जस्ता जीवनका प्रमुख व्यक्तिगत घटनाको अनिवार्य र समयमानै दर्ता गर्नुपर्दछ । यसबाट स्थानीय सरकारलाई यकिन तथ्यांकको वा सही तथ्यांकको अभिलेख तयार गर्न सहयोग पुग्दछ भने अर्को तर्फ नागरिकले राज्यबाट प्राप्त गर्ने सेवा र सुविधाको लागी नागरिकको पहिचान कायम गर्न र अन्य कानुनी क्रियाकलापमा यसको आवश्यकता पर्दछ । तसर्थ जन्मदर्तालाई समयमै अनिवार्य रूपमा स्थानीय सरकारले प्रोत्साहन गर्नुपर्ने देखिन्छ । नगरपालिकामा १५.१६ प्रतिशतले जन्मदर्ता नगरेको पाइएकोले जन्मदर्तालाई सत-प्रतिशत र समयमानै गर्ने परिपाटि बसाउन व्यापक जनचेतना फैलाउने कार्यक्रम गनै जरुरी देखिन्छ । जसलाई निम्न बृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरीएको छ ।

पाँच वर्षमूनिका वालवालिकाको जन्मदर्ता विवरण

■ जन्मदर्ता नभएको ■ जन्मदर्ता भएको



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

परिच्छेद ४ : आर्थिक स्थिती

यस परिच्छेदमा नगरपालिकाको कृषि, उद्योग, पर्यटन, रोजगारी लगायत आर्थिक क्षेत्रसँग सम्बन्धीत विविध विषयहरू समावेश गरिएको र तिनीहरूलाई तथ्यांकिय रूपमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

सप्तकोशी नगरपालिकाको अर्थतन्त्र मुख्यतया: कृषि, उद्योग, व्यवसाय, थोक तथा खुद्रा बजार तथा सेवा जस्ता क्षेत्रहरूमा भएको देखिन्छ । यस नगरपालिकाको उपयुक्त हावापानी र उर्वरमाटोको बनौट भएको कारणले गर्दा कृषिका लागी उत्तम क्षेत्र मानिन्छ । यस क्षेत्रका अधिकांश घर परिवारहरू प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष रूपमा कृषि व्यवसायमा संलग्न रहेका छन्। यहाको सवै वडाहरूमा सडक सञ्जालको अवस्था राम्रो रहेको कारण पनि पूर्वाधार विकाशमा थप सहजता भएको पाईन्छ । कृषि, व्यापार,सेवामूलक व्यवसाय साथै नगरपालिकामा रहेका साना मझौला तथा ठूला उद्योगधन्दा र कलकारखानाहरूले यहाको आर्थिक पक्षमा धेरै ठूलो टेवा पुर्‍याएको पाईन्छ । यसका साथै नगरपालिकाको वैकल्पिक आर्थिक आधार वैदेशिक रोजगारमा समेत रहेको देखिन्छ ।

यस नगरपालिका सांस्कृतिक रूपमा विविधतापूर्ण रहेको छ । यहाका विभिन्न जातजाति, भाषा, धर्म र संस्कृति, चाडपर्वहरूलाई उजागर गर्न सकेको खण्डमा पर्यटकिय स्थलका रूपमा समेत विकास गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । यसरी नै यो क्षेत्रमा सिचाइ सुविधाको उपलब्धता भएको कारणले कृषि तथा पशुपालनलाई बढी जोड दिनुका साथै कृषि सँग सम्बन्धीत उद्योग र व्यवसायहरूलाई बढाउन सकेको खण्डमा यो क्षेत्रको विकास गर्न परनिर्भर हुनुपर्ने अवस्था आउने छैन जसका कारण अर्थतन्त्र मजबुत हुने सुनिश्चित छ ।

४.१ पारिवारीक आम्दानीको विवरण :

यस क्षेत्रका वासिन्दाहरूले विभिन्न किसिमका पेसा र व्यवसाय मार्फत जीविकोपार्जन गर्ने गरेको देखिन्छ । जसमा मुख्य गरी आम्दानीको स्रोत हाल कृषि र ज्याला मजदुरीवाट बार्षिक रु ७९३२४१६ आम्दानी भएको देखिन्छ । यस शिर्षकवाट आम्दानीको कूल हिस्साको १७।८१ प्रतिशत भाग ओगटेको देखिन्छ । यसैगरी बार्षिक आम्दानीको पक्ष हेर्दा नोकरी तथा पेन्सन तर्फवाट रु ८०७१३।९ अर्थात १।८१२ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको देखिन्छ । त्यसै गरी सवैभन्दा बढी वैदेशिक रोजगारी वाट बार्षिक रु ११५७१८।८ अर्थात २५।९८ प्रतिशत भएको देखिन्छ । यसलाई अझ विस्तृत रूपमा देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरीएको छ ।

तालिका न.६८ : औषत पारिवारीक बार्षिक आम्दानी विवरण

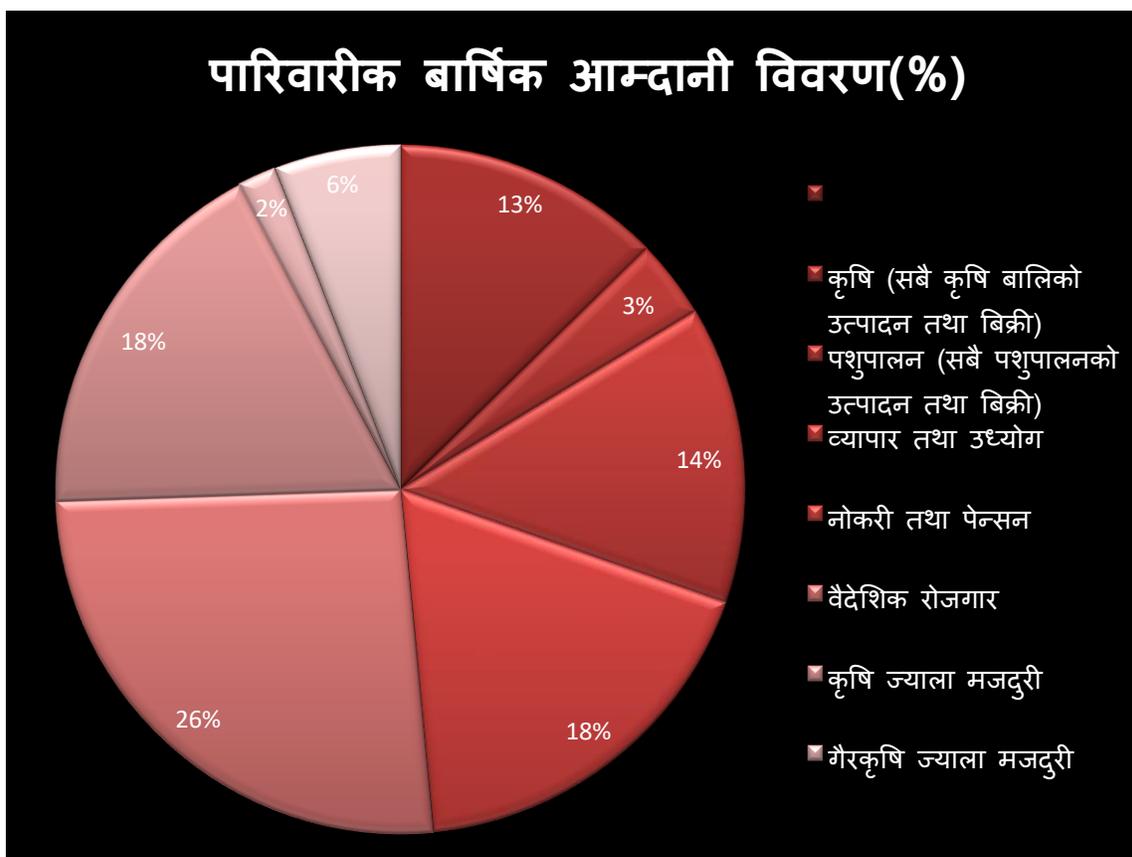
क्र.स	आम्दानी शिर्षक	औषत आम्दानी(रु)	प्रतिशत(%)
१	कृषि(सवै कृषि वालीको उत्पादन बिक्रि)	५६४७०।८३	१२।६८
२	पशुपालन(सवै पशुपालन उत्पादन बिक्रि)	१६३७१।०६	३।६८
३	व्यापार तथा उद्योग	६२४०६।६२	१४।०१
४	नोकरी तथा पेन्सन	८०७१३।९	१।८१२
५	वैदेशिक रोजगारी	११५७१८।८	२५।९८
६	कृषि ज्याला मजदुरी	७९३२४।१६	१७।८१
७	गैरकृषि ज्याला मजदुरी	८१७०।८३	१।८३
८	अन्य	२६२२२।९९	५।८९
जम्मा		४४५३९९।१९	१००।००छ

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकामा देखाइए अनुसार यस नगरपालिकाको मुख्य आम्दानीको स्रोत भनेकै वैदेशिक रोजगारी बाट २५।९८ प्रतिशत र सबैभन्दा कम १।८३ प्रतिशत गैर कृषि ज्याला मजदूरी बाट भएको देखिन्छ। यसैगरी ५।८९ प्रतिशत आम्दानीको स्रोत माथी तालिकामा उल्लेख नभएका शिर्षकहरुबाट जस्तै, ऐचो-पैचो,सरसापट, चल अचल सम्पत्तिको बिक्रि वितरण र बैंक तथा वित्तिय संस्था र सहकारीबाट लिइएका ऋणहरुलाई पनि आम्दानीनै मान्नुपर्ने भएकोले गर्दा सो शिर्षकका आम्दानी पनि महत्वपूर्ण रुपमा देखिएको छ। यसैगरी यस नगरपालिकामा कृषि ज्याला मजदूरी तर्फ बाट आएको आम्दानीको पनि महत्वपूर्ण हिस्सा रहेको देखिन्छ। प्रतिशतका दरले औषतमा वार्षिक आम्दानीमा यसको स्थान तेश्रो रहेको तथ्यांकमा रहेको देखिन्छ।

दिर्घकालिन विकाश र समृद्धिका हिसावले कमाइको लागी आफ्नो स्थान छाडेर बाहिरिने युवा जमातको अनुपस्थितीले स्थानीय स्तरमा विकाश असम्भव प्रायः हुन्छ। जल्दो-बल्दो उमेरको उत्पादनशिल जनशक्ति उर्जावान समयमा बाहिरीने र शिथिल हुदा पार्कने वा पलायन हुने परिस्थिती श्रृजना हुदा विकाश निर्माण कार्य अपेक्षाकृत अगाडि बढ्न सक्दैन। संख्या उच्च हुनुले निम्न आय-स्तर भएका परिवारहरुको संख्या धेरै रहेको संकेत मिल्दछ। औषत वार्षिक आम्दानी मध्ये सबैभन्दा उच्च अर्थात वैदेशिक रोजगारी वाट प्राप्त आम्दानी रु ११५७१८।८ लाई मासीक आम्दानीमा परिणत गर्दा रु ९६९८ हुन आउछ। यस बाहेक अन्य सबै क्षेत्रबाट प्राप्त औषत आम्दानी तुलनात्मक रुपमा कम रहेको देखिन्छ। श्रम रसेवा क्षेत्रमा धेरै जनसंख्या संलग्न हुनु आर्थिक समृद्धिका दृष्टिले सकारात्मक हो तर नगरपालिकाले उत्पादनमूखी र आत्मनिर्भर रोजगारी तर्फ जनतालाई उन्मुख बनाउनु जरुरी छ। तसर्थ नगरपालिकाले रोजगारीका अवसरहरु सृजना गरी युवाहरुलाई उत्पादनशिल क्षेत्रमा आकर्षण गर्दै दिगो विकाशको अवधारणा अनुरूप कार्ययोजना बनाइ अगाडि बढ्नु पर्ने देखिन्छ।

वृत्त चित्र न.१५ : पारिवारीक वार्षिक आम्दानी विवरण

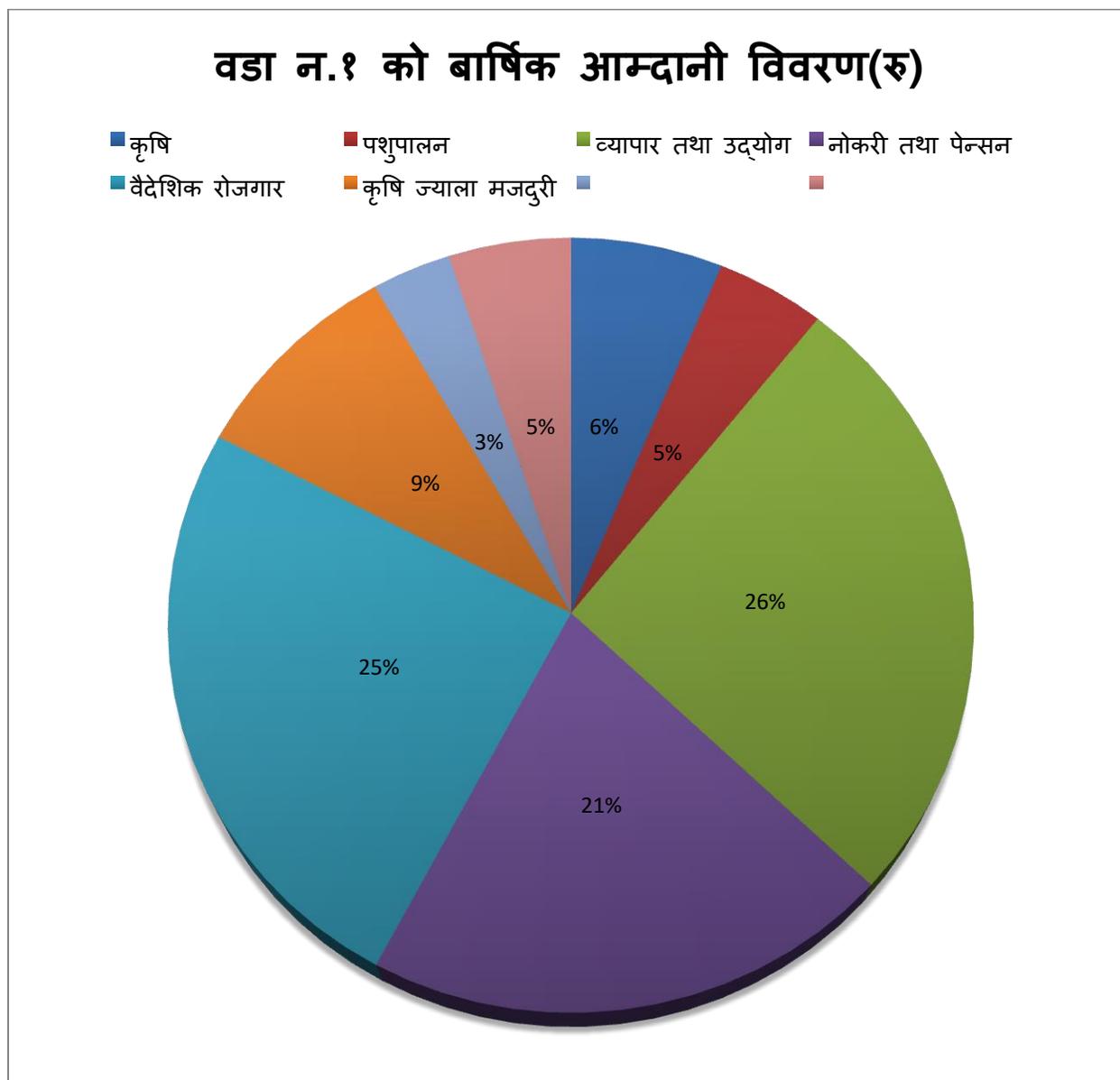


श्रोत: पाशर्वीचित्र २०७६/२०७७

४.२ पारिवारीक आम्दानीको वडा अनुसारको बाषिक विवरणः

यस शिर्षक अन्तर्गत रहेर सप्तकोशीनगरपालिकाका सवै वडाको बाषिक पारिवारीक आम्दानीको अवस्था कस्तो छ भनेर विभिन्न वृत्त चित्रहरुमा देखाइएको छ । यसरी वडा अनुसार वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गर्ने क्रममा आम्दानीका स्रोतहरुलाई विभिन्न शिर्षकहरुमा प्रतिशतका आधारमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

वृत्त चित्र न.१६ : वडा न.१ को पारिवारीक बाषिक आम्दानी विवरण

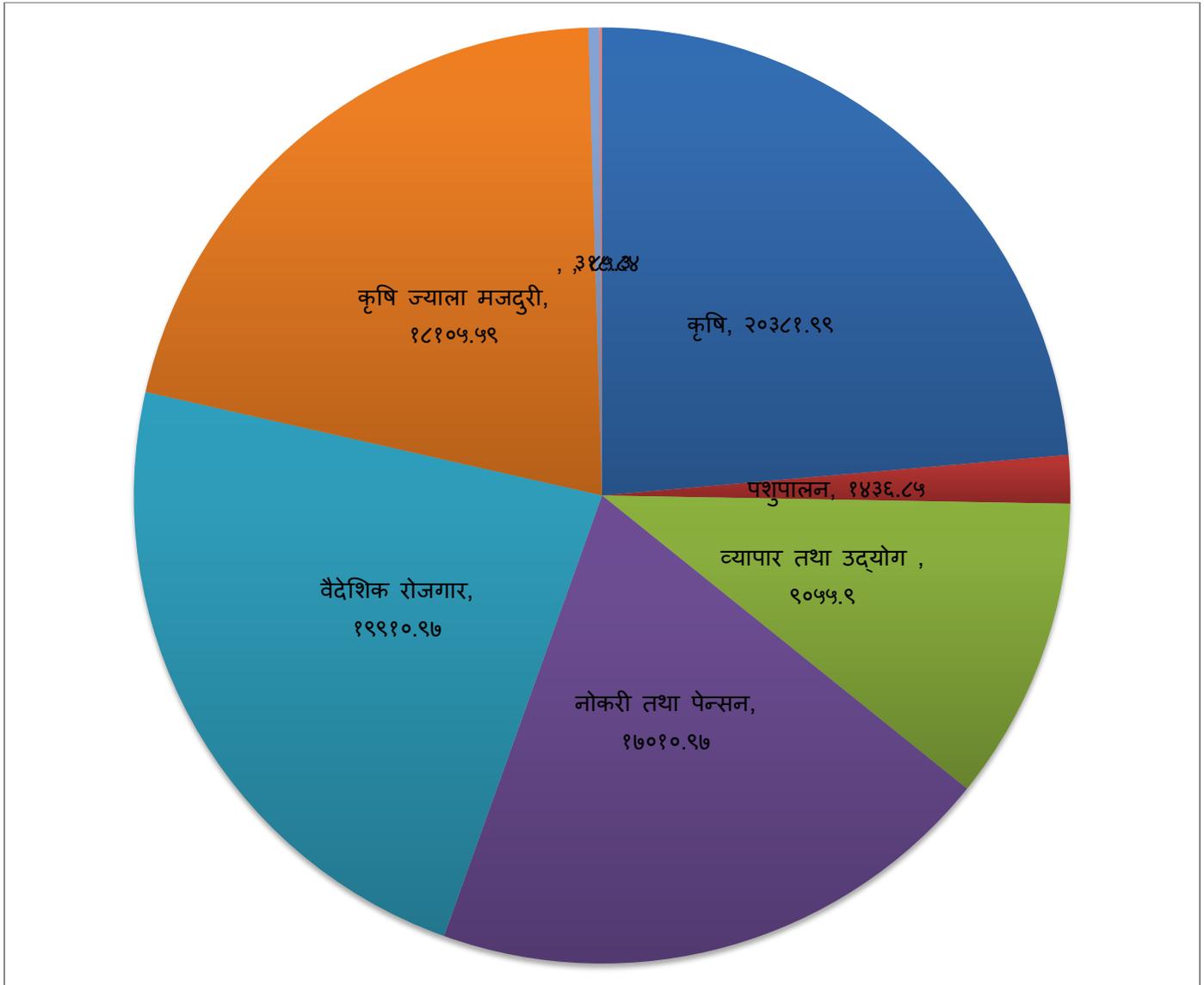


श्रोतः पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको वृत्त चित्र अनुसार वडा.न १ मा आम्दानीको नोकरी तथा पेन्सन शिर्षक अन्तर्गत सवैभन्दा बढी आम्दानीको स्रोत देखिन्छ भने सवैभन्दा कम गैर कृषि ज्याला मजदुरी वाट ०.९२ प्रतिशत मात्र आम्दानी आएको देखिन्छ ।

यसैगरी वडा न.२ मा बार्षिक आमदानीका आठ वटा शिर्षक अन्तर्गत भएका आमदानीलाई देहायको वृत्त चित्रमा देखाइएको छ ।

वृत्त चित्र न.१७ : वडा न.२ को पारिवारीक बार्षिक आमदानी विवरण

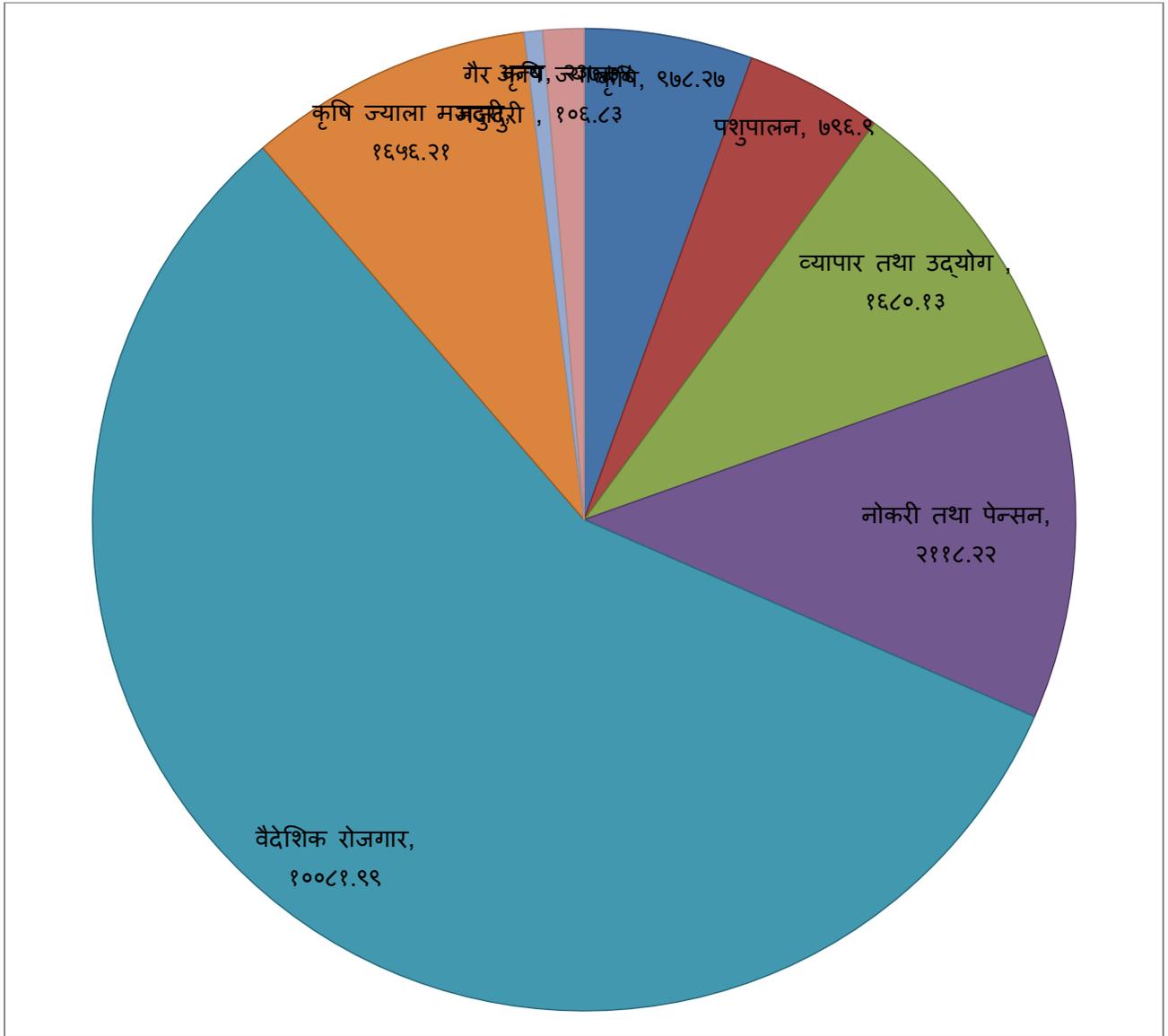


श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको वृत्तचित्र अनुसार वडा न.२ मा प्रमुख आमदानीको स्रोत कृषि ज्याला मजदुरी रहेको भने सबैभन्दा कम आमदानी यस वडामा पशुपंक्ष पालन र उत्पादन तथा बिक्रि वितरण गर्ने शिर्षक अन्तर्गत कम देखिन्छ । यस वडामा आयका अन्य स्रोत अन्तर्गत भएका आमदानी पनि उल्लेख्य रुपमा भएको पाइन्छ ।

सप्तकोशी नगरपालिकाको वडा नं.३ को वार्षिक आमदानीको विवरणहरूको बारेमा यस पार्श्वचित्र निर्माणका क्रममा लिइएको घरधूरीको तथ्यांक बाट देहाय अनुसार को आर्थिक अवस्था वडामा रहेको जानकारी पाउन सकिन्छ ।

वृत्त चित्र न.१८ : वडा न.३ को पारिवारिक वार्षिक आमदानी विवरण

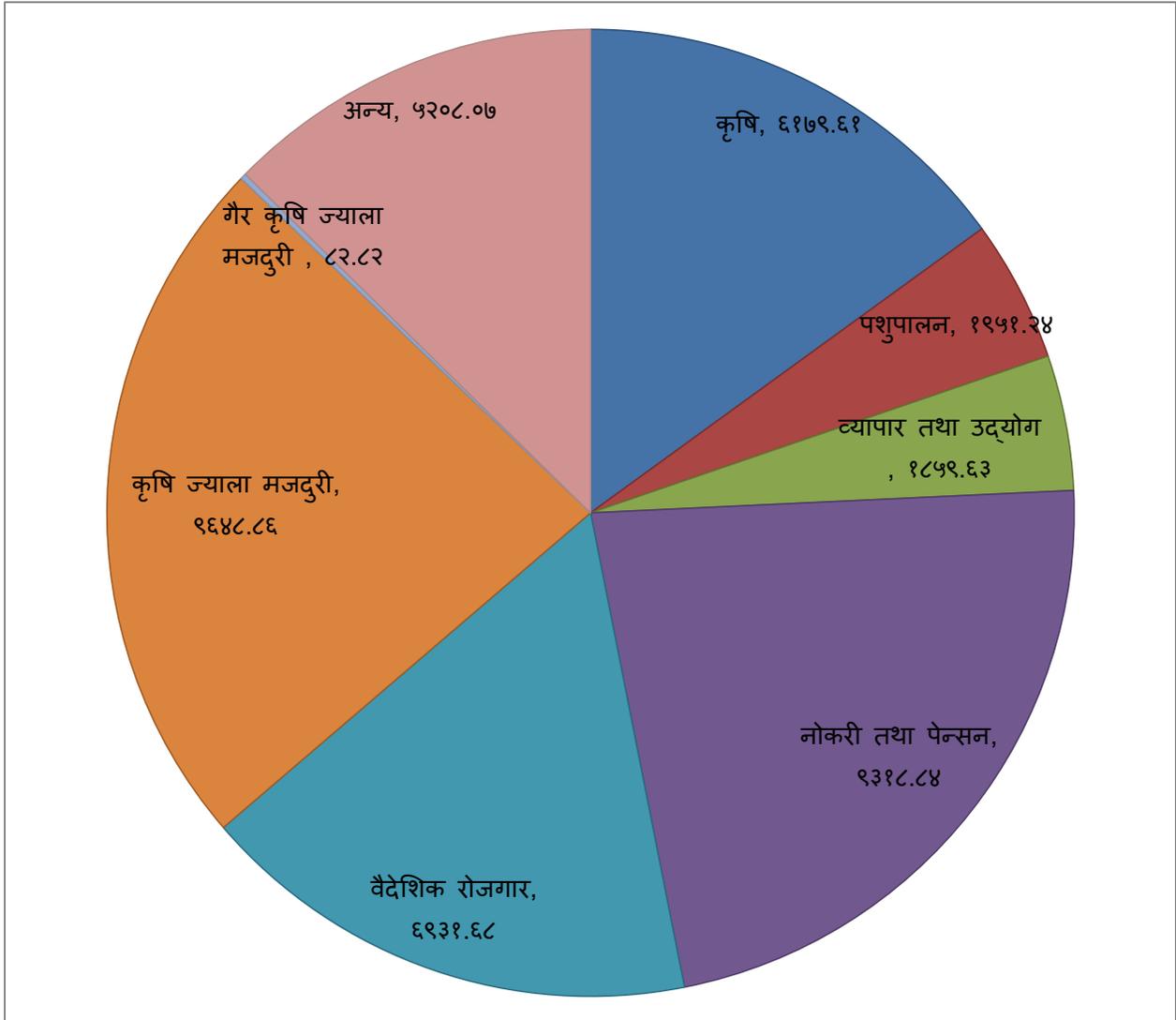


श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको वृत्त चित्र अनुसार वडा न.३ मा वार्षिक आमदानी प्रति घरपरिवारको औषतमा सवैभन्दा बढी कृषि ज्याला मजदूरी बाट देखिन्छ भने सवैभन्दा कम गैर कृषि ज्याला मजदूरी बाट भएको देखिन्छ । यसैगरी वैदेशिक रोजगारी बाट वार्षिक औषतमा रु १००८१.९९ भएको देखिन्छ भने व्यापार तथा उद्योग क्षेत्र बाट रु.१६८०.१३ देखिन्छ ।

यसैगरी वडा न.४ को पारिवारीक विवरण अन्तर्गत आम्दानीका स्रोतहरुको अवस्था कस्तो छ र कुन शिर्षक बाट कति-कति आम्दानी भएको छ र कुन शिर्षक ले आम्दानीको महत्वपूर्ण भागमा टेवा पुर्याएको छ भनी हेर्नको लागी देहायअनुसारको वृत्त चित्रमा दिइएको छ ।

वृत्त चित्र न.१९ :वडा न.४ को पारिवारीक बाषिर्षक आम्दानी विवरण

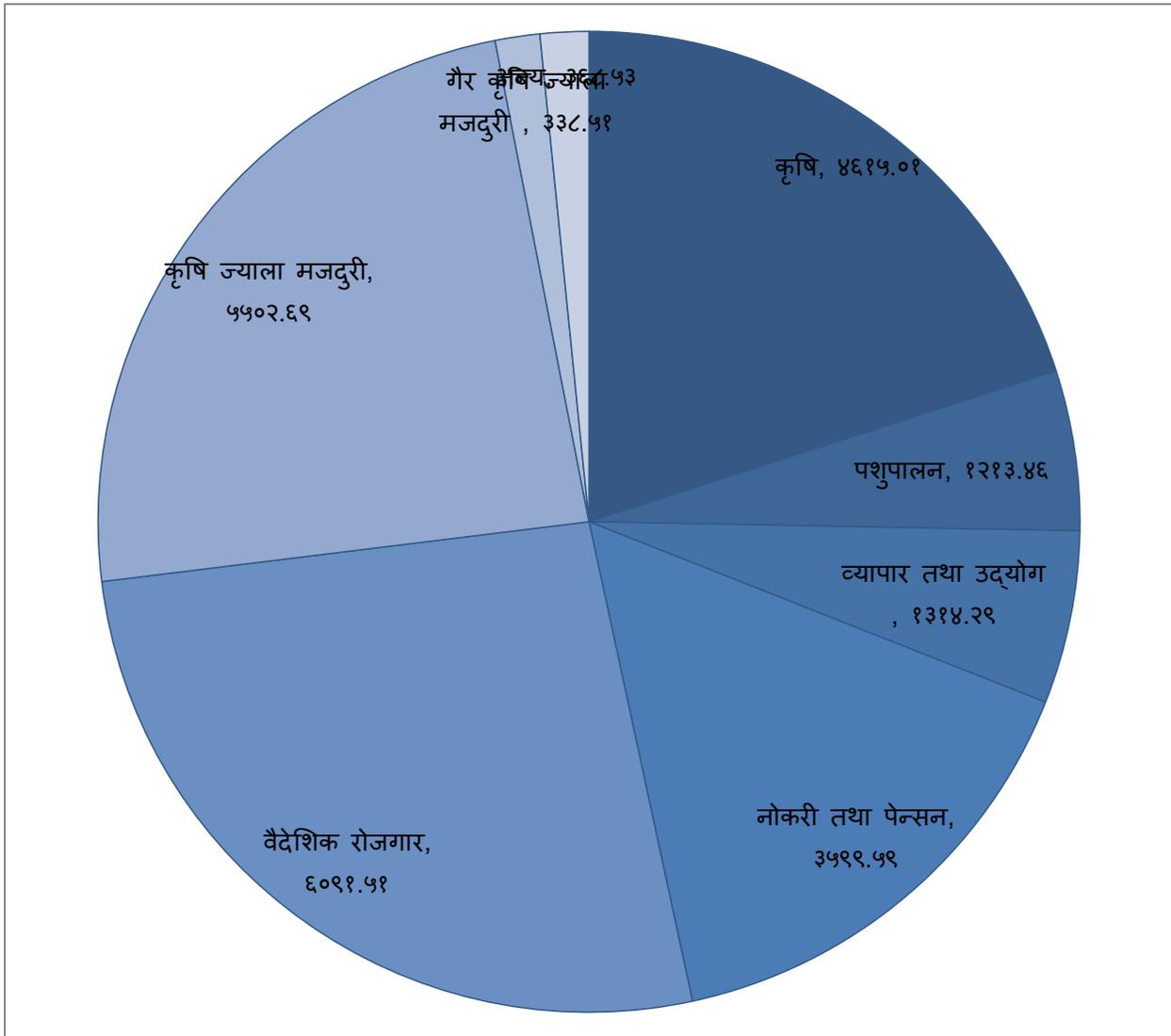


श्रोत: पाश्चिचित्र २०७६/२०७७

यस वृत्त चित्र अनुसर वडा न.४ को मुख्य रुपमा आम्दानीको स्रोत भनेको कृषि ज्याल मजदुरी वाट सवैभन्दा बढी आम्दानी गर्ने गरेको सर्भेक्षणको क्रममा पाइएको थियो भने सवैभन्दा कम अन्य शिर्षक अन्तर्गत गैरकृषि ज्याल मजदुरी ८२.८२ पैसा आम्दानी गरेको तथ्यांकले देखाउछ ।

यसरी नै वडा न.५ को कूल जनसंख्या १४७४ तथा घरधूरी ३२० बाट लिइएको जानकारी अनुसार परिवारमा औषत बाषिक आम्दानी कुन शिर्षक बाट कति-कति आम्दानी भएको छ र कुन शिर्षक ले आम्दानीको महत्वपूर्ण भागमा टेवा पुर्‍याएको छ भनी हेर्नको लागि देहायअनुसारको वृत्त चित्रमा दिइएको छ ।

वृत्त चित्र न.२० : वडा न.५ को पारिवारीक बाषिक आम्दानी विवरण

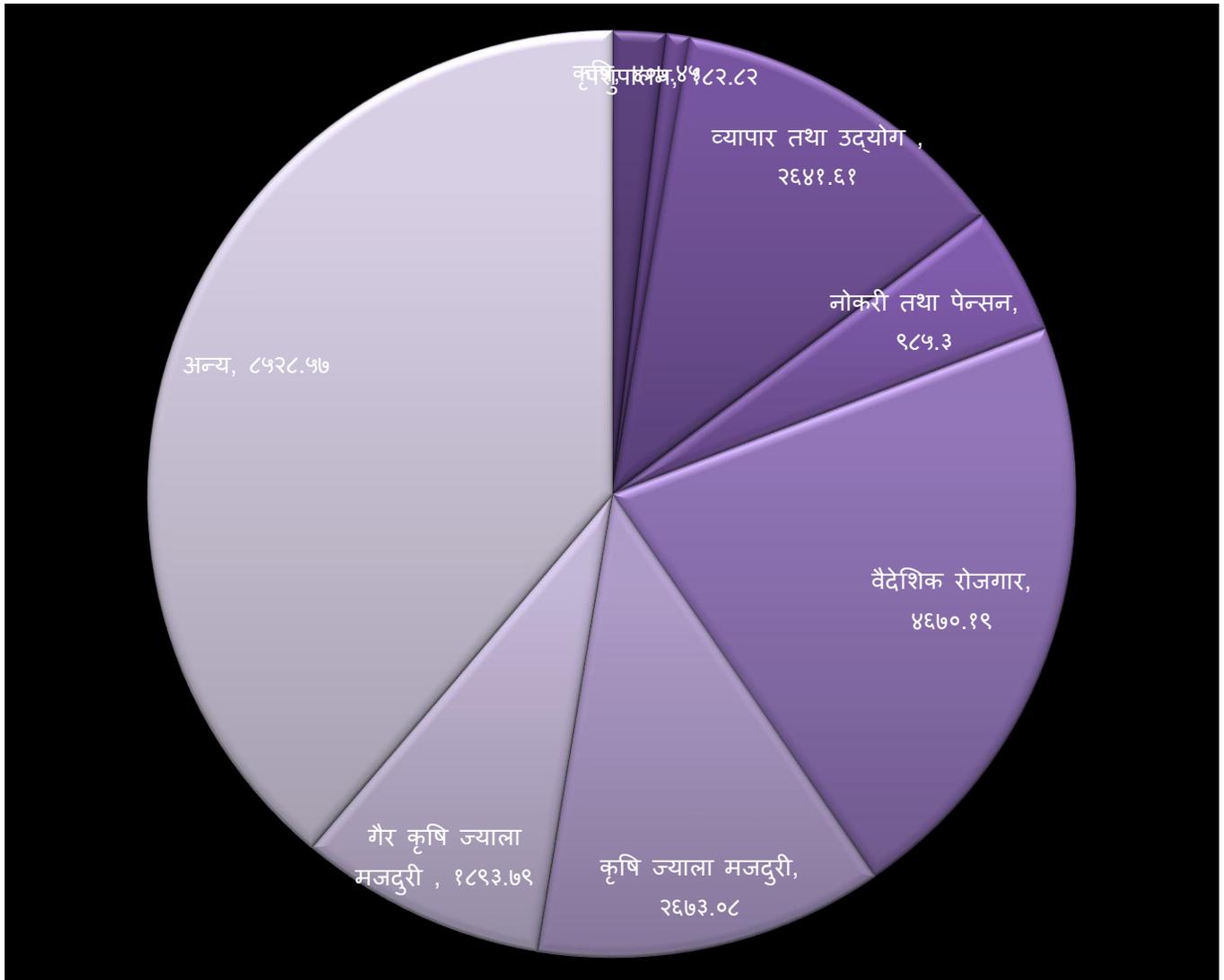


श्रोत: पार्ष्वचित्र २०७६/२०७७

उपरोक्त वृत्तचित्र अनुसार यस वडामा बाषिक औषतमा आम्दानीका विभिन्न ८ वटा स्रोतहरुको अवस्थाको विश्लेषण गर्दा सवैभन्दा बढी वैदेशिक रोजगारी बाट आम्दानी भएको देखिन्छ भने सवैभन्दा कम गैर कृषि क्षेत्रको रोजगारी बाट भएको देखिन्छ ।

यसैगरी सप्तकोशी नगरपालिकाको वडा न.६ को वार्षिक आम्दानीको श्रोतहरूका कुरा गर्दा मुख्यतया ८ वटा आम्दानीका श्रोतहरूको बुझामा कुनै शिर्षक बाट वडा न. ६ का घरधुरीले औषतमा कति आम्दानी गर्दछन् भन्ने जानकारी त्यस वडाका लागी महत्वपूर्ण हुन्छ । जसलाई देहायको वृत्त चित्रमा देखाइएको छ ।

वृत्त चित्र न. २१ : वडा न.६ को पारिवारीक वार्षिक आम्दानी विवरण

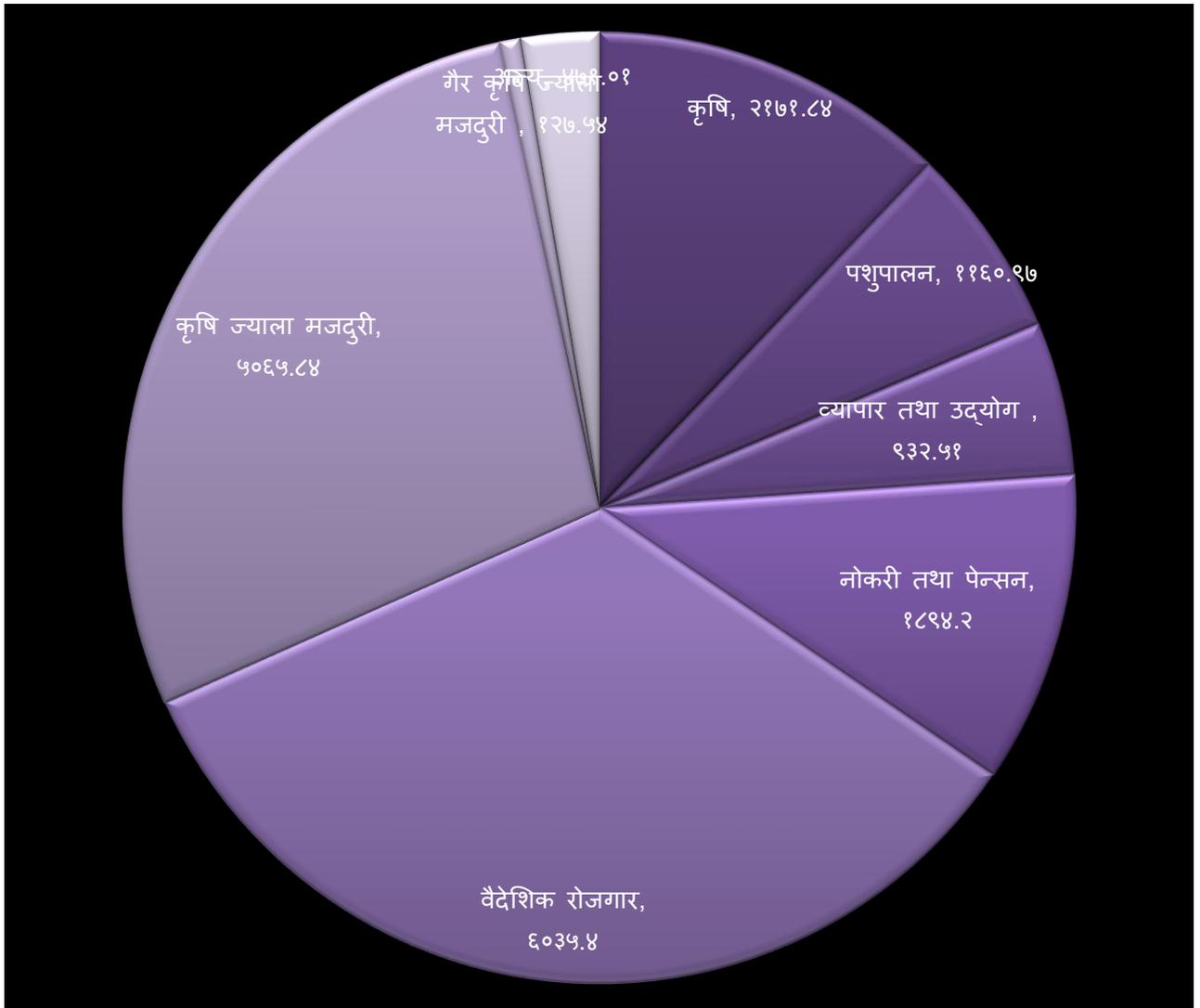


श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

उपरोक्त वृत्तचित्र अनुसार यस वडामा वार्षिक औषतमा आम्दानीका विभिन्न ८ वटा स्रोतहरूको अवस्थाको विश्लेषण गर्दा सबैभन्दा बढी अन्य क्षेत्र बाट आम्दानी भएको देखिन्छ भने सबैभन्दा कम पशुपालन क्षेत्र बाट भएको देखिन्छ ।

यसैगरी वडा न.७ मा ३११ घरधूरीमा गरीएको सर्वेक्षण अनुसार वार्षिक रुपमा औषतमा १ परिवारले कति आम्दानी गर्ने रहेछन् भनि विश्लेषण गर्ने क्रममा देहाय अनुसारको वृत्त चित्रमा देखाइएको छ ।

वृत्त चित्र न.२२ : वडा न.७ को पारिवारीक वार्षिक आम्दानी विवरण

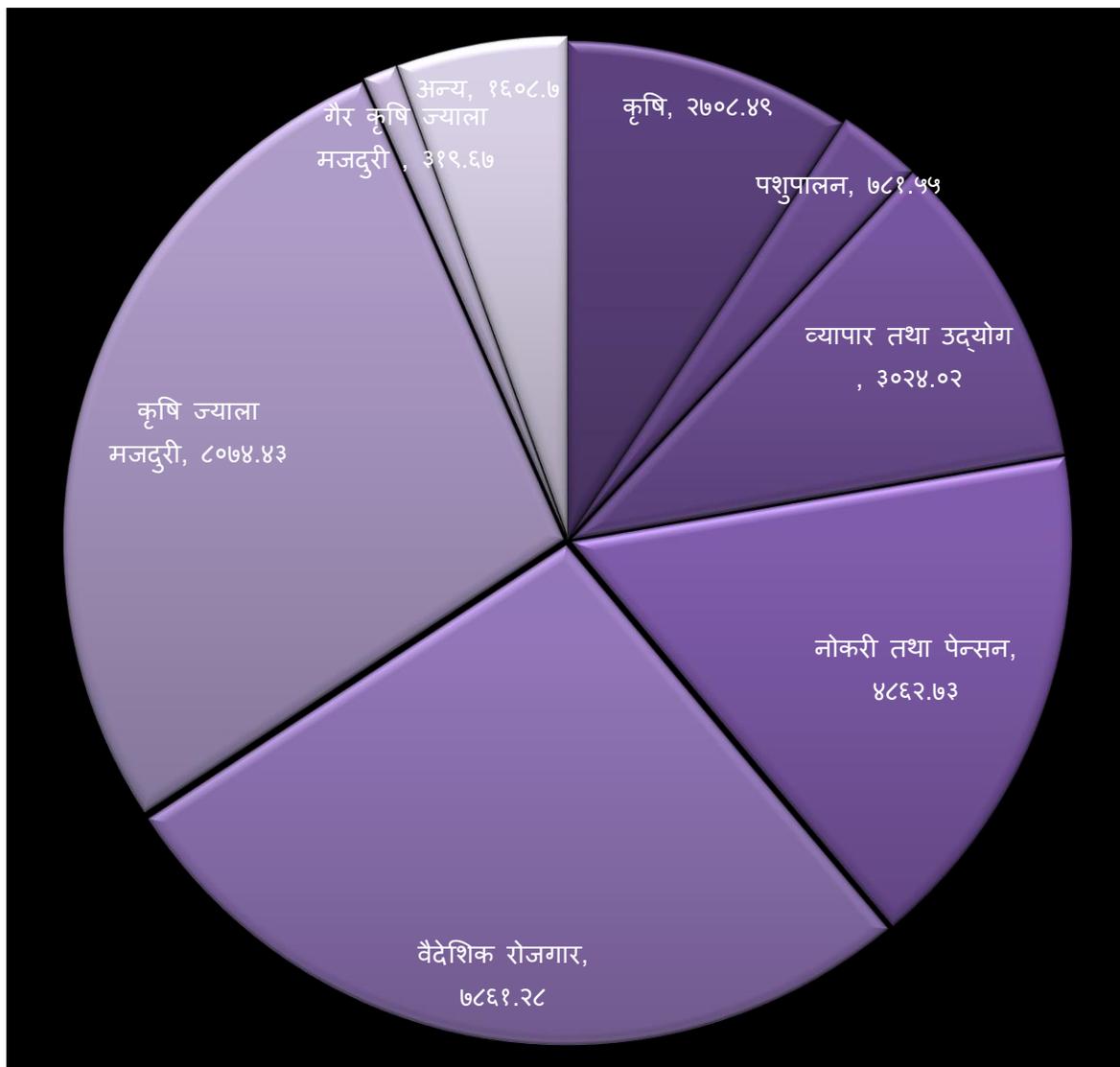


श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार विभिन्न ८ वटा आम्दानीका शिर्षकहरुमा सबैभन्दा बढी वैदेशिक रोजगारी बाट आम्दानी भएको देखिन्छ भने सबैभन्दा कम गैर कृषि ज्याला मजदुरी बाट भएको आम्दानी कम देखिन्छ ।

यसैगरी वडा न.८ मा गरीएको सर्वेक्षण अनुसार बार्षिक रुपमा औषतमा १ परिवारले कति आम्दानी गर्ने रहेछन् भनि विश्लेषण गर्ने कममा देहाय अनुसारको वृत्त चित्रमा देखाइएको छ ।

वृत्त चित्र न.२३ : वडा न.८ को पारिवारीक बार्षिक आम्दानी विवरण

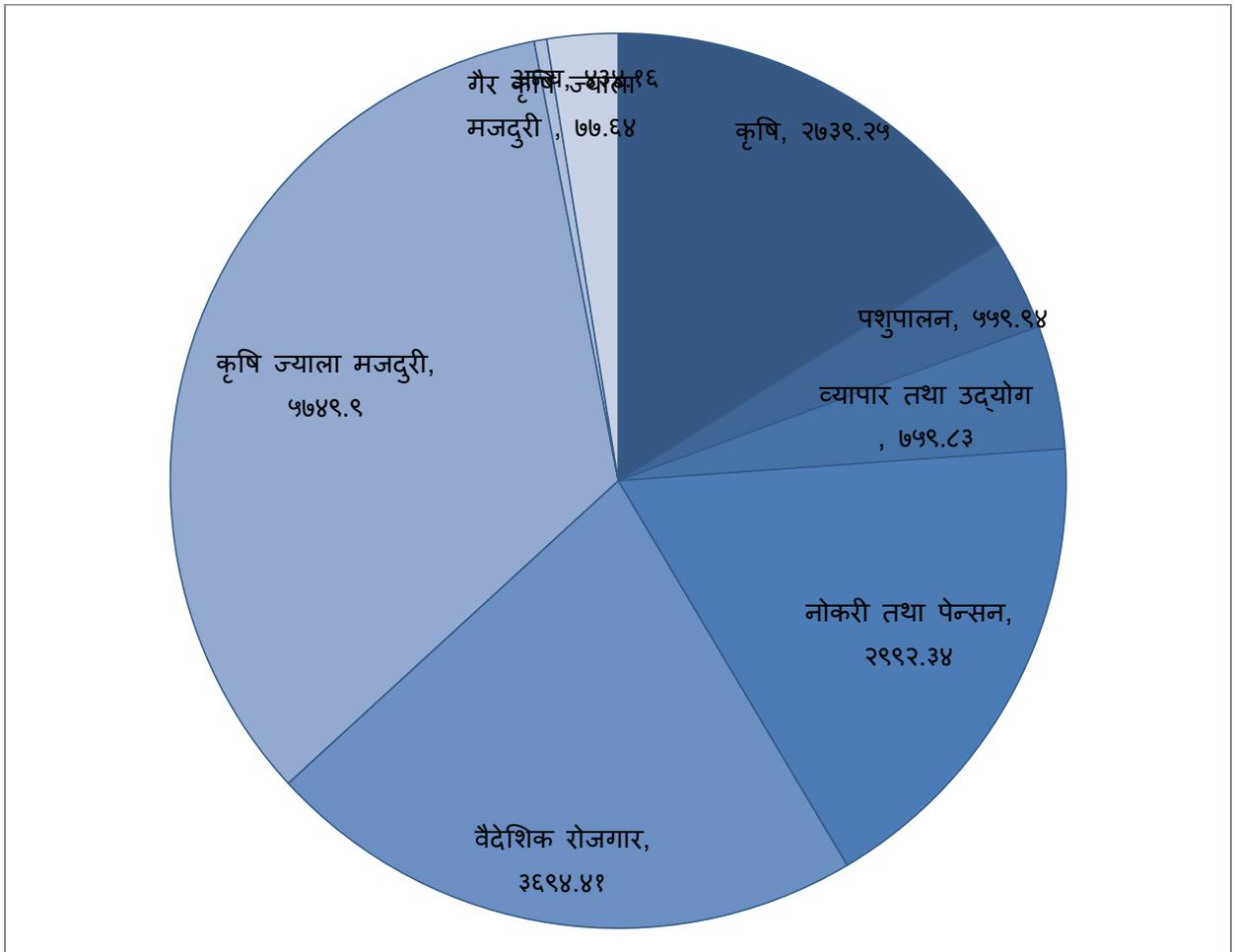


श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार विभिन्न ८ वटा आम्दानीका शिर्षकहरुमा सबैभन्दा बढी कृषि ज्याला मजदुरी बाट आम्दानी भएको देखिन्छ भने सबैभन्दा कम गैरकृषि ज्याला मजदुरी बाट भएको आम्दानी कम देखिन्छ ।

यसैगरी वडा न.९ मा गरिएको सर्वेक्षण अनुसार वार्षिक रुपमा एक परिवारले औषतमा कति खर्च गर्ने रहेछ भन्ने विवरण तलको वृत्त चित्रमा राखिएको छ ।

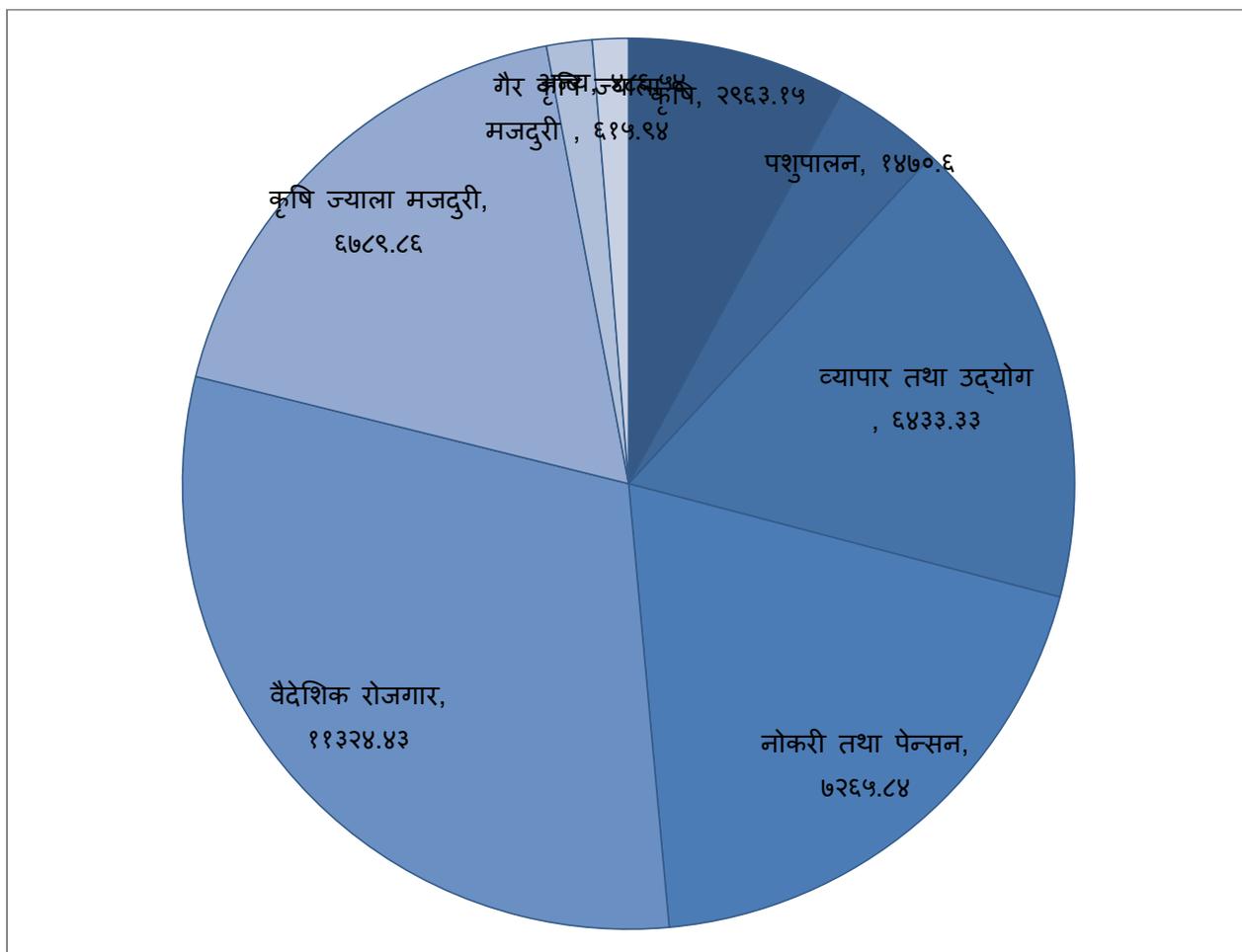
वृत्त चित्र न.२४ : वडा न.९ को पारिवारीक वार्षिक आमदानी विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

उपरोक्त वृत्तचित्र अनुसार यस वडामा वार्षिक औषतमा आमदानीका विभिन्न ८ वटा स्रोतहरूको अवस्थाको विश्लेषण गर्दा सबैभन्दा बढी कृषि ज्याला मजदुरी बाट आमदानी भएको देखिन्छ, भने सबैभन्दा कम गैर कृषि क्षेत्रको रोजगारी बाट भएको देखिन्छ ।

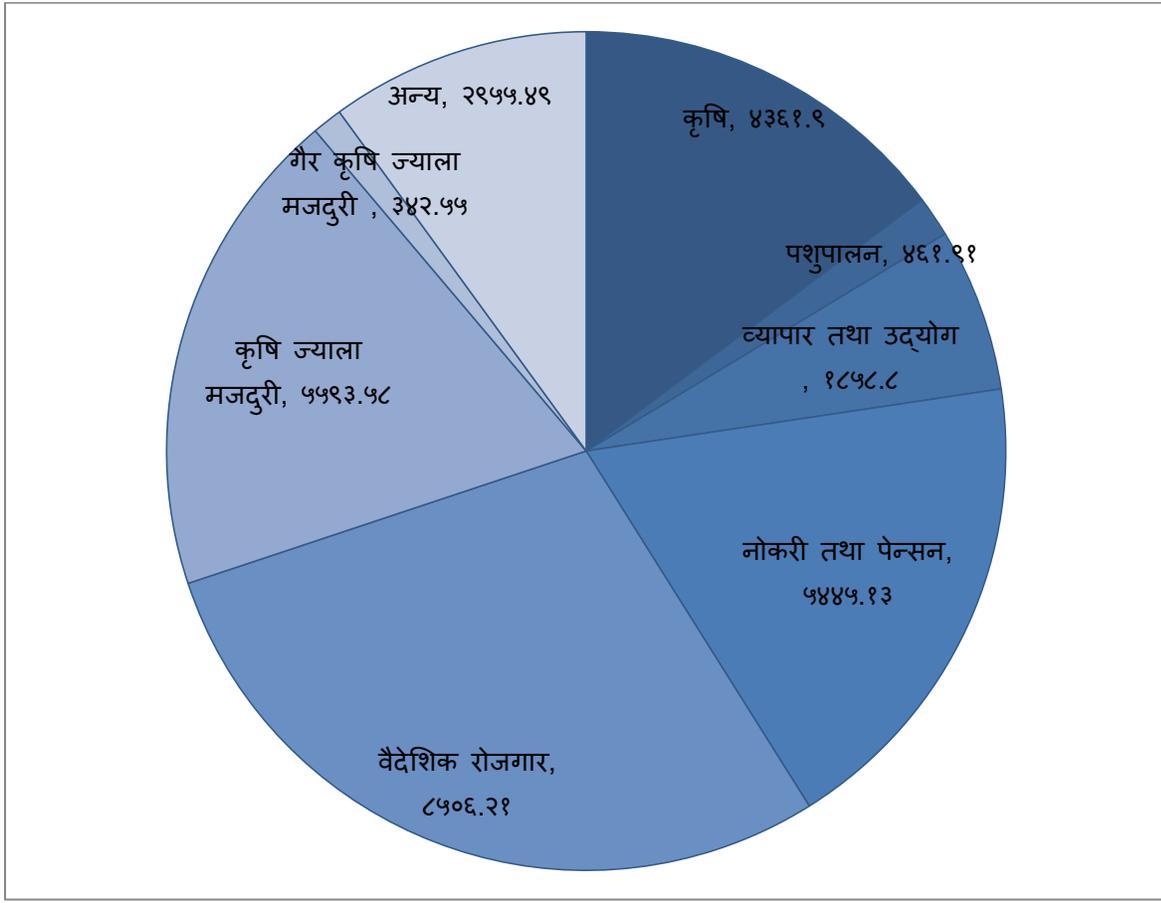
वृत्त चित्र न. २५ : वडा न.१० को पारिवारीक बार्षिक आमदानी विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

उपरोक्त वृत्तचित्र अनुसार यस वडामा बार्षिक औषतमा आमदानीका विभिन्न ८ वटा स्रोतहरुको अवस्थाको विश्लेषण गर्दा सबैभन्दा बढी वैदेशिक रोजगारी बाट आमदानी भएको देखिन्छ भने सबैभन्दा कम गैर अन्य क्षेत्रको रोजगारी बाट भएको देखिन्छ ।

वृत्त चित्र न. २६ : वडा न. ११ को पारिवारीक बार्षिक आमदानी विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

उपरोक्त वृत्तचित्र अनुसार यस वडामा बार्षिक औषतमा आमदानीका विभिन्न ८ वटा स्रोतहरूको अवस्थाको विश्लेषण गर्दा सबैभन्दा बढी वैदेशिक रोजगारी बाट आमदानी भएको देखिन्छ भने सबैभन्दा कम गैर पशुपालन क्षेत्रको रोजगारी बाट भएको देखिन्छ ।

४.३. पारिवारीक बार्षिक खर्चको विवरण:

कल्याणकारी राज्यको आधारभूत अवधारणा अनुरूप संघीय संविधानले आधारभूत मौलीक हकको रुपमा स्थापित गरेको खाद्य सम्पन्नता निशुल्क आधारभूत शिक्षा र स्वास्थ्य सेवामा सबैको पहुच जस्ता हकहरूको सुनिश्चितता गर्न समग्र राज्य तथा स्थानीय सरकारले यि क्षेत्रलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेर काम गर्नुपर्ने देखिन्छ । राज्यको दायित्वमा पर्ने क्षेत्रहरूमा साधारण नागरिकहरूले ठूलो रकम खर्च गर्नुपर्ने अवस्था सकारात्मक होइन ।

नगरपालिकाका घरपरिवारले बार्षिक रुपमा गर्ने खर्चका प्रमुख शिर्षकहरूमध्ये औषत रुपमा खाद्य वस्तु खरिद, स्वास्थ्य, चाडपर्व, मनोरञ्जन, यातायात, ववाह तथा सामाजिक संस्कारहरू नै महत्वपूर्ण रहेका छन् । यस सर्भेक्षणका क्रममा सप्तकोशीनगरपालिकाका सबै वडाहरूका ५०३३ घरधुरी सर्भेक्षण गर्दा औषतमा प्रति परिवार बार्षिक देहाय अनुसारको खर्च गर्ने परिपाटि रहेको पाइन्छ ।

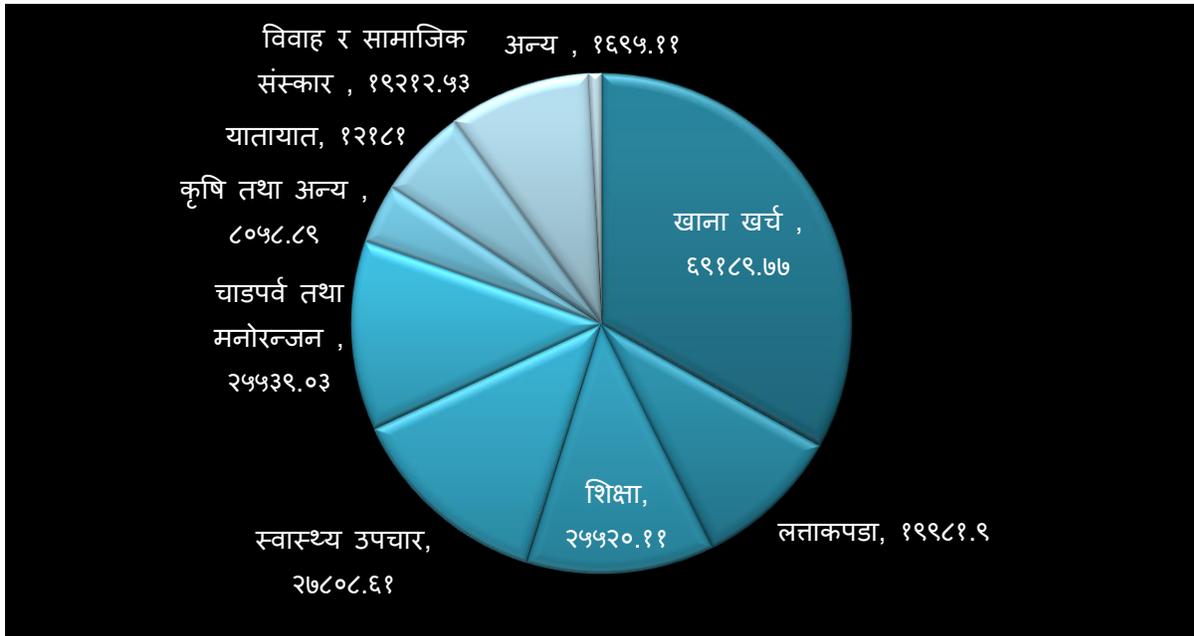
तालिका न. ६९ : पारिवारीक बार्षिक खर्च विवरण

क्र.स	खर्च शिर्षक	औषत खर्च(रु)	प्रतिशत
१	खाना खर्च	६९१८९।७७	३३।०८
२	लत्ताकपडा	१९९८१।९	९।५५
३	शिक्षा	२५५२०।११	१२।२
४	स्वास्थ्य उपचार	२७८०८।६१	१३।२९
५	चाडपर्व तथा मनोरञ्जन	२५५३९।०३	१२।२१
६	कृषि तथा अन्य	८०५८।८९	३।८५
७	यातायात	१२१८।१	५।८२
८	विवाह र सामाजिक संस्कार	१९२१२।५३	९।१८
९	अन्य	१६९५।११	०।८१
	जम्मा	२०९१८६।९५	१००

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशीनगरपालिकाको खर्चका शिर्षकहरूमा मुख्य र महत्वपूर्ण क्षेत्रहरूमा भन्दा उत्पादनशिल, उत्पादकत्वको क्षेत्रमा भन्दा अन्य क्षेत्रमा खर्च भएर गएको देखिन्छ। यसले के देखिन्छ भने अनुत्पादक क्षेत्रमा भएको खर्चले भविष्यमा परनिर्भरता बढाउने गर्दछ। माथीको तथ्यांक हेर्दा चाडपर्व, लत्ताकपडा, मनोरञ्जन, विवाह तथा सामाजिक संस्कार तथा यातायात क्षेत्रको खर्च अनुत्पादक खर्च भएको छ। यसबाट भविष्यमा प्रतिफल प्राप्त हुदैन जसले गर्दा जीवनस्तर माथी उठ्न सक्दैन। यसैगरी राज्यको दायित्व भित्र पर्ने शिक्षा, स्वास्थ्य जस्ता क्षेत्रहरूमा पनि धेरै खर्च भएको कारणले गर्दापनि ति क्षेत्रमा ठूलो सुधारका कार्यक्रमहरू बनाएर जानुपर्ने यहाको आवश्यकता देखिएको छ। यस खर्चका शिर्षकहरूलाई देहायको वृत्त चित्रमा पनि देखाइएको छ।

वृत्त चित्र न. २७ : बार्षिक पारिवारीक खर्चको विवरण



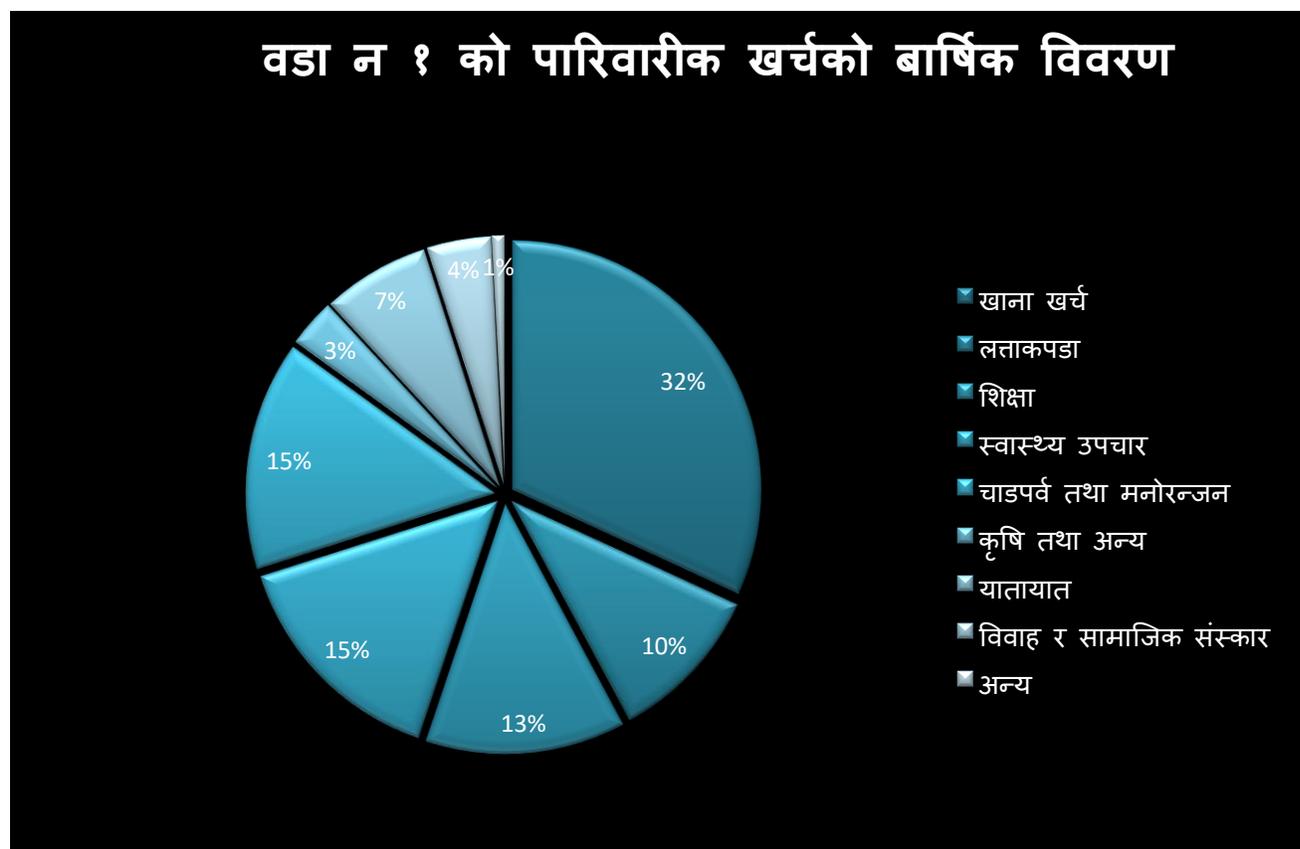
श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको वृत्त चित्र अनुसार यस नगरपालिकामा सबैभन्दा बढी खानामा रु ६९१८९।७७ औषत वार्षिक खर्च हुने देखिन्छ भने सबैभन्दा कम अन्य क्षेत्रमा भएको खर्च देखिन्छ । जहा रु १६९५।११ खर्च भएको छ । यसरी हेर्दा माथीका शिर्षकहरुमा अनुत्पादक क्षेत्रमा व्यापक खर्च हुने गरेको तथा उत्पादनमूलक क्षेत्रमा कम खर्च भएको तथ्यांकमा देखिन्छ ।

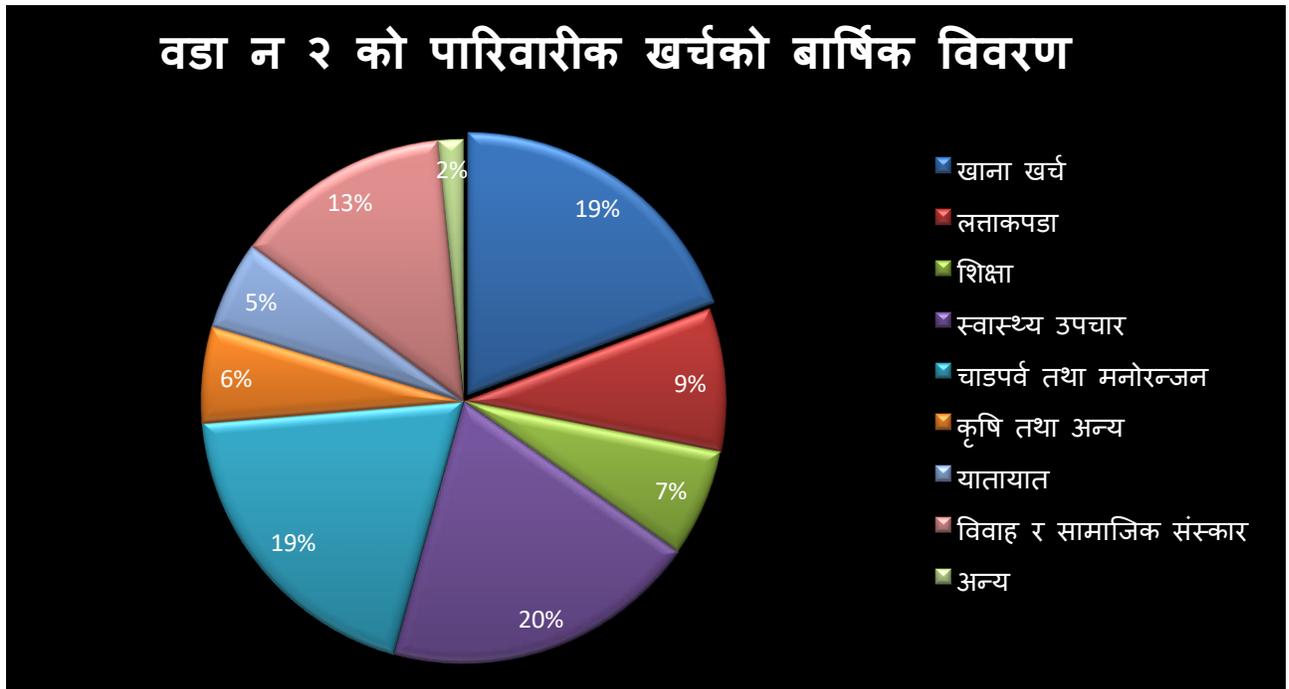
४.४. पारिवारीक खर्चको वडागत विवरण:

सप्तकोशीनगरपालिकामा सर्भेक्षणको क्रममा भेटिएका ५०३३ घरधुरीहरुमा विभिन्न ९ वटा शिर्षकहरुमा खर्चको औषत लागत कति छ भनेर तथ्यांक संकलन गरिएको थियो । खानामा, शिक्षामा, स्वास्थ्यमा तथा लत्ता कपडामा समग्रमा उल्लेख्य रुपमा खर्च भएर गएको देखिन्छ । यसका साथ-साथै अन्य शिर्षकहरुमा पनि सोहि अनुरूपम खर्च भएको देखिन्छ । यस तथ्यांकलाई वडागत रुपमा हेर्दा देहाय अनुसारको अवस्था सप्तकोशी नगरपालिकामा देख्न सकिन्छ ।

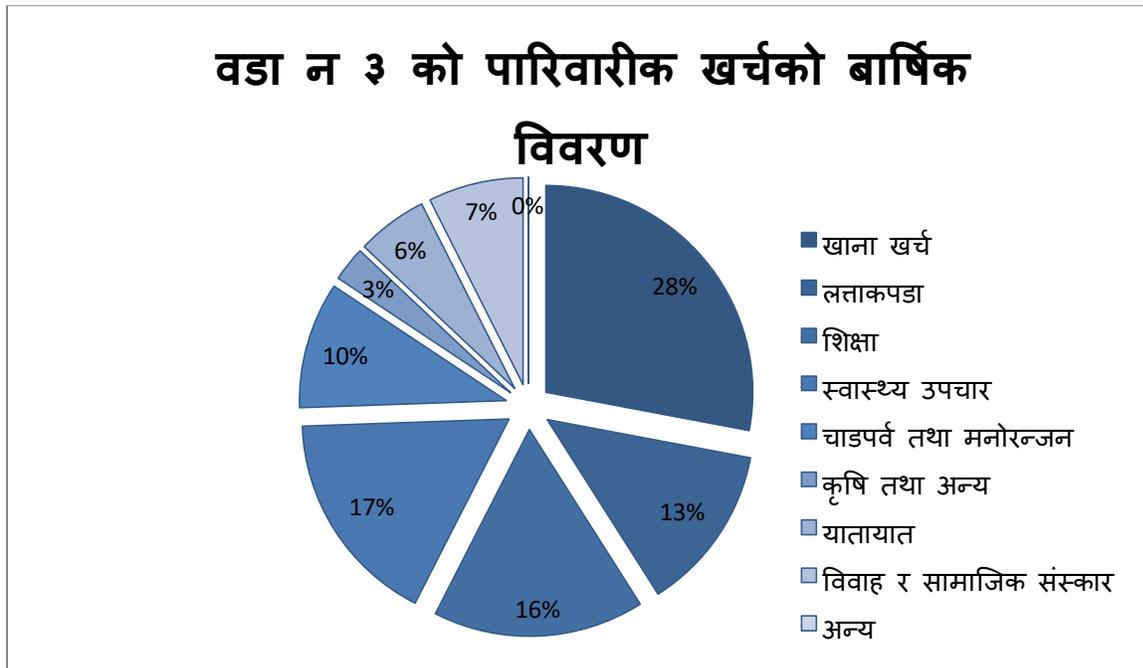
वृत्त चित्र न. २८ : वडा न.१ को पारिवारीक खर्चको वार्षिक औषत विवरण



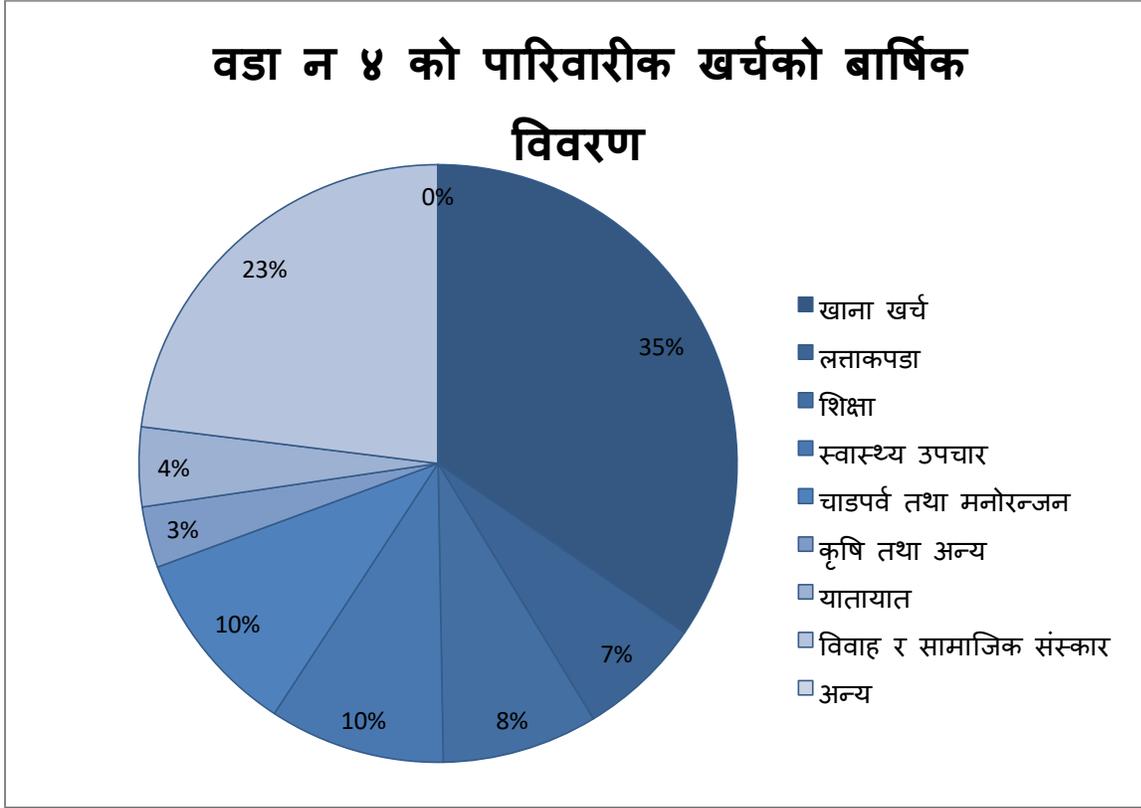
श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७



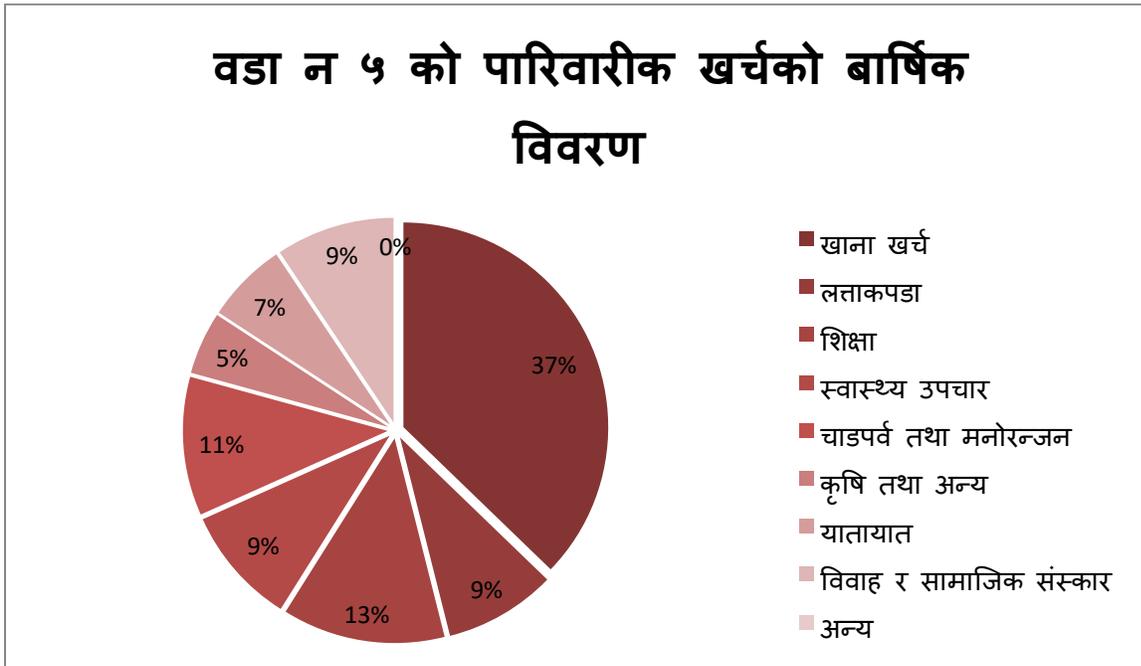
श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७



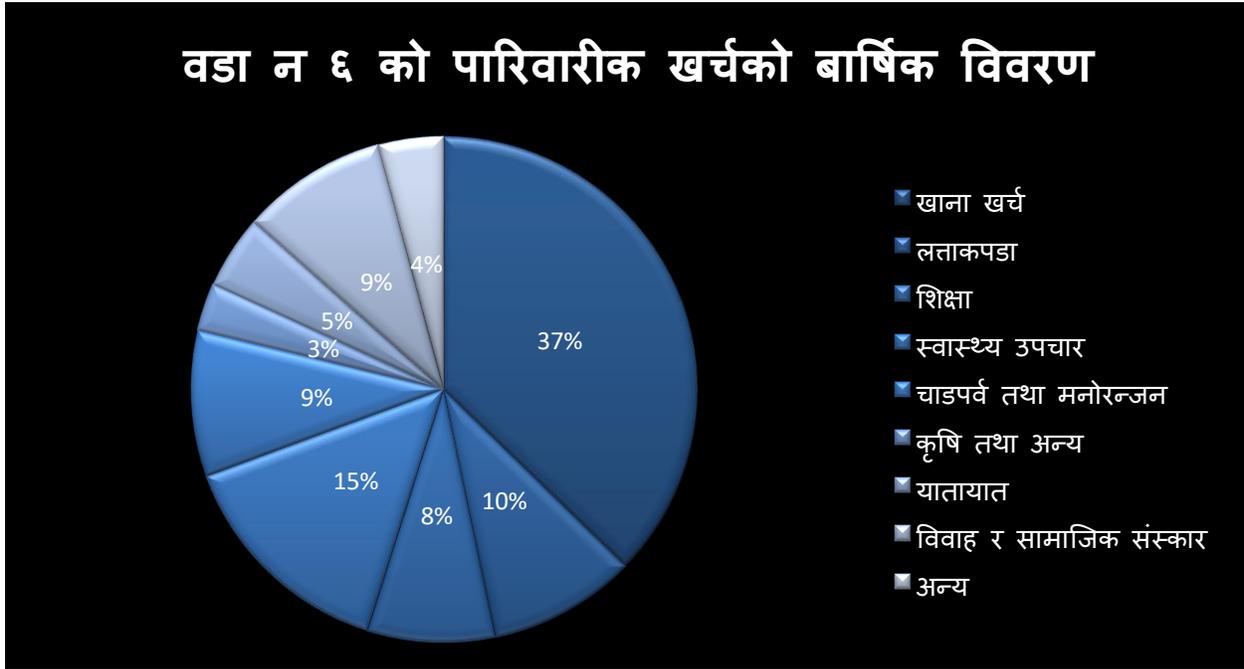
श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७



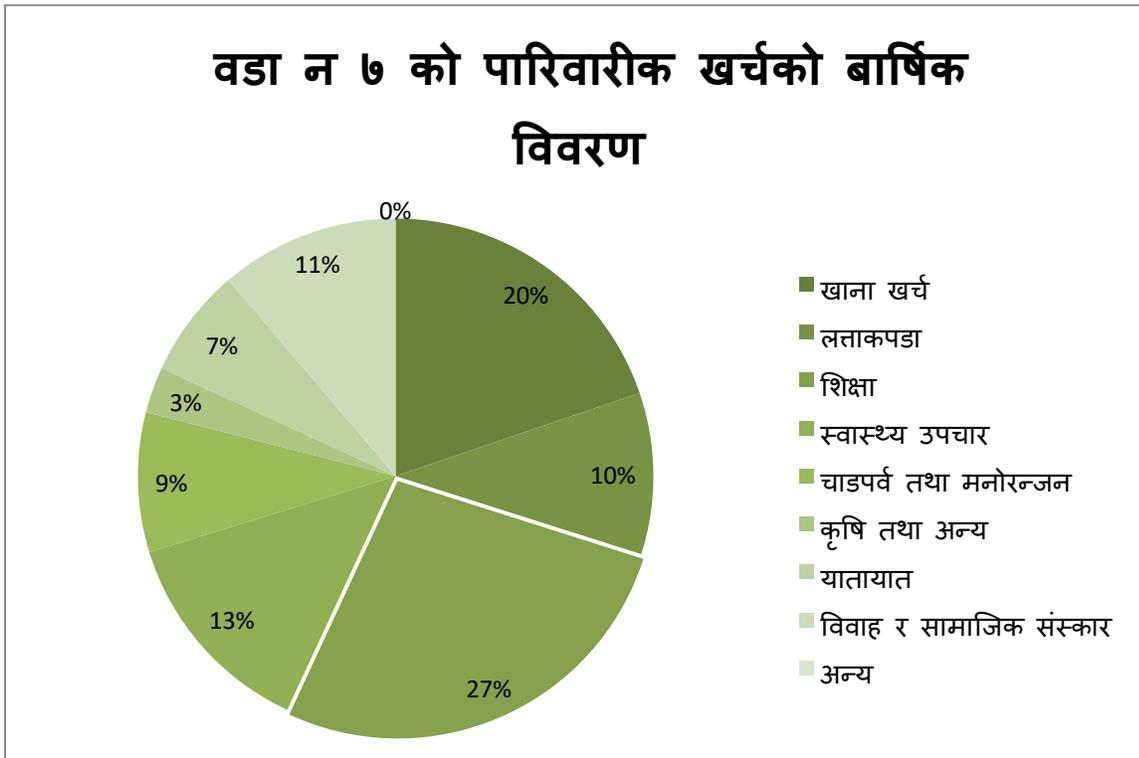
श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

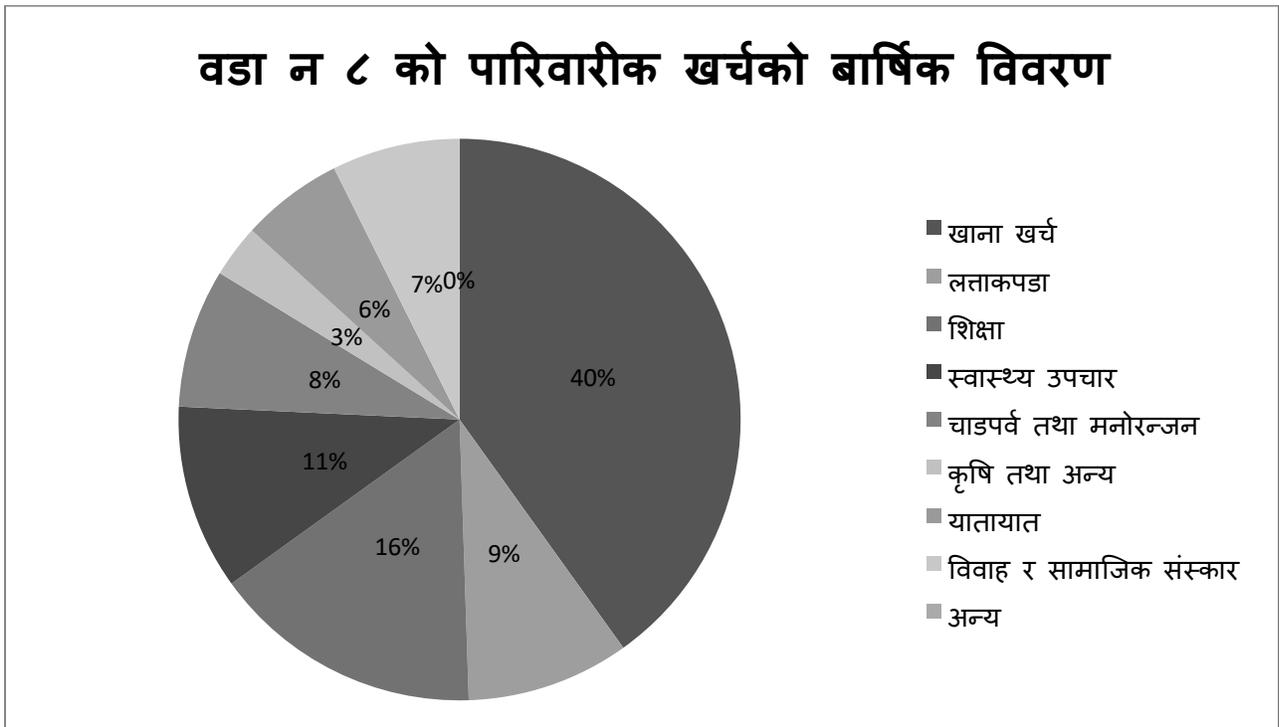


श्रोत: पार्ष्वचित्र २०७६/२०७७



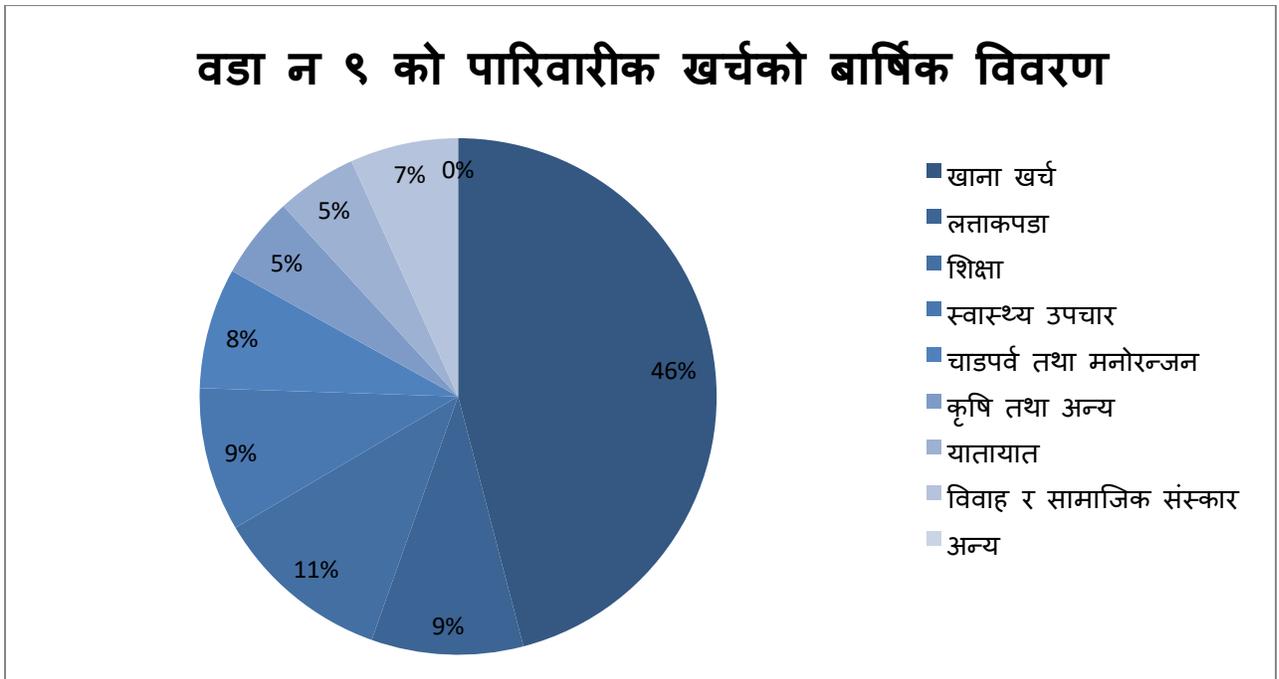
श्रोत: पार्ष्वचित्र २०७६/२०७७

वृत्त चित्र न. ३५ : वडा न. ८ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण



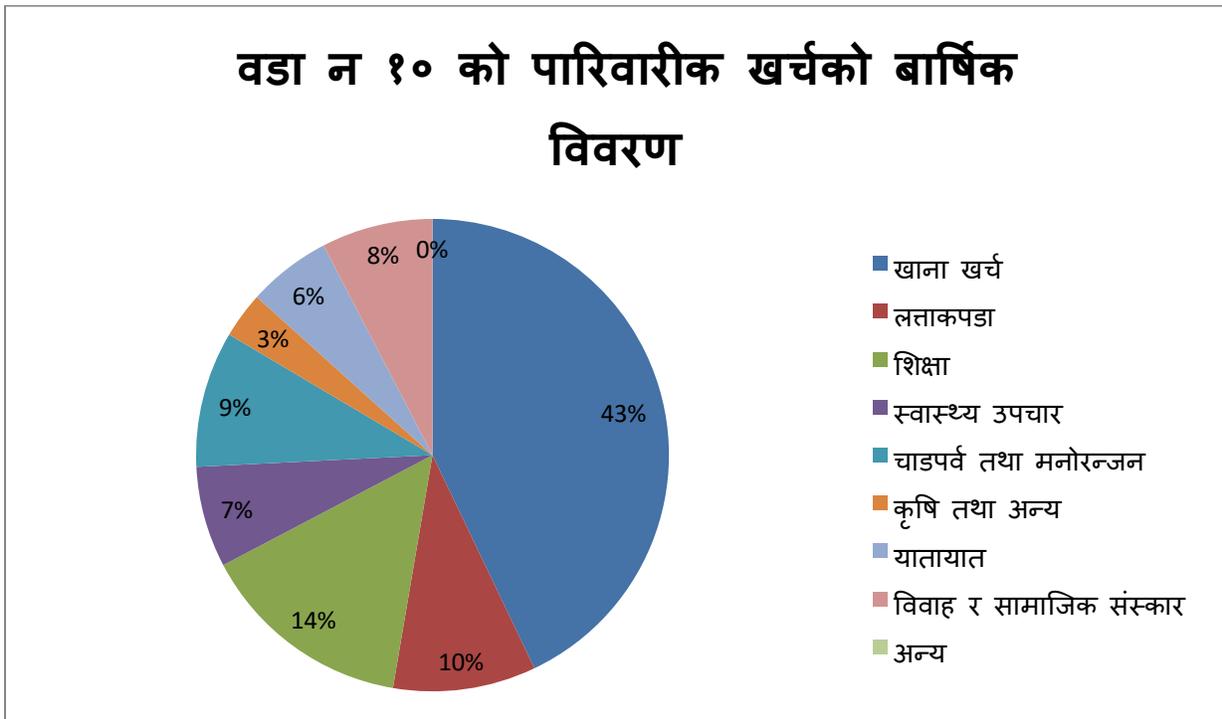
श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

वृत्त चित्र न. ३६ : वडा न. ९ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण



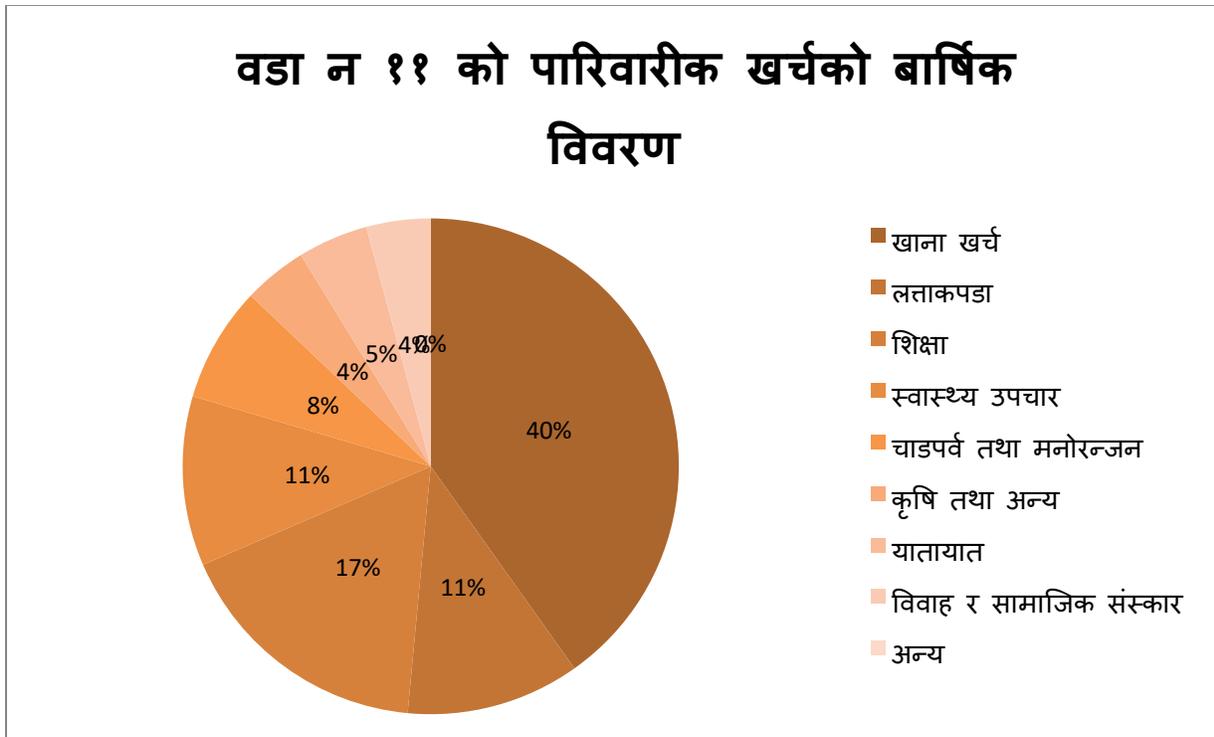
श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

वृत्त चित्र न. ३७ : वडा न.१० को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

वृत्त चित्र न. ३८ : वडा न.११ को पारिवारीक खर्चको बार्षिक औषत विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.५. पेशा अनुसार जनसंख्या विवरण:

नेपालमा कानूनले तोकेको १५ वर्ष देखि ५९ वर्ष सम्मको उमेर बाहेक समेत बाल बालिकाहरुलाई काममा लगाउने र जेष्ठ नागरिकहरुले बाध्यतावश काम गर्नु परिरहेको यथार्थ छ । ठूलो संख्यामा रहेको बेरोजगारको कारण नगरपालिकामा उत्पादनशिल कार्यमा लागेकाको जनसंख्यामाथी ठूलो आर्थिक दबाव पर्ने र बेरोजगारीका कारण उत्पन्न हुने थप सामाजिक आर्थिक मनोवैज्ञानिक असरहरु निकै संवेदनशील हुने गर्दछन् । तसर्थ दिगो विकाशको लागी रोजगारी सृजना, दक्ष जनशक्ति उत्पादन र उत्पादन तथा सेवामूखी उद्योग व्यवसायको विकाव गर्न दीर्घकालिन कार्ययोजना निर्माण गरि लागु गर्नुपर्ने देखिन्छ । तसर्थ त्यसतर्फ त्यसतर्फ सम्बन्धीत सरोकारवालाहरुको ध्यान जानु जरुरी छ ।

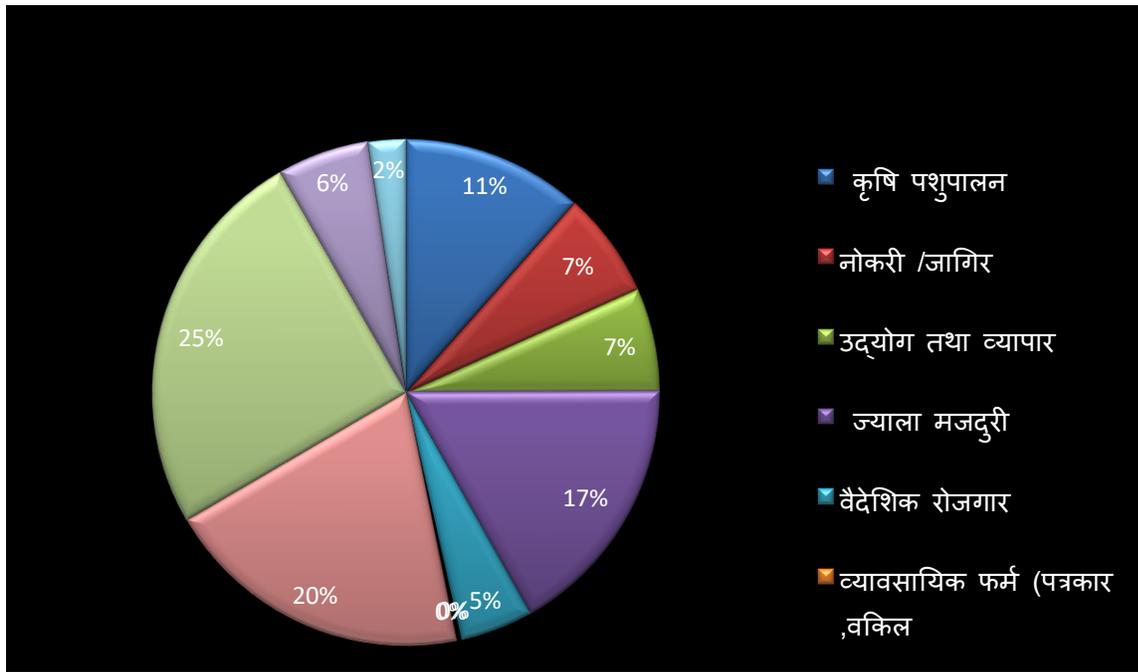
रोजगारी, पेशा र आम्दानीको अवस्था हेर्दा सप्तकोशी नगरपालिकाका क्षेत्रमा विविध पेशा र व्यवसायमा संलग्न रहेका मानिसहरु बसोबास गर्ने गरेका छन् । यहाको मुख्य पेशा भनेको ज्याला मजदूरी नै रहेको देखिन्छ । यस सर्भेक्षणका क्रममा गरिएको घरधूरी सर्भेक्षणका क्रममा १० वर्ष भन्दा माथीको उमेर समूहका व्यक्तिहरुलाई लक्षित गरेर मुख्य पेशाको बारेमा जानकारी संकलन गरिएको थियो । यस तालिकामा अस्थाई रुपमा बसाइ सराई गर्नेहरुको पेशा वा व्यवसाय उल्लेख गरीएको छैन । उनीहरु तल के, कहाँ र कस्तो पेशा र व्यवसाय गरिरहेका छन् , सो कुरा यस सर्भेक्षणमा प्राप्त नहुने हुदा यहा रहेकाहरुको मात्र विवरण राखिएको छ । उमेर समूह अनुसार पेशा अवलम्बन गर्नेहरुको थप विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ ।

तालिका न.७० : पेशा अनुसार जनसंख्या विवरण

पेशा	उमेर समूहको जनसंख्या												
	१०-१४		१६-२४		२४-४०		४१-६०		६१ माथी		जम्मा		
	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	जम्मा
कृषि पशुपालन	६	६	९७	४१	३८२	२२२	४००	६१४	८९	३२३	९७४	१२०६	२१८०
नोकरी/जागीर	०	१	८३	१३५	१७८	४८९	४९	२९३	३	४४	३१३	९६२	१२७५
उद्योग तथा व्यापार	१	२	२७	४४	२२४	३७८	१३०	३५९	१२	७२	३९४	८५५	१२४९
ज्याला मजदूरी	१५	३३	१३६	५४२	२९४	११७७	१६३	६८३	२५	११९	६३३	२५५४	३१८७
वैदेशिक रोजगार	०	०	८	१२७	१८	६१३	१	१०६	०	१	२७	८४७	८७४
व्यवसायिक फर्म (पत्रकार, वकिल)	०	०	१	१	६	१०	१	८	०	२	८	२१	२९
धार्मिक कार्य	०	०	०	०	१	५	१	९	५	१३	७	२७	३४
अध्ययन	८७३	९१५	८६९	८८३	८५	९८	४	०	१	२	१८३	१८९८	३७३०
गृहिणी	४२	७	८२८	२२	२२०५	३१	१२१५	३०	३३	२६	४६२	११६	४७४४
अशक्त वृद्धा	३	२	३	७	९	१०	१२६	६६	४९	३८५	६३३	४७०	११०३
अन्य	६३	७१	४८	८८	२७	५७	१०	४०	२१	२९	१६९	२८५	४५४
जम्मा	१००३	१०३७	२१००	१८९०	३४२९	३०९०	२१००	२२०	९८	१०१	९६१	९२४१	१८८५

श्रोत: पाशर्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा कृषि ज्यालादारी मजदूरहरुको संख्या ३१८७ जना रहेको देखिन्छ भने नोकरी र जागीरमा १२७५ जना देखिन्छ । नगरपालिकामा समग्र रुपले हेर्ने हो भने श्रम गरेर जीविकोपार्जन गर्नेहरुको संख्या उल्लेख्य रहेको छ । यस तथ्यांकलाई प्रतिशतको आधारमा हेर्ने हो भने कृषि तथा पशुपालन र ज्याला मजदूरी गर्नेहरुको प्रतिशत बढी रहेको देखिन्छ । यसलाई अझ विस्तृत रुपमा तलको वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरीएको छ ।



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.६ कृषि

राष्ट्रिय कृषि नीति २०६१ साथै २०७६ मा देशमा भौगोलिक विविधताले उपलब्ध गराएको अवसर, कृषकहरूको लामो समयदेखिको विशिष्ट अनुभव र आधुनिक कृषिप्रविधिको सदूपयोगबाट दिगो आर्थिक वृद्धि तथा खाद्य सुरक्षा कायम गर्न सकिने सम्भावना औल्याएको छ । तथापि कृषि उर्वर भूमिको अवैज्ञानिक प्रयोग, प्राकृतिक प्रकोपहरूको भूमिमापने असरहरू, कृष श्रम र सीप हुनेहरूमा कृषि योग्य भूमिको पहुच नहुनु र पहुच हुनेहरूले पनि भूमिको प्रयोग गर्न नसक्नु, कृषि क्षेत्रको विकाशका लागि आवश्यक भौतिक पूर्वाधारहरूको व्यवस्था हुन नसक्नु नेपालमा कृषि क्षेत्रका मुख्य समस्या र चुनौति रहेको राष्ट्रिय कृषि नीति २०६१ को पृष्ठभूमिमा स्पष्ट उल्लेख गरिएको छ । यो समग्र राष्ट्रको कृषि क्षेत्रको आम समस्या भएकोले यस नगरपालिकाको हकमा समेत लागु हुन्छ । नेपालमा कृषि क्षेत्र देशको देशको प्रमुख रोजगार प्रदायक तथा कूल ग्राहस्थ उत्पादनमा प्रमुख हिस्सेदार रूपमा देशको अर्थतन्त्रको मेरुदण्ड हो । ग्रामिण जनताहरूको जीवनस्तरमा प्रत्यक्ष सरोकार राख्ने कृषि क्षेत्रको आधारभूत तथ्यांकलाई ग्रामिण विकाशको सूचकको रूपमा लिन सकिन्छ । खाद्यान्न तथा नगदेवालिरु, फलफूल, पशुपक्षि, मस्त्य सिचाई साथै कृषि उत्पादन र क्षेत्रफल सम्बन्धी विविध सूचनाहरू कृषि तथ्यांकको क्षेत्रभित्रै पर्ने भएता पनि नेपालमा सरकारी स्तरबाट राष्ट्रिय तथा स्थानीय स्तरमा कृषि सम्बन्धी सूचना तथा तथ्यांकको प्रमुख श्रोतको रूपमा कृषि, भूमि व्यवस्था तथा सहकारी मन्त्रालय र केन्द्रीय तथ्यांक विभाग रहेका छन् । स्थानीय उत्पादनको उत्पादनको वृद्धि र विकाश गर्न बजारिकरणतर्फ विशेष ध्यान दिनुपर्ने देखिन्छ ।

आर्थिक सर्वेक्षण २०७३/२०७४ अनुसार नेपालको कूल ग्राहस्थ उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान २९.३७ प्रतिशत रहेकोछ । नेपालमा करीब ६३ प्रतिशत जनसंख्या रोजगारी तथा जीविकाको लागि कृषिमा निर्भर रहेका छन् । वर्षेनि युवा जनशक्ति पलायनमा बढेको, अव्यवस्थित शहरिकरण, जग्गाको खण्डीकरण, घडेरिकरण, जग्गा बाभो राख्ने प्रवृत्ति समग्र कृषि क्षेत्रको चुनौतिहरू हुन् । कृषि क्षेत्रको विकाशका लागि आवश्यक सिचाई, सडक, विजुली, सञ्चार, उद्योग र व्यवस्थापन तथा उन्नत प्रविधिमा पर्याप्त लगानी आकर्षित गर्न नसक्नु कृषि क्षेत्रको मूलभूत समस्या हो भने

कृषि पेशालाई प्रतिस्पर्धी, नाफामूलक, मर्यादित, सम्मानजनक र व्यावसायिक रुपमा स्थापित गर्नु पनि चुनौतिपूर्ण रुपमा रहेको छ ।

नेपालको कूल ग्राहस्थ उत्पादनमा सवैभन्दा बढी कृषि क्षेत्रको योगदान रहिआएको छ । मूलुकको अधिकाशं जनताको रोजगारी, आय आर्जन र जीविकोपार्जन को मुख्य क्षेत्र नै कृषि हो । परम्परागत जिवन तथा निर्वाहमूखी नेपालको कृषि क्षेत्र कमशः आधुनिक तथा व्यावसायिक रुपमा विकाश र प्रवर्द्धन गर्न कृषि मन्त्रालयले देहायको रणनीति तथा कार्यक्रमहरु पनि ल्याएको छ ।

रणनीति

- कृषिजन्य उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरी खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित गर्नेतर्फ कार्यक्रम केन्द्रीत गर्ने ।
- स्थान विशेषको सम्भाव्यता, तुलनात्मक लाभ एवम् प्राथमिकताको आधारमा वाली वस्तु विशेषका पकेट क्षेत्रहरुको विकाश गरी व्यावसायिक एवं प्रतिस्पर्धी प्रणालीको विकास गर्ने ।
- विकशित पकेट क्षेत्रहरुलाई क्रमिक रुपमा *Aggricultur Growth Center*)मा रुपान्तरण गर्ने र यसका लागी आवश्यक स्रोत केन्द्रहरुको विकाश गर्ने ।
- समावेशी र सामाजिक न्यायको आधारमा, सामाजिक भौगोलिक तथा आर्थिक रुपमा पिछडिएका समूदायलाई कृषि विकाशको मूल प्रवाहमा समावेश गर्न प्राथमिकता दिने र उत्पादनशील रोजगारीका अवसरहरु बढाई गरिवी न्यूनिकरणमा टेवा पुर्याउने ।
- कृषि विकाश कार्यक्रमलाई विश्व व्यापार संगठन एवं क्षेत्रीय स्तरका व्यपार सम्झौताहरुवाट प्राप्त अवसरहरुको अधिकतम लाभ लिनेतर्फ उन्मुख गराउने ।
- सार्वजनिक-नीजि साभेदारी अवधारण (*PPP*) अनुरूप नीजि र सरकारी, सहकारी, गैरसरकारी तथा सामूदायिक संघ संस्थालाई साभेदार निकायको रुपमा अंगिकार गरी प्रभावकारी सेवा प्रवाहमा व्यापकता ल्याउने ।
- कृषक समूह तथा कृषि सहकारीहरुलाई सक्षमा बनाई कृषि पेशालाई मर्यादित बनाउदै लैजानुपर्ने ।

कार्यक्रमहरु:

- उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार
- ब्लक सञ्चालन
- व्यावसायिक कृषि तथा व्यापार आयोजना (*PACT*)

कृषि क्षेत्रको विकाश तथा प्रवर्द्धन गर्न नीति तथा कार्यक्रमहरु संगै कृषि क्षेत्रको व्यावसायिकता पनि थपिदै गएको देखिन्छ । ग्रामिण तथा शहरीक्षेत्रहरुमा व्यवसायिक कृषि फारमहरुको तथा कृषकहरुको संलग्नतामा सूधार भएको देखिन्छ । सप्तकोशीनगरपालिकामा धेरै व्यवसायिक फारमहरु सञ्चालनमा आएको देखिदैनन् । त्यसैले यस्ता व्यवसायिकता अंगालेका फारमहरुको विकाश तथा निर्माण गर्नु आजको आवश्यकता तथा कृषि र कृषि उत्पादकत्वमा आमूल परिवर्तन ल्याउन जरुरी छ ।

४.६.१ कृषिजन्य उत्पादनहरुको विवरण:

सप्तकोशीनगरपालिका कृषिका लागी उर्वर रहेको छ । यस सर्भेक्षणका कममा घरधूरी सर्भेक्षण गर्दा कृषि वालीसंग सम्बन्धीत प्रश्नहरु सोधिएको थियो । कृषिजन्य उत्पादनहरुमा अन्नवाली, दलहन वाली, तरकारी खेती, फलफूल खेतीहरुहीहउदे र बर्षै वालिका रुपमा उत्पादन भएको देखिन्छ ।

क) यस नगरपालिकामा उत्पादन गरीने प्रमुख हिउदे वालीहरुमा धान,मकै,आलु,बन्दा,काउली लगायत तरकारी वाली तथा हिउदे फलफूलहरु रहेका छन् ।

ख) नगरपालिकाको प्रमुख वर्षे वालीहरुमा धान, मकै, गहु, कोदो, दलहनवालीहरु, मास,मुग, आलु, बेसार, अदुवा, केरा, आँप, लिचि र कटहर जस्ता फलफूल रहेका छन् ।

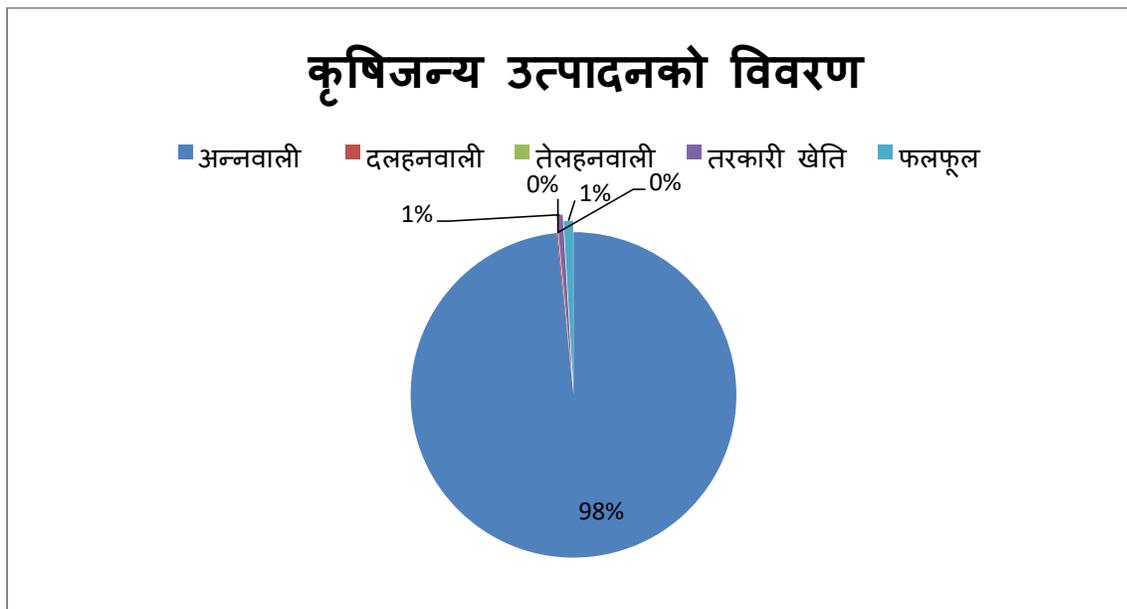
तालिका न.७१ : कृषिजन्य उत्पादनहरुको गतवर्षको विवरण

क्र.स	वाली विवरण	उत्पादन क्विन्टलमा
१	अन्न वाली	२२२७९०
२	दलहन वाली	२४९.६३
३	तेलहन	६६.०१
४	तरकारी खेती	१२९०.७८
५	फलफूल खेती	२१०९.२२

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार अन्नवाली वर्ग भित्र पर्ने धान,मकै,गहु,कोदो, फापर, जौ जस्ता वालीहरुको, त्यसैगरी दलहन वाली वर्ग भित्र मास,वोडी, सिमी,मस्याङ्ग, मसुरको दाल, मटर केराउ जस्ता वालीहरु समेटिएका छन् भने तेलहन वालीमा तोरी, रायो, सूर्यमूखी, सस्यु लगायत समेटिएको छ । तरकारी वाली वर्ग भित्र सबै किसिमका तरकारीहरु समेटिएको छ । मौसमि,बेमौसमी तरकारी लगायत समग्रमा उत्पादन हुने कृषि वालीको अवस्था माथीको तालिकामा उल्लेख गरीएको छ । जसलाई तलको वृत्त चित्रमा समेत समेटिएको छ ।

वृत्त चित्र न.४० : कृषिजन्य उत्पादनको विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.६.२. कृषिजन्य उत्पादनमा खाद्यान्नवाली/अन्नवालीको उत्पादनको अवस्था:

खाद्यान्न वाली अर्थात अन्नवाली वर्गभित्र पर्ने धान,मकै,गहु,कोदो, फापर, जौ जस्ता वालीहरुको समग्र नगरपालिकामा उत्पादनको अवस्था कस्तो छ, कुन उत्पादनको उत्पादकत्व कस्तो रहेछ भन्ने विवरण देहायको तालिकामा विस्तृत रुपमा प्रस्तुत गरीएको छ ।

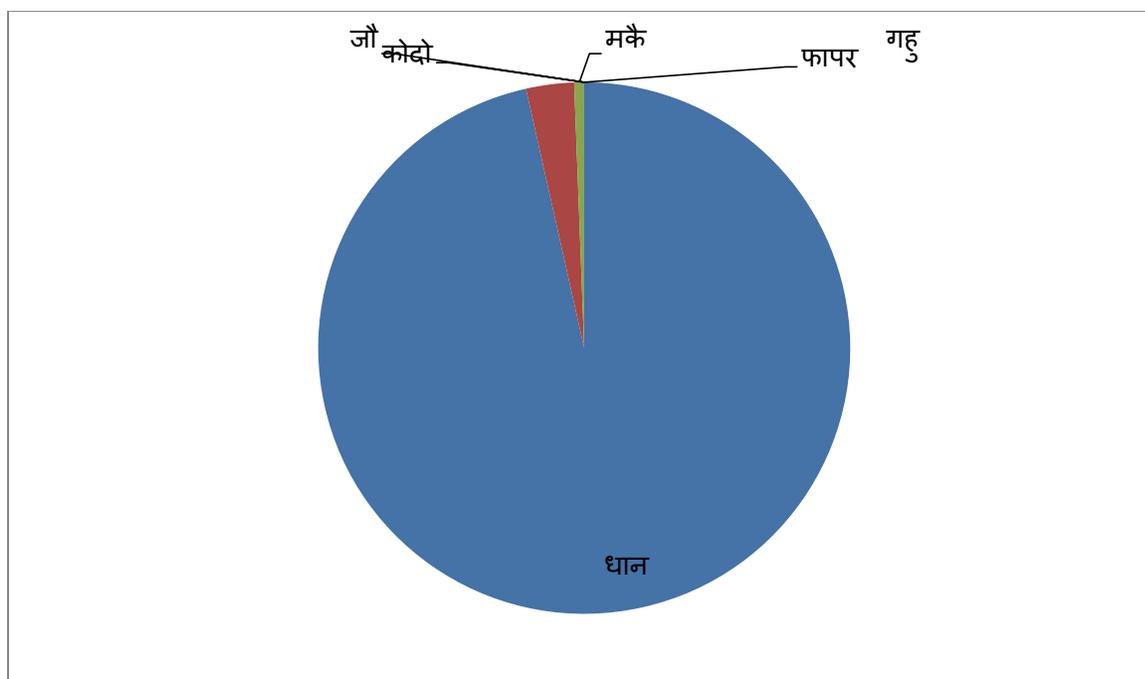
तालिका न.७२ : अन्नवाली उत्पादनको विवरण

क्र.स	वाली विवरण	उत्पादन (क्विन्टलमा)
१	धान	२१४९५८
२	गहु	६४८४
३	मकै	१३४८
४	कोदो	०
५	जौ	०
६	फापर	०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

यसैलाई प्रतिशतको आधारमा हेर्दा अन्नवाली वर्गभित्र पर्ने समग्र वालीनालिहरुको प्रतिशतमा कुन वालीको उत्पादन कति रहेछ भनेर स्पष्ट हुन सकिन्छ। त्यसैले यहा वृत्त चित्रको सहायतामा सो उत्पादनलाई प्रतिशतमा देखाइएको छ।

वृत्त चित्र न.४१ : अन्नवाली भित्रका अन्नहरुको वार्षिक उत्पादन विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.६.३. कृषिजन्य दलहनवाली उत्पादनको विवरण:

कृषि उत्पादनमा दलहनवाली अन्तर्गत मास,बोडी, सिमी,मस्याङ्ग,मसुरको दाल, मटर केराउ जस्ता वालीहरु उत्पादनको अवस्था यस शिर्षकमा दिइएको छ। यस नगरपालिकामा दलहन वालीभित्र सबैभन्दा राम्रो उत्पादनको अवस्था कुन वालीको रहेको छ भन्ने तथ्यांक तलको तालिकामा दिइएको छ।

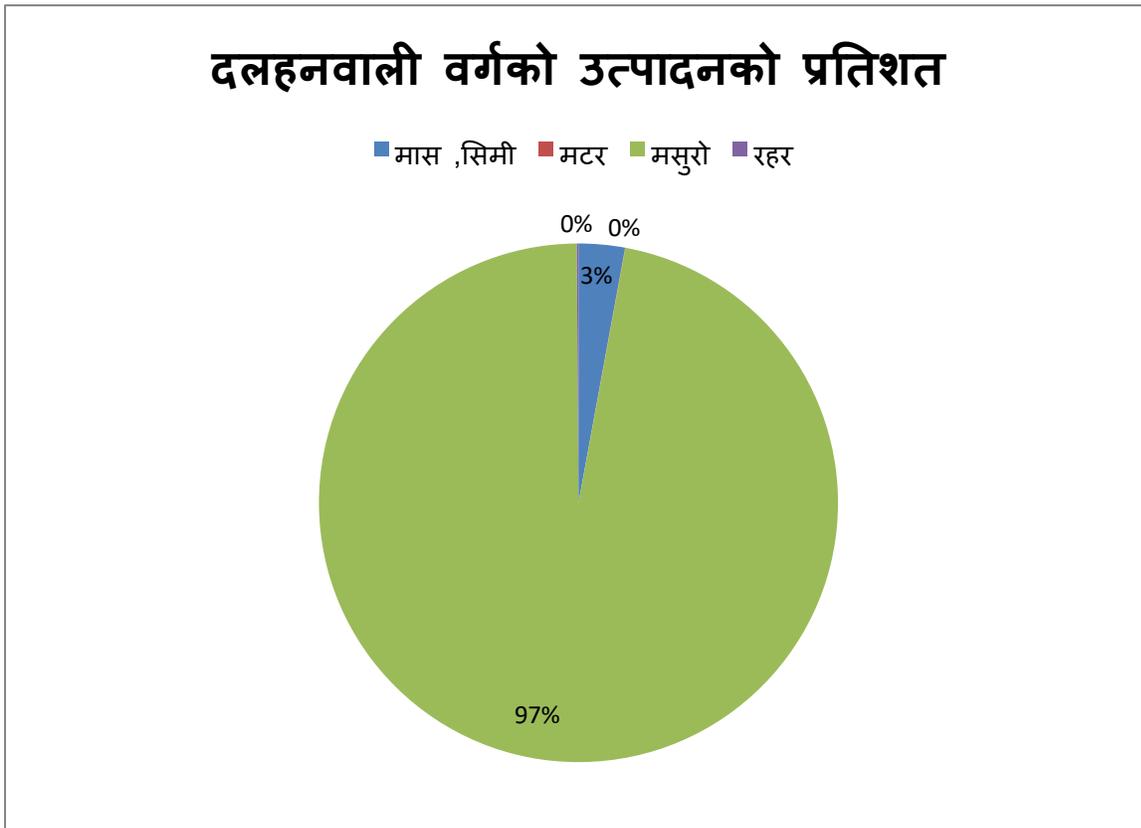
तालिका न.७३ : दलहनवाली उत्पादनको अवस्था र विवरण

क्र.स	वाली विवरण	उत्पादन (केजिमा)
१	मास, बोडि, सिमी, मस्याङ्	७२१
२	रहर	५
३	मसुरो	२४३०६
४	चना, मटर, केराउ	२६

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशी नगरपालिकामा दलहनवाली वर्गभित्र मुख्यतया राम्रो उत्पादन रहेको मसुरो दालको उत्पादन राम्रो रहेको देखिन्छ भने अर्को दलहनवाली मा चना, मटर र केराउको उत्पादन देखिन्छ। यस दलहनवाली उत्पादनलाई अझ विस्तृत रूपमा प्रतिशतको आधारमा देहायको वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरीएको छ।

वृत्त चित्र न.४२ : दलहन वाली वर्गको उत्पादनको प्रतिशत



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.६.४. कृषिजन्य तेलहन वालीको उत्पादन विवरण:

यस अध्ययनको क्रममा तेलहनवाली वर्ग भित्र तोरी, रायो, सस्यु, सूर्यमुखी जस्ता उत्पादनको अवस्था यस नगरपालिकाका सबै वडाहरुमा कस्तो रहेछ भन्नेकुरा समग्रमा तलको तालिकामा दिइएको छ।

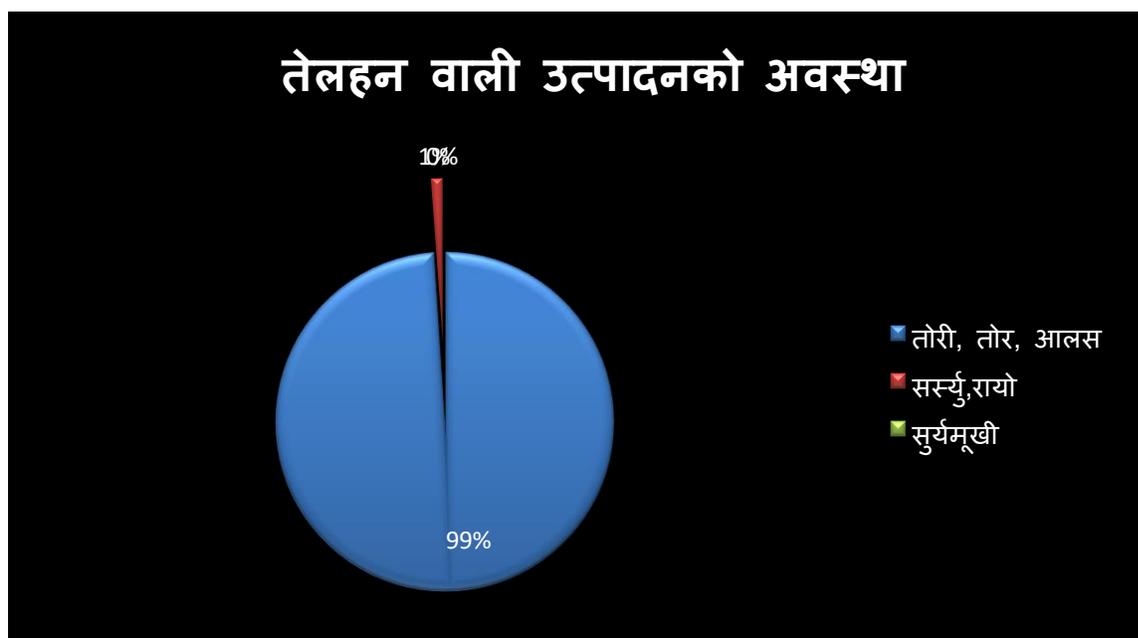
तालिका न.७४ : तेलहन वाली उत्पादनको अवस्था..

क्र.स	वाली विवरण	उत्पादन (क्विन्टलमा)
१	तोरी, तोर, आलस	२३.७३
२	रायो, सस्यु	०.६८
३	सुर्यमूखी	०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा तेलहन वाली अन्तर्गत तोरी, तोर र आलसको उत्पादन अन्य साँही वर्गका वाली भन्दा राम्रो देखिएको छ । यसलाई अझ प्रतिशतको आधारमा देहायअनुसार वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरीएको छ ।

वृत्त चित्र न.४३ :तेलहन वाली उत्पादनको अवस्था



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.६.५. कृषिजन्य तरकारी वाली उत्पादनको अवस्था :

तरकारी खेती भित्र हाल मौसमी र वेमौसमी खेती प्रणाली विकाशसँगै नगदेवालीको रुपमा खेती लगाउने प्रचलन बढ्न थालेको छ । यस नगरपालिकामा तरकारी खेतीको अवस्था हेर्दा धेरै प्रकारका तरकारीहरुको उत्पादनको अवस्था राम्रो देखिन्छ । यहाका मानिसहरुले तरकारी खेतीवाट मनग्य आमदानी गर्न सक्ने अवस्था पनि देखिन्छ । यस नगरपालिकाको दक्षिण भागमा अवस्थित एकदमै जनघनत्व भएको कन्चनस्वरुप नगरपालिका, पश्चिमी भागमा रहेको चौदण्डिगढी र उत्तर तर्फ अवस्थित रहेको धरान उपमहानगरपालिकामा दैनिक रुपमा ठूलो मात्रामा तरकारी निकाशी गरी आमदानी गर्न सक्ने अवस्था रहेको छ । मुख्य रुपमा यस सर्भेक्षणका क्रममा निम्न वालीहरुमा केन्द्रीत रहि तथ्यांक संकलन गरिएको थियो जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

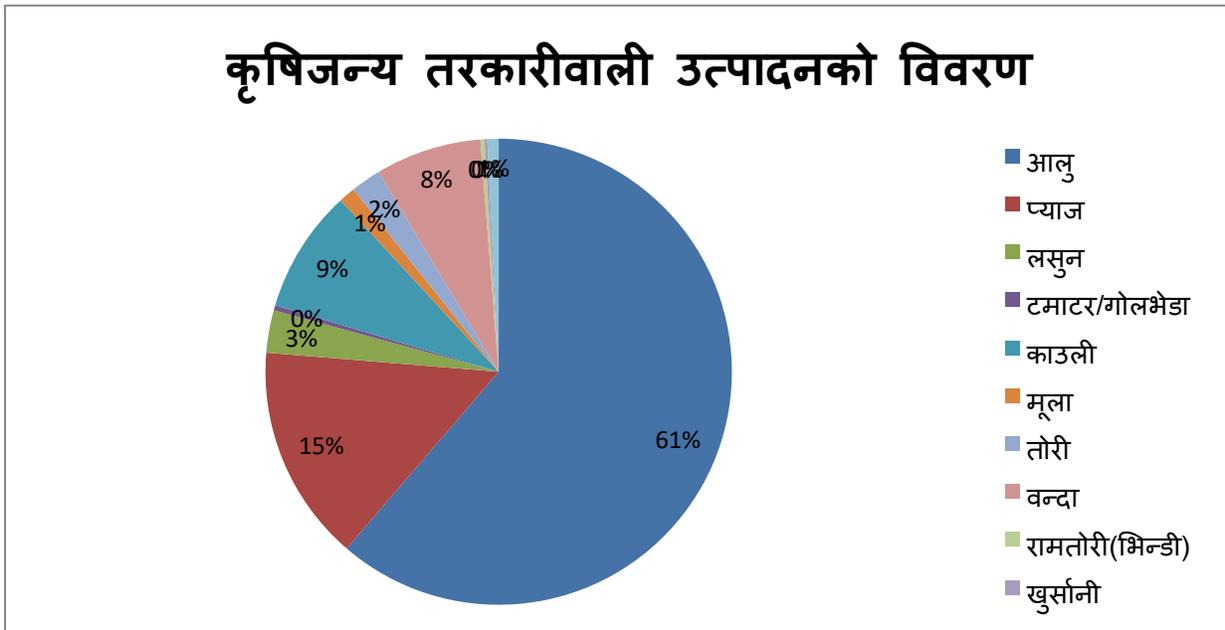
तालिका न. ७५ : कृषिजन्य तरकारी वाली उत्पादनको विवरण

क्र.स	वाली विवरण	उत्पादन (मनमा)
१	आलु	७९११२६
२	प्याज	१९३१७
३	लसुन	३७१९७
४	टमाटर/गोलभेडा	४१७
५	काउली	११०१२१
६	मूला	१४१८९
७	तोरी	२६१८३
८	वन्दा	९५१०६
९	रामतोरी (भिण्डी)	३१५२
१०	खुर्सानी	२१६३
१३	अन्य	१०१०१

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकाका सबै वडाहरूमा तरकारी वालीमा मुख्यतया: आलु , लसुन, रामतोरी ,प्याज, टमाटर जस्ता तरकारी वालीहरूको उत्पादनको अवस्था राम्रो देखिन्छ । यस तालिकामा देखाइएका तरकारी वालीहरूलाई प्रतिशतको आधारमा निम्न वृत्त चित्रमा समेत प्रस्तुत गरीएको छ ।

वृत्त चित्र न. ४४ : कृषिजन्य तरकारी वाली उत्पादनको विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.६.६ कृषिजन्य उत्पादनमा फलफूल खेतीको अवस्था:

फलफूल खेती अन्तर्गत सप्तकोशीनगरपालिकामा मुख्य रूपमा केरा ,आँप, कटहर ,लिच्चि, जमुना, सरिफा, कागती, ज्यामीर जस्ता फलफूलहरूको उत्पादन राम्रो देखिएको छ । यहा तथ्यांक संकलन गर्ने क्रममा गत वर्षको उत्पादन भएर भित्रिसकेको वाली वा फलफूललाई मात्र यसले समेटेको छ । केराको उत्पादन मन वा क्विन्टलमा नहुने हुदा घरीमा उल्लेख गरीएको छ । यस नगरपालिकामा फलफूल उत्पादनको अवस्था देहाय अनुसार रहेको देखिन्छ ।

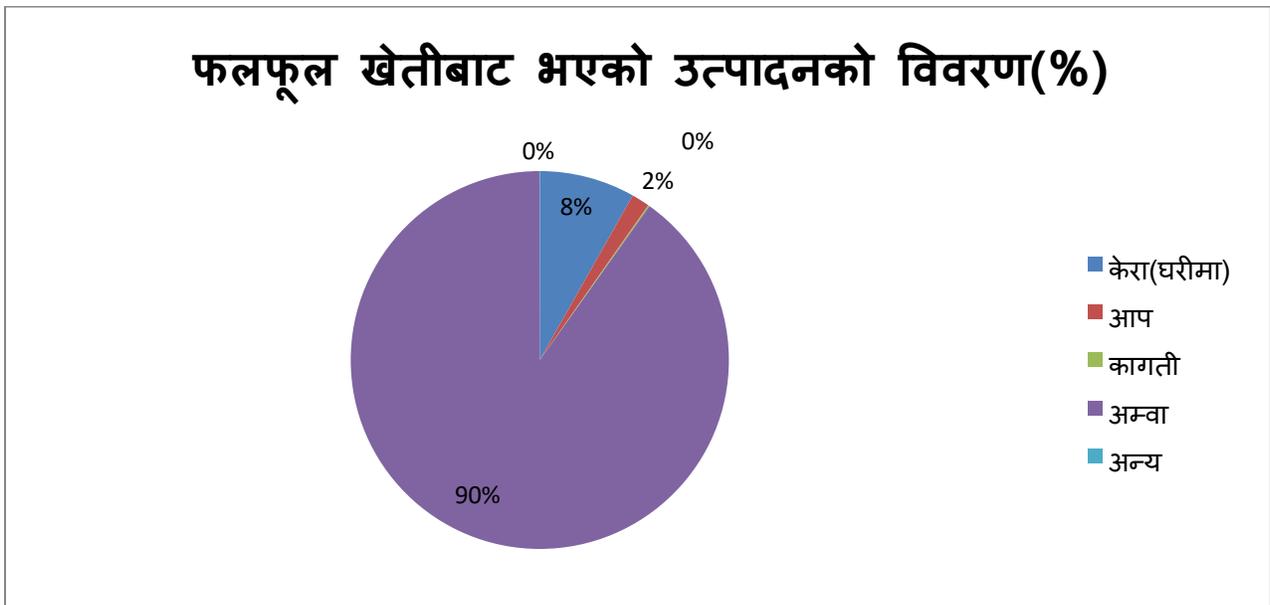
तालिका न. ७६ : फलफूल खेतीबाट भएको उत्पादनको विवरण

क्र.स	फलफूलवालीको विवरण	उत्पादन (घरी) र क्विन्टलमा
१	केरा	१८८
२	आप	३५।६१
३	कागती	२।६५
४	अम्वा	२०७०।८८
५	अन्य	०।८

श्रोत: पाश्चिचित्र २०७६/२०७७

माथी दिइएको उत्पादन अनुसार यस नगरपालिकामा केरा घरीमा घरी र अन्य वस्तु वा वालीहरुको उत्पादन क्विन्टलमा दिइएको छ । यसरी हेर्दा यस ठाउँमा आप, अम्वा र अन्य शिर्षकमा कटहर, लिच्चि, जमुना, सरीफा जस्ता फलफूलहरु समेटिएका छन् । यसलाई प्रतिशतको आधारमा देहाय अनुसार देखाइएको छ ।

वृत्त चित्र न. ४५ : फलफूल खेतीबाट भएको उत्पादनको विवरण



श्रोत: पाश्चिचित्र २०७६/२०७७

४.७. वैदेशिक रोजगारीको अवस्था:

वैदेशिक रोजगारी हाम्रो देशको सन्दर्भमा आय आर्जनको प्रमुख स्रोतको रूपमा देखिन थालेको छ । नेपालबाट विशेष गरेर खाडी मूलुक लगायत भारत र अन्य पश्चिममा मूलुकहरुमा जाने र त्यहावाट विप्रेषणको रूपमा भित्रने पैसाले घरव्यवहार देखि लिएर ठूला-ठूला आर्थिक उपार्जनका क्षेत्रमा लगानी बढ्न थालेको छ । यसै सन्दर्भमा सप्तकोशी नगरपालिकामा पनि वैदेशिक रोजगार नै आफ्नो पेशा भएको बताउने युवा तथा युवतिहरुको जमात पनि निकै ठूलो देखिन्छ । यस नगरपालिकावाट वडा अनुसार देहाय बमोजिम महिला तथा पुरुष वैदेशिक रोजगारीमा गएको तथ्यांकले देखाउछ ।

तालिका न. ७७ : वैदेशिक रोजगारीमा गएकाको वडागत विवरण

वडा न.	महिला	पुरुष
१	१९	१७९
२	५	५०
३	८	७३
४	३	६६
५	३	६२
६	४	१४९
७	७	११०
८	४	८५
९	१	२१
१०	५	१२०
११	२	७२

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकाबाट रोजगारीका लागी विदेश जानेहरुको वडागत रूपमा जनसंख्या देखाइएको छ ।

४.७.१. रेमिटेन्स सम्बन्धी विवरण:

वैदेशिक रोजगारीमा जानेहरुले विभिन्न माध्यमबाट पैसा पठाउने गर्दछन् । विदेशमा मात्र नभएर स्वदेशकै कुनैपनि ठाउबाट यस ठाउमा पैसा भित्रिनुलाई रेमिटेन्स वाट आएको आम्दानी भनिन्छ । विदेशमा रहेका तथा स्वदेशमै भएकाले पनि आफ्ना आफन्तलाई पैसा कतिसम्म पठाउछन् भनेर यस अध्ययनमा ५ वटा स्तरहरु/अवस्थाहरु राखेर तथ्यांक लिइएको थियो जसलाई निम्न तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न. ७८ : रेमिटेन्स सम्बन्धी विवरण

क्र.स	विवरण	पठाउनेको विवरण
१	५ लाख भन्दा कम	६८२
२	५ लाख देखि ७ लाख सम्म	१२०
३	८ लाख देखि १० लाख सम्म	१०
४	१० लाख भन्दा माथी	३
५	पैसा नै पठाएको छैन	२०८

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार विभिन्न वडाबाट बाहिर गएका महिला तथा पुरुषहरुले वार्षिक सरदरमा करीब ५ लाख सम्म पठाउनेहरुको संख्या उल्लेख्य रूपमा रहेको देखिन्छ भने १० लाख भन्दा माथी पैसा पठाउनेहरु पनि यस नगरपालिकामा देखिन्छ । यसैगरी नपठाउनेहरु जो हालसालै जानेहरु तथा अन्य विविध कारणले पैसा नपठाउनेहरु पनि रहेको माथीको तालिकामा रहेको देखिन्छ ।

४.८ सामाजिक सुरक्षा प्राप्त व्यक्तिको विवरण

संविधानको मूल भावना लोककल्याणकारिता र सामाजिक न्यायमा लक्षित रहेको छ । जसअनुरूप जोखिममा रहेक, अत्यन्त विपन्न र बहिष्करणमा परेका, वृद्ध असहाय, अपाङ्ग, एकल महिला, लोपोन्मुख आदिवासी, जनजाति तथा विपन्न नागरिकलाई जीविकोपार्जनमा आइपर्ने जोखिमको सामना गर्न सघाउ पुर्याउने उद्देश्यले सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको छ । साथै सबै प्रकारको आम्दानीमा एक प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा शुल्क असुल गरी

बृहत् रूपमा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्न अवधारणा पनि अधि सारिएको छ, तर यसलाई कार्य रूपमा ल्याइसकिएको भने छैन । नेपालमा खाद्यान्नमा अनुदान (छानिएका दुर्गम जिल्ला) सम्बन्धीत कार्यक्रम, सामाजिक सहायता (वृद्ध भत्ता, एकल महिला भत्ता, अशक्त भत्ता, लोपोन्मुख आदिवासी भत्ता आदि) रोजगार सुरक्षा योजना, सार्वजनिक निर्माण कार्य (कामका लागि खाद्यान्न), कर्णाली विशेष कार्यक्रम, कर्मचारी सुरक्षा कार्यक्रम, सीप विकास कार्यक्रम, लक्षित कार्यक्रम, सामाजिक विकास कार्यक्रम, सामाजिक समावेशिता (आरक्षण र सकारात्मक विभेद) मार्फत सामाजिक सुरक्षाको सीमित प्रयोग भइरहेको छ ।

सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि २०६९ बमोजिम समाजका जेष्ठ नागरिक, एकल महिला, विधवा, दलित वर्ग, लोपोन्मुख आदिवासी जनजाति, अशक्त, अपाङ्गता भएका नागरिकहरु एवम् दलित बालबालिकाहरुले सामाजिक सुरक्षा भत्ता वृत्ति अनुदान प्राप्त गर्नेछन् । नेपालको संविधान २०७२ को भाग ३ मौलिक हक र कर्तव्य अन्तर्गत धारा ४३ मा सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी व्यवस्था गरिएको छ । उक्त धारामा आर्थिक रूपले विपन्न, अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका, असहाय एकल महिला, अपाङ्गता भएका बालबालिका, आफ्नो हेरचाह आफैँ गर्न नसक्ने तथा लोपोन्मुख जातिका नागरिकलाई कानून बमोजिम सामाजिक सुरक्षाको हक हुने व्यवस्था उल्लेख छ । सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको व्यवस्था बमोजिम यस नगरपालिकामा विभिन्न श्रेणीका व्यक्तिहरुलाई निम्न तालिका अनुसार सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्रदान गरिएको छ ।

तालिका न.७९ :सामाजिक सुरक्षा प्राप्त व्यक्तिको विवरण

वार्ड नं	ज्येष्ठ नागरिक	विधवा	अल्पसंख्यक जनजाति	दलित ज्येष्ठ नागरिक	पूर्ण अपाङ्ग	आंशिक अपाङ्ग	जम्मा
१	१६५	७९	१	२	४	७	२५८
२	३४	२०	१	०	०	२	५७
३	३४	२६	१	२	३	४	७०
४	२७	१२	०	२	०	०	४१
५	५०	३१	०	२	३	०	८६
६	६०	३९	०	१९	१	१	१२०
७	३९	३३	०	६	४	१	८३
८	६८	५४	०	२	२	२	१२८
९	५२	३०	०	०	२	०	८४
१०	५६	४०	०	०	०	४	१००
११	६०	३०	१	३	३	०	९७
जम्मा	६४५	३९४	४	३८	२२	२१	११२४

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.९. विमा:

मानव समूदायको इच्छा आकांक्षा सुरक्षित भविष्यको कामना पनि हो। मनिसले आज जे काम गरी आय आर्जन गर्छ सो रकम उ भोलीका लागी समेत सुरक्षित पार्न चाहन्छ। यहा कुनै घर परिवार यस्तो पनि हुन्छ जुन भोलीको लागी सोचदैन आज नै उसका लागी महत्व राख्दछ। यस्तो हुनु पनि यदाकदा अपवाद मात्र हो। अधिकांश घरपरिवार, समाज, गाउ, टोल सबैले भोलीका लागी सुख र दुःखमा केहि गरौं, आज जे भयो भोलीको लागी राम्रो होस् भन्ने कामना गरेको हुन्छ। विभिन्न खालका दुर्घटना वा भविष्यमा आइपर्ने भवितव्य घटनालाई मध्यनजर गर्दै विभिन्न रूप र स्वरूपमा व्यक्तिको घरको,पशुचौपायको, वालीनालिको आदी जस्ता कुराहरुको विभिन्न पक्षको विमा गर्ने प्रचलन

पाइन्छ । यसकारण की भविष्यमा पर्नसक्ने घटनाहरूलाई हेरेर त्यसवापत हुने क्षतिलाई कमगर्न वा त्यसवाट सुरक्षित रहनका लागि विमा गरीने हो । यस नगरपालिकामा पनि स्वास्थ्य, जीवन विमा मानवहरूलाई लक्षित गरेर कति घर परिवारले गराएका रहेछन् भन्ने वारेमा तथ्यांक संकलन गरिएको थियो । यसवाट के देखिन्छ भने अहिलेको २१ औं शताब्दीमा आएर पनि मानिसले आफूमा आइपर्न सक्ने विभिन्न किसिमका दूर्घटनाहरू, रोगव्यधिहरू वाट पनि भवितव्य के पर्छ भन्ने आंकलन गर्न सक्दैन । यसै कुरालाई आधार बनाएर यस नगरपालिकाको सबै वडामा जीवन विमाहरूसँग सम्बन्धीत भइ तथ्यांक लिइएको थियो । जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको थियो ।

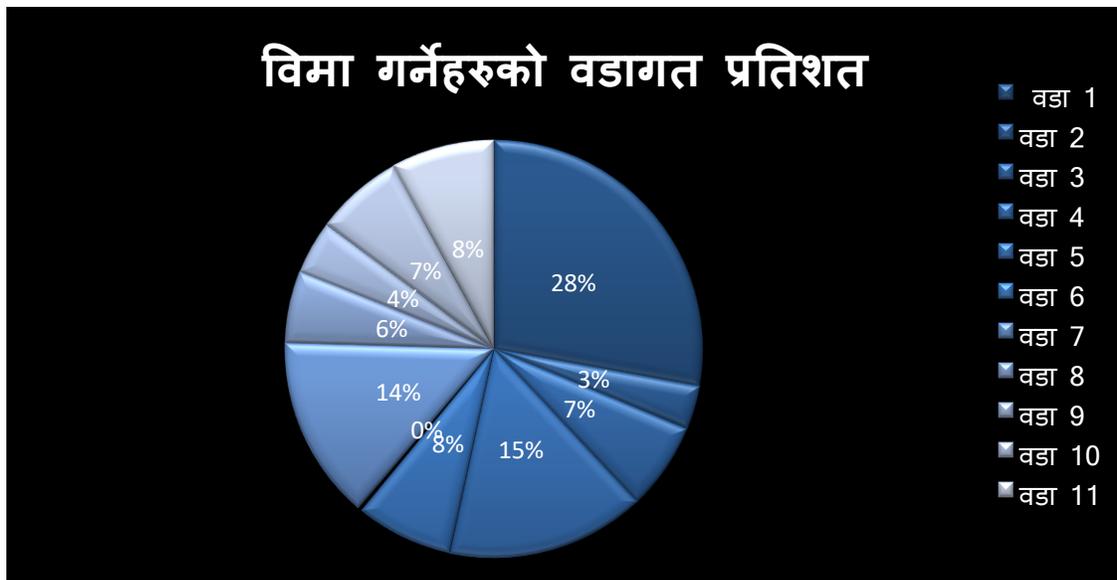
तालिका न.८० :वडा अनुसार विमा गरेकाको विवरण

वडा न.	विमा गरेको छ	विमा गरेको छैन	जम्मा
१	४१३	६८३	१०९६
२	५०	५१९	५६९
३	१०१	२१६	३१७
४	२५८	२२१	४७९
५	११३	२०८	३२१
६	४	३३६	३४०
७	२११	१००	३११
८	८३	३१०	३९३
९	१६७	२०९	३७६
१०	१०१	३६१	४६२
११	११८	२५१	३६९
जम्मा	१६१९	३४१४	५०३३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार विमा गर्ने घरपरिवार जम्मा सप्तकोशी नगरपालिकाको समग्र घरधूरी ५०३३ मध्ये १६१९ अर्थात ३२.१६ प्रतिशत घरधूरीले विमा गरेको र ३४१४ घरधूरी अर्थात ६७.७३ प्रतिशत घरधूरी विमाको दायरा भन्दा बाहिर रहेको बताएका थिए । वडागत रूपमा विमा गर्नेहरूको प्रतिशत निम्नानुसारको प्रतिशतमा देखाइएको छ ।

वृत्त चित्र न.४६ : विमा गर्नेहरूको वडागत प्रतिशतको विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.१०. गरिवीको रेखामुनी भएका घर परिवारको विवरण

नेपाल सरकार तथा विश्व खाद्य कार्यक्रम अन्तर्गत नेपालमा विगतका तथ्याङ्क हेर्ने हो भने नेपालमा गरिवीको रेखामुनी भएका जनसंख्या भण्डै सम्पूर्ण जनसंख्याको एक चौथाई अर्थात २५% जनसंख्या गरिवीको रेखामुनी रहेको पाईन्छ। यस तथ्यांक लाई नेपालका विभिन्न क्षेत्रमा कार्यरत संघ-संस्थाहरुले आ-आफ्नो ढङ्गबाट हेर्ने तथा विश्लेषण गर्ने गरेको पाइन्छ। संयुक्त राष्ट्रसंघको गरिवी निवारण सम्वन्धी तथा मानव विकास सूचाङ्कमा विश्वको अति कम विकशित देशको तुलनामा नेपाल अति पिछ्डीएको गरिव तथा प्रतिव्यक्ति आय कम भएको राष्ट्रको रुपमा देखाइएको छ। विश्व बैंकको गरिवी निवारण सम्वन्धी कार्यक्रम अन्तर्गत नेपालमा २५.२ प्रतिशत नेपालीहरु अति विपन्न वर्गका भनि विश्लेषण गरेको प्रतिवेदनहरु पाइन्छ। नेपाल सरकारले सन २०११ मा तयार पारेको प्रतिवेदनमा २५ प्रतिशत जनसंख्या गरिवी तथा खाद्य समस्यामा जुधिरहेको उल्लेख छ।

नेपालको सन्दर्भमा गरिवी निवारण सम्वन्धी तथ्यांकहरु विभिन्न संघ-संस्थाहरुले आ-आफ्नो कार्यक्रम अनुसार प्रक्षेपण गर्ने गरेका उदाहरणहरु पाइन्छ। विभिन्न रुपमा यसरी आ-आफ्नै ढंगबाट गरिवीको अवस्था निक्योल गर्ने गर्दा तथ्यांक फरक-फरक पर्न जान्छ। यस्तो अवस्था आउनु भनेको गरिवीको निक्योल गर्नका लागि अन्तराष्ट्रिय स्तरमा मान्यता पाएका सूचाङ्कहरुको फरक-फरक परिवेशले जनाउने गर्दछ। जस्तो की, कुनै कार्यक्रममा जनसंख्याको पेशालाई तथा उनिहरुको वार्षिक आमदानीलाई आधार बनाई गरिवीको अवस्था निर्धारण गरिन्छ भने कसैले खाद्यान्नको पर्याप्तताको आधारमा पनि हेर्ने गरिन्छ जसले गर्दा फरक-फरक तथ्यांकहरु आउने गरेको पनि पाइन्छ। यसै गरी हाल आधुनिक युगमा हाम्रा पुराना गरिवी निर्धारण गर्ने सूचाङ्कहरुमा निर्भर भएका कारणबाट पनि तथ्यांकमा फरक-फरक अवस्था आउने गरेको पाइन्छ।

यस अध्ययनमा सप्तकोशी नगरपालिकामा गरिवीको अवस्था हेर्नको लागि मुख्य रुपमा प्रति परिवारको कृषि योग्य जग्गा-जमिनको अवस्था, रोजगारीको अवस्था, वार्षिक आमदानी तथा खर्चको विवरणको अवस्था जस्ता सूचाङ्कहरुको आधारमा तथा घर परिवारमा भएका आर्थिक पक्ष सवल बनाउने अचल सम्पत्तिका आधारमा पनि व्याख्या र विश्लेषण गरीएको छ। यसबाट आफ्नो वार्षिक आमदानीले १२ महिनामा ३ महिना सम्म खान पुग्ने, ६ महिनासम्म खान पुग्ने, ९ महिनासम्म खान पुग्ने र १२ महिनासम्म खान पुग्ने परिवार भनि विश्लेषण गर्न सकिनेछ। यसलाई तलको तालिकामा अभि विस्तृत रुपमा देखाइएको छ।

तालिका न.८१ : गरिवीको रेखामुनी भएका घर परिवारको विवरण

वडा न.	जग्गा जमिन नहुने घर परिवार	घरको भित्ता नभएको	घरको वनावट छानो फुसको	घरको भित्ता वासको टाटी/वेत,सैटी हागा विगा	घरको भुई प्राकृतिक भुई	वार्षिक आमदानी ८०,००० हजार भन्दा कम आमदानी हुने घरधुरी
१	२४	१	४	१	२८	२३०
२	१४४	१	२८	१	३	३
३	३१	१	५२	३१	१	१५८
४	७१	१	२७	२	७०	९
५	४४	०	१९	७	२	४५
६	२९	०	६६	१५	१५	२
७	२४	०	२०	०	१	३५
८	२८	३	७१	२	०	९
९	४५	४	१३४	०	१	२९
१०	११४	३	८२	०	१८	३९
११	१००	१	४१	३	५७	२६

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथिको तालिका अनुसार यस नगरपालिकाका ११ वटै वडाहरूमा रहेको गरिवीको रेखामूनीका जनसंख्या र घरधूरी हेर्दा बहुउत्तरका आधारमा आएको उत्तरलाई समावेश गर्दा ७ न. वडामा अति निम्न घरधूरी जम्मा ८० घरधूरी र सबैभन्दा बढी, वडा न.१ मा २८८ घरधूरीहरू निम्न आय वर्ग तथा बसोवासका हिसाबबाट आकलन गर्दा गरिवीको रेखामूनी रहेको देखिन्छ । माथिको तालिका अनुसार अति निम्न र कम आयस्रोत भएका र बसोवासका हिसाबबाट सुविधा सम्पन्न घरधूरीलाई हेर्दा पनि यस नगरपालिकामा वडा अनुसार अति गरिवी जनसंख्या अर्थात ८० हजार भन्दा कम वार्षिक आम्दानी हुने घरधूरी जम्मा ५८५ घरधूरी जम्मा घरधूरी संख्याको ११.६२ प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

४.११. सुकुम्वासीको अवस्था:

यस नगरपालिकाका सबै वडाहरूमास्थायी रूपमा बसोवास गरेका घरधूरीहरूमध्ये कति घरमा घरधूरी यस्ता छन् जुन घरधूरीको आफ्नो नाममा जग्गा जमिन तथा घरघडेरी केहि पनि नभएको अवस्था छ । यस्ता आफ्ना नाममा नेपाल अधिराज्य भरीमा कहि कतै खेतीयोग्य जमिन, घरघडेरी पनि नभएको तथा मालपोत कार्यालय बाट दिइने लालपुर्जा/धनीपुर्जा नभएको घरपरिवारलाई सुकुम्वासी भन्ने गरेको छ । यस नगरपालिकामा आफ्नो नाममा जग्गा र जमिन नभए पनि उनिहरूको आम्दानीको बाटो ज्याला मजदूरी, अर्काको घरमा काम गर्ने कामदार तथा अन्यको खेतीपाति अधिया, ठेक्का तथा बन्धकी रूपमा गर्ने र त्यसको उत्पादनबाट आफ्नो गर्जो टार्ने गरेको वताएका स्थलगत अध्ययनको क्रममा पाइएको थियो । सुकुम्वासीहरूको वास्तविक संख्या निकाल्नु भनेको सर्भेक्षणकोसबैभन्दा ठूलो चुनौति हो । यति हुदा हुदै पनि विभिन्न सूचांकहरूको आधारमा नगरपालिकाको वडागत रूपमा निम्नानुसारको विवरण देखाइएको छ ।

तालिका न.८२ :सुकुम्वासी र जग्गा धनिको विवरण

वडा न.	जग्गा जमिन हुने	जग्गा जमिन नहुने	जम्मा
१	९३१	१६५	१०९६
२	३३३	२३२	५६५
३	२१८	९९	३१७
४	२८९	९९	३८८
५	२५४	६६	३२०
६	२९५	४५	३४०
७	२२७	८४	३११
८	३२१	७२	३९३
९	२२६	४३	२६९
१०	२९९	१६३	४६२
११	२४४	१२५	३६९

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथिको तालिका अनुसार सप्तकोशी नगरपालिकामा जग्गा जमिन नहुनेहरूको संख्या उल्लेख्य रूपमा रहेको देखिन्छ । यस क्षेत्रमा सुकुम्वासीहरूको बाक्लो वस्ती हुनुमा मुख्यतया यस क्षेत्र पर्ति जग्गा, ऐलानी जग्गा, गूठीको जग्गा भएका कारण र दैनिक ज्यालादारीमा काम गर्ने प्रयाप्त अवसर हुनै देखेका कारणले यस क्षेत्रमा सुकुम्वासीहरूको उपस्थिति उल्लेख्य रहेको देखिन्छ । साथै घरायसी व्यवहारको कारणबाट अंशवण्डा नपाएकाहरूको पनि संख्या यर्सा तालिकामा देखिउको छ । यस क्षेत्रमा खोला, बगर तथा नहरका डिलहरूमा पनि खाली जमीनमा वस्ति बसेको देखिन्छ ।

४.१२.कृषि उपजमा लाग्ने रोग किरा सम्बन्धी जानकारी विवरण:

सप्तकोशी नगरपालिकामा कृषि र पशुपालन सँग सम्बन्धीत विभिन्न उत्पादनहरूको कुरा माथी नै गरीसकिएको छ । कृषि तथा पशुपंक्षीपालन गर्दा के कस्तो रोग र किराहरूको प्रकोप यस ठाउमा रहेको छ भन्ने बारेमा विवरणहरू दिइएको छ । यस क्षेत्रमा देखा पर्ने यस्तो रोग तथा किराहरूको विवरण वाली अनुसार फरक-फरक हुन सक्दछन् । यस क्षेत्रमा कृषि उत्पादनमा धान, गहु, मकै, कोदो, तेलहन,दलहन, तरकारी र फलफूल आदी नै मुख्य रूपमा रहेको छ । सामान्यतया धानमा ब्लाष्ट, खैरोथोप्ले, फेद कुहिने रोगहरू देखा पर्दछन् भने गहुमा कालो पोके र सिन्दुरे जस्ता रोगहरू देखिन्छन् । यसैगरी मकैमा डाँठ वा घोगा कुहिने र तरकारी आलु लगायत सागपातहरूमा लेटब्लाइट, मोजाइक, ओइलाउने, खोस्टे, अल्टरनेरिया,कवरट र जरा कुहिने जस्ता रोगहरू मुख्य रूपमा देखा पर्दछन् । फलफूलमा विशेष गरेर कोत्रे,सेतोधूले, भोजक पात गुज्जमुज्ज हुने, जरा कुहिने, ओइलाउने आदी रोगहरूको प्रकोप देखिने गरेको छ । मुख्य वालीहरूमा लाग्ने शत्रु जीव र रोगहरूको विस्तृत विवरण जिल्ला कृषि कार्यलय सप्तरी बाट प्राप्त भएको अनुसार देहाय बमोजिम रहेको छ ।

तालिका न.८३ :वालीमा लाग्ने रोगको विवरण

क्र.स	वाली	प्रमुख शत्रु जीव	प्रमुख रोग
१	धान	गवारो,पतेरो, ढुगे किरा, कटओर्म आदी	वि.एल.वि.ब्लास्ट,ब्राउन लिफ स्पट आदी
२	गहु	गवारो,वायर वर्म, लाही आदी	सिन्दुरे,कालोपोके आदि ।
३	मकै	गवारा, वायर वर्म	घोगा कुहिने,पात डहने, जरा कुहिने आदी ।
४	आलु	पि.टी.एम, लाही,पात खाने लाभ्रे किरा	ढुवा,मोजाइफ, खैरो पिप, चक्के आदी ।
५	काउली, वन्दा	डाइमण्ड एण्ड क्याक मोथ,टोवाको क्याटरपिलर, लाही, उफने फड्के आदी ।	सफ्ट रट, अल्टरवेरिया,क्लव खटडेम्पीड् अफ, क्लव रुट आदी ।
६	गोलभेडा	टुटायप्सूलुटा, सेतो भिँगा, लाही, फुलको गवारो, पतेरो आदी ।	उडुवा-अगौटे ,पछौटे, औइलाउने, मामाजाइक आदी ।
७	रायो	डाइमण्ड ब्याक मोथ, टोवाको क्याटरपिलर, लाही, उफने फड्के आदी ।	सफ्ट रट, ब्लाक रट, अल्टरवेरिया, क्लव रुट, डेम्पीड्ग रुट आदी ।

श्रोत: जिल्ला कृषि विकाश कार्यलय सप्तरी, २०७६/०७७

माथीका रोगव्याधिहरू साधारणतया सवैतिर एक समान नदेखिने पनि हुन सक्दछन् भने कुनै-कुनै रोगहरू एकैपटक सवैतिर देखिने पनि हुन सक्छ । त्यसैले हिमाल , पहाड र तराईमा देखिने रोगहरू प्राय अवस्था अनुसार फरक-फरक पनि पर्ने गर्दछ । तराईमा विशेष गरी निम्नानुसार का रोग र किराहरूले बढी असर पुर्याएको देखिन्छ । जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न. ८४ :तराईका कृषि वालीमा लाग्ने रोग किरा सम्बन्धी विवरण

तरकारी वालीमा लाग्ने रोगको नाम	फलफूल खेतीमा लाग्ने रोगको नाम	दलहन वालीमा लाग्ने रोग किराको नाम	खाद्यान्न वालीमा लाग्ने रोग किराको नाम	घलहन वालीमा लाग्नेरोग किराको नाम
ओइलाउने रोग	ऐन्थ्रकनोज	डडुवा	डडुवा	डडुवा
अल्टरवेरिया	सेतो दुसी	ब्लाट	खैरो थोप्ले	-
क्लव रट	डाइव्याक	-	कालोपोके र सिन्दुरे	-
ड्याम्पिङ् अफ	जरा कुहिने	-	डाठ र घोगा कुहिने	-
जरा कुहिने	ओइलाउने	-	कालोपोके	-

श्रोत: जिल्ला कृषि विकास कार्यलय सप्तरी, २०७६/०७७

४.१३. पशुपंक्षीपालन:

सप्तकोशी नगरपालिकामा विशेष गरी गाईगोरु, राँगा, भैसी, बाखा, कुखुरा, हाँस, सुगुर आदीनै यहाका प्रायजसो घरपालुवा जनावरहरु हुन् । यसवाट नगरवासीहरुको जीविकोपार्जनमा उल्लेख्य सूधार भइरहेको छ । पशुजन्य उत्पादनहरु जस्तै दूध, दहि, घ्यू तथा मासुका लागी कुखुरा, बंगुर, खसी लगायतको विक्रि बाट आमदानी बढेको देखिन्छ । यहा डेरी उद्योगहरु, व्यापारिक फार्महरु, गाई, भैसी र कुखुरा फार्म लगायत कृषिजन्य उद्योगहरु एकदमै कम मात्रामा रहेका छन् । त्यसैगरी भेटेनरी सेवा पनि यस नगरपालिकामा उपलब्ध रहेको छ ।

यस नगरपालिका भित्र के र कस्ता पशुपंक्षीहरु पालिएका छन् र तिनीहरुको संख्या कति छ भन्ने बारेमा यस अध्ययनका क्रममा तथ्यांक संकलन गरीएको थियो । विविध जातका उन्नत र स्थानीय जातका पशुपंक्षीहरुको पालन गर्ने गरेको र एकाध ठाउमा उन्नत स्तरमा व्यवसायिक फार्मकै रुपमा विकास हुदै गएको पनि स्थलगत सर्भेक्षणका क्रममा पाइएको थियो । यस नगरपालिकामा विविध जातका पशुचौपाय र पंक्षीहरु पलेर यहाका वासिन्दाहरुले राम्रै आमदानी पनि गरेको देखिन्छ । नगरपालिकाका ११ वटा वडाहरुमा के र कस्ता पशु तथा पंक्षीहरु कति संख्यामा पालेका रहेछन् भन्ने विवरण तलको तालिकामा दिइएको छ ।

तालिका न. ८५ :पशुपंक्षीहरुको विवरण

क्र.स	पशुपंक्षीहरुको विवरण	जम्मा संख्या
१	गाई गोरु	४११८
२	भैसी/रागा	१४४५
३	घोडा/खच्चड/गधा	७
४	बाखा/पाठा	६९४७
५	कुखुरा	११६७७
६	हाँस	५६४
७	सुगुर बंगुर	१७७

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

४.१३.१ पशुनश्लः

सप्तकोशी नगरपालिकामा पालन गरीने मुख्य पशुपंक्षीहरूमा गाई,भैसी,खसी,बोका,कुखुरा र हाँस लगायतका रहेछन् । सामान्यतया व्यावसायिक पशुपंक्षीपालनको विकाश सँगै वर्णशंकर तथा उन्नत जातका पशुहरू यदाकदा पाल्ने गरेको पाइन्छ । गाई भैसीमा कृत्रिम गर्भाधान सेवा उपलब्ध हुनु तथा बाखा र सुगुरबंगुर तर्फ उन्नत जातका भालेसंग प्रजजन गराउने परिपाटि विस्तारै बसेको हुदा यी जातका जनावरहरूमा वर्णशंकरको संख्या पनि बढ्दो छ । तथापि बँधूवा पशुपालन पद्धतिको कमी, कमजोर पशुस्वास्थ्य व्यवस्थापन, कुपोषण तथा पशुपालन सम्बन्धी प्राविधिक ज्ञान तथा चेतनाको अभावको कारण वर्णशंकर बाट उत्पादनमा खासै उत्साह थपिएको अवस्था छैन । यसैगरी ठूलो संख्यामा रहेका कम उत्पादक जनावरहरूले अपेक्षाकृत बढी उत्पादन दिने जनवारहरूको आहार खाईदिने हुदा सवै न्यून उत्पादक जनावरहरूलाई हटाएर उन्नत जातको जनावर किनेर पाल्दा उचित हुन्छ । तसर्थ नश्ल सूधार मार्फत नयाँ जन्मिएका जनावरका बच्चाहरू भविष्यको राम्रो माउमा विकशित गर्ने कुरालाई मध्यनजर गरी थप कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नु आवश्यक छ । विगतका वर्षहरूमा गाउँपालिकाले पशुपंक्षीपालनको क्षेत्रमा के र कस्ता कार्यक्रमहरू गरेको छ त्यसको मूल्यांकन गर्नु जरुरी छ । जसले गर्दा पशुपंक्षी उत्पादनमा परिमाणात्मक विकाश सम्भव छ । तर हालको परिमाणात्मक विकाशको गती सुस्त छ । पशुपंक्षीपालनको क्षेत्रमा क्रमिक रूपमा रूपमा व्यावसायिकता ल्याउन, पशुपंक्षीजन्य उत्पादन प्रशोधनका लागि उद्योग स्थापना गर्न सकेको खण्डमा यस नगरपालिकाको विकाशमा टेवा पुग्ने देखिन्छ । पशुपालन सँग आवद्ध श्रमिक तथा महिला वर्गहरूको उत्पादकत्व अति न्यून हुनु, युवा वर्गहरू विदेश पलायन हुनु र सो अनुरूप पशुपालनमा व्यावसायिकरण हुन नसक्नु, पशुपालन क्षेत्रमा पूँजी लगानीको आकार धेरै सानो हुनु तथा आमजनमानसमा पशुपालनको कृषि अर्थतन्त्रमा योगदानको बारेमा अज्ञानता आदी कारणले गर्दा पशुपालन क्षेत्रबाट आशातीत उपलब्धि हासिल हुन सकिरहेको छैन ।

४.१३.२ पशुपंक्षीमा लाग्ने रोगहरू:

कृषकहरूको सहायक आमदानीको स्रोत को रूपमा रहेको पशुपंक्षीहरूको पालन यस नगरपालिकामा कम मात्रामा देखिन्छ । यसलाई मुख्य आमदानीको स्रोतको रूपमा विकाश गर्नु पनि आजको आवश्यकता हो । यसका लागि यस क्षेत्रका रोगव्याधी तथा व्यवसायिकता र जनचेतनास्तरमा काम गर्नु जरुरी देखिन्छ । पशुपालन विशेष शिक्षाको कमीका कारणले यो व्यवसाय पछाडी परिरहेको छ । नगरपालिकामा देखिने पशु रोगहरूमा रेबीज, खोरेत,पिपीआर, स्वाइन फिवर, भ्यागुते,चरचरे, नाम्ले, माटे, थुनेलो, प्रजजन सम्बन्धी जुका पर्दछन् । खोरेत,पिपीआर, स्वाइन फिवर जस्ता अत्यन्त संक्रमणजन्य रोगका प्रकोप पनि यस नगरपालिकामा रहेको पाइन्छ । यसको कारण हेर्दा पशुको अवाञ्छित आवत-जावत तथा आयात, दर्याय व्यवस्थापन , खोप लगाउनु पर्छ भन्ने चेतनाको कमी आदी मान्न सकिन्छ । नगरपालिकामा मौसम अनुसार लाग्ने विभिन्न रोगहरूले वेलावेलामा धेरै नै ठूलो क्षति पुर्याउने गर्दछ । जसको कारण पशुपंक्षीजन्य व्यवसाय र उत्पादनमा ठूलो असर पुर्याउने गरेको छ । यस्ता रोगव्याधीलाई कतिपयले घरमै त कतिपयले भेटेनरी सँगै उपचार गराउने गर्दछन् । यस क्षेत्रमा देखापर्ने रोगलाई तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका न.८६ :पंक्षीमा लाग्ने रोग

क्र.स	पंक्षीमा लाग्ने रोगहरू
१	रानीखेत
२	गमबारे
३	सि.आर.डि
४	कक्सीडियोसिस
५	वर्डफ्लु

श्रोत: पशुसेवा कार्यलय सप्तरी, २०७६/७७

यसैगरी सप्तकोशी नगरपालिका लगायत तराई तिर साधारणतया सवै ठाउमा पाइने पशुहरुमा देखिने वन लाग्ने रोगहरुमा निम्न तालिकामा दिए अनुसार कै देखिन्छ । सप्तकोशी नगरपालिका भित्र त्यस्तो छुटै र अन्यत्र नपाइने खालका रोगव्याधी देखिएको छैन ।

तालिका न.८७ :पशुमा लाग्ने रोग

क्र.स	गाईवस्तु, भैसीमा	बाखा, खसीबोका	सूगुर बंगुर
१	भ्यागुते	पि.पि.आर	स्वाइन फिवर
२	चरचरे	इन्टेरियो टक्सिमीमा	स्वाइन फ्लु
३	पटके	कुमरी	
४	खोरेत		

श्रोत: पशुसेवा कार्यलय सप्तरी, २०७६/७७

४.१४. बैक तथा वित्तीय संस्था :

नगरपालिका व्यापार उद्योगमा लगानी गर्न वित्तीय संस्थाहरुमा 'क' तथा 'ख' वर्गका बैक र 'घ' वर्गको लघुवित्तीय संस्थाहरुले सेवा पुर्याइरहेका छन् । नगरपालिकामा यि संस्थाहरु मार्फत कर्जामा समेत लगानी हुने गरेको छ । यस बाहेक नगरपालिकामा सञ्चालित अन्य बैक तथा वित्तीय संस्थाहरुले पनि कर्जा उपलब्ध गराउदै आएका छन् भने नगरवासीहरुको रकमलाई समेत निक्षेपको रुपमा स्विकार गरी बचत पनि गर्दै आएका छन् । यस नगरपालिकामा ७ वटा वित्तीय संस्थाहरु सञ्चालनमा रहेका छन् । यी संस्थाहरुको लगानी मुख्य क्षेत्रको रुपमा व्यापार, कृषि, उद्योग आदी रहेका छन् । नगरपालिकामा यसरी सञ्चालित वित्तीय संस्थाहरु देहाय अनुसार छन् ।

तालिका न.८८ :वित्तीय संस्थाको विवरण

क्र.स	वित्तीय संस्था
१	एन आइसि एसिया बैक
२	प्राइम विकाश बैक
३	हिमालयन बैक
४	विराटलक्ष्मी बैक
५	सप्तकोशी बैक
६	ग्रामिण विकाश बैक
७	छिमेकी बैक

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

४.१४.१. सहकारी संस्थाको विवरण:

नगरपालिकाको आर्थिक तथा सामाजिक विकाशमा हा रहेका सहकारी संस्थाको भूमिका महत्वपूर्ण रहेको छ । सहकारी संस्थाले स्थानीय स्तरको बचतलाई नगरपालिका बाहिर जान बाट रोकी स्थानीय क्षेत्रमा विभिन्न आयमूलक कार्यमा लगानी गरीरहेका छन् । सहकारी संस्थाप्रति जनताको अपनत्व बढी र प्रशासनिक भ्रन्कट कमी हुने हुदा वित्तीय क्षेत्रमा यहाका जनताको पहुच पनि बढेको छ । नगरपालिकाको उद्योग र व्यापार क्षेत्रमा लगानी गर्ने उद्देश्यका साथ बचत तथा ऋण, कृषि उत्पादन र बहुउद्देश्य आदी प्रकृतिका सहकारी संस्थाहरुबाट कर्जा लगानी हुने गरेको छ । साथै यी संस्थाहरुले नियमित रुपमा सदस्यहरुबाट बचत संकलन पनि गर्दै आएको देखिन्छ । यस नगरपालिकामा रहेका सहकारी संस्थाहरुको विवरण तल तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका न. ८९ :सहकारी संस्था सम्बन्धी विवरण

क्र.स	सहकारीको नाम	ठेगाना
१	नवयूग कृषि सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -६
२	लक्ष्मि बचत तथा ऋण सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -८
३	फत्तेपूर बहुउद्देश्यसहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -१
४	त्रियुगा बचत तथा ऋण सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -१
५	त्रियुगा कृषि सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -१
६	धनलक्ष्मि महिला बचत तथा ऋण सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -१
७	शुभेच्छामहिला बचत तथा ऋण सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -१
८	विपन्न महिला कृषि सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -१
९	मनोकामना दुग्ध सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका भरी
१०	रक्तमाला बचत तथा ऋण सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -१
११	जनकल्याण कृषि सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -३
१२	कोशी महिला कृषक समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -८
१३	सगरमाथा जनजागृती यूवा क्लव	सप्तकोशी नगरपालिका -३
१४	स्वयम सहायता कृषि सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका भरी
१५	कमलपूर आमा समूह ३ वटा	सप्तकोशी नगरपालिका -९
१६	सन्तपूर आमा समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१०
१७	कमलपूर आमा समूह १ वटा	सप्तकोशी नगरपालिका -१०
१८	भगनी टोल आमा समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१०
१९	साना किसान कृषि सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका भरी
२०	भगवती कृषक समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१
२१	राजाजी बहुउद्देश्य महिला कृषक समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१
२२	नवज्योती कृषक समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१
२३	आरती कृषि सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -१
२४	मनोकामना बहुउद्देश्य सहकारी संस्था	सप्तकोशी नगरपालिका -१
२५	विपिजिपि सामुदायिक सहयोग प्रतिष्ठान	सप्तकोशी नगरपालिका -१
२६	नवज्योती कृषक समूह फत्तेपूर	सप्तकोशी नगरपालिका -१
२७	मा भगवती महिला कृषक समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१
२८	राजाजी महिला कृषक समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१
२९	गंगाजली महिला कृषक समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१
३०	लालिगुरांस महिला कृषक समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१
३१	सप्तकोशी कृषक समूह फत्तेपूर	सप्तकोशी नगरपालिका -१
३२	महिला उत्थान कृषक समूह	सप्तकोशी नगरपालिका -१
३३	गोवर्द्धन महिला कृषक समूह फत्तेपूर	सप्तकोशी नगरपालिका -१

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

सामाजिक पूर्वाधार

यस परिच्छेदमा शिक्षा,स्वास्थ्य तथा मानव संसाधन क्षेत्रसँग सम्बन्धीत विवरणहरु समावेश गरी ति क्षेत्रहरुका तथ्यांकहरुलाई विश्लेषण गरिएको छ ।

५.१ शिक्षा - (पृष्ठभूमि)

नेपाललाई अल्पविकशित राष्ट्रको सूचीबाट मुक्त गराई विकासोन्मुख राष्ट्रको सूचीमा समावेश गराउन एवं दिगो विकाशका लक्ष्य अनुरूप समावेशी र समन्वय मा आधारीत शिक्षा सबैमा पुर्याउने संविधान प्रदत्त अधिकार सुनिश्चित प्रतिबद्धता सहित शिक्षा प्रणालीलाई आर्थिक सामाजिक संवाहकको रूपमा विकाश गर्ने सबै तह एवं विधाको शिक्षामा समतामूलक पहुच सुनिश्चित गर्ने, शिक्षालाई रोजगारी उन्मुख बनाउने, गुणस्तरमा सूधार एवं व्यवस्थापकिय क्षमता अभिवृद्धि गरी आर्थिक सामाजिक विकाशका लक्ष्यहरु हासिल गर्ने तर्फ राष्ट्रिय शिक्षा नीति र कार्यक्रमहरु लक्षित (०७३/०७४-०७५/०७६) आवधिक यो

विकासमा शिक्षाले ठूलो भूमिका खेलेको हुन्छ । यसलाई मानव विकाशको सूचांकको रूपमा लिइन्छ । यसै शिलशिलामा यहा सप्तकोशी नगरपालिकाको शैक्षिक स्थिती देखाउन खोजिएको छ । विकाशको आधाशिला भनेकै शिक्षा हो । शिक्षाको माध्यमबाट व्यक्तिमा अन्तरनिहित प्रतिभाको विकाश हुन गई समग्र समाज राष्ट्रमा नै सकारात्मक परिवर्तन ल्याउन सकिन्छ भन्ने सर्वमान्य सिद्धान्त रहिआएको छ । सचेत, अनुशासित तथा उत्पादनशील जनशक्ति निर्माणको लागर शिक्षा क्षेत्रको नै सर्वोपरि भूमिका रहने हुन्छ । योजना निर्माणमा गरिवी निवारण तथा चौतर्फी विकाशका लागी शिक्षा क्षेत्रलाई मानव संशाधन विकाशको एक सशक्त माध्यमको रूपमा अवलम्बन गरिएको छ । नेपालको संविधान २०७२ को भाग ३ को धारा ३१ म शिक्षा सम्बन्धी हकमा देहाय बमोजिमको व्यवस्था गरिएको छ ।

- प्रत्येक नागरिकलाई आधारभुत शिक्षामा पहुचको हक हुनेछ ।
- प्रत्येक नागरिकलाई राज्यबाट आधारभूत तह सम्मको शिक्षा अनिवार्य र निशुल्क तथा माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा निशुल्क पाउने हक हुनेछ ।
- अपाङ्गता भएका र आर्थिक रूपले विपन्न नागरिकलाई कानून बमोजिम निशुल्क उच्च शिक्षा पाउने हक हुनेछ ।
- दृष्टिविहिन नागरिकलाई ब्रेललिपी तथा बहिरा र स्वर बोलाई सम्बन्धी अपाङ्गता भएका नागरिकलाई सांकेतिक भाषाको माध्यम बाट कानून बमोजिम निशुल्क शिक्षा पाउने हक हुनेछ ।
- नेपालमा बसोवास गर्ने प्रत्येक नेपाली समूदायलाई कानून बमोजिम आफ्नो मातृभाषामा शिक्षा पाउने र त्यसका लागी विद्यालय तथा शैक्षिक संस्था खोल्ने र सञ्चालन गर्ने हक हुनेछ ।

संविधान तथा योजनाका ठूला-ठूला बहस भएतापनि शिक्षाको हकमा विश्वको सामू तुलनात्मक अध्ययन गर्दा उल्लेखनिय विकाश भने भएको देखिदैन । शिक्षाले ज्ञान र सीपको प्रयोगात्मक परिवर्तन ल्याउने, पिछडीएको, विपन्न तथा अभावग्रस्त वर्गको पक्षपोषण गर्ने, अवोध बालबालिका एवं आवाजविहिनका पक्षमा रही देशलाई समृद्ध बनाउने परिकल्पनालाई साकार पार्नु पर्दछ । देशका लागी आवश्यक नेतृत्वदायी क्षमताको विकाश, अथक रूपमा सिक्ने र सिकाउने प्रवृत्ति, सामाजिक र मानवीय मूल्य मान्यता र आत्मशिवास जस्ता आधारभूत समग्र पक्षको विकाश गर्न सघाउनुनै गुणस्तयि शिक्षाको विशेषता हो । यस्तोशिक्षामा विश्लेषणात्मक र मौलिक सोचको पर्याप्तता हुनु पर्दछ ।

निर्दिष्ट सिकाइमात्र स्तरियता होइन । आज व्यावहारीक परिवर्तन, श्रम सँगको आस्था, जीवन उपयोगी खोज, अध्ययन अनुसन्धान, सान्दर्भिक देश र संस्कृति प्रेम, नैतिक जिम्मेवारी साथै विज्ञानको उपभोग गर्न स्तरिय शिक्षाको आवश्यकता छ । शिक्षाको स्तरिय विकाशले मात्र देशमा रोजगारीको अवसर, कलकारखानाको विकाश, सुविधाको पहुच, प्रविधिको विस्तार, उत्पादनमूखी कृषि, आयमूखी व्यवसाय, स्थानीय स्रोत साधनको प्रचुर उपयोग गरी जनताको जीवनस्तर उकास्न सकिन्छ ।

शिक्षा क्षेत्रको परिसूचकलाई यस क्षेत्रमा सञ्चालित विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमबाट निर्धारण गर्न सकिन्छ । यसै सिलसिलामा यस नगरपालिकाको शैक्षिक स्थिति देखाउन, यहाको साक्षरता स्थिति, शिक्षण संस्थाको विवरण, शिक्षक र शिक्षिकाको दरवन्दी विवरण, विद्यार्थीको भर्ना जस्ता कुराहरु देखाउन खोजिएको छ । नगरपालिकाको शैक्षिक अवस्थालाई बुझी आगामी दिनमा सूधार गनै नीति तथा कार्यक्रम बनाउन सकिन्छ ।

५.१.१ शैक्षिक संस्थाहरुको विवरण

विकाशको प्रमुख आधारशिला भनेको शिक्षा नै हो । शिक्षाको माध्यमबाट व्यक्तिमा रहेको अन्तरनिहित प्रतिभाको प्रस्फुटन हुन गई समग्र समाज र राष्ट्रमा नै सकारात्मक परिवर्तन ल्याउन सकिन्छ भन्ने सर्वमान्य सिद्धान्त रहि आएको छ । सचेत, अनुशासित तथा उत्पादनशिल जनशक्ति निर्माण गर्नको लागि शिक्षा क्षेत्रको भूमिका नै सर्वोपरि रहन्छ । नगरपालिकामा शिक्षा क्षेत्रमा धेरै प्रयास भएतापनि अपेक्षित उपलब्धि भने प्राप्त गर्न सकिएको छैन । तथापी योजनावद्ध रुपमा शैक्षिक पूर्वाधार एवं सेवा विस्तार गर्ने प्रयास हुदै आएको छ । योजना निर्माणमा गरिवि निवारण तथा चौतर्फी विकासका लागि शिक्षालाई मानव संसाधन विकाशको एक सशक्त माध्यमको रुपमा अवलम्बन गरिएको छ । शिक्षा क्षेत्रको परिसूचकलाई यस क्षेत्रमा सञ्चालित विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमबाट निर्धारण गर्न सकिन्छ । यसै अनुरूप नगरपालिकामा सञ्चालन भै रहेको शैक्षिक संस्थाहरुको विवरण तलको तालिकामा दिइएको छ ।

तालिका न.९० :शैक्षिक संस्थाहरु सम्बन्धी विवरण

क्र.स	विवरण	सरकारी	निजि	कुल
१	बाल विकास केन्द्र	-	-	-
२	आधारभूत तह		-	-
३	माध्यमिक तह		-	-
४	क्याम्पस		१	-
५	मदरसा		-	-
६	गुम्बा	-	-	-

श्रोत:नगरपालिका कार्यलय २०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशी नगरपालिकाका ११ वटा वडाहरुमा अवस्थित बालविकास केन्द्र, आधारभूत विद्यालय, माध्यमिक तह र क्याम्पस तथा मदरसाहरुको विवरण देखाइएको छ ।

५.१.२ वडा अनुसार शैक्षिक संस्थाहरु:

यस नगरपालिकामा सरकारी, सार्वजनिक र निजिगरी ३ प्रकारका शैक्षिक संस्थाहरु रहेका छन् । विद्यालय र महाविद्यालय शिक्षाको ज्योति छर्ने केन्द्रको रुपमा रहेका छन् । देशका विभिन्न भागमा शैक्षिक केन्द्रहरु खुल्ने क्रम व्यापक छ । शहर बजार केन्द्रीत मात्र नभएर दूर दराजहरुमा पनि शैक्षिक संस्थाहरु निजि रुपमा खुल्ने र जनसंख्याको बढ्दो अवस्था हेरेर सामूदायिक र सरकारी संस्थाहरु विस्तार हुने गरेको पाइन्छ । नगरपालिकामा .. चैत्र मसान्त सम्म खुलेका र सञ्चालनमा रहेका विद्यालयहरु निम्नानुसार देखिन्छ ।

तालिका न. ९१ :वडागत शैक्षिक संस्थाहरुको विवरण

क्र.स	विद्यालयको नाम	विद्यालयको रहेको ठेगाना	वडा न.

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

५.१.३ नगरपालिकामा कार्यरत तहगत शिक्षक विवरण:

यस नगरपालिकामा विभिन्न तहहरु, बालविकास केन्द्र, आधारभूत तह, माध्यमिक तह तथा अन्य उच्च माध्यमिक तहहरुमा कार्यरत शिक्षक र शिक्षिकाहरुको अवस्था कस्तो छ, ति शिक्षक र शिक्षिकाहरु स्थाई, अस्थायी, राहात वा परियोजना दरवन्दि कुन अन्तर्गत कार्यरत रहेका छन् भन्ने बारेका तथ्यांकहरु पनि महत्वपूर्ण हुने हुदा यस पार्श्व चित्र निर्माणका क्रममा गाउँपालिका बाट उपलब्ध गाउँएको तथ्यांकलाई देहायको तालिकामा राखिएको छ ।

तालिका न. ९२ :तहगत शिक्षक विवरण

तह	स्विकृत दरवन्दि								परियोजना				तालिम प्राप्त शिक्षक संख्या	कूल जम्मा
	महिला	पुरुष	जम्मा	स्थाई		अस्थाई		राहात						
				महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष					
बाल विकाश केन्द्र														
आधारभूत तह														
माध्यमिक तह														
उच्च मा.वि														
जम्मा														

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

५.१.४ शैक्षिक छात्रवृत्ति तथा लक्षित सुविधाको विवरण:

सप्तकोशी नगरपालिका अन्तर्गत रहेका विद्यालयहरूमा छात्रवृत्ति तथा अपाङ्गता वृत्ति जस्ता सेवा सुविधाहरूको समग्र स्थिति निम्नानुसारको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.९३ :शैक्षिक छात्रवृत्ति लक्षित सुविधाको विवरण

५.१.५. साक्षरताको स्थिति निश्चित उमेर समूहमा:

यस सप्तकोशीनगरपालिकामा शिक्षाको अवस्था कस्तो छ भन्ने कुरा शिक्षा क्षेत्रको नीति नियम तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा अति आवश्यक सूचकमा आउछ । यस अध्ययनका क्रममा विद्यालय जाने ५ वर्ष भन्दा माथीका सबै उमेर समूहमा लक्षित गरी प्रत्येक घरधूरी सदस्यहरूबाट लिइएको तथ्यांक अनुसार देहाय बमोजिमको अवस्था रहेको देखिन्छ ।

तालिका न.९४ :निश्चित उमेरसमूहमा साक्षरता प्रतिशत

क्र.स	उमेर समूह	साक्षरको संख्या	साक्षर प्रतिशत	निरक्षरको संख्या	निरक्षरको प्रतिशत
१	५ वर्ष देखि १० वर्ष सम्म	२०६३	९१७३	९१	०।४४
२	११ वर्ष देखि १५ वर्ष सम्म	१९७९	९३३	६७	०।३३
३	१६ वर्ष देखि २४ वर्ष सम्म	३६८०	१७।३६	३२७	१।५८
४	२५ वर्ष देखि ४० वर्ष सम्म	५२१३	२४।५९	१३२७	६।३५
५	४१ वर्ष देखि ६० वर्ष सम्म	२७९८	१३।२	१५१९	७।१२
६	६१ वर्ष देखि ७५ वर्ष सम्म	७१०	३।३५	८८४	४।०८
७	७६ वर्ष देखि माथि	१७७	०।८३	३६६	१।७३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका हेर्दा नगरपालिकाको साक्षरता ७८.३९% प्रतिशत रहेको देखिन्छ भने निरक्षरता भने २१.६१ प्रतिशत देखिन्छ । निश्चित उमेर समूह अनुसार ५ वर्ष देखि १० वर्ष सम्मक ९१ जना बालबालिकाहरू स्कूल नजाने देखिन्छ । त्यस्तै ११ देखि १५ वर्ष उमेर समूहका ६७ जना गरेर जम्मा १५८ जना बालबालिका स्कूल पढ्न नगएको तथ्यांकले देखाउछ । विद्यालय जान र शिक्षा आर्जन गर्न उमेरले असर नगर्ने भएतापनि मूलतः ५ वर्ष देखि १५ वर्ष सम्मलाई स्कूल गएर शिक्षा आर्जन गर्ने उमेर समूह मान्नु पर्ने हुन्छ । यसरी हेर्दा आगामी दिनमा विद्यालय प्रति ति क्षेत्रका बालबालिकालाई आकर्षित गर्ने खालका कार्यक्रम बनाउनु जरुरी देखिन्छ ।

५.१.७. वडा र लिङ्गगत रूपमा साक्षरताको विवरण:

परिवार शिक्षित भए घर, टोल, वडा, गाउ राष्ट्रनै शिक्षित हुन्छ भन्ने अवधारणा र नारा शिक्षा क्षेत्रमा व्यापक छ । अझ महिला शिक्षामा जोड दिदै १ महिला १ सिङ्गो परिवार नै शिक्षित हुने वातावरण रहन्छ भन्ने मान्यता पनि रहदै आएको छ । महिलाहरूले घरव्यवहार, शिक्षा, दिक्षा र स्वास्थ्य तथा लालनपालनमा समेत संलग्न हुने गर्दछन् । तयसैले महिला शिक्षामा जोड दिने गरेको पाइन्छ । यस शिर्षकमा यस नगरपालिकाको साक्षरता अवस्था स्कूल जाने उमेर देखि माथिको जनसंख्यामा लैगिक रूपमा कस्तो छ भन्नेवारे को जानकारी निम्न तालिकामा दिइएको छ ।

तालिका न. ९५ : वडा र लिङ्गगत रुपमा साक्षरता स्थिति

वडा.न	निरक्षर जनसंख्या				साक्षर जनसंख्या				साक्षरता प्रतिशत			
	पुरुष	महिला	ते.ली	जम्मा	पुरुष	महिला	ते.ली	जम्मा	पुरुष	महिला	ते.ली	जम्मा
१	१२४	२७५	०	३९९	२१७२	१९६४	०	४१३६	४३३१	४७८९	०	९१२
२	३४१	४४०	०	७८१	७१३	७३९	०	१४५२	३३१०९	३११३३	०	६५१०२
३	६८	१४०	०	२०८	५२९	५२५	१	१०५५	४१५७	४१८८	०	८३५३
४	२३३	३९३	०	६२६	८५५	६८७	०	१५४२	३१६९	३९१४४	०	७११३
५	९६	१९१	०	२८७	५९३	४७९	०	१०७२	३५२५	४३६४	०	७८८८
६	७१	१५७	०	२२८	५४३	५९३	०	११३६	४३४८	३९८१	०	८३२८
७	२४	५०	०	७४	५०९	५७६	०	१०८५	४९१७	४३९२	०	९३६२
८	१५५	२५७	०	४१२	६५४	५६८	०	१२२२	३४७६	४०१०२	०	७४७९
९	१८५	२९८	०	४८३	६३८	४६९	०	११०७	२९५	४०१३३	०	६९६२
१०	२३६	३६२	१	५९९	७८५	६४१	०	१४२६	३१६५	३८१७७	०	७०४२
११	१२९	२६४	१	३९४	७५९	५८७	१	१३४७	३३७२	४३६	०	७७३७

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार २०६८ सालको जनगणना भन्दा यसपटकको साक्षरता प्रतिशत मा वृद्धि भएको देखाए पनि आशातित रुपमा साक्षरता प्रतिशतमा वृद्धि हुन नसकेको देखिन्छ । २०६८ सालमा भन्दा हाल वडागत साक्षरता प्रतिशतमा क्रमिक रुपमा सूधार हुदै गएको देखिन्छ ।

५.१.८. नगरपालिकाको शैक्षिक स्तरको विवरण:

शिक्षाको स्तर अध्ययनको कममा उर्तिण कक्षाका आधारमा कसले कति कक्षामा उर्तिण गरेको छ भन्ने विषय/सूचांकले शिक्षा क्षेत्रमा औपचारिक महत्व राख्दछ । यस शिर्षकमा सोही सूचांकको विश्लेषण गरिएको छ । यसमा आधारभूत (पूर्व प्राथमिक) स्तर देखि विद्यावारीधी सम्म तथा प्राविधिक एस.एल सी. सम्म र निरक्षरताको वडागत संख्या पनि देखाइएको छ ।

तालिका न. ९६ : वडागत शैक्षिक स्तर सम्वन्धी विवरण

वडा	पूर्व प्राथमिक तह	आधारभूत तह	माध्यमिक तह	स्नातक तह	एम.ए./एमफिल	विद्यावारीधी	प्राविधिक एस.एल सी	साक्षर	निरक्षर
१	१०८३	१२३४	७४५	२२४	६१	२६	२०६	५५७	३९९
२	४०२	५२४	२३४	५५	१६	२	७	२१२	७८१
३	३२७	२८६	१४९	३७	१३	१	४५	१९७	२०८
४	४३२	५९९	२३८	३८	१०	७	४	२१४	६२६
५	३३७	२६७	१८०	७८	१४	८	१३	१७५	२८७
६	४७६	३१०	४५	१	०	०	८	२९६	२२८
७	२७७	२९९	१७७	६	१	०	५	३२०	७४
८	४४३	३६९	१०६	१८	०	१	१	२८४	४१२
९	३१७	४४९	८९	२६	३	१	८९	१३३	४८३
१०	५६४	३८५	२३५	३३	४	१	३२	१७२	५९९
११	२१९	४४२	२५०	८५	३०	२	३७	२८२	३९४

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशी नगरपालिकामा वडा अनुसार पूर्व प्राथमिक तह अर्थात बालकक्षा लगायत साधारण लेखपढ गर्न सक्ने वा साक्षरता कक्षामा समावेश भइ आफ्नो नाम लेख्न र साधारण लेखपढ गर्न सक्ने जनसंख्यालाई समेटिएको छ । यसरी हेर्दा नगरपालिकामा अझै पनि निरक्षरता २० प्रतिशत भन्दा बढी रहेको देखिन्छ ।

५.१.९ जातिगत आधारमा विद्यार्थीहरूको विवरण:

सप्तकोशी नगरपालिकामा अनेकतामा एकता जातिगत र भाषिक रूपमा विविधता रहेको देखिन्छ । यस नगरपालिकामा दलित भित्र पहाडे दलित र तराई दलित, मुस्लिम, पहाडे जनजाती र तराई जनजाती लगायतको अवस्था कस्तो छ , विद्यालयमा जातिगत आधारकमा विद्यार्थीहरूको प्रतिशत कस्तो छ भनी हेर्न का लागी ति जात-जातियताको आधारमा विद्यार्थीहरूको संख्या देहायको तालिकामा दिइएको छ ।

तालिका न.९७ : जातिगत आधारमा विद्यार्थीको संख्या

वडा.न	पहाडे दलित	तराई दलित	पहाडे जनजाती	तराई जनजाती	मुस्लिम	अन्य
१	२९८	५९	५८४	५१७	१०८	२५७०
२	२५	१६४	६२	६५१	१०२	४४८
३	११	१४७	२	३८४	०	५११
४	११	४७८	३४	३०९	५२	६५८
५	९	१७०	२२	५२६	०	३४५
६	१२	१८६	३६	४८०	०	४२२
७	६	११०	०	८१८	०	१५१
८	०	३२५	२६	४०३	०	४६८
९	२	३२५	०	८५	०	६९५
१०	०	२१५	६८	३७०	०	७७३
११	१४	६४५	१४	५१४	०	१६०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

५.१.१०. विद्यालयमा पहुचको स्थिति:

यस सप्तकोशी नगरपालिकामा प्राविधिक पोलिटेक्नीक इन्सिच्युट लगायत उच्च माध्यमिक स्तर सम्मको शैक्षिक संस्थाहरू रहेको सामूदायिक तथा संस्थागत विद्यालयहरू छन् । यस्ता शैक्षिक संस्थाहरूमा त्यहाको अवस्था हेरेर धेरैजसोले प्रयोग गर्ने ढःभबलक या तचबलकउयचतवतप्यलण अर्थात साईकल, बस, पैदल, मोटरसाईकल जस्ता माध्यम मध्ये जुन बढी प्रयोगमा आउछ त्यसलाई नै आधार बनाई यस स्थलगत सर्भेक्षणका क्रममा त्यहाका घरधूरीहरूको पहुचको अवस्था सोधिएको थियो । जसअनुसार बढी जसो घरधूरीले पैदल हिडेर लाग्ने समयलाई आधार बनाई जवाफ दिएका थिए । तपायको समूदायवाट सवैभन्दा नजिकको विद्यालय वा शैक्षिक संस्था पुग्न कति समय लाग्छ भन्ने प्रश्नमा ४ वटा समय विभाजन गरी ० देखि १५ मिनेट गरेर १५ मिनेटको समय अन्तराल कायम गरी प्रश्नका उत्तरहरूलाई विश्लेषण गरिएको छ । यसरी समय विभाजन गरी सोधिएको प्रश्नको जवाफ वा तथ्यांकलाई देहाय अनुसारको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.९८ :वडागत रुपमा विद्यालय पुग्न लाग्ने समय अनुसार घरधूरी विवरण

वडा.न	० - १५ मी.	१६ - ३० मी.	३१ - ४५ मी.	४६ मी. माथी	जम्मा घरधूरी
१	८३७	२००	५४	५	१०९६
२	४७	४०२	११३	७	५६९
३	१७५	१२३	११	८	३१७
४	३०५	१६०	१३	१	४७९
५	१८०	१०७	३१	३	३२१
६	२१०	८५	३९	६	३४०
७	९१	२	१	२१७	३११
८	२७२	७०	१८	३३	३९३
९	१३१	१७३	६२	१०	३७६
१०	२७०	४७	१४०	५	४६२
११	१८६	१५८	२०	५	३६९
जम्मा					५०३३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशीनगरपालिका का सबै वडाहरुमध्ये वडा न.७ मा मात्र ४५ मीनेट माथी समय लाग्ने घरधूरी २१७ वटा देखिन्छ भने वडा न.८ का ३३ घरधूरी लाई अझ पनि १ घण्टाको आसपासमा पैदल यात्रा गरी स्कुल जानुपर्ने तथ्याङ्कमा देखिन्छ ।

५.२. विशेष सीप र दक्षता भएको जनसंख्याको वडागत विवरण:

१०वर्ष वा सो भन्दा माथीका उमेर समूहको जनसंख्यालाई तपाइमा विशेष सीप वा दक्षता के-के छन् भनी विभिन्न सीपमूलक शिर्षकहरुनै जस्तै : सिकर्मी, डकर्मी, सिलाई बुनाई, मेकानिक, कम्प्यूटर, विदूत जडान, कृषि जे.टि.ए, पशु स्वास्थ्य, ड्राइभिङ्ग, प्लम्बिङ्ग, व्युटिसियन, मोवाइल मर्मत, जस्ता विषयहरु सोधिएको थियो । यसरी नगरपालिकाका ११ वटा वडाहरुबाट जम्मा ११८ जना मात्र ले विशेष सीप वा दक्षता भएको भन्ने जवाफ दिएका थिए । जुन नगरपालिकाको १० वर्ष माथीको जनसंख्याको एकदमै कम प्रतिशत हो । समग्रमा हेर्दा कुनैपनि प्रकारको सीप वा दक्षता हुनु आफैमा राम्रो भएता पनि नगरपालिकामा आधुनिक समाजमा आवश्यक पर्ने खालका विशेष सीपहरु तथा विश्वविद्यालयहरु बाट प्राज्ञिक सर्टिफिकेट (प्रमाणपत्र) लिएर तयार भएका जनशक्ति जस्तै डक्टर, इन्जिनियर, मेकानिक्स वा विषयगत विज्ञहरुको संख्या अत्यन्तै न्यून रहेको देखिन्छ । दक्ष जनशक्तिको आयस्तर उच्च हुने हुनाले विकाश निर्माणमा सहयोग पुग्नका साथै उक्त जनशक्तिको जीवनयापन वा जीवनस्तर उच्च र गुणस्तरिय हुन्छ । यस प्रकारको जनशक्तिले नगरपालिकाको समग्र दिगो विकाशमा प्रत्यक्ष भूमिका खेल्न सक्दछ । जनसंख्या अदक्ष वा अर्धदक्ष हुनाले नगरपालिकाको विकाशमा ठूलो प्रयास गर्नुपर्ने देखिन्छ । साथै मानव संसाधन विकाशलाई उच्च प्राथमिकतामा राख्नुपर्ने देखिन्छ । यस्ता सीपमूलक तालिम लामो, छोटो दुवै प्रकारको हुने गर्दछ । नगरपालिकामा विभिन्न संघसंस्था वा गाउस्तरमा कार्यरत रहेका सामुदायिक कार्यलयहरुले विभिन्न सीपमूलक तालिमहरु सञ्चालन गर्ने गर्दछन् । यसका साथ साथै कसैले आफ्नै प्रयासमा समेत यस्ता खालका तालिमहरु लिएको हुन सक्दछ । सीप विकाश र सीपमूलक तालिम प्राप्त जनशक्तिले कुनै पनि काम गदौ पूर्णतया सही ढंग र दीर्घकालिन सोचको भावनाले गर्नसक्दछन् । अर्धदक्ष र अदक्ष कामदार वाट गुणस्तरिय कामको आशा राख्न सकिदैन । त्यसैले नगरपालिकामा विभिन्न विधा वा शिर्षकमा सीप आर्जन गरेका जनशक्ति कति छ भन्ने कुरा नगरपालिकाका लागी महत्वपूर्ण हुन जान्छ । नगरपालिकाले आफूसँग भएका त्यस्ता दक्ष मानव संसाधनलाई व्यवस्थित तरिकाबाट उपयोगमा ल्याउनु पर्छ, भन्ने आजको आवश्यकता पनि हो । विभिन्न सीपयुक्त मानव श्रम शक्तिको श्रम बजार पनि व्यापक बन्न सक्छ । उसले आफ्नो क्षेत्रमा मात्र हैन अन्य क्षेत्रमा समेत अवसरहरु प्राप्त गर्न सक्छ । सीपमूलक तालिम प्राप्त जनशक्तिहरु यस बृहदीगंगा नगरपालिकामा कति छन् भन्ने बारेमा देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.९९ : वडागत रुपमा विशेष सीप वा दक्षता भएको जनसंख्याको विवरण

वडा. न	डकर्मी		सिकर्मी		मेकानिक		कम्प्युटर		विद्युत जडान		कृषि तथा जे.टि.ए		पशु स्वास्थ्य		ड्राइभिङ		प्लम्बिङ		व्युटिसियन		मोवाइल मर्मत		सिलाइ वुनाइ		जम्मा
	म	पू	म	पू	म.	पू	म.	पू	म.	पू	म.	पू	म.	पू	म.	पू	म.	पू	म.	पू	म.	पू	म.	पू	
१	०	१	२	०	६	०	०	०	१	१	०	०	१	०	०	०	०	१	०	०	०	०	१	१	१५
२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	१
३	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३
४	१	०	१	०	२	०	०	०	०	१	०	०	२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८
५	०	०	०	०	२	०	०	१	१	१	०	०	२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	११
६	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५
७	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१३
८	०	१	०	०	२	०	०	०	४	०	०	०	१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	२	०	३६
९	०	०	०	०	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७
१०	०	०	०	०	५	०	०	०	५	१	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	३	०	१५
११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४

श्रोत: पाश्वर्चित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशी नगरपालिकामा महिला र पुरुष गरेर जम्मा ११८ जनाले विभिन्न शिर्षकमा सीप विकास तालिम लिएका छन् । सबैभन्दा कम वडा न.२ मा १ जना र सबैभन्दा बढी वडा न.८ मा ३६ जनाले तालिम लिएको देखिन्छ ।

५.३. जनचेतनामूलक तालिम सम्वन्धी विवरण:

सप्तकोशी नगरपालिकामा विभिन्न संघसस्था तथा नगर स्तरमा कार्यरत रहेका सामूदायिक कार्यलयहरुले नगरपालिका अन्तर्गत विभिन्न किसिमका सूचनामूलक तालिम संञ्चालन गर्ने गर्दछन् । यस्ता सूचनामूलक तालिमहरुले दीर्घकालिन रुपमा विकास, नेतृत्व क्षमता, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य सामूदायिक क्रियाकलापहरु प्रति गहकिलो छाप छोड्न सक्छ । जसका कारणले नगरपालिका अन्तर्गत भएका स्वास्थ्य, शिक्षा तथा विकास संग सम्वन्धीत कुराहरुमा समूदायलाई सकारात्मक सोच तथा पिछडीएका वर्ग, जाती को उत्थान गर्न महत्वपूर्ण भूमिका खेल्न सक्छ । यस सप्तकोशी नगरपालिकाको सूचनामूलक/जनचेतनामूलक जनशक्तिको ११ वटै वडाहरुको अवस्था कस्तो छ भन्ने बारेको तथ्यांक महत्वपूर्ण हुन जान्छ । सूचनामूलक विभिन्न खालका तालिम मध्ये हाल दीर्घकालिन रुपमा प्रभाव छोड्न सफल

तालिका शिर्षकहरुमा आधारित भएर तथ्यांक लिइएको थियो जसलाई निम्न तालिकामा विस्तृत रूपमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.१०० :नगरपालिकामा जनचेतनामूलक तालिम

वडा.न	स्वास्थ्य सम्बन्धी		लैङ्गिक विकास		खानेपानी सरसफाई		नेतृत्व विकास		वचत तथा ऋण		सीप विकास		वन व्यवस्थापन सम्बन्धी		विभिन्न उपभोक्ता तालिम		अन्य		जम्मा
	म	पू.	म	पू.	म	पू.	म	पू.	म	पू.	म	पू.	म	पू.	म	पू.	म	पू.	
१	३	१	४	२	४	२	४	२	२	२	२	०	३	३	२	२	२	१	४१
२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१
४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	२
६	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	२
७	२	०	१	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	४
८	३	०	२	०	१	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	७
९	०	०	०	०	१	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२
१०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१
११	०	०	४	०	०	०	०	०	२	०	१	०	०	०	०	०	०	०	७

श्रोत: पाश्चिमाञ्चल २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशी नगरपालिकामा ११ वटै वडाहरुमा समग्रमा हेर्दा वडा न.१ को जनचेतनामूलक तालिम प्राप्त व्यक्तिहरुको संख्या अन्य वडाको तुलनामा एकदमै राम्रो देखिन्छ भने वडा न.२ र ४ मा एकदमै कम देखिन्छ ।

५.४ स्वास्थ्य:

नेपालको संविधानले प्रत्येक नेपाली नागरिकलाई राज्यबाट प्राप्त हुने आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निशुल्क प्राप्त गर्ने तथा स्वास्थ्य सेवालाई सबैको समान पहुच रहने कुरालाई मौलिक हककै रूपमा प्रत्याभूत गरेको छ । यसैलाई आधार बनाएर स्वास्थ्य क्षेत्रमा काम गर्ने सरकारी, गैर सरकारी सबैले समान, सहज र सरल ढङ्गबाट आधारभूत स्वास्थ्य सेवाहरु दिने व्यवस्था मिलाएका हुन्छन् । आफ्नो हैसियत अनुसार मानिसले आफूलाई पर्दा स्वास्थ्य उपचारका लागी कसैले नीजि त कसैले सरकारी अस्पताल लिएर जाने गर्दछन् । स्वास्थ्य रही जीवनयापन गर्नु, कसैको अकालमा मृत्यु नहोस् भन्ने उद्देश्यले सरकारले विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रहरुबाट विशेषज्ञता अनुसार सेवा प्रदान गर्ने व्यवस्था मिलाएको हुन्छ । स्थानीय स्तरमा स्वास्थ्य सेवाका लागी सरकारको तल्लो तहमा प्राथमिक उपचार तथा परामर्श सेवा र स्वास्थ्य वातावरणका लागी महिला स्वास्थ्य स्वयम सेविकावाट सुरू हुने सरकारको स्वास्थ्य सेवा माथिल्लो निकायमा पुग्दा

विशेषज्ञ दक्षता हासिल गरेका दक्ष डाक्टरको सेवा सम्म पुगदछ । यिनै स्वास्थ्य सेवा जनता सम्म पुर्याउन, जनता सम्म स्वास्थ्य सम्बन्धी चेतना अभिवृद्धि गर्न नेपाल सरकारले विभिन्न नीति निर्माण गरेको हुन्छ । यिनै नीति मध्ये प्रत्येक नेपाली जनताले ३० मिनेट भित्र आफूलाई पायक पर्ने स्थानमा स्वास्थ्य सेवा लिन सक्नु भनेर अधिराज्यभरी सेवा सञ्चालनमा ल्याएको छ ।

यस अध्ययनका क्रममा सप्तकोशी नगरपालिकाका प्रत्येक वडाका घरपवारवाट स्वास्थ्य सेवा उपचार खोज्ने बानी व्यहोरा कस्तो छ ? पहिलो प्राथमिकतामा कुन स्वास्थ्य प्रदायककोमा जान रुचाउछन् भन्ने बारेमा विभिन्न सूचाङ्कहरु निर्माण गरी प्रश्न सोधिएको थियो जसलाई निम्न तालिकामा वडा अनुसार उपचारका लागी जाने घरधूरी विवरण देखाइएको छ ।

तालिका न.१०१ :वडा अनुसार उपचारका लागी घरधूरी विवरण

वडा न.	लामा, धामी,भाक्की,ज्योतिष	स्वास्थ्य चौकि	नीजि अस्पताल	सरकार अस्पताल	स्थानीय मेडिकल	जम्मा
१	३६	५८९	१४१	२५	३०५	१०९६
२	६	३४५	१६२	४३	१३	५६९
३	६	३००	४	५	२	३१७
४	५	४३३	२६	३	१२	४७९
५	१	२३५	२१	३	६१	३२१
६	४	८१	७७	३	१७५	३४०
७	२	१०३	२	२	२०२	३११
८	३	३५४	११	१	२४	३९३
९	०	३४३	३	०	३०	३७६
१०	९	४१८	३०	१	४	४६२
११	२१	२९४	७	८	३९	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशी नगरपालिकामा स्वास्थ्य उपचार खोज्ने बानी व्यहोरा र पहिलो पटक उपचारका लागी जाने ठाउहरु माथी दिइएको छ । यस नगरपालिकामा अझ पनि मानिसहरुलाई परम्परागत शैली अन्तर्गत लामा,धामी, भाक्कि माथीको विश्वास टुटि नसकेको देखिन्छ । हालको अत्याधुनिक उपचार खोज्ने बानीको विकाश भइरहेको परिपेक्षमा र सरकारी अस्पतालवाट पनि पहिलाको दाजोमा हाल राम्रो उपचार पद्धतिको विकाश भए सँगसँगै पनि सरकारी अस्पताल र स्वास्थ्य केन्द्रमा बढी जनसंख्या नीजि अस्पताल र नीजि मेडिकल हलहरुमा जाने गरेको तथ्यांकमा देखिन्छ ।

५.४.१. दीर्घ रोग र जनसंख्या विवरण:

स्वास्थ्य जनसंख्या, स्वास्थ्य र दक्ष जनशक्ति भन्ने नाराका सहित सरकारी स्तरवाट र नेपालका अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदायकहरुवाट कुनैपनि रोगका विरामीहरुले उपचारवाट बञ्चित हुन नपरोस् भन्ने उद्देश्यका साथ सरकारकास्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रमहरु बन्ने गरेका छन् । सरकारी स्वास्थ्य संस्थामा आउने जुनसुकै र जस्तोसुकै रोगीका विरामीहरुका लागी उपचमर सम्भव छ भनेरसरकारले आफ्नो कार्यपत्रमा उल्लेख गरेको हुन्छ । यहि नीति तथा कार्यक्रम हुदाहुदै पनि मानव स्वास्थ्यमा हिजोआज विभिन्न नयाँ खानपान, आधुनिक शैली तथा सुविधाभोगी चालचलनको अनुशरणले दीर्घ रोगका विभिन्न प्रकारहरु पनि देखा पर्न थालेका छन् । यस अध्ययनका दीर्घरोगीका अवस्थाहरु के कस्तो छ, कति दीर्घरोगीहरु यस नगरपालिकामा छन् भनी सर्भेक्षण गरीएको थियो । जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गीएको छ ।

तालिका न.१०२ : वडा अनुसार दीर्घ रोगका किसिम र जनसंख्या

वडा न.	एच.आई.भी.एड्स	मलेरिया	पक्षघात	दम	बाथ	क्षयरोग	क्यान्सर	मधुमेह	मुटुरोग	किडनी सम्बन्धी रोग	उच्च रक्तचाप	अन्य
१	०	०	१	१६	१६	०	०	३२	७	६	४३	१५
२	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०
३	०	०	२	९	३१	०	०	३	४	०	७	३
४	०	०	०	०	२	०	१	०	०	०	०	०
५	०	०	०	६	१३	०	०	६	२	०	८	०
६	०	१	०	२७	११०	१	१	१४	७	७	८५	३४
७	०	०	७	१	२	०	०	२	३	०	५	१
८	०	०	२	२	२	०	०	१२	६	०	६	१
९	०	०	०	३	६	०	८	६	२	०	९	०
१०	०	०	२	१	०	०	०	३	२	०	०	०
११	०	०	०	५१	०	०	०	३	०	१	१	८

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार नगरपालिकामा समग्र जनसंख्याको २.७३ प्रतिशत जनसंख्या दीर्घरोगीका रूपमा रहेको देखिन्छ । दीर्घरोगीहरूमा मुख्यतया दम, मधुमेह, उच्च रक्तचाप लगायत क्यान्सर किडनीसम्बन्धी रोगीहरू साथै बाथ रोग पनि उल्लेखनिय रूपमा रहेको देखिन्छ । यसैगरी अन्य शिर्षकहरूमा ग्याष्ट्रिक, अल्सर,हाडजोर्नी र स्वाश प्रश्वास का रोगीहरू पनि स्थलगत अध्ययनको क्रममा पाइएकोथियो । विशेष गरी खानपान र जीवनशैली, धुम्रपान, मद्यपान, शारीरिक व्यायामको कमी, मानसिक चिन्ता तथा वंशानुगत कारणले दीर्घरोगहरू लाग्न सक्दछन् । तसर्थ यस्ता रोगहरू कम गर्न व्यापक स्वास्थ्य चेतना केलाउने खालका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

५.४.२ नगरपालिकाका स्वास्थ्य सेवा प्रदायक स्थलहरू:

यस नगरपालिकाको क्षेत्रमा स्वास्थ्य सेवा र सुविधाकोलागी यहा भएका विभिन्न स्थलहरूमा, स्वास्थ्य संस्था, गाउघर क्लिनिक, खोप केन्द्र जस्ता स्थलहरू मा सेवा र सुविधाका लागी जाने घरपरिवारको दूरीलाई यस शिर्षकमा समेटिएको छ । यस क्षेत्रमा बढीजसो मानिसहरूले यात्राका क्रममा प्रयोग गर्ने पैदल दूरीलाई आधार बनाई नगरपालिकाका प्रत्येक घरधूरीमा सोधिएको थियो । ११ वटै वडामा आफ्नो समूदाय भन्दा बाहिर भित्र भन्ने कुरालाई मध्यनजर राख्दै समूदाय भित्रकोलाई पहिलो प्राथमिकतामा राखेर प्रश्न सोधिएको थियो । यसरी सोधिएको प्रश्नवाट प्राप्त तथ्यांकलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.१०३ : स्वास्थ्य संस्थाको खोप केन्द्र पुग्न लाग्ने समय अनुसार घरभूरी विवरण

वडा.न	० - १५ मी.	१६ - ३० मी.	३१ - ४५ मी.	४६ मी. माथी	जम्मा घरधूरी
१	८७३	२०१	२०	२	१०९६
२	२१७	२६९	८०	३	५६९
३	१८४	१२३	५	५	३१७
४	२९५	१८३	०	१	४७९
५	५९	२३१	३०	१	३२१
६	१९६	१०९	२०	१५	३४०
७	९३	१	१	२१६	३११
८	२६३	८०	२१	२९	३९३
९	१०१	२१८	४७	१०	३७६
१०	२२८	११०	११८	६	४६२
११	१६१	१९३	१४	१	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा विभिन्न क्षेत्रमा रहेका खोपकेन्द्र सम्मको दूरी नगरपालिका वासीहरूको लागी कति टाढा र कति नजिक रहेछ भन्ने देखाउछ । यस नगरपालिकामा अबै पनि २८४ घरधूरी ४५ मीनेट भन्दा माथीको दूरीमा सेवा स्थल पुग्ने गरेको बताएका थिए । यस्ता घरधूरी पनि यस ठाउमा रहेका छन् जुन घरपरिवारले खोप केन्द्र हाम्रो सहज स्थल मा छैन, हाम्रो समुदाय भन्दा टाढा जानुपर्छ भन्ने कुरा स्थलगत अध्ययनको क्रममा बताएका थिए ।

५.४.३.नियमित खोप:

बालबालिका भविष्यका निर्माता हुन तसर्थ यसका लागी यिनिहरू स्वास्थ्य र निरोगी हुनु आवश्यक छ । शिशु र बाल्य अवस्थामा उनीहरूलाई बी.सी.जी एक पटक, डि.पी.टी. र न्युमोकोकल्स ३/३ पटक, पोलीयो ३ पटक, दादुरा र जे.इ १/१ पटक का साथै भटामीन 'ए' तोकिएको मात्रामा दिनै पर्छ । बाल बालिकाहरूका लागी पहाडमा ११ वटा र तराईमा ११ वटा खोप नियमित रूपमा दिनैपर्छ । नेपाल सरकारले राष्ट्रिय खोप कार्यक्रमलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेको छ । खोप कार्यक्रम कम खर्चिलो तथा मितव्ययी रूपमा गरिने स्वास्थ्यक्षेत्रको एउटा प्रभावकारी प्रयत्न हो । खोप कार्यक्रमले उल्लेख्य रूपमा बाल मृत्युदर घटाउन र विभिन्न रोगलाई रोकथाम गर्न सहयोग पुर्याएको पाईन्छ । जसले गर्दा सहश्रृंखला विकास लक्ष्यको बालमृत्युदर घटाउने लक्ष्य (एम.जी.डी-४) प्राप्त गर्न सहयोग प'शगेको छ। यसको प्रतिफल स्वरुप नेपालमा बाल मृत्युदर प्रतिहजारमा ३ सय बाट घटेर २१ मा आएको तथ्यांक नेपाल जनसांख्यिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण -२०१६ मा उल्लेख छ । बच्चा जन्माएपछि दिनुपर्ने नियमित खोपको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.१०४ :नियमित राष्ट्रिय खोप विवरण

पटक/भेट	कुन उमेरमा	कुन खोप	कुन रोग बाट बचाउने
१	जन्मने वित्तिकै	बि.सी.जी.	क्षयरोग
२	६ हप्तामा	<ul style="list-style-type: none"> रोटा (पहिलो मात्रा) पोलियो (पहिलो मात्रा) एक.आइ.भी.पी.(पहिलो मात्रा) डि.पी.टी.हेप बी.हिब (पहिलो मात्रा) 	<ul style="list-style-type: none"> रोटा भाइरस वाट हुने फाडापखाला पोलीयो निमोनिया न्युमोकोकल्स रोगहरु भ्यागुते, लहरेखोकी, धनुषंकार,हेपाटाइटिस बी.र हेमोफिलस इन्फ्लुइन्जा बी.
३	१० हप्तामा	<ul style="list-style-type: none"> रोटा (दोश्रो मात्रा) पोलियो (दोश्रो मात्रा) पि.सी.भी (दोश्रो मात्रा) डि.पी.टी.हेप बी.हिब (दोश्रो मात्रा) 	<ul style="list-style-type: none"> रोटा भाइरस वाट हुने फाडापखाला पोलीयो निमोनिया न्युमोकोकल्स रोगहरु भ्यागुते,लहरेखोकी, धनुषंकार,हेपाटाइटिस बी.र हेमोफिलस इन्फ्लुइन्जा बी.
४	१४ हप्तामा	<ul style="list-style-type: none"> पोलियो (तेश्रो मात्रा) एक.आइ.भी.पी.(तेश्रो मात्रा) डि.पी.टी.हेप बी.हिब (तेश्रो मात्रा) 	<ul style="list-style-type: none"> पोलीयो पोलीयो निमोनिया न्युमोकोकल्स रोगहरु भ्यागुते,लहरेखोकी, धनुषंकार,हेपाटाइटिस बी.र हेमोफिलस इन्फ्लुइन्जा बी.
५	९ महिना	<ul style="list-style-type: none"> पि.सी.भी (तेश्रो मात्रा) दादुरा-रुवेला (पहिलो मात्रा)) 	<ul style="list-style-type: none"> निमोनिया न्युमोकोकल्स रोगहरु दादुरा र रुवेला
६	१२ महिना	<ul style="list-style-type: none"> जापानिज इन्सेफलाइटिस 	<ul style="list-style-type: none"> जापानिज इन्सेफलाइटिस(मच्छड)
७	१५ महिना	<ul style="list-style-type: none"> दादुरा-रुवेला (दोश्रो मात्रा) 	<ul style="list-style-type: none"> दादुरा र रुवेला

श्रोत: बालस्वास्थ्य महाशाखा-२०७५/०७६

बालबालिकाहरूले बाल्य अवस्थामा लगाएको खोपले बालबालिकाको स्वास्थ्य निर्धारण गर्दछ । बाल स्वास्थ्य रहन बाल्य अवस्थामा लगाउनुपर्ने खोपहरू सबै पूरा गर्नुपर्दछ । खोप कार्यक्रम प्रभावकारी भएको खण्डमा बाल्य अवस्थामा जोखिम

हुने रोगहरुबाट बच्नुका साथै वाल मृत्यूदर पनि कम हुन्छ । यस गाउपालिकामा वालवालिकामा लगाइने खोप विवरण निम्नानुसार रहेको छ ।

तालिका न.१०५ :खोप सम्बन्धी विवरण

क्र.स.	खोपको नाम	आ.व.०७३/०७४ संख्या	आ.व.०७४/०७५ संख्या	आ.व.०७५/०७६ संख्या
१	वि.सी.जी.			
२	डि.पी.टी.			
३	हेपाटाइटिस बी			
४	दादूरा			
५	पोलीयो-३			
६	टि.टि (गर्भवती महिला)			

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

५.४.४. गाउघर क्लिनिक :

खोप तथा मासिक क्लिनिकहरु सञ्चालन गर्नका लागि हरेक नगरपालिका वा स्वास्थ्य संस्थाले आफ्ना विभिन्न स्थानहरुको पहिचान गरी ति ठाउमा महिनामा कम्तीमा १ पटक र बढीमा २ पटक सम्म गाउघर क्लिनिक वाट सेवा प्रदान गर्दछ । नगरपालिकाका विभिन्न स्थानहरुमा गाउघर क्लिनिक सञ्चालनमा रहेको पाइन्छ । यि स्थानहरुमा ति कार्यक्रम नियमित रुपमा सञ्चालनमा आउनु पर्दछ नत्र यसको उपादेयता कम हुन जान्छ । नेपाल सरकारको तल्लो स्तरमा रहेको सेवा प्रवाह गर्ने स्थानको रुपमा गाउघर क्लिनिकलाई लिइन्छ । यसले यस स्थानवाट सेवाग्राहिलाई आधारभूत स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्नुको साथै गर्भवति, प्रसुति तथा नवजात शिशुसँग सम्बन्धीत पोषणका कुराहरु पनि सेवा अन्तर्गत पर्दछन् । यस सप्तकोशीनगरपालिकामा गाउघर क्लिनिकको अवस्था कस्तो छ, कति दूरी तय गरेर यहाका सेवाग्राहिहरु गाउघर क्लिनिक पुग्दछन् भन्ने बारेमा समय निर्धारण गरेर यस स्थलगत अध्ययनका क्रममा तथ्यांक संकलन गरिएको थियो । जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.१०६ : गाउघर क्लिनिक पुग्न लाग्ने समयका आधारमा घरधूरी विवरण

वडा.न	० - १५ मी.	१६ - ३० मी.	३१ - ४५ मी.	४६ मी. माथी	जम्मा घरधूरी
१	८३७	२३७	२१	१	१०९६
२	२२३	२५७	८६	३	५६९
३	५८	२२७	२१	११	३१७
४	१४०	१८१	२	१५६	४७९
५	२२	९९	२२	१७८	३२१
६	१०	१८१	१३४	१५	३४०
७	०	१	१	३०९	३११
८	२३८	७६	१४	६५	३९३
९	५९	१६३	४५	१०९	३७६
१०	२२१	३६	४०	१६५	४६२
११	१५८	१९४	१०	७	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार नेपाल सरकारको तल्लो स्वास्थ्य प्रदायक निकाय गाउघर क्लिनिक सम्म यस नगरपालिकाका ११ वटै वडाहरुको आफ्नो-आफ्नो क्षेत्रको स्थलमा पुग्ने समय दिइएको छ ।

५.४.५ सरकारी स्वास्थ्य संस्था :

सप्तकोशीनगरपालिकामा स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाको पहुचको अवस्था पनि यस पार्श्व चित्र निर्माणका क्रममा महत्वपूर्ण सूचांकको रूपमा लिएर तथ्यांक संकलन गरिएको थियो। जस अनुसार सरकारी स्वास्थ्य सेवा लिनका लागी गाउघर टोलवाट कति समय लाग्छ भन्ने विषयलाई यस तालिकाले प्रस्तुत गरेको छ ।

तालिका न.१०७ :सरकारी स्वास्थ्य संस्था सम्मको दूरी सम्बन्धी विवरण

वडा.न	० - १५ मी.	१६ - ३० मी.	३१ - ४५ मी.	४६ मी. माथी	जम्मा घरधूरी
१	८०४	१८४	१०१	७	१०९६
२	१४	२५७	२८३	१५	५६९
३	१००	१९३	१७	७	३१७
४	११७	१८८	२२	१५२	४७९
५	२६	२२६	६१	८	३२१
६	२	७९	१७८	८१	३४०
७	९१	५	१	२१४	३११
८	२५८	८१	२०	३४	३९३
९	४२	१९२	९१	५१	३७६
१०	१२३	१५४	१४६	३९	४६२
११	६८	१५८	२०	१२३	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार अझपनि वडा न. ७, ११ र ४ मा ४५ मिनेट भन्दा माथी समय लाग्ने घरधूरीको तथ्यांक बढी देखिन्छ । यस्ता घरधूरीहरूले स्थलगत अध्ययनका क्रममा बताए अनुसार सरकारी स्वास्थ्य संस्था टाढा भएको र त्यहा जादा स्वास्थ्यकर्मी नभेटिने र औषधी पनि नपाइने गरेको बताएका थिए ।

५.५ स्वास्थ्य सेवा तथा पोषणको स्थिति :

राजनैतिक रूपमा ११ वटा वडाहरूमा विभाजित यस नगरपालिकाका धेरै जसो जनताहरूले आवश्यकता अनुसार स्वास्थ्य सुविधा लिन सकिरहेका छैनन् । नगरपालिकाका सुविधा सम्पन्न क्षेत्रका जनताहरूको पहुच सहज देखिएतापनि बाँकि दूर दराजका जनताको पहुच केवल स्वास्थ्य चौकी सम्म मात्र रहेको छ जहा सवै स्वास्थ्य समस्याको समाधान सम्भव छैन । स्वास्थ्य केन्द्रमा पर्याप्त स्वास्थ्यकर्मी नहुनु, स्वास्थ्य उपकरण, सामग्री र औषधि उपलब्ध नहुदाका समस्याहरू भेल्लु पर्ने बाध्यताका साथसाथै महिला रोगसँग सम्बन्धीत रोगका लागी पुरुष डक्टर हुने हुदा महिलाहरूलाई अप्ठेरो महसुस हुने कुरा व्यवहारमा देखिने गरेको छ । नगरपालिकाका विभिन्न वडाहरूमा स्वास्थ्य केन्द्रहरू रहेका छन् तर आवश्यक भौतिक पूर्वाधार तथा दरवन्दी अनुसार स्वास्थ्यकर्मीहरू छैनन् । तथापि ग्रामिण स्तरमा उपचारात्मक स्थिति कमजोर रहेको छ । स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयको सर्वेक्षण अनुसार करिब आधाजति जनसंख्याले गैरसरकारी तथा निजि क्षेत्रबाट स्वास्थ्य सेवा लिएको देखिन्छ । आर्थिक स्थिति मजबुत भएका तथा पहुचवाला व्यक्तिहरू मात्रले यस किसिमको सेवा उपभोग गर्न सफल भएको पाइन्छ ।

यस क्षेत्रमा आपतकालिन प्रसुति सेवा कमीको कारणले गर्दा उत्पन्न हुने परिस्थितिनै मातृमृत्युदरको सवैभन्दा प्रमुख कारण हो । समस्याको पहिचान गर्ने सन्दर्भमा ज्ञानको कमी, लक्षणको गम्भीरता सम्बन्धी बुझाइमा कमी, औषधी उपचार प्रणालीमाथीको विश्वासमा कमी, स्वास्थ्य सेवाका लागी यात्रा गरिरहने दूरी सम्बन्धी कुरा, सेवाको लागत, परम्परागत विश्वास,गरिवी न्यून गर्ने सामाजिक आर्थिक अवस्था जस्ता विविध प्रकारका तत्वहरूको कारणले गर्दा आपतकालिन सेवामा कमी आउने गरेको देखिन्छ ।

५.६ परिवार नियोजन सम्बन्धी विवरण:

परिवार नियोजन वाट हुने फाइदाका बारेमा विभिन्न संघ संस्थाहरुवाट गरिएको अध्ययन अनुसन्धानवाट आमा, बच्चा र नवजात शिशुको स्वास्थ्य सुधार गर्न उल्लेखनिय भूमिका खेल्ने कुरा प्रमाणित भएको छ । साथै यसले लैङ्गिक समानता, महिलाको शिक्षा र वृत्ति विकास गर्नको लागि सहयोग पुर्याउदछ । त्यसकारण गुणस्तरिय परिवार नियोजन सेवा प्रदान गर्ने उद्देश्यले सन १९९१ बाटै सुरु भएको प्रजनन स्वास्थ्य कार्यक्रम र परिवार नियोजन कार्यक्रमलाई विस्तार गर्दै, विभिन्न रुपमा परिमार्जन गर्दै अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्वास्थ्य चौकी, गाउघर क्लिनिक, घुम्टि शिविरहरु, महिला स्वास्थ्य स्वयमसेविका र्याउदै आउको छ । परिवार नियोजनसम्बन्धी स्थाई, अस्थायी विधिहरु प्रयोगकर्ताको अवस्था देहायअनुसारको तालिकामा दिइएको छ ।

तालिका न.१०८ : परिवार नियोजन सम्बन्धी विवरण

विवरण		आ.व.०७३/०७४ संख्या	आ.व.०७५/०७६ संख्या	आ.व.०७६/०७७ संख्या
नया प्रयोगकर्ता	पिल्स डिपो आइयूसीडी इम्प्लान्ट			
हाल प्रयोग गरिहेकाको संख्या	पिल्स डिपो आइयूसीडी इम्प्लान्ट			
बन्ध्याकरण गराउनेको संख्या				
कण्डम वितरण संख्या				

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

५.७ सुरक्षित मातृत्वको आवश्यकता :

वालवालिकालाई गर्भमा रहदादेखि र जन्मेपछि स्याहार तथा रेखदेख गर्न सकिएन भने उनीहरु विभिन्न रोगवाट संक्रमित हुने जोखिम हुन्छ । गर्भमा रहदा मूलत आमाको उमेर , पोषण, आराम, मादक तथा सूतिजन्य पदार्थको सेवन लगायतका पक्षहरुले वालवालिकाको स्वास्थ्य निर्धारण गर्दछ । वालवालिका स्वास्थ्य जन्मनको लागी गर्भवति महिलाले कम्तीमा पनि ४ पटक नियमित स्वास्थ्य जाँच गराउनु पर्दछ र आवश्यक खोप (टि.टि) तथा आइरन अर्बेन्डाजोल, क्याल्सियम चक्किहरु नियमित सेवन गर्नु पर्दछ । कम उमेरमै गर्भवति हुदा आमा र शिशु दुवैको स्वास्थ्यमा हानी नोक्सानी पुग्ने भएकोले सरकारले कानूनी रुपमा नै विवाह गर्ने न्यूनतम उमेर २० बर्ष तोकिदिएको छ । तर १७ प्रतिशत किशोरीहरु १५ बर्ष देखि १९ बर्ष उमेरमै गर्भवति भएका वा आमा भइसकेका हुन्छन् । (लम्ज्व(२०१६)

सरकारले स्वास्थ्य सेवा विभाग मार्फत सुरक्षित मातृत्व तथा नवजात शिशु स्वास्थ्यका लागी समूदायमा आधारित कार्यक्रम सञ्चालन गरिहेको छ । यसले आमा र वालवालिकाको मृत्युदर घटाउन धेरै मदत पुर्याएको छ । तर पनि उक्त सेवाहरु कार्यक्रम केन्द्रीत भएका कारणले सबै लक्षित वर्गमा अब्बै पुग्न सकेको देखिदैन । ग्रामिण भेगहरुमा समयमै गर्भवति महिला स्वास्थ्य केन्द्र नपुग्दा र स्वास्थ्यकर्मी पर्याप्त नहुदा कति को मृत्यु हुने गरेको कुरा हामी सामू छ । सप्तकोशीनगरपालिकाको सुरक्षित मातृत्व सम्बन्धी विवरण तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका न.१०९ :सुरक्षित मातृत्व सम्बन्धी विवरण

क्र.स	मातृशिशु स्वास्थ्य विवरण	संख्या	कैफियत
१	स्वस्थ परीक्षण गर्ने गर्भवति पहिलो दोश्रो तेश्रो चौथो		
२	घर र स्वास्थ्य संस्थामा प्रसूती हुने गर्भवति स्वास्थ्य संस्थामा घरमा		
३	आइरन चक्की प्रयोग गर्ने गर्भवति २२५ वटै प्रयोग गर्ने गर्भवति सुत्केरी		
४	जुकाको औषधी पाएका गर्भवति		
५	भिटामिन 'ए' पाएका ६ हप्ताभित्रका सुत्केरी		
६	आइरन चक्की पाएका ६ हप्ताभित्रका सुत्केरी		
७	मातृ तथा नवजात शिशुको मृत्यू		

श्रोत: नगरपालिका कार्यालय २०७७

५.८. पोषण सम्बन्धी विवरण :

कुनै पनि ठाउँको पोषणको अवस्था त्यस ठाउँका बालबालिकालाई हेरेर सजिलै अनुमान लगाउन सकिन्छ । पोषित बालबालिकालाई कुनै पनि ठाउँको सामाजिक तथा आर्थिक विकासको सूचकको रूपमा लिइन्छ । सरकारले पनि पोषणलाई प्राथमिकता दिई ५ वर्ष मूनीका बालबालिकालाई नियमित रूपमा बाल बृद्धि अनुगमन गर्दै आएको छ । बाल अधिकार सम्बन्धी महासन्धी १९८९ ले समेत बालबालिकालाई अवहेलना , वेवास्ता, हेलचेकाई, दूर्यवहार,हिंसा लगायतवाट जोगाई खाना र पोषणको अधिकार सुनिश्चित गनुपर्ने उल्लेख गरेको छ ।

स्वास्थ्य र पोषण मानव जीवनको पहिलो महत्वपूर्ण आवश्यकता भएको र स्वास्थ्य नागरिक विना राष्ट्रको अन्य विकास क्रियाकलापहरु प्रभावकारी हुन नसक्ने भएको हुदा जनस्वास्थ्यको अध्ययन योजना तर्जुमा प्रक्रियाको एउटा महत्वपूर्ण हिस्सा हुन आउछ । सप्तकोशीनगरपालिकामा राष्ट्रिय नीति तथा कार्यक्रममा आधारित भै बालस्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार स्वास्थ्य कार्यक्रम, सूचना सञ्चार कार्यक्रम, महामारी तथा रोग नियन्त्रण कार्यक्रम तथा क्षमता विकास सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन भइरहेका छन् । स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी काम गर्नका लागि राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय संघ संस्थाहरु समेत काडुरुत रहेको परिपेक्षमा नगरपालिकाले कार्यक्रम सञ्चालनका लागि गाउँ स्वास्थ्य सञ्जाल निर्माण गर्नुपर्ने देखिन्छ । बालबालिकाको पोषणलाई ध्यानमा राख्दै सरकारले विभिन्न पोषण सम्बन्धी कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्दै आएको छ । जसले बालबालिकामा देखिने कुपोषण जस्ता समस्यालाई कम पनि गर्दै आएको छ । नेपाल जनसांख्यिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-२०१६ को नतिजा अनुसार बालबालिकाको पोषणको अवस्थामा क्रमिक सुधार हुदै आएको देखिए पनि सन्तोषजनक नतिजा अबै पनि आउन नसकेको देखिन्छ । यसै सर्भेक्षणमा बालबालिकाको उचाइ र तौलको तुलना गरी उनीहरुको पोषणको स्थिति मापन गरिएको थियो । पुङ्कोपनाले दीर्घकालीन कुपोषणलाई इडिगत गर्दछ । नेपालमा ५ वर्ष मूनीका एक तिहाई भन्दा बढी करीव ३६% बालबालिकामा पुङ्कोपन वा उमेरअनुसार उचाइ नपुगी पुङ्को (कतगलतप्लन) भएको पाइएको छ । शहरी क्षेत्रमा (३२%) को तुलनामा ग्रामिण क्षेत्रमा (४०%) बालबालिकाहरुमा पुङ्कोपना बढी पाइएको छ । समग्रमा १०% बालबालिकाहरुको उचाई अनुरूप तौल नबढी ख्याउटे (थिबकतभम) भएको पाइएको छ । जुन दीर्घकालिन कुपोषणको लक्षण हो । यसका अतिरिक्त २७% बालबालिकाहरु उमेरअनुसार कम तौल भएको पाइएको छ । नेपालमा सन १९९६ देखि यता बालबालिकाहरुको पोषणको स्थितीमा सुधार भएको देखिन्छ । सन १९९६ मा आधा भन्दा बढी ५७% बच्चाहरु ख्याउटे

थिए भने सन २०१६ मा ३६% मा भरेको छ । वर्तमान समयमा सप्तकोशी नगरपालिकामा पोषणको अवस्था निम्नानुसार रहेको देखिन्छ ।

तालिका न.११० :विगत ३ वर्षमा पोषणको अवस्था

क्र.स.	सूचकांकहरू	आ.व.०७३/०७४ संख्या	आ.व.०७४/०७५ संख्या	आ.व.०७५/०७६ संख्या
१	५ वर्ष मुनिको वृद्धि अनुगमन(पटक)			
२	गर्भवति महिलाको लागी आइरन चक्की वितरण (जना)			
३	१८० आइरन चक्की पाएका गर्भवतिको संख्या			
४	गर्भवति महिलाले पाएको जुकाको संख्या (जना)			
५	भीटाविन 'ए' पाएका सुत्केरी महिलाहरुको संख्या			
६	६ महिनादेखि ५ वर्ष सम्मका बच्चालाई खुवाएको भीटाविन 'ए' (जना)			

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

५.९. खानेपानी तथा सरसफाई :

यस शिर्षक अन्तर्गत सप्तकोशीनगरपालिकाका सबै वडामा यस सर्भेक्षणको दौरानमा खानेपानी, शौचालय र सरसफाई सम्बन्धी भएका अभ्यास र प्राप्त भएका तथ्यांकहरुको बारेमा विश्लेषण गरीएको छ ।

५.९.१ खानेपानी :

नेपालको एक अध्ययनको रिपोर्टमा उल्लेख भए अनुसार ९५ प्रतिशत घरपरिवार सुरक्षित खानेपानीको पहुचमा पुगेको उल्लेख गरेको छ । यसरी हेर्दा केही हदसम्म नेपालीहरुको स्वच्छ खानेपानी खान पाउने नैसर्गिक अधिकार प्राप्त गरेको देखिन्छ । तर नेपालको सबै भागमा यस्तो खानेपानीको सुरक्षित पहुच र व्यवस्था हुन सकेको छैन । तराइमा ट्युबेलको पानी , पहाड र हिमाली जिल्लामा अस्थायी पाइप जोडेको पानी स्वास्थ्यकर भए नभएको परीक्षण नगरिकन स्वास्थ्यकर मान्ने कि नमान्ने भन्ने प्रश्न छ । तराइमा ट्युबेलको पानीको स्रोत जमिन मूनी भए पनि खान योग्य आर्सेनिक परीक्षण नगरि भन्न सकिन्न तर माथीका जस्ता अध्ययनले यस्ता ट्युबेलको पानीलाइ समेत सुरक्षित मानेको देखिन्छ । यसैगरी पहाड तथा हिमाली भेगमा अस्थायी पाइप जोडेका पानीको स्रोत त्यसको मुहान कति सुरक्षित छ, त्यसको अध्ययन नै नगरि सुरक्षित पानी छ भन्नु स्वास्थ्यका दृष्टिकोणवाट राम्रो होइन । तर अन्य विकल्प नभएसम्म मानिसहरुले यस्तो पानी खान बाध्य हुने गर्दछन् । पानीको जस्तोसुकै स्रोत प्रयोग गरेतापनि पिउने पानी पूर्ण रुपमा शुद्ध र पिउन योग्य भएको यकिन गर्न शुद्धिकरणका उपायहरु अवलम्बन गर्नुपर्ने देखिन्छ । यसो गर्दा पानीजन्य रोगहरुवाट बच्न सकिन्छ ।

यस सप्तकोशी नगरपालिकामा पनि मुख्यरुपमा ट्युबेल बोरिङ्गको पानीमा आश्रित भएको देखिन्छ । यस नगरपालिकामा खानेपानी पाइप द्वारा वितरण गरिएको वडा न.१ नम्बरमा देखिन्छ भने अन्य वडाहरुमा ट्युबेल बोरिङ्गकै पानीमा बढीजसो घरपरिवारहरु आश्रित रहेका छन् । जसलाई वडागत रुपमा देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

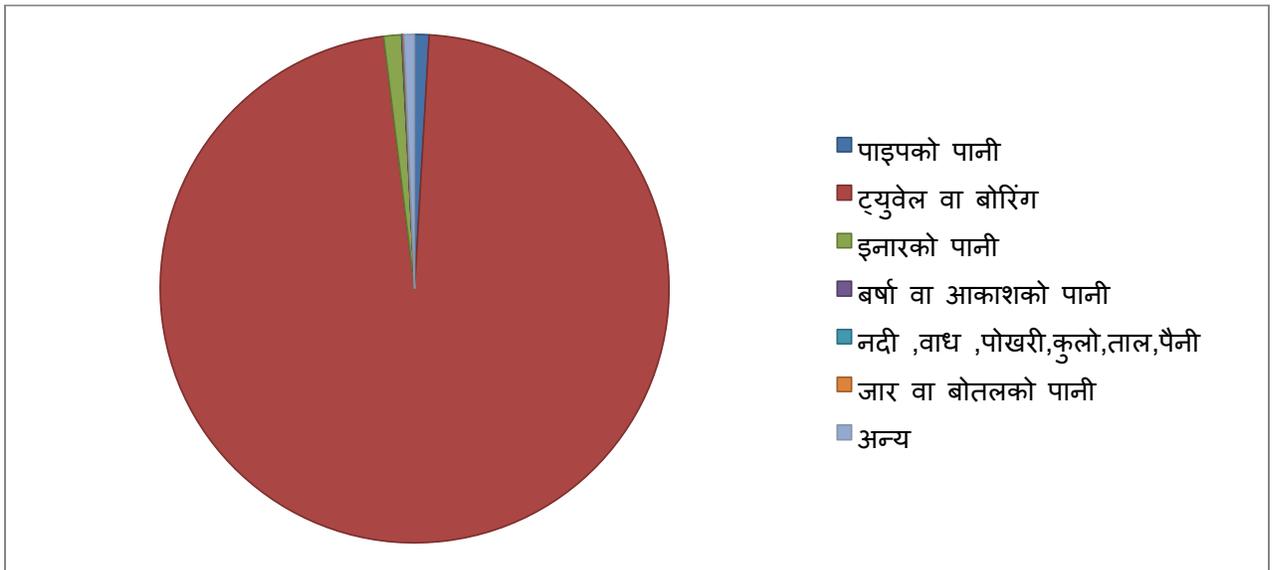
तालिका न.१११ : वडाअनुसार खानेपानी स्रोतको वर्गिकरण विवरण

वडा .न	मूख्य खानेपानीको स्रोत							
	पाइपको पानी	ट्युबेल वा बोरिङ्ग	इनारको पानी	बर्षा वा आकाश वाट परेको पानी	नदीवाध,पोखरी,कुलो,ताल,पैनी	जार वा बोतलको पानी	अन्य	जम्मा
१	२३	१०६३	४	०	२	४	०	१०९६
२	८	५२५	३५	१	०	०	०	५६९
३	०	३१४	०	०	०	०	३	३१७
४	२	४७२	५	०	०	०	०	४७९
५	१	२९२	०	०	०	०	२८	३२१
६	६	३३४	०	०	०	०	०	३४०
७	२	३०९	०	०	०	०	०	३११
८	१	३९२	०	०	०	०	०	३९३
९	२	३७४	०	०	०	०	०	३७६
१०	१	४५८	०	०	०	०	३	४६२
११	०	३५६	१३	०	०	०	०	३६९
जम्मा	४६	४८८९	५७	१	२	४	३४	५०३३

स्रोत: पाश्चिमी २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा अधिकांश वडाहरुमा व्यवस्थित खानेपानी स्रोतको अभाव देखिन्छ । यस क्षेत्रका बासिन्दाले शुद्ध खानेपानीको स्रोत ट्युबेल/इनारको पानीलाई मानेको देखिन्छ । इनारको पानी पनि यस नगरपालिकामा प्रयोग गरेको देखिन्छ । केहि केहि घर परिवार जुन शहरी क्षेत्रमा बसोवास गर्दछन् उनीहरु घरायसी प्रयोग गरेपनि खानाका लागि जार बोतलको पानी नै प्रयोग गर्ने गरेको पनि बताएका थिए । यसलाई वृत्त चित्रमा देहाय अनुसार प्रतिशतमा देखाइएको छ ।

वृत्त चित्र न. ४७ : खानेपानीको मूख्य स्रोतको आधारमा घरधूरी विवरण



स्रोत: पाश्चिमी २०७६/२०७७

५.९.२. खानेपानी सुरक्षित बनाउने घरपरिवार सम्बन्धी विवरण :

यस अध्ययनका क्रममा सप्तकोशी नगरपालिकाका सबै वडाहरु का घरधूरी मा खानेपानीलाई सुरक्षित बनाउने अभ्यास कति घरपरिवारले गर्दा रहेछन् भनेर तथ्यांक संकलन गरिएको थियो । सुरक्षित खानेपानी स्वास्थ्यको दृष्टिकोणबाट

सवैभन्दा पहिलो चरणमै हेरीने सूचांक भएका कारणले गर्दा यहा स्रोतको सुरक्षा र माध्यमको सुरक्षा दुवैलाई महत्वका साथ हेर्नुपर्ने हुन्छ । पहिलो त खानेपानी लाई सुरक्षित श्रोतबाट थापेर ल्याउने र त्यसलाई सुरक्षित ढंगबाट छोपेर राख्ने हो भने , दोश्रो जुन वस्तु वा भाडामा राखेर त्यसलाई प्रयोग गरिन्छ त्यो पनि सुरक्षित हुनुपर्दछ भन्ने मान्यता रहेको देखिन्छ । त्यसैले यस गाउँपालिकामा कति घरधूरी र परिवारले पानी थापेर ल्याएपछि पानी शुद्धिकरण गर्दछन् भन्ने तथ्यांक प्रस्तुत गरिएको छ ।

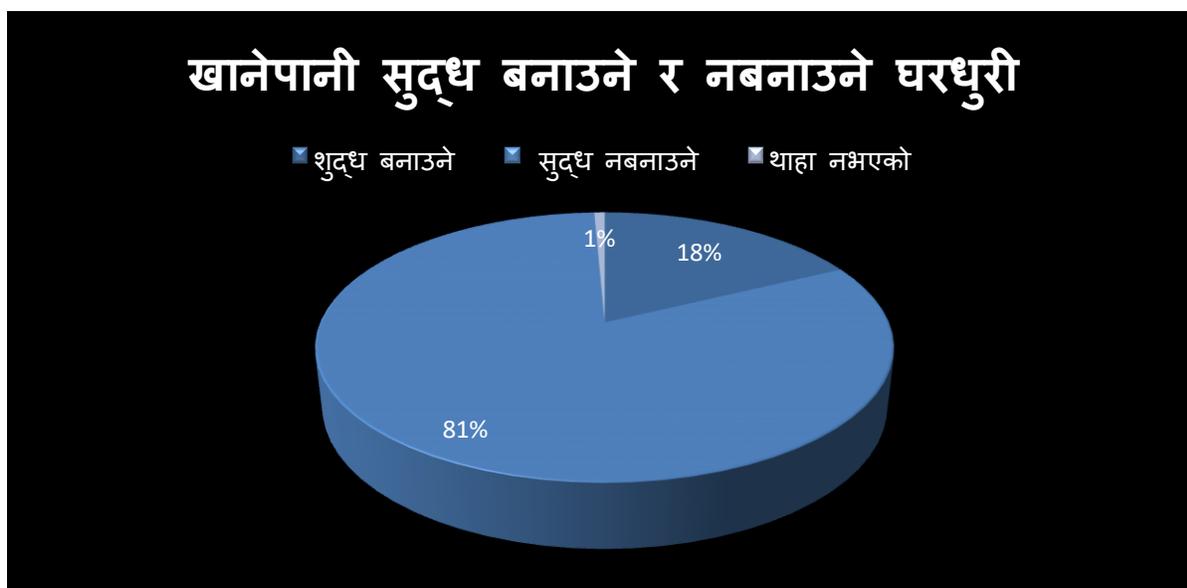
तालिका न.११२ :खानेपानी शुद्ध बनाउने घरधूरी विवरण

वडा न.	सुरक्षित बनाउने	सुरक्षित नबनाउने	थाहा नभएको	जम्मा
१	२३७	८५७	२	१०९६
२	४९	५०८	१२	५६९
३	१०७	२१०	०	३१७
४	६१	४१५	३	४७९
५	५७	२५५	९	३२१
६	७२	२६८	०	३४०
७	८	२९६	७	३११
८	१०	३८३	०	३९३
९	१२१	२५४	१	३७६
१०	३३	४२८	१	४६२
११	१३९	२३०	०	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकाअनुसार यस नगरपालिकामा खानेपानीलाई शुद्धिकरण गर्नुपर्छ जुन रुपमा पानी थापेर ल्यायो त्यहि रुपमा खान हुदैन भन्ने चेतनाको स्तर अझ पनि विकास भएको देखिदैन । यहा खानेपानी शुद्ध बनाउने घरधूरी भन्दा नबनाउने घरधूरी बढी रहेको तथ्यांकबाट देखिन्छ । यसलाई प्रतिशतको आधारमा हेर्दा निम्नानुसारको वृत्त चित्र बाट प्रष्ट हुन्छ ।

वृत्त चित्र न.४८ :खानेपानी शुद्ध बनाउने र नबनाउने घरधूरी



श्रोत:

पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

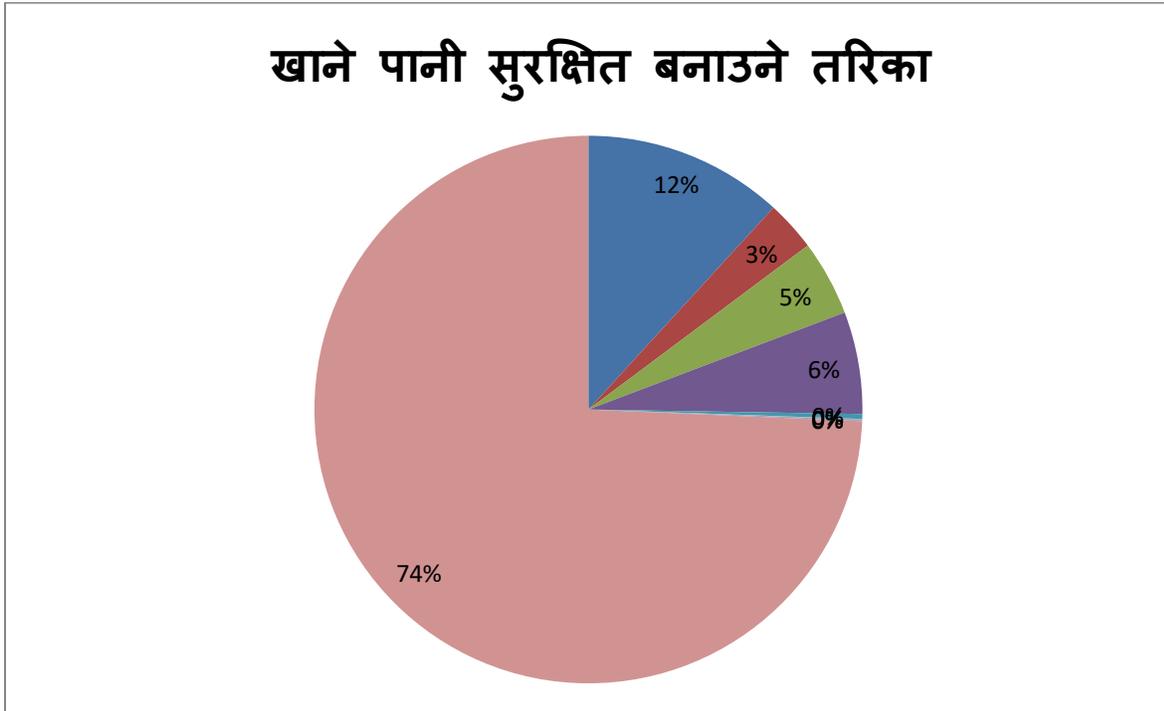
५.९.३. खानेपानी सुरक्षित बनाउने तरिका सम्बन्धी विवरण :

खानेपानीलाई विभिन्न चरणमा सुरक्षित बनाउन सकिन्छ । यसरी चरणबद्ध रूपमा सुरक्षित र शुद्ध बनाएपछि मात्र पानी पिउनु स्वास्थ्यका दृष्टिकोणले लाभदायक मानिन्छ । मुल वा श्रोतवाट लिइएको पानीलाई सुरक्षित बनाउन फरक परिवारहरूले फरक-फरक तौर तरिकाहरू अपनाउने गर्दछन् । कसैले फिल्टरको प्रयोग गर्छन भने कसैले कपडाले छान्न त कसैले थापेर ल्याएको पानीलाई थिग्राउने गर्दछन् । यि विभिन्न माध्यम मध्ये कुन बढी लाभदायक र पिउन सुरक्षित छ भने विषय भन्दा पनि केही सुरक्षित हुने तौर तरिका अपनाएका कारण त्यस्ता परिवारलाई अझ राम्रा माध्यमहरू संप्रेषण गर्न सकिन्छ । यस सप्तकोशी नगरपालिकामा खानेपानीलाई कस्तो रूपवाट शुद्धिकरण गरिन्छ भन्ने बारेमा पनि तथ्यांक संकलन गरिएको थियो जसलाई देहायको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.११३ : खानेपानी सुरक्षित बनाउने तरिका सम्बन्धी विवरण

वार्ड नं	उमाल्ने	ब्लिचीङ्ग, क्लोरिन, पियुस, वा वाटर गार्डको प्रयोग गर्न	कपडा मा छात्रे	पानी छात्रेफिल्टरको प्रयोग गढ सेरामिक, बालुवा, गिट्टी फिल्टरण	थिग्रिन दिने	अन्य	थाहा छैन	केही नगर्ने
१	१६९	१०	७६	९३	०	०	०	८६४
२	४६	११	२	१	०	०	०	५०८
३	८५	२	१८	९	७	०	३	२१०
४	३५	०	८	२८	०	०	०	४२३
५	१९	०	२	३८	१	०	०	२५५
६	५२	२९	११	५२	१	०	०	२६८
७	१	०	०	७	०	०	०	२९६
८	३	०	०	७	०	०	०	३८३
९	८३	१०७	११६	८४	६	०	१	२५४
१०	२९	२	०	१	१	१	१	४२८
११	१३२	४	१४	१४	०	०	१	२३०

माथीको तालिकालाई प्रतिशतको आधारमा निम्न वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरिएको छ ।



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

५.१०. फोहोरमैला व्यवस्थापन :

नगरपालिकालाई सधैं सफा राखि वातावरणमैत्री घर, टोल, बस्ति र समाज बनाउने हेतुले राष्ट्रिय सरसफाइ अभियानलाई यस नगरपालिकाका केहि वडाहरुमा नागरिक मञ्च, नागरिक सचेतना केन्द्र, टोल विकाश संस्था, टोल सूधार समाज र विपद व्यवस्थापन समितिको अगुवाई र सहकार्यमा कहिले कहि वडा र टोल स्तरमा काम भएको पाइन्छ । शहरीकरणको धेरै प्रभाव नपरेको यस नगरपालिकाका केही वडाहरुमा अभैपनि स्वच्छ हावापानीको र प्राकृतिक वातावरणको अनुभव गर्न सकिन्छ । तर पनि यहाका ४ वटा वडाहरु शहर उन्मुख जीवनशैली बसोवास र रहन सहनमा अग्रसर भएको देखिन थालेको छ । दैनिक रुपमा घरवाट निस्कने फोहोरलाई आजैदेखि उचित व्यवस्थापन गर्न समिएको खण्डमा भविष्यमा पर्ने दूरगामी असरलाई न्यूनिकरण गर्न सकिन्छ । जसले नगरवासीहरुको स्वस्थ जीवन जिउन मदत गर्दछ । यस विषयमा नगरपालिकाले विशेष प्राथमिकताका साथ काम गनुपर्ने देखिन्छ ।

फोहोरमैला व्यवस्थापन आज भोली अत्यन्त जटिल हुदै गएको एउटा महत्वपूर्ण समस्या हो । शहरउन्मुख नगरपालिकाहरुका लागि यो एउटा ठूलो समस्याका रुपमा खडा भएको पाइन्छ । हाम्रो नेपालमा फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्न नसक्दा विभिन्न प्रकारका रोग व्याधीहरु जनमानसमा देखापर्ने गरेका यथेष्ट उदाहरणहरु छन् । फोहोरमैला व्यवस्थापनमा जनमानसमा चेतनाको मात्र विकास गर्न सकेको खण्डमा यस क्षेत्रमा भइ रहेको हालको फोहोरमैला सम्बन्धी लगानी र व्यवस्थापन आधाभन्दा बढी आफै हल भएर जान्छ । फोहोरमैला कहाँ, कसरी विसर्जन गर्ने भन्ने एउटा ठूलो समस्या देखिन्छ । घरवाट निस्कने सड्ने फोहोर र नसड्ने फोहोरको अवस्था कस्तो छ भनेर यस अध्ययनमा हेरिएको थियो । जसमा कति घरभूरीले फोहोरको व्यवस्थापन गर्न प्रारम्भिक चरणमा फोहोर छुट्याउने कार्य कसरी भएको छ भनेर देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरीएको छ ।

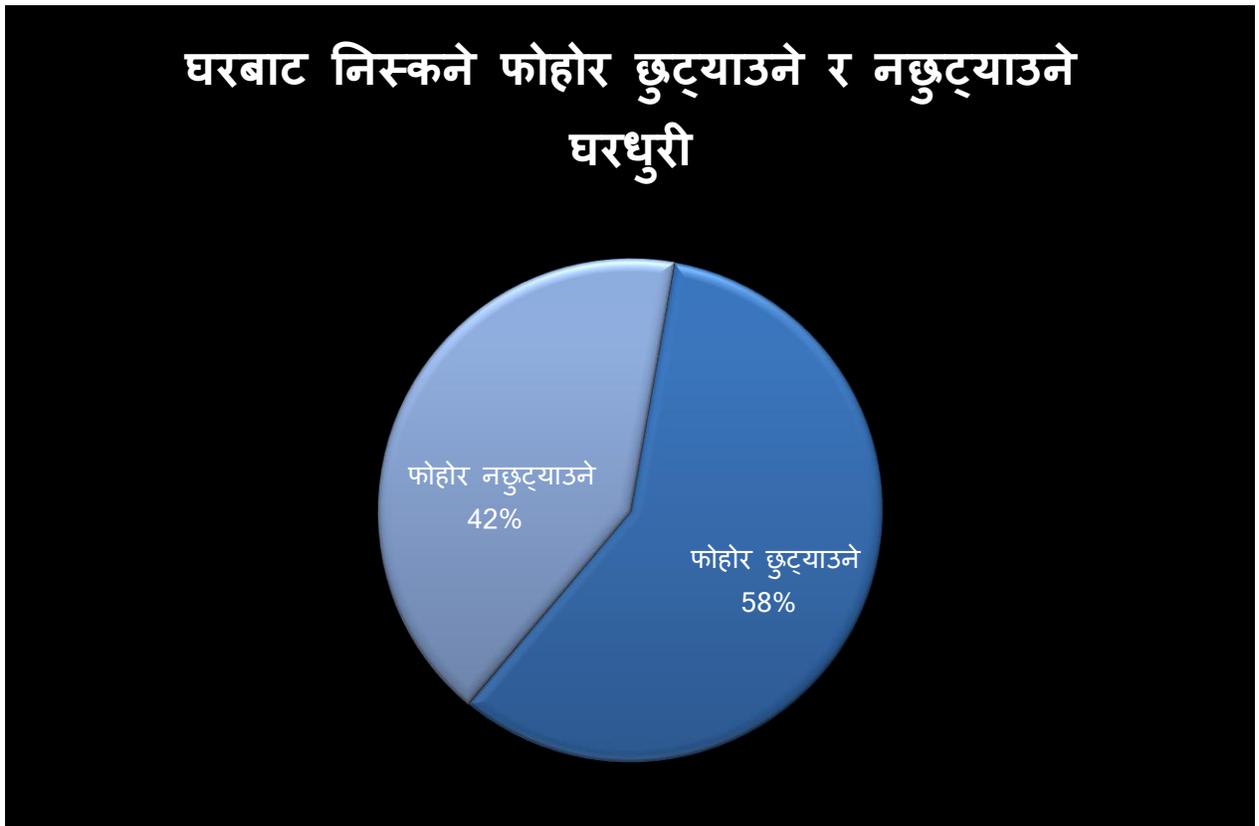
तालिका न.११४ :घरबाट निस्कने फोहोरलाई छुट्याउने र नछुट्याउने घरधूरी

वडा न.	फोहोर छुट्याउने	फोहोर नछुट्याउने	जम्मा
१	७०७	३८९	१०९६
२	५२१	४८	५६९
३	१९०	१२७	३१७
४	३०८	१७१	४७९
५	१२९	१९२	३२१
६	१४९	१९१	३४०
७	१९०	१२१	३११
८	१०१	२९२	३९३
९	१९०	१८६	३७६
१०	२६८	१९४	४६२
११	१८१	१८८	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकालाई प्रतिशतको आधारमा हेर्दा फोहोरको व्यवस्थापन मा निम्नानुसारको अवस्था देखिन्छ ।

वृत्त चित्र न.५० :फोहोरको प्रकार अनुसार सड्ने र नसड्नेगरी छुट्याउने घरधूरी प्रतिशत



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

५.१०.१. घरबाट निस्कने फोहोरको व्यवस्थापन :

शहरीकृत वडाहरुका रुपमा रुपान्तरण भैरहेको अवस्थामा यस सप्तकोशी नगरपालिकाको क्षेत्रहरु पनि फोहोरमैला व्यवस्थापनको क्षेत्रमा अवस्था विग्रिहाल्ने रुपमा चैं होइन तर भोलीका दिनमा समस्या आउन नदिनु अगावै केहि कामहरु गर्नु जरुरी देखिन्छ । मानिसहरुको फोहोरमैला प्रतिको चेतनाको स्तरमा सूधार ल्याउनु आवश्यक देखिन्छ ।

फोहोरलाई मोहोरमा परिवर्तन गर्ने विभिन्न तरिकाहरु पनि केही छिमेकी जिल्लामा लागु गर्ने अवस्थता छ । यस नगरपालिकाले पनि घरवाट निस्कने फोहोरमैला तथा शहर हाट बजार, पसल, उद्योग, कल कारखाना वाट निस्कने फोहोरको उचित व्यवस्थापनमा जोडदिनु जरुरी छ । यस स्थलगत अध्ययनका क्रममा घरधूरी सर्भेक्षण गर्दा फोहोरको व्यवस्थापन कसरी गर्नुहुन्छ भनी सोधिएको थियो । उहाहरुवाट आएको उत्तरलाई निम्न तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

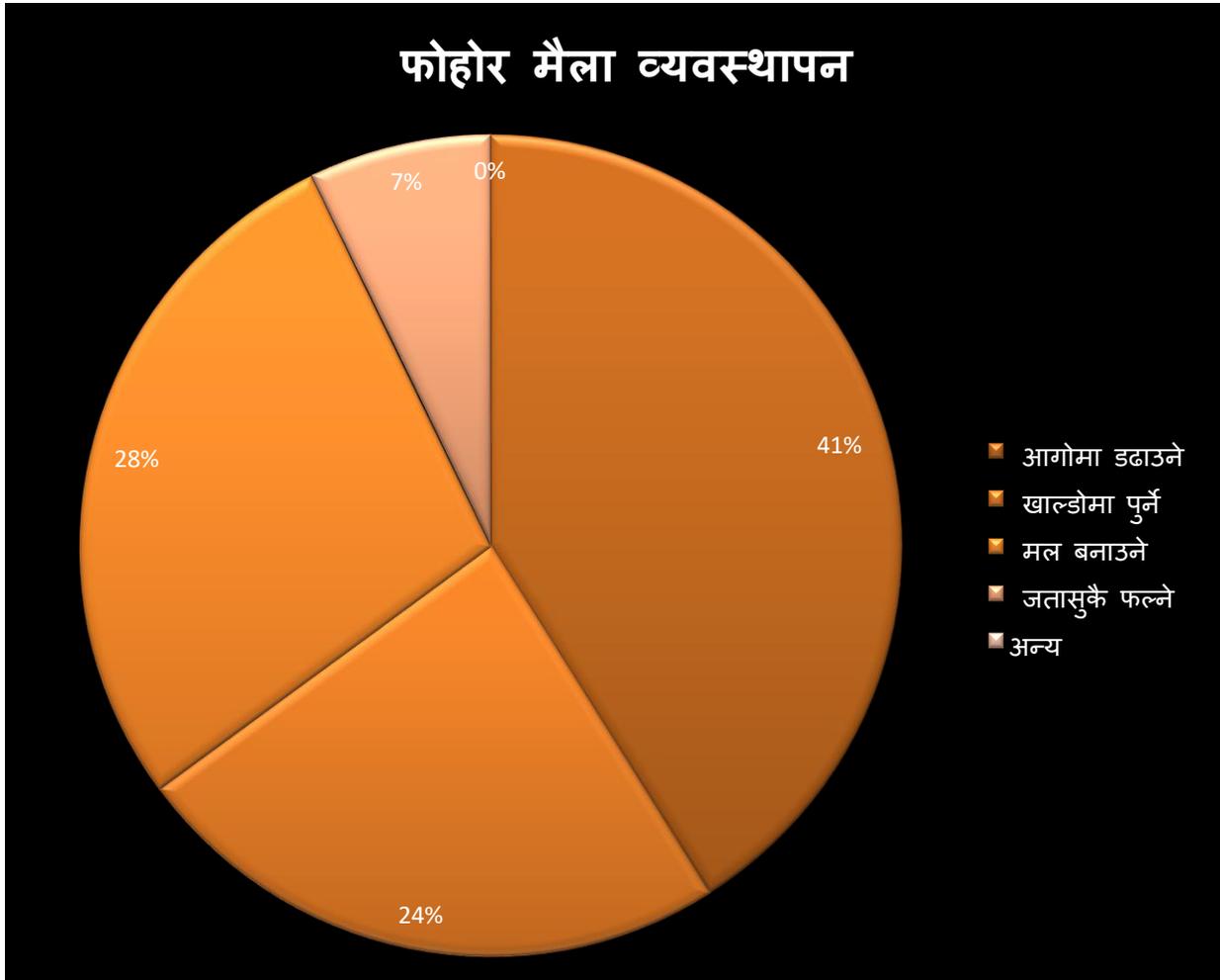
तालिका न.११५ : घरवाट निस्कने फोहोरको व्यवस्थापन सम्बन्धी विवरण

वडा न.	आगोमा डढाउने	खाल्डोमा पुर्ने	मल बनाउने	जतासुकै फाल्ने	अन्य
१	९०४	५२८	६३१	३९	१
२	५५९	५४८	४८७	१५	०
३	११८	६७	१६८	६१	०
४	४१०	१४६	३२७	३२	०
५	२८२	९४	१०७	१३	०
६	३३९	१६८	१७८	१८६	०
७	३०४	१५६	१२३	२५	०
८	१७५	६६	१०१	१७०	०
९	२५३	१५०	१८४	१९	०
१०	४३३	२०३	२५३	४५	०
११	३१०	२५०	२२४	१०८	०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

फोहोरमैला व्यवस्थापन एउटा चुनौति पूर्ण कार्य हो । वडा अनुसार माथीको तालिकामा घरधूरीको आफ्नो घरवाट निस्किएको फोहोरको व्यवस्थापन सम्बन्धी विवरण छ तर जतासुकै फाल्ने अन्य शिर्षकमा नदी खोला, पैनी र नहरमा बगाउने भन्ने उत्तर पनि आएको देखिएकोले यो पनि अव्यवस्थित फोहोरको व्यवस्थापन भित्र पर्ने गर्दछ । यसलाई प्रतिशतको आधारमा देहाय अनुसार वृत्त चित्रमा देखाउन सकिन्छ ।

वृत्त चित्र न.५१ :फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी प्रतिशत सहितको विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

५.१०.२ खुल्ला दिशामुक्त क्षेत्र र शौचालयको व्यवस्थापन:

देशका कतिपय भागहरूमा सामूदायिक स्वास्थ्यका दृष्टिले हानीकारक खुल्लारूपमा दिशापिसाव गर्ने प्रवृत्ति रहेको छ । यो मानव सभ्यता र व्यक्तिगत स्वास्थ्यका हिसाबले समेत अवाञ्छित कार्य हो । तर हालका वर्षहरूमा सञ्चार माध्यमको सकारात्मक भूमिका, शिक्षाको विकाश र विस्तारले आम जनसमूदायहरूले खुल्ला दिशामुक्त क्षेत्र घोषणा गर्ने काम पनि गर्दै आएका छन् । हाल पछिल्लो समयमा विभिन्न संघ, संस्था, नेपाल सरकारको साथै नागरिक समाजको सक्रिय पहलमा सञ्चालन भएको “ एक घर एक चर्पी कार्यक्रम ”, खुल्ला दिशामुक्त क्षेत्र कार्यक्रम लगायत जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरूले नगरपालिकामा शौचालय प्रयोगको अवस्था बढेको देखिन्छ । सप्तकोशी नगरपालिकामा पनि विकाशका खुड्किलोमा उक्लदै गर्दा केही वडाहरू शहरीकृत वडामा रुपान्तरण भइरहेको अवस्थामा अझ पनि केही घरपरिवार खुल्ला दिशा पिसाव गरीरहेको अवस्था यस अध्ययनको क्रममा पाइएको थियो । यस अध्ययनमा नगरपालिकाको शौचालयको अवस्थालाई निम्न तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न. ११६ : वडा अनुसार घरपरिवारले प्रयोग गर्ने चर्पीको प्रकार

वार्ड	चर्पीको प्रकार							
	फलस चर्पी	खाल्डेचर्पी	हावादारीवा सुधारियको खाल्डे चर्पी	बस्नेठाउँ स्ल्यव भएको खाल्डे चर्पी	बस्नेठाउँ स्ल्यव नभएको वा खुल्ला, खाल्डे चर्पी	दिशाकम्पो ष्ट हुने चर्पी	चर्पीछैन, झाडी वा खेतमा जाने	अन्य
१	४५१	३१	३२०	२३०	९	५४	१	०
२	२	४	५६२	१	०	०	०	०
३	९७	६६	३६	९०	५	१२	११	०
४	३२९	६	६८	०	१	६३	५	७
५	१४१	१२१	४७	१	०	०	१०	१
६	१८४	१२	९२	१२	२	०	३८	०
७	२८३	३	१०	६	०	०	९	०
८	३११	१९	३९	२	०	०	१७	५
९	३०८	११	१९	२	०	११	२४	१
१०	२७८	९९	१५	२१	३	०	४५	१
११	२८२	१८	१	२	२४	१	४१	०

श्रोत: पाश्चिचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार सप्तकोशी नगरपालिका मा खुल्लारुपका खाल्डे चर्पीहरुको संख्या अभैपनि उल्लेख्य रुपमा रहेको देखिन्छ । जुन स्वास्थ्यको दृष्टिकोणवाट हेर्ने हो भने सुरक्षित शौचालय मान्न सकिदैन । यसैगरी यहा ४.१७ प्रतिशत घरधूरी शौचालय विहिन देखिन्छन् । खुल्ला दिशामूक्त क्षेत्र घोषणा भएपनि कुनै घरपरिवार शौचालय बनाउने क्रममा रहेको र कसैको घर छुट्टिटएको कारणले, अंशवण्डा भएको कारणले शौचालय आफ्नो नभएको बताएका थिए ।

५.११. महिला तथा बालबालिका:

कूल जनसंख्याको आधाभन्दा बढी हिस्सा ओगटेका महिलाहरु अभैपनि देश विकाशको मूल प्रवाहमा उल्लेखनिय रुपमा आउन सकेका छैनन् । महिला सहभागिता, सशक्तिकरण तथा विभिन्न कार्यक्रमहरु पछिल्लो समयमा हुदै आएपनि समान सहभागिता र लैङ्गिक समतम भने कायम हुन सकिरहेको देखिदैन । यसको कारण समाजमा समाजमा व्याप्त असमान शक्ति सम्बन्ध, पितृसत्तात्मक सोच तथा सामाजिक संरचना आदी रहेका छन् । जसको फलस्वरुप महिलाहरु आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक र शैक्षिक रुपमा अभै पनि तुलनात्मक रुपमा पछाडी परेको देखिन्छ ।

विकाशमा महिलाहरुको समानूपातिक र सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित गर्न उनीहरुको आर्थिक र सामाजिक जीवनस्तर अभिवृद्धि गर्ने उद्देश्यका साथ अभियानका रुपमा २०३९/४० सालवाट ५ वटा जिल्ला (सुर्खेत, तनहु, स्याङ्जा, धादिङ्ग, नवलपरासी) वाट सुरु भएको महिला विकाश कार्यक्रम हाल ७७ वटै जिल्लाहरुमा विस्तार भएको छ । महिला विकाश कार्यक्रम महिला विकाश र सशक्तिकरणको लागी एउटा महत्वपूर्ण प्रयास हो । ग्रामिण तथा विपन्न महिलाहरुलाई समूह, समिति, संस्थामा संगठीत गरराई जनचेतना अभिवृद्धि अभिवृद्धि, क्षमतम विकाश गरी सामाजिक तथा आर्थिक रुपमा सशक्त बनाउन, सामाजिक विभेद र लैङ्गिक हिंसा विरुद्ध जागरुकता बढाउन यस कार्यक्रमले प्रमूख भूमिका निर्वाह गर्दै आइरहेको छ ।

महिला हक अधिकार सशक्तिकरणका लागी विभिन्न गैर सरकारी संघ संस्था ताथ सरकारी निकायवाट कामहरु सशक्त रुपमा नै भइरहेको छ । अझ नेपालको संविधानको भाग ३ को धारा ३८ ले निम्नानुसार का महिला हक लाई सुनिश्चित गरेको छ ।

- प्रत्येक महिलालाई लैङ्गिक भेदभाव विना समान वंशिय हक हुनेछ ।
- प्रत्येक महिलालाई सुरक्षित मातृत्व र प्रजनन स्वास्थ्य सम्बन्धी हक हुनेछ ।
- महिला विरुद्ध सामाजिक, धार्मिक, साँस्कृतिक परम्परा, प्रचलन वा अन्य कुनै आधारमा शारीरिक, मानसिक, यौनजन्य, मनोवैज्ञानिक वा अन्य कुनै पनि किसिमको हिंसाजन्य कार्य वा शोषण गरिने छैन। यस्तो कार्य कानून बमोजिम दण्डनिय हुनेछ र पिडीतलाई कानून बमोजिम क्षतिपूर्ति पाउने हक हुनेछ ।
- राज्यका सबै निकायमा महिलालाई समानूपातिक समावेशी सिद्धान्तको आधारमा सहभागी हुने हक हुनेछ ।
- महिलालाई शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षामा सकारात्मक विभेदका आधारमा विशेष अवसर प्राप्त गर्ने हक हुनेछ ।
- सम्पत्ति तथा पारिवारीक मामिलामा दम्पतिको समान हुनेछ ।

विशेषगरी गर्भवति महिलाहरूको निशुल्क वा न्यूनतम शुल्कमा स्वास्थ्य परीक्षण गर्न तथा महिलाहरूमा देखिने स्तन र पाठेघर क्यान्सरको अग्रिम पहिचान तथा न्यूनिकरणका लागि विशेष पहल गनुपर्ने देखिन्छ । जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यलय एवं अन्य सम्बद्ध स्वास्थ्य संस्थासँग समन्वय गरी मातृशिशु स्वास्थ्य तथा क्षयरोग नियन्त्रणका क्षेत्रमा कार्यरत स्वास्थ्यकर्मीहरूका लागि स्थायित्व, वृत्ति विकास तथा पूर्णताजगी जस्ता कार्यक्रमलाई महिलाहरूका लागि लघु उद्यम व्यवसाय तालिम प्रदान गरी उद्यम व्यवसाय मार्फत आर्थिक रूपमा सफल बनाउनुपर्ने देखिन्छ । आर्थिक, सामाजिक, साँस्कृतिक, तथा शैक्षिक सशक्तिकरण गर्दै गाउँविकासमा महिलाहरूको समान सहभागिता गराउन अभ्येपिन थप प्रोत्साहन गर्नुपर्ने देखिन्छ । सामाजिक क्षेत्रमा उदाहरणिय काम गर्ने आमा समूह, टोल विकाश संस्था, महिला समन्वय समिति तथा महिला सम्बन्धी संघ संस्थालाई संस्थागत विकाशका लागि विभिन्न कार्यक्रम सञ्चालन गर्नुपर्दछ । जसको विवरण तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका न.११७ : महिला हिंसा सम्बन्धी विवरण

क्र.स	विवरण	संख्या	कैफियत
१	घरेलु हिंसा बाट पिडित		
२	सौता रहेको र भगडा भएको संख्या		
३	बेचबिखनमा परेको		
४	श्रीमान बाट पिडीत पिटीएको		
५	द्वन्द्वबाट पिडीत		
६	सामाजिक कुरिती लगाइएको		यौन हिंसा समेत

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

५.११.१. पारिवारीक संरचनामा महिला :

सप्तकोशी नगरपालिकाको जनसांख्यिक वनावटलाई हेर्दा हाल यहा स्थाइरूपमा बसोवास गर्ने घरपरिवारका सदस्यहरु सँग सम्बन्धीत भै तथ्यांक हेर्ने हो भने सरदर यहाको परिवारको आकार ४.६४ प्रति घरधूरी आकार रहेको देखिन्छ । कूल घरधूरी ५०३३ रहेको यस नगरपालिकामा घरमूलि संख्या मध्ये महिला ९१५, पुरुष ४११६ र तेश्रो लिङ्गी २ जना रहेको देखिन्छ । यस संरचना सम्बन्धी थप विवरण देहायको तालिमकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

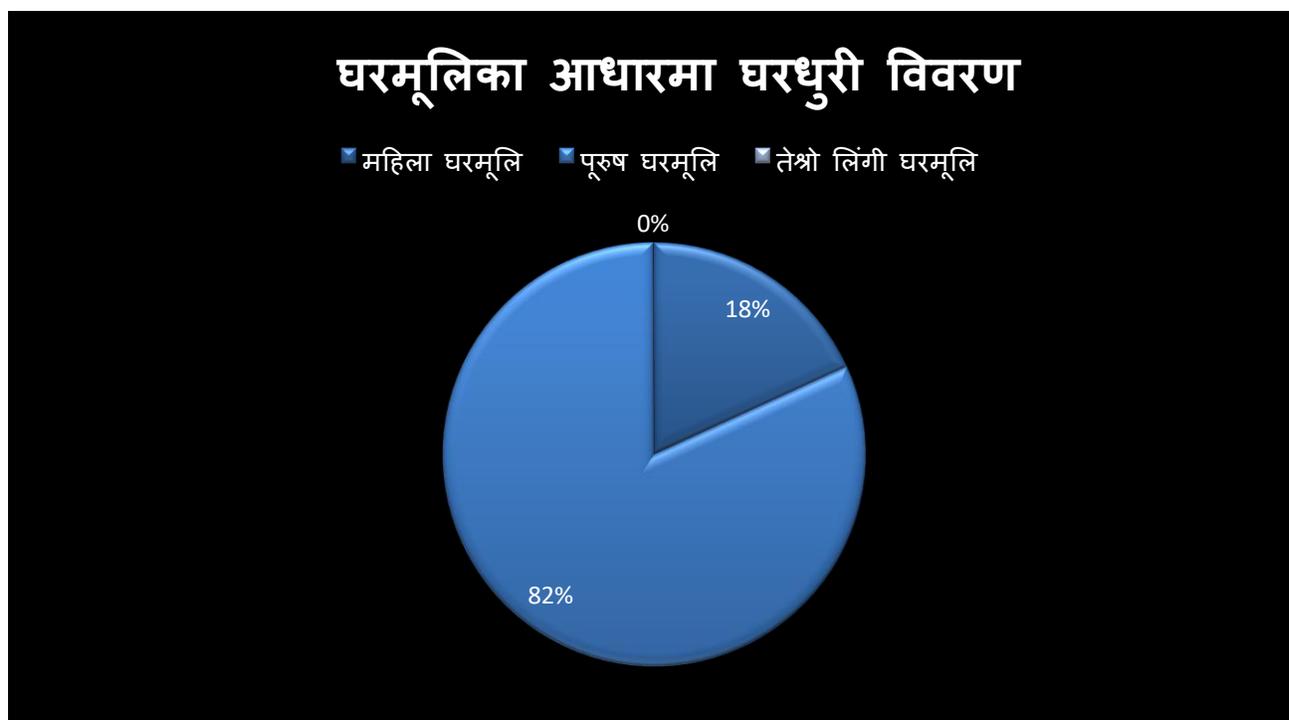
तालिका न११८ : वडाअनुसार घरमूलिको वनावट र महिला घरमूलि विवरण

वडा नं.	घरमूलि अनुसार घरधुरी			जम्मा
	महिला	पुरुष	ते.ली	
१	२१८	८७८	०	१०९६
२	११७	४५२	०	५६९
३	६५	२५२	०	३१७
४	७६	४०३	०	४७९
५	४३	२७८	०	३२१
६	११६	२२४	०	३४०
७	८५	२२६	०	३११
८	७५	३१८	०	३९३
९	३९	३३७	०	३७६
१०	४२	४१९	१	४६२
११	३९	३२९	१	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार यस तथ्यांकमा अस्थाई बसाइ गरेको जनसंख्यालाई समेटिएको छैन । हाल यस नगरपालिकामा वास्तविक रूपमा ४.६४ प्रति घरधुरी परिवार सदस्यहरु बसोवास गर्ने देखिन्छ । यसैगरी घरमूली महिला प्रमुख भएकाको घरको संख्या ९१५ देखिन्छ । १८.१८ प्रतिशत घरमा निर्णय गर्ने प्रक्रियामा महिलाको प्रमुख भूमिका रहेको देखिन्छ । यसलाई प्रतिशतको आधारमा विभाजन गर्दा देहाय अनुसारको वृत्त चित्रवाट प्रष्ट पार्न सकिन्छ ।

वृत्त चित्र न.५२ : घरमूलिको आधारमा घरधुरी विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

५.११.२. बालबालिका सम्बन्धी विवरण:

अन्तराष्ट्रिय स्तरमा १८ बर्ष भन्दा बढी मूनीका बालबालिकालाई बालक/बालिका भनिन्छ भने नेपालको बालबालिका सम्बन्धी ऐन २०४८ ले १६ बर्ष भन्दा मूनीक सम्पूर्ण बालबालिका हुन् भनेर पभिषित गरेको छ । बालबालिका भविष्यका कर्णदार हुन, बालबालिका साभ्ना भविष्य हुन् र उनीहरूको स्वतन्त्रता, अधिकार, संरक्षण, विकाश र जीवनस्तर सुधारका लागि सामूहिक प्रतिबद्धता र साभ्ना प्रयास आवश्यक छ भन्ने कुरा महसुस गरी संयुक्त राष्ट्रसंघले सन १९८९ नोभेम्बरमा बाल अधिकार सम्बन्धी महासन्धी पनरित गरेपछि हरेक बर्ष नोभेम्बर २० का दिन अन्तराष्ट्रिय बाल दिवस मनाईन्छ । बालबालिकालाई अधिकार रूपी औजारले एक कर्मठ र सबल नागरिकमा परिणत गर्न सकिन्छ । नेपालमा बालबालिकाको हक र हितका लागि थुप्रै कुराहरू समावेश गरिएको छ । नेपालको संविधान २०७२ को भाग ३ को धारा ३९ मा देहाय बमोजिम बालबालिकाको हकको व्यवस्था गरेको छ ।

- प्रत्येक बालबालिकालाई आफ्नो पहिचान सहित नामाकरण र जन्मदर्ताको हक हुनेछ ।
- प्रत्येक बालबालिकालाई परिवार तथा राज्यबाट शिक्षा, स्वास्थ्य, पालनपोषण, उचित स्याहार, खेलकुद, मनोरञ्जन तथा सर्वाङ्गण व्यक्तित्व विकाशको हक हुनेछ ।
- प्रत्येक बालबालिकालाई प्रारम्भिक बालविकाश तथा बाल सहभागीताको हक हुनेछ ।
- कुनै पनि बालबालिकालाई कलकारखाना, खानी वा त्यस्तै अन्य जोखिमपूर्ण काममा लगाउन पाइने छैन ।
- कुनै पनि बालबालिकालाई बालविवाह, गैरकानूनी ओसारपसार र अपहरण गर्न वा बन्धक राख्न पाइने हुन्छ ।
- कुनै पनि बालबालिकालाई सेना, प्रहरी वा सशस्त्र समूहमा भर्ना वा प्रयोग गर्न वा सांस्कृतिक वा धार्मिक प्रचलनका नाममा कुनैपनि माध्यम वा प्रकारले दूर्व्यवहार, उपेक्षा वा शारीरिक, मानसिक, यौनजन्य वा अन्य कुनै प्रकारको शोषण गर्न वा अनुचित प्रयोग गर्न पाइने छैन ।
- कुनै पनि बालबालिकालाई घर, विद्यालय वा अन्य जुनसुकै स्थान वा अवस्थामा शारीरिक, मानसिक वा अन्य कुनै किसिमको यातना दिन पाइने छैन ।
- कुनै पनि बालबालिकालाई बाल अनुकुल न्यायको हक हुनेछ ।
- असहाय, अनाथ, अपाङ्गता भएका, द्वन्द्व पिडीत, विस्थापित वा जोखिममा रहेका बालबालिकालाई राज्यबाट विशेष संरक्षण वा सुविधा पाउने हक हुनेछ ।

माथीका सँगै बालबालिकाहरूको अधिकार सम्बन्धी महासन्धीमा ५० औं हस्ताक्षरकर्ता देशहरूमध्ये नेपाल पनि एक हो । संविधानमा बालबालिका सम्बन्धी हकको सुनिश्चितता र विभिन्न सरकारी तथा गैरसरकारी संघ संस्थाको प्रयासको बावाजुद घरेलु कामदारको रूपमा खटिएका बालबालिकाहरू, उद्योग र कारखानामा कडा श्रममा खटिएका बालबालिकाहरू, शिक्षाबाट बञ्चित रहेका बालबालिकाहरूको बाँच्न पाउने नैसर्गिक अधिकार सुनिश्चित भएर पनि जन्मन नपाई जन्मने अधिकार खोसिएका बालबालिकाहरू र बाल अधिकारको उपभोगबाट दूरमा रहेका बालबालिकाहरूको उदाहरणहरू समाजमा हामीसँग छर्लङ्ग छ । यसरी समाजमा हुने बाल श्रम र बाल अधिकारबाट बञ्चित बालबालिकाहरूको लागि अबै पनि सरकार, नागरिक समाज, सचेत रहन जरुरी छ ।

५.११.३. बाल श्रमको अवस्था:

बालबालिकाहरूलाई सामाजिक वा आर्थिक लाभका लागि श्रममा संलग्न गराउनु श्रम हो । नेपालको कानूनले बालबालिकाको उमेरका आधारमा स्विकार्य वा अस्विकार्य कामहरू तोकेको छ । १३ बर्ष उमेर नपुगेका बालबालिकालाई श्रमिकको रूपमा श्रममा लगाउनु हुदैन भने १४ बर्ष देखि १५ बर्ष सम्मकालाई खास-खास क्षेत्रको हलुका विशेष सुविधाका काममा लगाउन पाइन्छ । कुनै पनि बालबालिकालाई जोखिमपूर्ण काममा लगाउन पाइदैन । तथापि सुरक्षित वातावरणमा नया-नया कुरा सिक्ने, पढ्ने, बुझ्ने उमेरमा नेपालका धेरै बालबालिकाहरू बाल श्रमिकका रूपमा काम गर्नु पर्नाले शिक्षाबाट बञ्चित हुनेदेखि शोषण र दूर्व्यवहार वाट धेरै बालबालिका पिडीत भएका छन् । नेपालमा बाल श्रमका वारेमा विभिन्न विषयगत क्षेत्रहरूमा सानाठूला अध्ययन भएतापनि आवधिक एकिकृत आधिकारिक तथ्यांक तथा जानकारीको भने अभाव छ । बालश्रम नेपाली बालबालिकाहरूको एउटा दुःखद यथार्थ हो ।

वाल श्रमिक कानूनी रुपमा दण्डनिय भएपनि अभैपनि हाम्रो घर, समाज, गाउ र टोलमा वालवालिकालाई काम गर्न राख्ने प्रचलन छ । सप्तकोशी नगरपालिकाका ११ वटै वडाहरुमा वालश्रमको अवस्था कस्तो छ भन्ने बारेमा तथ्यांक संकलन गरिएको छ जसलाई तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.११९ :वडा अनुसार वाल श्रमको विवरण

वडा न..	वाल श्रमिक		
	केटा	केटी	जम्मा
१	०	०	०
२	०	०	०
३	१	०	१
४	६	२	८
५	१	६	७
६	९	१	१०
७	५	०	५
८	५	१	६
९	२	०	२
१०	१०	२	१२
११	२	०	२
जम्मा	४१	१२	५३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार वाल श्रमिकहरुको अवस्था यस नगरपालिकामा कस्तो छ भन्ने बारेमा वडागत रुपमा देखाइएको छ । सबैभन्दा बढी वाल श्रमिक वडा मा वडा न.१० मा रहेको छ भने सबैभन्दा कम वाल श्रमिक भएको वडा न. क्रमशः ३, ९ र ११ मा १ र २/२ जना रहेको देखिन्छ । यस नगरपालिकाको वडा न.१ र २ मा १ जना पनि वाल श्रमिक नरहेको वालश्रम मुक्त वडाका रुपमा रहेको देखिन्छ ।

५.१२. संघ संस्थामा आवद्धता सम्बन्धी

सप्तकोशी नगरपालिकामा विभिन्न संघ संस्थाहरुले आफ्नो क्षेत्र कायम गरी काम गरीरहेको अवस्था देखिन्छ । महिला, वालवालिका, अपाङ्गताको हकहित र संरक्षणको लागि तथा आमा र बच्चाको स्वास्थ्य स्थिति सम्बन्धी काम गर्न, चेतना अभिवृद्धि गर्न बचत तथा सहकारी मार्फत सानोतिनो बचत परिचालन गर्न राम्रो वातावरण बनोस् भनेर महिला स्वयमसेविकाको नेतृत्वमा आमा समूह बनाएको पाइन्छ । यसैगरी कृषक समूहहरु पनि कृषि क्षेत्रका उत्पादनहरुको उत्पादकत्व देखि लिएर बजार व्यवस्थापन सम्मका कामहरु गर्नका लागि समूह बनाएको पाइन्छ । यस्तै विषय वस्तुहरुलाई आधार बनाएर यस अध्ययनको क्रममा नगरपालिकाका सबै वडाहरुमा विभिन्न संघसंस्था प्रति आवद्ध भएको घरधूरी कति छन् भनेर तथ्यांक संकलन गरिएको थियो सो को विस्तृत विवरण देहायको तालिकामा दिइएको छ ।

तालिका न.१२० :संघ संस्थामा आवद्ध भएका घरधूरी विवरण

वडा न.	आमा समूह	कृषक समूह	सामूदायिक उपभोक्ता समूह	सहकारी संस्था बचत	गैर सरकारी संस्था	परम्परागत समूह	अन्य	जम्मा
१	६९	७५	२९८	१६३	१८३	१८	१६	८२२
२	१	३	०	१	०	१	१	७
३	३०	४६	४	११	२	०	१०	१०३
४	०	९	६	२५	१९	२	१५	७६
५	७	१७	१	६	५३	०	२४	१०८
६	२६	७४	४	१२१	२४१	८१	७	५५४
७	२	३	१११	३	१५२	२३	१	२९५
८	१३	७	३२	७१	८९	१	२३	२३६
९	१	२	०	११	३२	०	१३	५९
१०	२	६	१	७	२९	०	६	५१
११	४	१६	५	५	३५	०	५	७०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

भौतिक विकासको अवस्था

यस परिच्छेदमा नगरपालिकाको विभिन्न क्षेत्र भित्रका पारिवारीक र भौतिक र पूर्वाधारहरूको स्थिति साथै त्यसको उपयोगको अवस्थालाई प्रस्तुत गरिएको छ । जस अन्तर्गत भवन, बस्ती, उर्जा तथा घरायसी चलअचल सम्पत्ति सम्बन्धी विवरण लगायतका प्राथमिक श्रोत र द्वितीय श्रोतका विषयहरू समावेश र विश्लेषण गरिएको छ ।

६.१. घरायसी विवरण:

घरायसी सरसामान,घरको स्वामित्व, घरको बनावट/प्रकार तथा घरमा प्रयोग हुने वस्तु र सरसामानहरूले त्यस घरपरिवारमा बस्ने व्यक्तिहरूको अवस्था र स्तर निर्धारण गर्दछ । नेपालको राष्ट्रिय स्तरको सर्भेक्षण “ नेपाल जीवनस्तर सर्भेक्षण” तथा संयुक्त राष्ट्रसंघले प्रकाशित गर्ने मानव विकास प्रतिवेदनका सूचांकहरूमा नेपालको कति प्रतिशत मानिसहरूमा मोबाइल फोन छ, कति प्रतिशत व्यक्तिहरू फुसको छानो भएको घरमा बस्दछन् , कति प्रतिशत मानिसहरूसँग आफ्नै सवारी साधन छ भन्ने जस्ता तथ्यांकहरूले नेपालीहरूको जीवनस्तर निर्धारण गर्दछ । विश्वको जनसांख्यिक अवस्थासँग तुलनात्मक रूपमा व्याख्या र विश्लेषण गर्दछ । यहि आधारमा हामी विकाशमा तथा मानव सूचांकमा कुन स्तरमा छौं भन्ने कुराको मापन गर्दछ ।

यसैगरी सुविधा सम्पन्न घरमा बस्ने मान्छे वा व्यक्ति धनी हुने र स्वास्थ्यको दृष्टिकोणबाट सुरक्षित हुन्छन् भनि नेपालकै स्वास्थ्य सर्भेक्षणमा उल्लेख छ । जस्तो नेपालको जनसांख्यिक स्वास्थ्य सर्भेक्षण २०१६ मा नेपालको घरको बनावटको आधारमा हेर्दा माटोले लिपेको घरमा बसोवास गर्ने व्यक्तिहरूमा विभिन्न खालका स्वास्थ्य तथा सरुवा रोगका समस्याहरू सामना गर्ने गर्दछन् भन्ने कुरा उल्लेख गरिएको छ । अव्यवस्थित घरमा बसोवास गर्ने व्यक्तिहरूमा सरसफाई सम्बन्धी चेतनाको विकाश भएको पाइदैन । त्यसको तुलनामा व्यवस्थित वसाइ र घरको निर्माण ले सरसफाई लगभग अन्त्य अन्य घरायसी सुविधा, बाटोघाटो,शिक्षा, स्वास्थ्य, सञ्चार र खानेपानी लगायत विकाशका पूर्वाधारहरूको निर्माणमा सहजता र विस्तार गर्न सहज हुन्छ । जस्तो कुनै घरमा एकै ठाउमा बसोवास गर्ने, पशुपक्षी पनि त्यहि ठाउमा पाल्ने गर्दछन् । जसले गर्दा सरसफाई मा अत्यन्तै कठिनाई उत्पन्न हुन जान्छ । यहि कारणबाट मानव स्वास्थ्यमा नकारात्मक असर पर्न जान्छ । यसैगरी व्यवस्थित रूपमा बसोवास, त्यसको समुचित सरसफाई सहितको व्यवस्था गर्न पनि सहज हुन्छ र मानव स्वास्थ्यमा पर्ने त्यस्ता प्रकारका प्रभाव बाट मुक्ति मिल्छ । यसी आफू र आफ्नो परिवारलाई सुरक्षित राख्न सकिन्छ । त्यसैले समग्रमा भन्दा मानव बसोवासले घरायसी प्रयोगमा आउने सरसामग्री, अचल बनावटले मानव स्वास्थ्य र उसको जीवन स्तरमा सकारात्मक प्रभाव पर्ने गरेको विभिन्न अनुसन्धान प्रतिवेदनले देखाउका छन् ।

यस सप्तकोशी नगरपालिका अन्तर्गत रहेका ११ वटै वडाहरूमा घरको प्रकार अनुसार घरको छानो कस्तो प्रकारको छ भनेर यस अध्ययनमा तथ्यांक संकलन गरिएको थियो जसलाई देहायको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.१२१ :घरको प्रकार अनुसार घरधूरी विवरण

वार्ड	घरको छानाको प्रकार										
	फुसको ढपरा, छवाली, खर, स्याउलाण	गुन्द्री, मान्द्रो	छानानभएको	टिन, जस्ता पाता	काठ	सिमेन्टकोजस्ता आकारको छानो (क्लालामाइन	सिमेन्ट, टायल, ढुंगा, खपडा वा झिंगटि	सिमेन्ट	फल्याक, काठ	अन्य	जम्मा
१	४	०	४	५६२	३	१२४	६	३९१	१	१	१०९६
२	२८	०	२	४४१	०	०	१	९४	१	२	५६९
३	५२	१	१	२३८	१	१४	२	८	०	०	३१७
४	२७	०	२	३९०	१	०	२	५७	०	०	४७९
५	१९	४	५	२६५	१	१	४	२२	०	०	३२१
६	६६	१	८	२५९	०	०	५	१	०	०	३४०
७	२०	०	१	२६०	०	९	२	१९	०	०	३११
८	७१	०	२	२७६	०	०	१	४२	०	१	३९३
९	१३४	७	३	१७१	०	३७	६	१८	०	०	३७६
१०	८२	०	०	३२२	१	३०	०	२७	०	०	४६२
११	४१	३	१	२३९	०	३	५	७७	०	०	३६९
जम्मा	५४४	१६	२९	३४२५	७	२१८	३४	७५६	२	४	५०३३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा ५०३३ घरधूरी मध्ये २९ वटा घरहरू छानो नभएको/वन्दै गरेको देखिन्छ । पुराना घरहरू भत्काएर बनाउदै गरेको र ति घरहरू के को बनाउने भनि प्रश्न गर्दा पैसा भए टिन जस्ता नभए फुस को भनेको कारणले हाल त्यस घरलाई पूर्ण रुपमा छानो नभएको तथ्यांक लिइएको हो भने यस नगरपालिकामा काठ र प्लाइउड जस्ता वस्तुहरूवाट पनि घरको छानो बनाएको पाइएकोले काठको छानो शिर्षकमा राखिएको छ र त्यसलाई माथीवाट प्लास्टिक ले छोपेको भनि स्थलगत अध्ययनको क्रममा पाइएको छ । यस्ता घरहरू प्राय अस्थायी प्रकृतिका भएकोले भोली वन्दै गरेको घरमा सरीसके पछि त्यसको स्वरुप पुन परिवर्तन हुने देखिन्छ । यस नगरपालिकामा ५४४ घर फुस वा पराल तथा गहु र खरका सामग्रीवाट छाएको देखिन्छ भने अर्को अस्थायी प्रकृतिको घरमा गुन्द्रि, मान्द्रो,प्लास्टिक जस्ता सामग्री वाट पनि घरको छानो निर्माण गरेको यस स्थलगत अध्ययनका क्रममा पाइएको छ ।

६.२. घरपरिवारले प्रयोग गरेको घरको भित्ता सम्बन्धी विवरण:

यस सप्तकोशी नगरपालिकाका ११ वटै वडाहरूमा बसोवास गर्ने घरपरिवार वा व्यक्तिहरूको अचल सम्पत्तिको रुपमा रहेको आफ्नो भौतिक संरचनाको गार्हो/भित्ता) के ले बनेको छ भनेर जान्नका लागि यस अध्ययनका क्रममा तथ्यांक संकलन गरिएको थियो । यस क्रममा घरको भित्ता अर्थात चार सुरमा अधिकांश भाग बढी जसो भाग के र कुन साधनले बनेको छ वा बनाइएको छ , त्यसलाई समेट्ने प्रयास गरिएको छ । यस नगरपालिकामा ४८३० घरधूरीहरूमा वडा अनुसार घरको भित्ताको विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न १२२ : वडा अनुसार घरपरिवारले प्रयोग गरेको भित्ताको विवरण

वार्ड	फल्याक वा तखाती	भित्तानभ एको	वेत, सन्ठी, सिर्कना वा हाँगाविंगा	माटोवा बालुवा	बाँसर माटो	ढुंगार माटो	पुरानो (पुनः प्रयोग गरेको) काठ	टिनवा जस्तापाता	सिमेन्ट	ढुंगार सिमेन्ट	ईटा	सिमेन्टब्लक	अन्य	जम्मा
१	३	१	१	३०	३२८	२२	४	८	३३६	२४	२७१	५५	१३	१०९६
२	२	१	१	११	३९२	१४	०	०	१४१	१	३	०	३	५६९
३	१	१	३१	११	१४४	५६	०	५	२५	१६	२१	६	०	३१७
४	०	१	२	१४	२८५	३	१	२	११५	४	५१	१	०	४७९
५	०	०	७	११	२०६	३	०	०	२९	३०	३२	३	०	३२१
६	०	०	१५	३३	२४७	१	०	१	२१	३	१८	०	१	३४०
७	०	०	०	४	२३८	४	०	५	७	३६	१७	०	०	३११
८	३	३	२	१८	२६८	०	०	२	१७	२४	५५	१	०	३९३
९	१	४	०	६	२६७	४	०	९	३१	८	२०	२६	०	३७६
१०	०	३	०	५	३१३	१६	०	०	५९	०	६४	२	०	४६२
११	०	१	३	६०	१६९	१	०	१	४९	४	८०	१	०	३६९
जम्मा	१०	१५	६२	२०३	२८५७	१२४	५	३३	८३०	१५०	६३२	९५	१७	५०३३

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

६.३ घरपरिवारले प्रयोग गरेको घरको भुइको विवरण:

नेपालमा भएका विभिन्न प्रकारका सर्भेक्षण प्रतिवेदनमा उल्लेख भए अनुसार घरको भुइको प्रकारले मानिसमा विभिन्न प्रकारका सरुवा रोगहरु र चर्म रोगहरु ति घरका भुइका प्रकार वाट मानिसमा सर्न सक्दछन् भनि उल्लेख गरिएको पाइन्छ । माटो गोबरले लिपेको घरमा बसोवास गर्ने मानिसहरु भन्दा सिमेन्ट, काठले बनाइएका घरमा मानिसहरु स्वस्थ र निरोगी हुन सक्छन् तर यस्तो भन्दा नेपालमा माटोको घरमा बसोवास गर्ने कोही ११० वर्ष पनि बाचेका उदाहरणहरु पनि छन् । सरसफाइका दृष्टिकोणवाट हेर्ने हो भने अवश्य पनि प्राकृतिक भुइ माटोमा र पछि त्यसलाई बनाइएको सिमेन्ट, इटा,काठले अलि बढी सुरक्षित हुन्छ र त्यसलाई सुरक्षित पनि मानिन्छ । सप्तकोशीनगरपालिकामा घरका प्रकार, कस्तो भित्ता सवैको चर्चा गरीसकिएको छ । अब यहा घरको भुइ कस्ता कस्ता प्रकारका छन् त्यस बारेमा तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.१२३ : वडा अनुसार घरपरिवारले प्रयोग गरेको भुइको प्रकार सम्बन्धी विवरण

वडा न.		माटो र बालुवा	गोबर, माटो	काठ,फल्याक	कार्पेट	रंगिन काठ पार्केटिङ	टायल्स सेरामिक	सिमेन्ट	अन्य	जम्मा
१	२८	७८	२७७	७	०	०	०	७०४	२	१०९६
२	३	१३	४५४	१	१	०	१	९५	१	५६९
३	१	६२	१८२	१	०	०	०	७०	१	३१७
४	७०	१०३	११३	०	०	०	१	१९२	०	४७९
५	२	४९	१७८	०	०	०	०	९२	०	३२१
६	१५	६१	२०७	०	०	०	०	५७	०	३४०
७	१	९३	१६५	१	०	०	०	५१	०	३११
८	०	१३७	१४२	०	०	०	०	११४	०	३९३
९	१	४६	२५५	५	१	२	०	६६	०	३७६
१०	१८	२६	२९२	०	०	०	०	१२६	०	४६२
११	५७	१२९	४९	०	०	०	०	१३४	०	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

६.४. खाना पकाउन उपयोग हुने मुख्य उर्जाको श्रोत:

मानव उद्विकाशको इतिहास हेर्दा मानिसहरूले शिकार गरेका वस्तुहरू काचै खान्थे । विकाशको खुड्किलो पार गर्दै जादा उनिहरूले आगोको आविष्कार गरे र शिकारलाई पोलेर खान थाले । विस्तारै परिवार समाज को निर्माण हुन थाल्यो । पशुसहका ती मानव पूर्वाहरू वृद्धिको विकाशले गर्दा आज सम्म आइपुगेका छन् । यहि क्रममा आजभोली हामी स्वादका लागि विभिन्न परिकारहरू पकाएर खान्छौं र सन्तुष्ट लिन प्रयासमा मानव समुदाय अगाडी बढेको छ । परम्परागत रूपमा आगो बालेर पकाउनका लागि काठ, दाउरा र हागाविगाहरूका साथै तराइतिर कृषिजन्य उत्पादनका बोट विरुवाहरू र गुइठाको चला थियो । विस्तारै पथर कोइलावाट पनि मानिसहरूले पकाउने इन्धनका आवश्यकता पूरा गर्दै गए । हाल आएर आधुनिक युगमा मानिसहरूले शहर बजारमा इन्धनको रूपमा ग्यास, विद्युतीय इन्धन, सोलर प्यानल जोडेका छन् भने ग्रामिण भेग तिर काठ, दाउरा, कृषिजन्य उत्पादनका वस्तुहरू घाँसपात, झार जंगल त कहि कतै गोबर ग्यास र ग्यासका चुल्हाहरू पनि प्रयोगमा आएको पाइन्छ । तर सबै ग्रामिण भेगमा यो सहज र सरल ढंगवाट उपलब्ध हुन सकिरहेको छैन ।

यस सप्तकोशी नगरपालिकामा मानिसहरूले विभिन्न प्रकारका इन्धनका श्रोतहरूलाई उपयोग गर्ने गरेको यस स्थलगत अध्ययनका क्रममा पाइएको छ । यस क्षेत्रमा खाना पकाउने इन्धनको रूपमा अझ पनि कृषि उत्पादित वस्तु,

गोबरगुइठा, कठ दाउरा जस्ता स्रोत मा निर्भर रहेको देखिन्छ । यस तथ्यांकलाई अझ स्पष्ट रूपमा तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.१२४ :वडा अनुसार घरपरिवारले प्रयोग गर्ने इन्धनको स्रोत

वडा न.	विजुली	एलपी ग्यास	मट्टीतेल	पथर काईला ब्रिगेड	दाउरा, काठ	पराल भ्याङ् घाँस	,कृषिजन्य उत्पादन	गुइठा	घरमा खाना नपकाउने	गोबर ग्यास	अन्य	जम्मा
१	७१७	११	०	४	३४१	१	१	२	०	१४	०	१०९६
२	२६५	१	०	२	२९४	१	०	१	०	१	०	५६
३	५६	२१	०	०	२२९	०	०	०	०	९	०	३१७
४	९३	२२	०	०	२७०	०	०	०	०	२	१	३८८
५	५६	५	०	३	२५४	०	०	०	०	१	०	३२०
६	२१	०	०	०	३१८	०	०	०	०	०	०	३४०
७	२५	०	०	०	२६५	१७	०	०	०	०	०	३११
८	४१	०	०	२	३४९	०	०	०	०	०	०	३९३
९	५	०	२	०	२५१	१	०	८	०	०	०	२६९
१०	२९	१५	०	०	४१२	१	०	०	०	०	०	४६२
११	५९	०	०	०	३०३	१	०	०	०	०	०	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

६.५. सूचना तथा सञ्चार:

यस नगरपालिकामा सञ्चारका रूपमा विद्युतीय सञ्चार माध्यमहरु धेरै नै उपयोगमा रहेको देखिन्छ । मुख्य रूपमा मोबाइललाई सञ्चारको माध्यमको रूपमा लिइएको यस क्षेत्रमा इन्टरनेट जस्ता आधुनिक सञ्चार माध्यमको पनि उपयोग पनि अत्यन्त धेरै भएको यस स्थलगत अध्ययनको क्रममा पाइएको छ । यस सप्तकोशीनगरपालिकामा सूचना तथा सञ्चार सँग सम्बन्धीत विषय वस्तुहरुका विवरणहरु कति र कुन कुन वडामा रहेका छन् भन्ने वारेको जानकारी निम्न तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.१२५ : वडा अनुसार सञ्चारका का माध्यम र साधनको प्रयोग गर्ने घरधूरी

वडा न	टेलिभिजन	कम्प्यूटर	रेडीयो	टेलिफोन	मोबाइल फोन
१	१००७	२२३	४७५	२४१	१०५६
२	५३५	३८	२२६	१५१	४६०
३	२०७	२१	६५	३१	२८१
४	२१७	२०	४३	१८	३५५
५	२२२	२५	३५	२१	३०३
६	१९२	१०	१७	१	३१४
७	१८४	१८	१९	१	३०५
८	२०९	२६	७३	३	३७२
९	१२३	१७	१७	३	२५०
१०	२२१	३०	५१	१४	४२६
११	२११	३५	४९	८६	३४१

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

६.६.यातायातका साधनहरूको विवरण:

यस सप्तकोशी नगरपालिकामा यातायातका साधनहरूको प्रयोग दिनानुदिन बढ्दै गइरहेको देखिन्छ । यहाका दूर दराजका क्षेत्रहरूमा पनि हाल बाटो घाटोको राम्रो प्रवन्ध भएका कारणले दिन प्रति दिन सवारी साधनहरू भित्रने क्रम बढिरहेको छ । सार्वजनिक यातायात नभएपनि यस क्षेत्रका वासिन्दाहरूले निजि सवारी साधनका रूपमा ट्याम्पो, सिटी रिक्सा, कार, ट्रक, ट्याक्टर, मोटरसाइकल, स्कुटर, साइकल वा साथसाथै गोरु राँगा गाडा जस्ता साधनहरू पनि प्रयोगमा ल्याएको देखिन्छ । यस अध्ययनका क्रममा घरधूरी सर्भेक्षण गरी प्रत्येक घरधूरीलाई लक्षित गरेर कस्ता कस्ता सवारी साधनहरू हाल गाउँपालिका भित्र रहेका छन् भनी तथ्यांक संकलन गरीएको थियो । जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.१२६ : वडा अनुसार यातायात र सवारी साधनको विवरण

वडा न	गोरु, रागा ले तान्ने गाडा	कार, ट्रक, ट्याक्टर	मोटरसाइकल, स्कुटर	साइकल रिक्सा	टेम्पो, तिनपाङ्ग्रे
१	६	३७	३७०	६९४	१३
२	६	१२	१४६	३९५	७
३	२१	८	५३	२३२	५
४	२	४	७९	२९७	३
५	१८	९	८१	२५४	२
६	८	४	५७	२६८	३
७	८	२	६७	२१८	२
८	८	९	७१	३२९	६
९	२	२	४४	२१६	३
१०	१	५	८२	३२२	१
११	४	१४	११४	२२७	४

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

६.७. घरायसी सरसामानहरुको विवरण:

यस अध्ययनका क्रममा यस सप्तकोशी नगरपालिका का ११ वटै वडा अन्तर्गतका घरधूरीहरुमा घरायसी प्रयोजनका सरसामानहरुको अवस्था वा संख्या कस्तो रहेको छ, भन्ने बारेमा पनि तथ्यांक संकलन गरिएको थियो । मुख्य गरेर घरायसी सामानहरुको विवरण हेर्ने हो भने विजुली वती घरमा छ, छैन, टेबल ,पंखा, दराज, ढीकी, जातो, भित्ते घडी, इन्भटर जस्ता सामानहरुले समाजका मानिसहरुको स्तर निर्धारण गर्ने गर्दछ । सो घरायसी वस्तुहरुले समाज, टोल, गाउँमा मान सम्मान र प्रतिष्ठामा वृद्धि गर्दछ । त्यसैले नेपथल जीवनस्तर सर्भेक्षणमा यि यस्ता घरायसी सामानहरुका बारेमा मानिसको स्तर निर्धारण गर्ने चलन छ । मानव विकास सूचांकको आधारमा पनि मानिसहरुले आफ्नो आम्दानीको केही हिस्सावाट यस्ता सामग्री जोड्ने गर्दछन् । जसले समाजमा उसको स्तर निर्धारण पनि गर्ने गर्दछन् भन्ने मान्यता पनि रहेको छ । यिनै कुराहरुलाई मध्यनजर राख्दै यस सप्तकोशी नगरपालिकामा घरायसी आधारभूत सरसामग्रीको विवरण कस्तो रहेछ, भनेर हेरिएको छ । जसलाई देहायको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.१२७ : वडाअनुसार आधारभूत घरायसी सामग्रीको विवरण

वडा न.	विजुली	टेबल	खाट पलङ्	दराज	विद्युतिय पंखा	ढीकी जातो	कुर्सी	सोफा	भित्ते घडी	इन्भटर सोलार	हाते घडी
१	१०९५	१०१६	१०५७	८७६	९६४	१३८	९३०	६८१	७०७	२६५	९१८
२	५५८	४५८	५२७	२७१	३०७	१७१	३१३	१६०	२३६	८७	३३०
३	३१०	२११	२३२	२०४	२१८	२३	१९७	९८	१२१	८	१६८
४	३४८	३०३	३३४	१६५	२६३	२९	३०९	७१	६०	२४	१३९
५	३११	२६१	२८४	२२१	२४०	३२	२२८	७६	७३	१७	१३६
६	३१८	२४४	३०५	१४४	२३७	३१	१८३	१८	५४	४	२०२
७	३००	२२२	२६५	२३७	२५३	१९	१५१	३७	५९	५	६२
८	३६५	२९३	३५६	२९७	२९६	७०	२५०	६४	१५५	२४	२१८
९	२६७	२०२	२३२	१४२	१११	२०	१६५	४०	३८	४	५१
१०	४५०	३५१	४००	३२२	२७५	७४	२८१	७६	१०८	३९	१५४
११	३४५	२६५	३२९	२२१	२९७	७१	२६५	५४	१३९	१५	१८२

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

नगरपालिकाका आधारभूत सेवाहरु

यस परिच्छेदमा नगरपालिका भित्र रहेका आधारभूत सेवाहरुको विवरण तथा प्राप्त गर्ने सेवा सुविधाका बारेमा विस्तृत विवरण प्रस्तुत गरिएको छ ।

नेपालको संविधान २०७२ आश्विन ३ गते देखि नेपाल विधिवत रूपमा संघीय लोकतान्त्रीक गणतन्त्रात्मक राष्ट्रमा रूपान्तरित भइसकेको छ । संघीय लोकतान्त्रीक गणतन्त्रात्मक व्यवस्था विकेन्द्रीकरणको सिद्धान्तमा आधारित हुन्छ । विकेन्द्रीकरण शासकिय क्रियाकलापमा जनताको सहभागीता विस्तार गर्ने रणनीतिक औजार हो । राज्य प्रकृत्यालाई जनमूखी र सेवा व्यवस्थापन प्रभावकारी बनाउन प्रयोग भएका समकालिन ढाँचाहरु मध्ये विकेन्द्रीकरण एक हो । अहिलेको स्थानीय सरकारले शासकिय क्रियाकलाप (विकाश, व्यवस्थापन , शक्ति अभ्यास) मा आम जनतालाई सक्रियतापूर्वक संलग्न गराउने कार्य गर्दछ । त्यसैले वर्तमान समयमा जनतालाई सेवा ग्रहण गर्न स्थानीय सरकारलाई नै अधिकार प्रत्यायोजन गरेको छ ।

नगरपालिकाका वडाकेन्द्र देखि नगरपालिका केन्द्र र टाढाको बस्ती र टोल देखि वडा केन्द्र सम्मको दूरीले नगरपालिका सँग जनताको पहुच निर्धारण गर्दछ । त्यसैले नगरपालिका केन्द्र र वडा केन्द्र बीचको दूरी सवै वडा तथा टाढाको बस्तीहरु सापेक्ष हुनु जरुरी छ । स्थानीय संरचनामा जनताले आफ्नो वडा केन्द्र तथा नगरपालिका केन्द्र बाट आवश्यक सेवा सजिलै ग्रहण गर्न सक्ने खालको हुनु पर्दछ । जनताले सार्वजनिक सेवा ग्रहण गर्न कठीनाई हुनु हुदैन । यसका लागी सवै स्थानका जनतालाई मध्यनजर गर्दै वडा कार्यलय, नगरपालिका केन्द्र निर्धारण गर्नुपर्दछ । यसर्थ टाढाको बस्ती वाट वडा केन्द्र कति दूरीमा छ भन्ने कुरा महत्वपूर्ण हुन्छ । यस नगरपालिकाका अन्य विभिन्न सेवा सुविधाहरुको बारेमा यस खण्डमा चर्चा गरिएको छ ।

७.१. स्थानीय तहको कार्यलय:

नगरपालिका भित्र रहेको स्थानीय तहको कार्यलय अर्थात वडा कार्यलयलाई नै बुझ्ने गरेको पाइन्छ । नगरपालिका नगरस्तरमा पहिलो जनतासँग प्रत्यक्ष सम्बन्धीत सरकारी निकाय हो । जनतालाई वा सेवाग्राहीलाई स्थानीय स्तरमा चाहिएको सेवा प्रदान गर्नु पनि यसको प्रमुख दायित्व पनि हो । यि कार्यलयमा नगर स्तरमा सेवाग्राहीहरुको पहुचको अवस्था कस्तो छ भनेर निम्न समयमा विभाजनमा तालिका मार्फत प्रस्तुत गरिएको छ ।

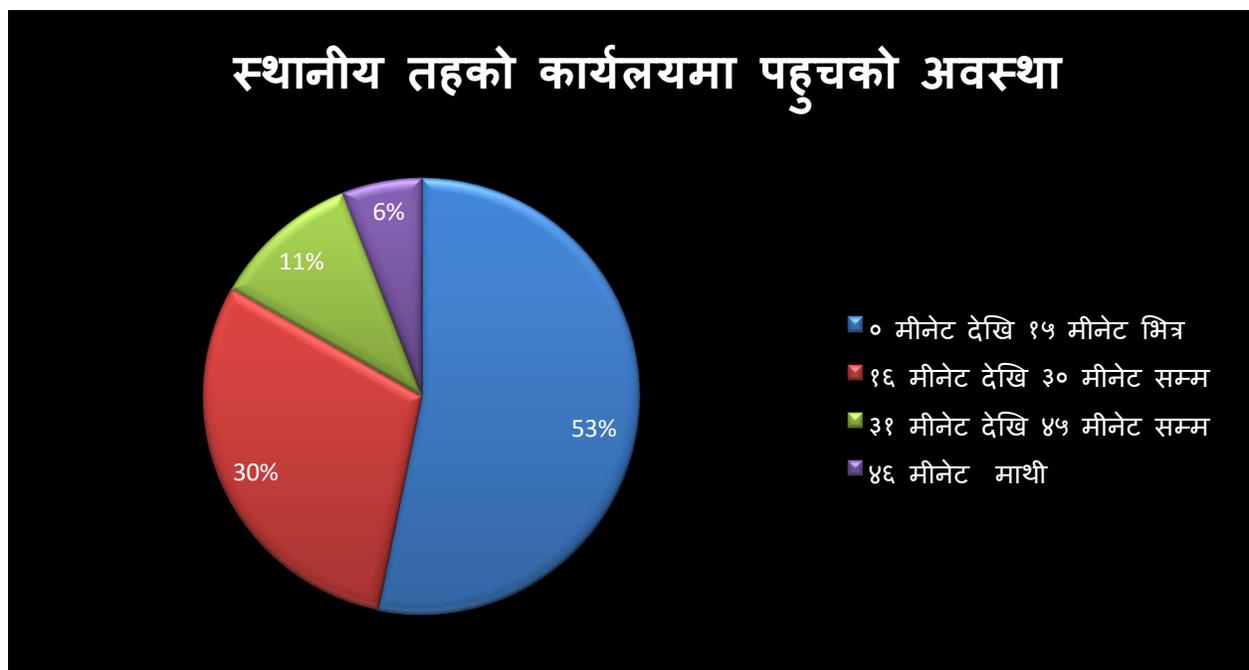
तालिका न.१२८ : स्थानीय तहको कार्यलयमा पहुचको अवस्था

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट.	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथी	जम्मा घरधूरी
१	९२१	१५९	१४	२	१०९६
२	३०६	२३७	२४	२	५६९
३	१८८	१२२	३	४	३१७
४	२५५	२१९	५	०	४७९
५	१७९	१०४	३७	१	३२१
६	६	७६	२५५	३	३४०
७	६६	२	१	२४२	३११
८	२७२	७०	२०	३१	३९३
९	१६९	१६८	३६	३	३७६
१०	११७	१९१	१४७	७	४६२
११	१९९	१६२	६	२	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिकालाई प्रतिशतको आधारमा देहायको वृत्त चित्रमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

वृत्त चित्र न.५३ :स्थानीय तहको कार्यलयमा पहुचको अवस्था



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

७.२. सुरक्षा निकाय:

स्थानीय तहमा जनताको जिउधनको सुरक्षाको लागि सरकारी पक्षबाट विभिन्न रुपमा शान्ति सुरक्षा र अमनचयनको प्रत्याभूति दिनको लागि सशस्त्र प्रहरी, जनपथ प्रहरी र नेपाली सेनाहरु परिचालन गरेको हुन्छ । जनताको सुरक्षाको लागि यसरी परिचालित हुने सुरक्षा निकायहरुमा स्थानीय नगरपालिकावासीहरुको पहुचको अवस्था कस्तो छ, सहज र सरल ढंगबाट पहुचको अवस्था छ कि छैन भनी यस स्थलगत अध्ययनको क्रममा तथ्यांक संकलन गरिएको थियो जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

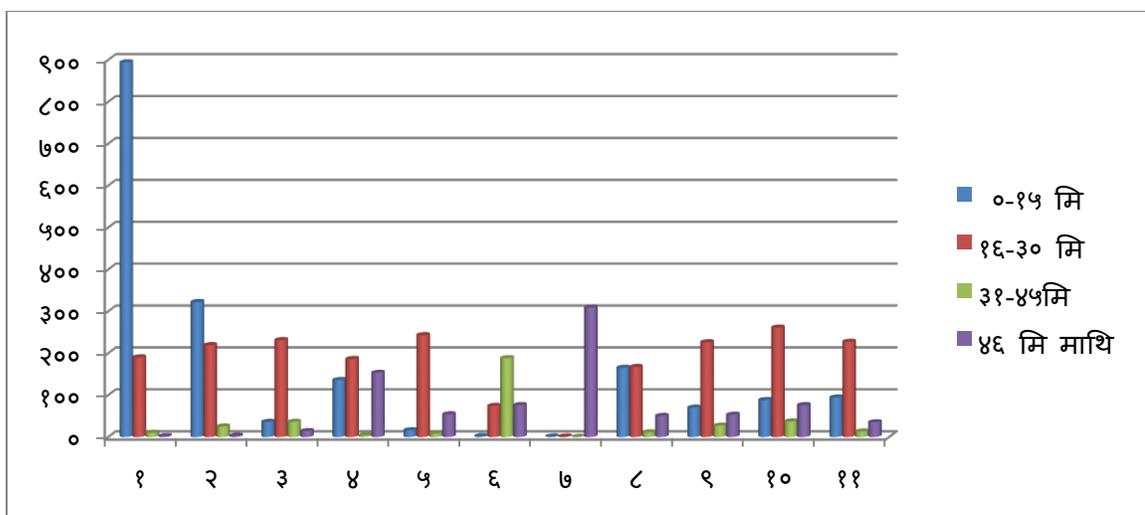
तालिका न.१२९ :स्थानीय स्तरमा सुरक्षा निकायमा पहुचको अवस्था

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथी	जम्मा घरधूरी
१	८९४	१९०	१०	२	१०९६
२	३२२	२१९	२५	३	५६९
३	३६	२३१	३६	१४	३१७
४	१३६	१८६	४	१५३	४७९
५	१६	२४३	८	५४	३२१
६	२	७४	१८८	७६	३४०
७	१	१	०	३०९	३११
८	१६५	१६७	११	५०	३९३
९	७०	२२६	२७	५३	३७६
१०	८८	२६१	३७	७६	४६२
११	९४	२२७	१३	३५	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

यस तालिकालाई हेर्दा सुरक्षा निकायमा स्थानीय जनताको पहुचको अवस्था हेर्दा सहजता नै देखिन्छ । केही घर परिवार बाट भने अत्यन्त टाढा रहेको अवस्था पनि देखिन्छ । यस तालिकाको घरधूरीहरु लाई प्रतिशतको आधारमा देहायको ग्राफमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

ग्राफ.५: स्थानीय स्तरमा सुरक्षा निकायमा पहुचको अवस्था



श्रोत:पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

७.३. स्वास्थ्य संस्था:

सप्तकोशी नगरपालिका अन्तर्गत रहेका स्वास्थ्य संस्था सँग सम्बन्धीत कार्यलय सेवा ,केन्द्रहरु मा स्थानीय सेवाग्राहीको अवस्था कस्तो छ , कति समयमा सेवा लिनेहरु स्वास्थ्य संस्थामा पुग्दछन् भन्ने वारेको तथ्यांक नगरपालिकाको लागी महत्वपूर्ण हुन्छ । स्वास्थ्य सेवा स्थानीय सरकारको पहिलो प्राथमिकताको क्षेत्र पनि रहेको छ । स्थानीय जनताको स्वास्थ्य सँग सम्बन्धीत विभिन्न समस्याहरु, रोगहरुको उपचार, परामर्श विभिन्न सेवा केन्द्रहरुवाट तथा वालवालिकामा खोपको सुविधा विभिन्न सेवा केन्द्रहरुवाट दिइने गरिन्छ । यस गाउपालिकाका सवै वडाहरुमा लगाइने खोप केन्द्रहरुको अवस्था र पहुचका वारेमा तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

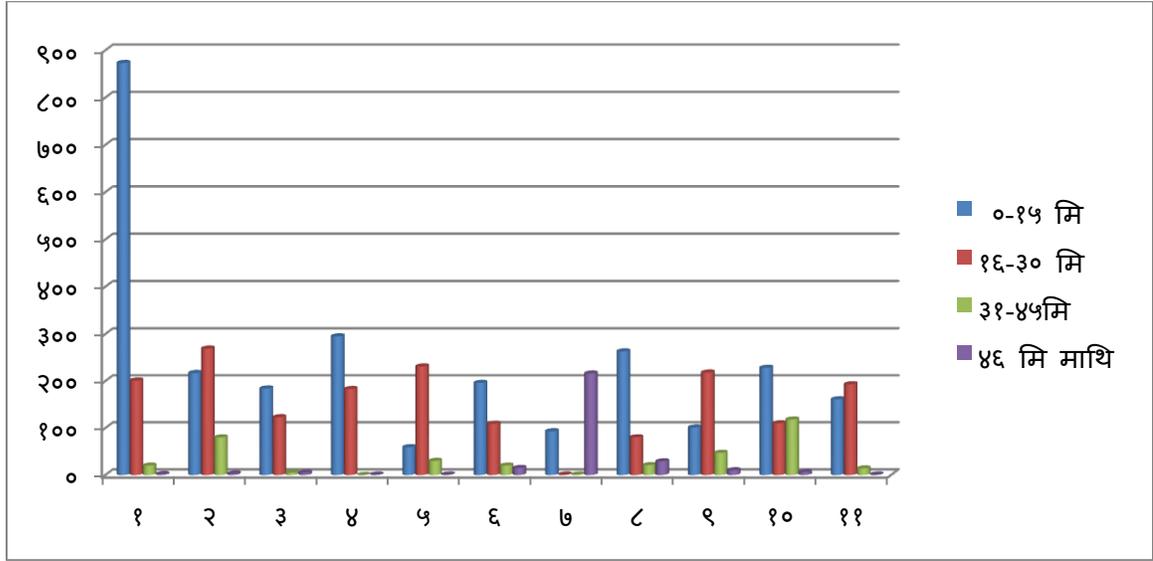
तालिका न.१३० :खोप केन्द्रमा पहुचको अवस्था

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथी	जम्मा घरधूरी
१	८७३	२०१	२०	२	१०९६
२	२१७	२६९	८०	३	५६९
३	१८४	१२३	५	५	३१७
४	२९५	१८३	०	१	४७९
५	५९	२३१	३०	१	३२१
६	१९६	१०९	२०	१५	३४०
७	९३	१	१	२१६	३११
८	२६३	८०	२१	२९	३९३
९	१०१	२१८	४७	१०	३७६
१०	२२८	११०	११८	६	४६२
११	१६१	१९३	१४	१	३६९

श्रोत: पाश्चिमा २०७६/२०७७

माथीको तालिकामा संख्यात्मक रुपमा घरधूरीहरुवाट खोप केन्द्रको दूरी विभिन्न ४ वटा समय अवधिमा विभाजन गरी अध्ययन गरिएको छ । यस अध्ययनलाई प्रतिशतको आधारमा देहायको ग्राफमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

ग्राफ. ६: खोप केन्द्रमा पहुचको अवस्था



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

७.४. गाउघर क्लिनिक:

नगरपालिका अन्तर्गत रहेका स्वास्थ्य संस्थाले आफ्नो सेवा क्षेत्र भित्र सेवाग्राहीलाई सहज ढंगमा स्वास्थ्य सेवा उपचार विधिका परामर्शहरु उपलब्ध हुन सकोस् भन्ने उद्देश्यले महिनामा कम्तीमा एकपटक गाउघर, टोल, समाजमा outreach clinic को रुपमा आफ्ना विशेष सेवाहरु लिएर जाने कार्यक्रम बनाएको हुन्छ । यस सप्तकोशीनगरपालिका अन्तर्गत यस्ता खालका सेवा सुविधा हाम्रै गाउघरमा उपलब्ध हुन सक्दछन् भन्ने जानकारी नै नभएका घरधूरीहरु पनि भेटिएका छन् । गाउघर क्लिनिकमा वडावासीहरुको पहुचको अवस्था वडागत रुपमा कस्तो छ भनेर देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ

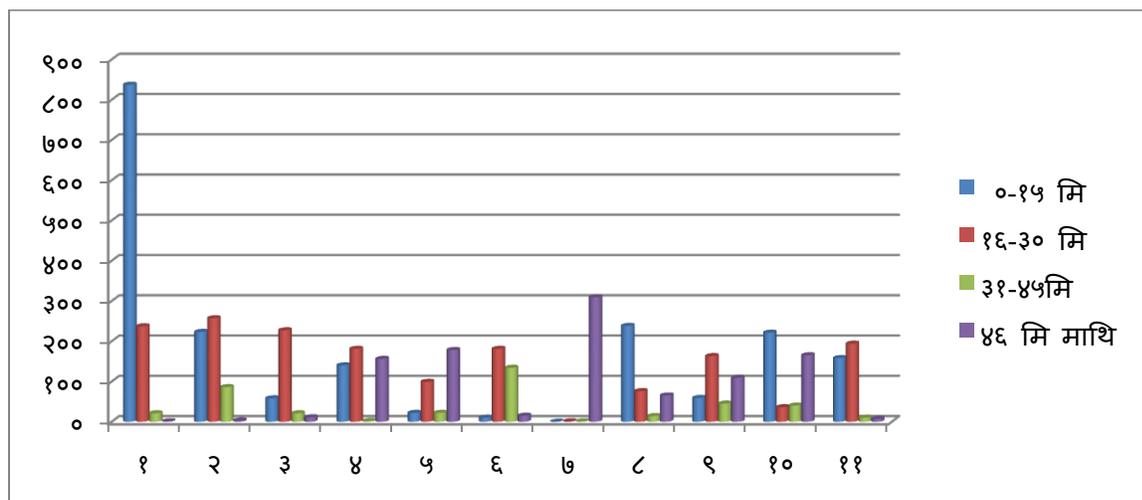
तालिका न.१३१ : गाउघर क्लिनिकमा पहुचको अवस्था

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथी	जम्मा घरधूरी
१	८३७	२३७	२१	१	१०९६
२	२२३	२५७	८६	३	५६९
३	५८	२२७	२१	११	३१७
४	१४०	१८१	२	१५६	४७९
५	२२	९९	२२	१७८	३२१
६	१०	१८१	१३४	१५	३४०
७	०	१	१	३०९	३११
८	२३८	७६	१४	६५	३९३
९	५९	१६३	४५	१०९	३७६
१०	२२१	३६	४०	१६५	४६२
११	१५८	१९४	१०	७	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न. १ देखि वडाहरूमा अझै पनि गाउघर क्लिनिकजान लाग्ने समय ४५ मिनेट भन्दा माथि बताउने घरधूरी १०१९ रहेको देखिन्छ । यसलाई प्रतिशतको आधारमा देहायको ग्राफमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

ग्राफ. ७: गाउघर क्लिनिकमा पहुचको स्थिति



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६ / २०७७

७.५. वैक तथा वित्तिय संस्थाहरु:

यस नगरपालिकामा वैक तथा वित्तिय संस्थाहरुमा स्थानीय समूदायको पहुचको अवस्था कस्तो छ, भनी यस स्थलगत अध्ययनका क्रममा घरधूरी सर्वेक्षण गरिएको थियो । यहाका वैक तथा वित्तिय संस्थाहरुमा यहाका मानिसहरुको बचत, ऋण तथा व्यावसायीक कामहरु दिन प्रतिदिन परिनै रहेको हुन्छ । अझ अहिले आएर प्रत्येक घरका एक सदस्य वैदेशिक रोजगारीमाबाहिर जाने हुनाले गर्दा पनि रेमिटेन्स सकलनको लागी पनि यस्ता वैक र वित्तिय संस्थाहरु आवश्यक भएसकेका छन् । यसका साथै गाउघरमा आफ्नै सानै भएपनि आम्दानीको केही अंश भविष्यका लागी बचत गर्ने परिपाटि बसेका कारणले गर्दा मानिसहरुलाई वैक र वित्तिय संस्था अति आवश्यक पनि भैसकेको छ । यस गाउपालिका वडा न. १ देखि ११ सम्म रहेका ५०३३ घरधूरी मध्ये सबै घरधूरीहरुले आफ्नो पहुच अनुसारको अवस्था बताएका थिए । जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

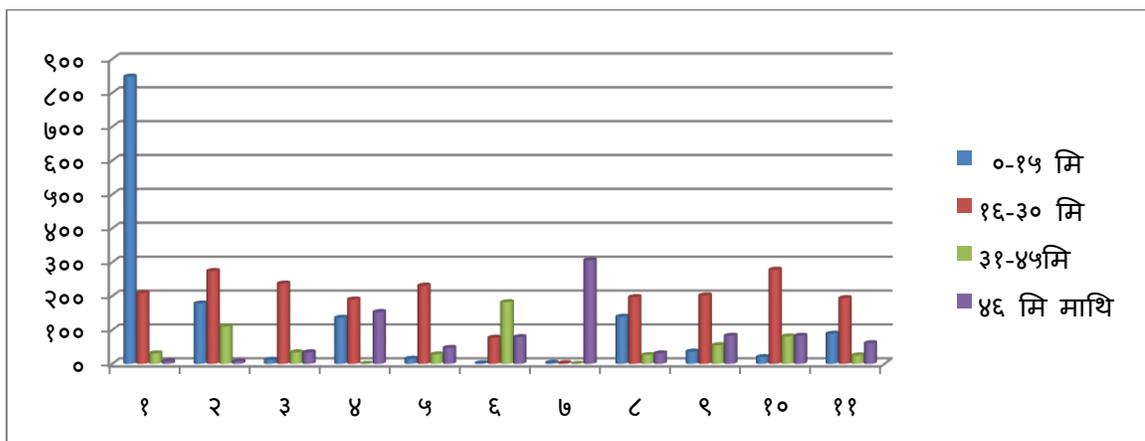
तालिका न.१३२ : वैक तथा वित्तिय संस्थामा पहुचको अवस्था

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथी	जम्मा घरधूरी
१	८४८	२०९	३१	८	१०९६
२	१७८	२७४	११०	७	५६९
३	१२	२३७	३४	३४	३१७
४	१३६	१९०	०	१५३	४७९
५	१५	२३१	२८	४७	३२१
६	२	७७	१८२	७९	३४०
७	३	२	०	३०६	३११
८	१३९	१९७	२६	३१	३९३
९	३६	२०२	५५	८३	३७६
१०	२०	२७८	८१	८३	४६२
११	८९	१९४	२५	६१	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६ / २०७७

माथीको तालिका अनुसार कति मिनेटभित्र कति घरधूरीले आफू नजिकको वैक तथा वित्तिय संस्थामा पुग्न सक्ने रहेछन् भन्ने तथ्यांक वडागत रुपमा नै देखिन्छ । ४६ मिनेट भन्दा बढी समय लाग्ने घरधूरीहरु अझै पनि यस नगरपालिकामा प्रशस्तै रहेको देखिन्छ । यस तालिकालाई प्रतिशतको आधारमा देहायको ग्राफमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

ग्राफ.८: वैक तथा वित्तिय संस्थामा पहुचको अवस्था



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

७.६. कृषि सेवा केन्द्र:

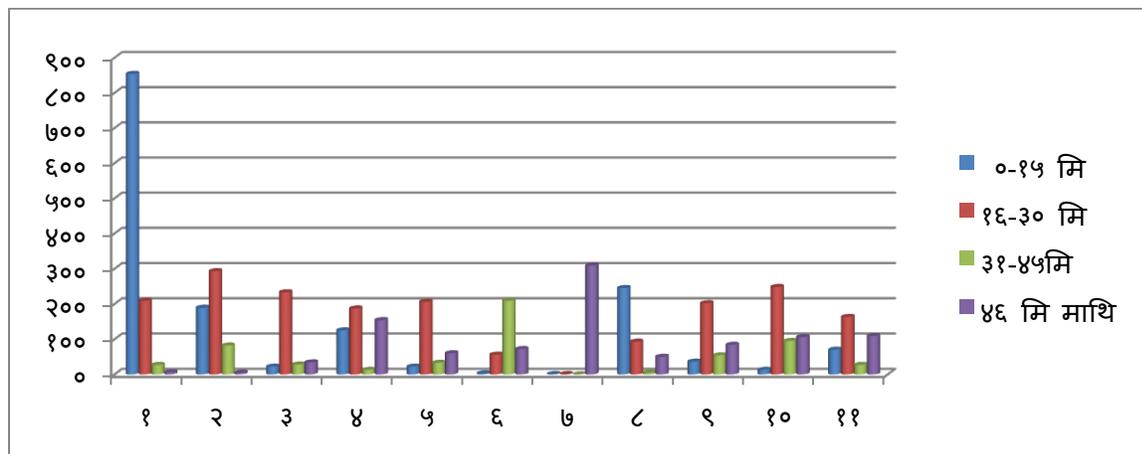
नेपाल कृषि प्रधान देश भएकोले सरकारको नीति तथा कार्यक्रममा पनि कृषिलाई पहिलो प्राथमिकतामा राखेर कार्यक्रमहरु अगाडी बढाउने गर्दछ । यहा अधिकांश क्षेत्रमा मौसमी खेती प्रचलनमा रहेकोले सरकारले कृषि सँग सम्बन्धीत वेमौसमी र उन्नत प्रविधी मार्फत कृषि कार्यलाई अगाडी सारेको छ । स्थानीय सरकारले पनि देश विकाशका लागि कृषि क्षेत्रमा लगानी र उत्पादकत्व वृद्धि गर्न ज्ञान, सीप र प्रविधीहरु भित्राउने गर्दछन् । कूल ग्राहस्थ उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको उत्पादकत्वलाई अझ बढी रुपमा लैजानको लागि कृषि क्षेत्रमा ज्ञान,सीप, प्रविधि र परामर्श जस्ता कुराहरु कृषक माझ पुर्याउन स्थानीय निकायहरुले विभिन्न क्षेत्रमा आफ्नो सेवा प्रवाह गर्ने वातावरण बनाएको हुन्छ । यस्ता स्थानीय तहका सेवा केन्द्रहरुले कृषि क्षेत्रमा आमूल परिवर्तन गर्नका लागि सेवाग्राहीले चाहेको ज्ञान, सीप र प्राविधीक विज्ञ वा सम्बन्धीत पक्षका अगुवाहरु वाट शिक्षा प्रदान गर्ने गर्दछन् । यस सप्तकोशीनगरपालिकामा कृषि सेवा केन्द्रहरुमा कृषकको पहुचको अवस्था कस्तो भन्ने वारे देहायको तालिकामा दिइएको छ ।

तालिका न.१३३ : कृषि सेवा केन्द्रमा स्थानीयको पहुच विवरण

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथि	जम्मा घरधूरी
१	८५४	२०९	२७	६	१०९६
२	१८९	२९३	८२	५	५६९
३	२२	२३३	२८	३४	३१७
४	१२५	१८७	१३	१५४	४७९
५	२२	२०६	३३	६०	३२१
६	३	५६	२०९	७२	३४०
७	१	१	०	३०९	३११
८	२४५	९३	५	५०	३९३
९	३६	२०२	५४	८४	३७६
१०	१३	२४८	९५	१०६	४६२
११	७०	१६३	२७	१०९	३६९

माथीको तालिका अनुसार त्यसवाट आफ्नो कृषि व्यवसायमा लाभ पुग्छ भन्ने कुरा जानकारी नपाएको, आफ्नो पायक पर्ने स्थलमा नभएको भन्ने गुनासो स्थलगत अध्ययनको क्रममा पाइएको थियो । यसलाई प्रशिक्षणको आधारमा देहायको ग्राफमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

ग्राफ. ९ कृषि सेवा केन्द्रमा पहुचको अवस्था



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

७.७. सहकारी संस्था :

नेपालका ग्रामिण भेगमा खुलेका वित्तीय संस्थाहरू मध्ये सबैभन्दा बढी बचत तथा ऋण सहकारी संस्था हुन् । गाउघर तिरका सानो तिनी बचत बैक भनेकै सहकारी संस्था हुन । यिनिहरूले गाउघरमा छरिएर रहको पूजिलाई एकतृत गर्ने कार्य गरेको हुन्छ । सहकारी संस्थाहरूले अन्य खालका गतिविधीहरू जस्ता कृषकहरूमा लक्षित गरेर दूध उत्पादन कृषि सहकारी संस्था, तरकारी खेती कृषक सहकारी संस्था, महिला जागरण जस्ता नाम दिएर क्षेत्रगत रुपमा सशक्तिकरणको काम पनि गर्ने गरेको पाइन्छ । यस्ता सहकारी संस्थाहरूमा गाउघरमा विनाधितो समूहगत जमानीमा कम व्याजदरमा ऋण पनि प्रवाह गर्ने गर्दछन् । यस्ता सहकारी संस्थाहरू मानिसको दैनिक जीवनमा प्रत्यक्ष सरोकार राख्ने भएका कारणले गर्दा यस नगरपालिकामा रहेका सहकारीहरूमा स्थानीय मानिसहरूको पहुचको स्थिति कस्तो छ भनि यस अध्ययनका क्रममा घरधूरीवाट तथ्यांक संकलन गरिएको थियो । जसलाई देहायको तालिकामा देखाइएको छ ।

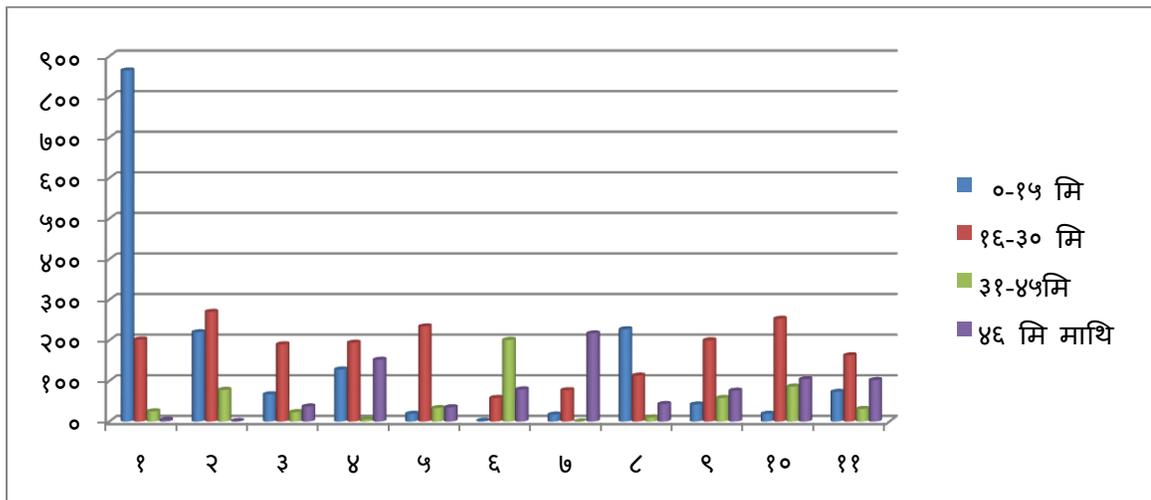
तालिका न.१३४ :सहकारी संस्थामा वडागतरुपमा पहुच सम्बन्धी विवरण

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथी	जम्मा घरधुरी
१	८६५	२०२	२५	४	१०९६
२	२२०	२७०	७८	१	५६९
३	६७	१९०	२३	३७	३१७
४	१२८	१९४	५	१५२	४७९
५	१९	२३४	३३	३५	३२१
६	२	५८	२०१	७९	३४०
७	१७	७७	०	२१७	३११
८	२२७	११३	१०	४३	३९३
९	४२	२००	५८	७६	३७६
१०	१९	२५३	८६	१०४	४६२
११	७३	१६३	३१	१०२	३६९

श्रोत:पार्श्वचित्र२०७६/२०७७

यसरी हेर्दा सहकारीको समग्र पहुचको अवस्था नगरपालिकामा देहाय बमोजिमको ग्राफमा प्रतिशतको आधारमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

ग्राफ.१० :सहकारी संस्थामा वडागतरुपमा पहुचको प्रतिशत विवरण



श्रोत:पार्श्वचित्र२०७६/२०७७

७.८. खेलमैदान:

खेलमैदानलाई मनोरञ्जनका माध्यमका रूपमा हेर्ने हाम्रो समाज हाल आएर केही परिवर्तन भएको पनि छ । मनोरञ्जनका अतिरिक्त शारीरिक स्वास्थ्य र आय आर्जन गरी जीविकोपार्जन गर्ने माध्यम पनि बनेको छ । खेलकुद र खेल माध्यम दुवै युवायुवतिको एकदमै चासोको क्षेत्र बनेको छ र हाल आएर प्रौढ अवस्था वृद्धवृद्धाहरुलाई समेत यसले आकर्षित गर्न थालेको छ । नगरपालिका अन्तर्गत खेलकुद मैदानमाथी वडा वासीहरुको पहुचको अवस्था कस्तो छ भनेर देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

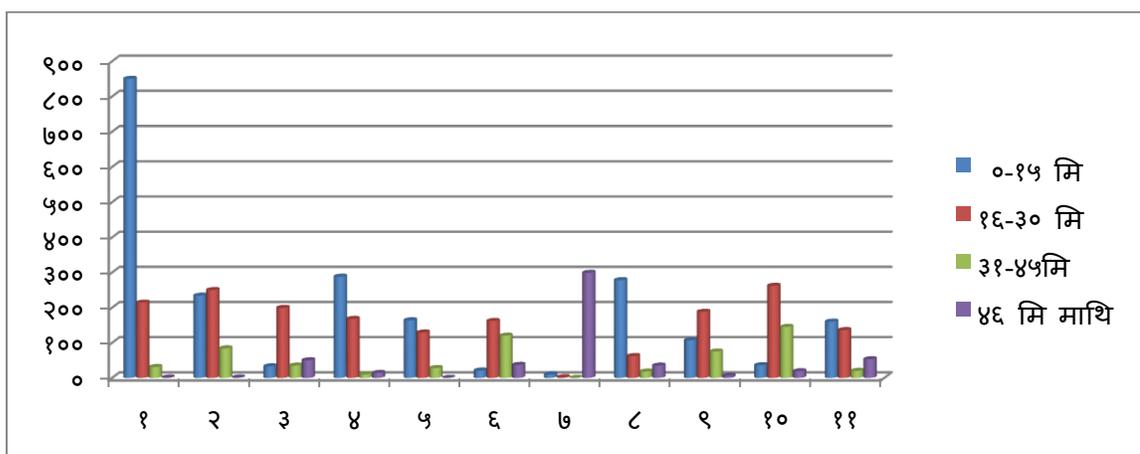
तालिका न.१३५ :खेलमैदान सम्मको पहुचको आधारमा घरधूरी विवरण

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथी	जम्मा घरधूरी
१	८५०	२१४	३१	१	१०९६
२	२३४	२५०	८४	१	५६९
३	३३	१९९	३५	५०	३१७
४	२८७	१६८	१०	१४	४७९
५	१६४	१२९	२८	०	३२१
६	२१	१६२	१२०	३७	३४०
७	१०	२	०	२९९	३११
८	२७८	६२	१८	३५	३९३
९	१०७	१८८	७५	६	३७६
१०	३६	२६२	१४५	१९	४६२
११	१६०	१३६	२०	५३	३६९

श्रोत: पाश्चिमाञ्चल २०७६/२०७७

माथीको तालिका अनुसार खेलमैदानमा वडागत रूपमा पहुचको अवस्था हेर्दा अबै पनि नगरपालिकाका धेरै जसो वडावासीहरुले हाम्रो समूदायमा खेल मैदान नभएको स्थलगत अध्ययनका क्रममा बताएका थिए । यस तालिकामा ५०३३ घरधूरी मध्ये केही घरधूरीले मात्र हाम्रो समूदायमा आसपास खेलमैदान रहेको त्यहा जाने समय बताएका थिए भने अन्यले हाम्रो आसपास तथा समूदायमा खेलमैदान नभएको बताएका थिए । यसलाई प्रतिशतको आधारमा देहायको ग्राफमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

ग्राफ.११:खेल मैदानमा पहुचको विवरण



श्रोत: पाश्चिमाञ्चल २०७६/२०७७

७.९. स्थानीय बजारमा पहुचको अवस्था सम्बन्धी विवरण:

सप्तकोशी नगरपालिका अन्तर्गत सबै वडाहरूबाट स्थानीय हाटबजारमा पहुचको अवस्था कस्तो छ भन्ने बारेको जानकारी पनि महत्वपूर्ण हुन्छ। स्थानीय व्यक्तिहरू दैनिक जीवनसँग सम्बन्धीत किनमेल, बेचबिखन जस्ता कुराहरूका साथसाथै स्थानीय स्तरमा उब्जनी भएका वस्तुहरू कय विक्रय गर्ने हुनाले ती स्थानहरू महत्वपूर्ण हुन जान्छ। कुनै पनि उत्पादनको बजारिकरण भएमा सोको उत्पादन स्वतः बढ्छ र उत्पादकलाई फाइदा हुन्छ। स्थानीय स्तरमा हाटबजार भएको खण्डमा स-सानो उत्पादनहरू पनि बजारमा कय विक्रय हुने हुदा कृषकहरूलाई फाइदा पुग्छ। हाट बजारबाट कृषकहरूले बजार मूल्य र आफ्नो उत्पादनको बारेमा जानकारी प्राप्त गर्ने हुदा स्थानीय बजारको विकाशले व्यापार र व्यवसायमा ठूलो महत्व राख्छ। यस नगरपालिकामा स्थानीय हाट बजारमा गाउवासीहरूको पहुचको अवस्था कस्तो र कति समयमा पुग्ने रहेछन् भनि देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

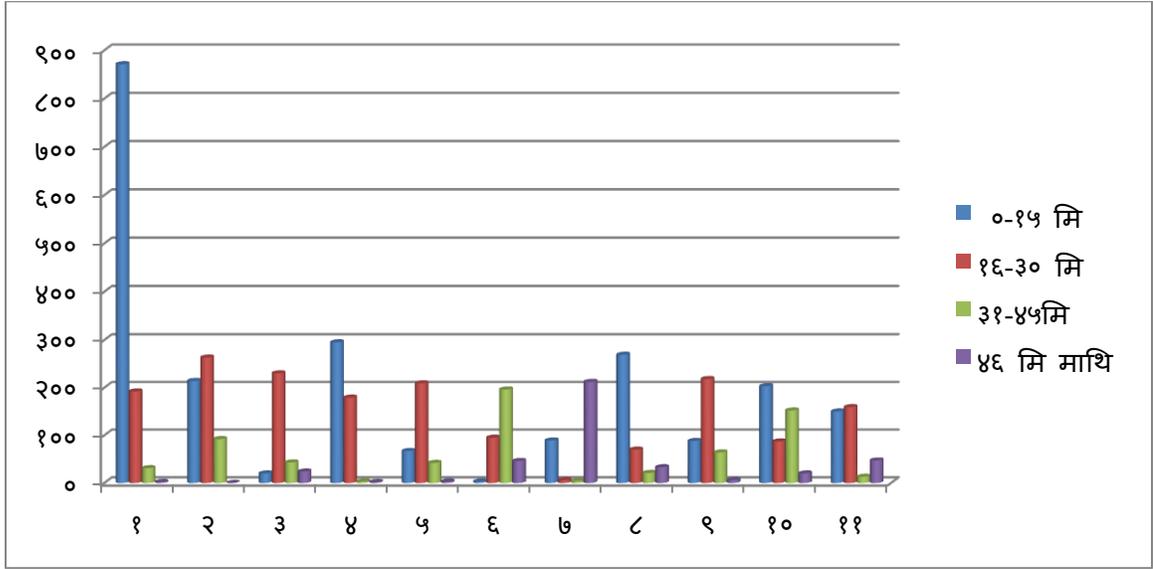
तालिका न.१३६ :स्थानीय हाट बजारमा पहुचको अवस्था

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथी	जम्मा घरधूरी
१	८७१	१९२	३१	२	१०९६
२	२१४	२६३	९२	०	५६९
३	२०	२३०	४३	२४	३१७
४	२९५	१७९	३	२	४७९
५	६७	२०९	४२	३	३२१
६	३	९५	१९६	४६	३४०
७	८९	६	४	२१२	३११
८	२६९	७०	२१	३३	३९३
९	८८	२१८	६४	६	३७६
१०	२०३	८७	१५२	२०	४६२
११	१५०	१५९	१३	४७	३६९

श्रोत: पाश्चिमा २०७६/२०७७

माथीको तालिकालाई प्रतिशतको आधारमा हेर्दा समग्र जनसमूदायको अवस्था देहाय बमोजिम देखिन्छ।

ग्राफ.१२ : स्थानीय हाट बजारमा पहुच सम्बन्धी विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

७.१०. सामूदायिक भवनसम्मको पहुच विवरण:

नगरपालिका अन्तर्गत विभिन्न सामूदायिक भवनहरूमा जनसमुदायको पहुचको अवस्था कस्तो छ, कति टाढा नजिक भन्ने विषयले धेरै ठूलो प्रभाव पार्दछ। सामूदायिक भवनहरूमा विभिन्न खालका क्रियाकलापहरू हुने गर्दछन्। जसले गर्दा स्थानीय स्तरमा मानिसहरूको भेला, जमघट, कुनै सभा सम्मेलन, गाउँ समाजका छलफल जस्ता कार्यहरूमा उपयोगमा आउने गर्दछ। यस्ता भवनहरू हाल नेपालका सबै नगरपालिकाका वडाहरूमा छन् भन्ने मान्यता राहेको पाइन्छ। यस अभ्ययनका क्रममा सप्तकोशीनगरपालिकाको क्षेत्रमा अझ पनि केही घरधूरीहरूले सामूदायिक भवनका बारेमा थाहा नपाएको र हाम्रो समुदायमा त्यस्तो भवनहरू छैनन् भनि बताएका थिए। यसलाई वडागत रूपमा देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

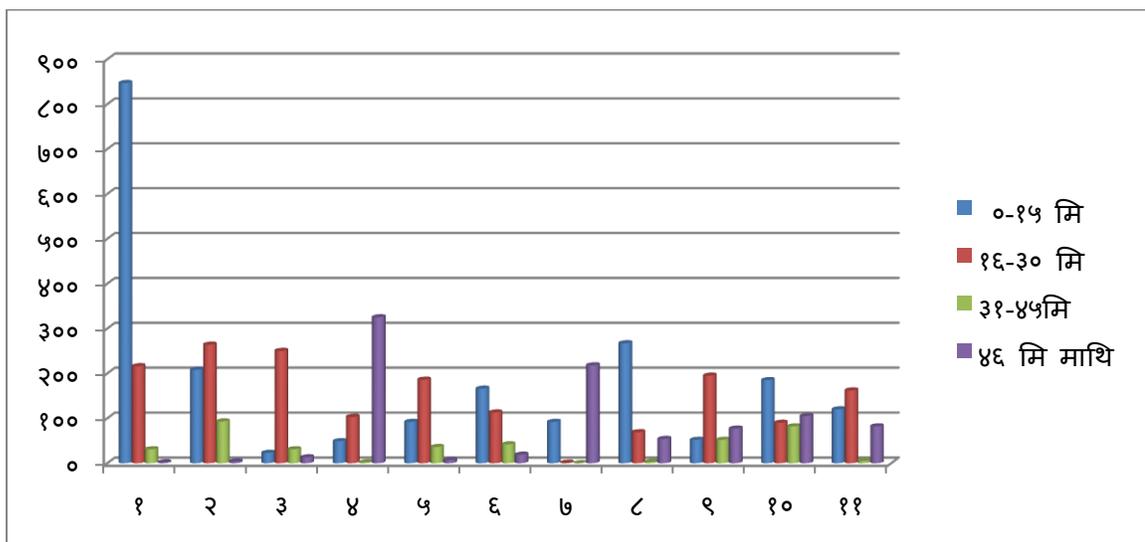
तालिका न.१३७: सामूदायिक भवनमा पुग्न लाग्ने समयको आधारमा वडागत विवरण

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथि	जम्मा घरधूरी
१	८४७	२१६	३१	२	१०९६
२	२०८	२६४	९३	४	५६९
३	२३	२५०	३१	१३	३१७
४	४९	१०३	२	३२५	४७९
५	९२	१८६	३६	७	३२१
६	१६६	११३	४२	१९	३४०
७	९२	१	०	२१८	३११
८	२६७	६९	३	५४	३९३
९	५२	१९५	५२	७७	३७६
१०	१८५	९०	८२	१०५	४६२
११	१२०	१६२	५	८२	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार यस सप्तकोशी नगरपालिकाका ११ वटै वडाको जम्मा घरधूरी ५०३३ मध्ये सामूदायिक भवनका बारेमा जानकारी राख्ने घरधूरी केही मात्र यस अध्ययनको क्रममा पाइयो । यस तालिकालाई प्रतिशतको आधारमा तलको वृत्तचित्रमा देखाइएको छ ।

ग्राफ.१३ : सामूदायिक भवनमा पहुचको आधारमा प्रतिशत विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/२०७७

७.११. शवदाह गर्ने स्थानमा पहुचको अवस्था:

यस सप्तकोशी नगरपालिकामा शवदाह गर्ने स्थानको बारेमा सबै वडावासीहरूको आ-आफ्नो समूदायबाट कति टाढा र पहुचको अवस्था कस्तो छ भनेर यस शिर्षकमा छलफल गरिएको थियो । यस नगरपालिकामा धेरैजसो घरधूरीहरूले यस प्रश्नको जवाफमा यो हाम्रो समूदायमा वा नगरपालिकामा छैन अन्यत्र जानु पर्छ, धेरै टाढा छ भन्ने पनि जवाफ आएको छ । खोला किनारमा अव्यवस्थित पनि रहेको उल्लेख गरेका थिए । नगरपालिकाका ४८३० घरधूरी मध्ये जम्मा केही घरधूरीले मात्र यस प्रश्नको जवाफ दिएका र अन्य घरधूरीले यस वडामा, समूदायमा छैन भनि वतएका थिए । यसलाई अझ तलको तालिकामा वडागत रूपमा विस्तृत विवरण दिइएको छ ।

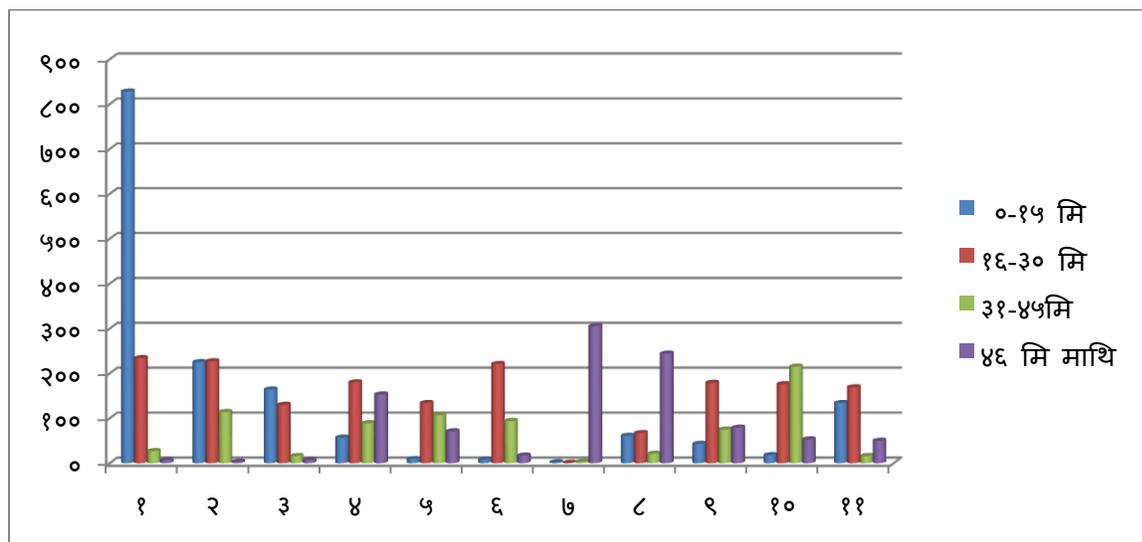
तालिका न.१३८: शवदाह गर्ने स्थल सम्मको सहजता सम्बन्धी विवरण

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथि	जम्मा घरधूरी
१	८२८	२३४	२७	७	१०९६
२	२२५	२२७	११४	३	५६९
३	१६४	१३०	१६	७	३१७
४	५७	१८०	८९	१५३	४७९
५	९	१३४	१०७	७१	३२१
६	८	२२१	९४	१७	३४०
७	२	१	३	३०५	३११
८	६१	६७	२१	२४४	३९३
९	४३	१७९	७५	७९	३७६
१०	१८	१७६	२१५	५३	४६२
११	१३४	१६९	१६	५०	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार समग्रमा हेर्दा ५०३३ घरधूरी मध्ये केही घरधूरीले मात्र यसमा आफ्नो पहुच र सहजताको अवस्था रहेको बताएका थिए । त्यसैले मृत्यू संस्कार सम्बन्धी यस कार्यमा नगरपालिकाकै विभिन्न वडाहरूमा व्यवस्थित शवदाह स्थलको आवश्यकता देखिएको छ । यसलाई प्रतिशतको आधारमा देहायको ग्राफमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

ग्राफ.१४: शवदाह स्थल सम्मको पहुचको अवस्था



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

७.१२. हुलाक सेवा केन्द्र:

२१ औं शताब्दीको आम सञ्चारको युगमा एक क्लिकमा संसारको प्राप्त हुन सक्ने सवै समाचार तथा जानकारी पाइने अवस्थामा हाम्रोमा पहिला देखिनै चलिआएको चिट्ठी आदानप्रदानका लागी प्रयोग हुने सेवा हिजो आज पनि सरकारी कामकाज, अड्डा अदालत तथा अन्य विभिन्न प्रयोजनमा आवश्यक पर्ने गरेको छ । यस युगमा पनि सरकारी कामकाज, अड्डा अदालती काम कारवाहि जस्ता कुराहरु गर्नुपर्ने भएमा हुलाक मार्फत नै गरेको छ। त्यसैले नेपाल सरकारको आम सञ्चारको क्षेत्रको हुलाक सेवा मा स्थानीय नगरपालिकावासीहरुको पहुचको स्थिति कस्तो छ भनी यस अध्ययनमा तथ्यांक संकलन गरिएको थियो जसलाई वडागत रुपमा देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

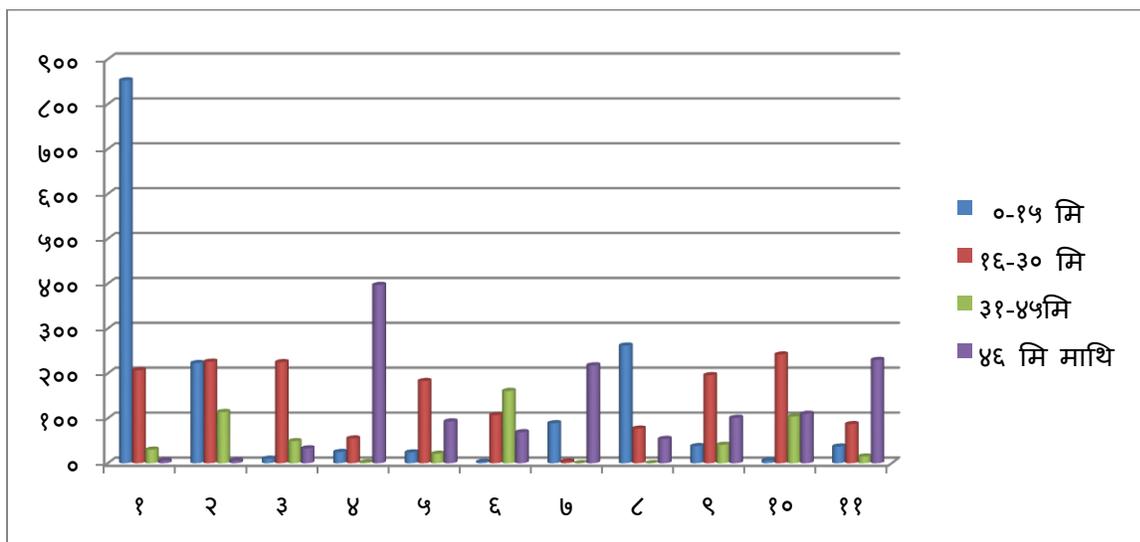
तालिका न.१३९ : हुलाक सेवा केन्द्रमा पहुच सम्बन्धी विवरण

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथि	जम्मा घरधूरी
१	८५३	२०७	३०	६	१०९६
२	२२३	२२६	११४	६	५६९
३	१०	२२५	४९	३३	३१७
४	२५	५५	२	३९७	४७९
५	२४	१८३	२१	९३	३२१
६	३	१०७	१६१	६९	३४०
७	८९	४	०	२१८	३११
८	२६२	७७	०	५४	३९३
९	३८	१९६	४१	१०१	३७६
१०	६	२४२	१०४	११०	४६२
११	३७	८७	१५	२३०	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा हुलाक सेवा कार्यलयका वारेमा पनि अधिकांश घरधूरीलाई छ, भन्ने कुरा थाहा नभएको तथा हाम्रो समूदायमा वा वडामा छैन भनी वताएका थिए । यसलाई प्रतिशतको आधारमा देहायको ग्राफमा देखाइएको छ ।

ग्राफ.१५ :हुलाक सेवा केन्द्रमा पहुच सम्बन्धी विवरण



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

७.१३. गैर सरकारी संस्था:

यस नगरपालिकामा विभिन्न स्तरमा गैर सरकारी संस्थाहरु कार्यरत रहेका हुन सक्छन् । उनीहरुले आ-आफ्नो कार्यहरु विभिन्न रुपमा सञ्चालन गरेर गाउ, टोल, समाज तथा देशक विकाशका लागी टेवा पुर्‍याएको हुन सक्छ । यस्ता गैर सरकारी संघ संस्थाहरुमा गाउवासीहरुको पहुचको स्थिति कस्तो छ, भनि यस अध्ययनका क्रममा तथ्यांक संकलन गरिएको थियो जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

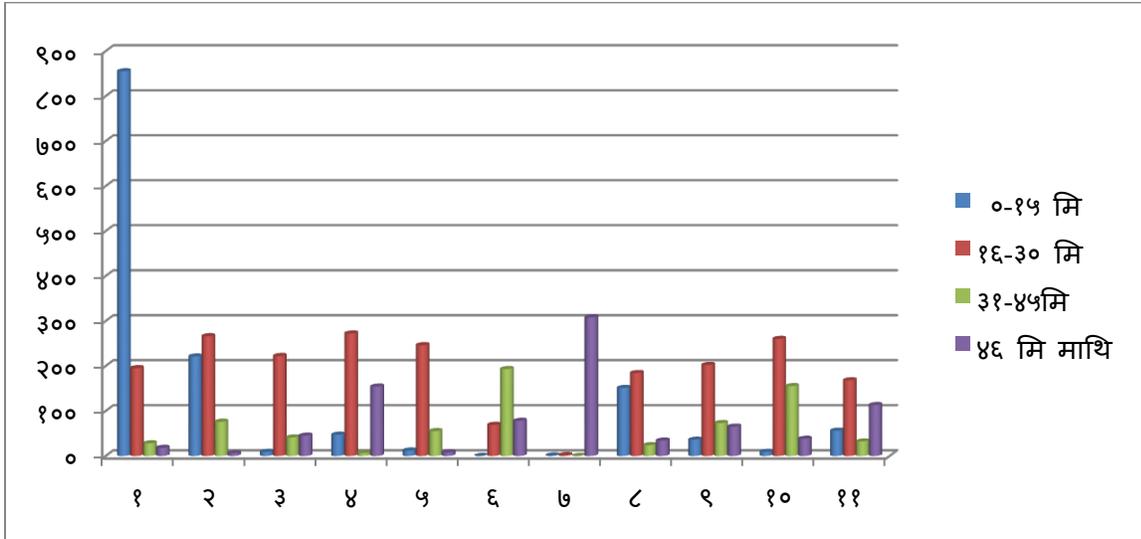
तालिका न.१४०: गैर सरकारी संघ संस्थामा वडावासीको पहुच सम्बन्धी विवरण

वडा.न	० - १५ मीनेट	१६ - ३० मीनेट	३१ - ४५ मीनेट	४६ मीनेट माथि	जम्मा घरधूरी
१	८५५	१९५	२८	१८	१०९६
२	२२१	२६६	७६	६	५६९
३	९	२२२	४१	४५	३१७
४	४७	२७२	६	१५४	४७९
५	१२	२४६	५५	८	३२१
६	०	६९	१९३	७८	३४०
७	१	२	०	३०८	३११
८	१५१	१८४	२४	३४	३९३
९	३६	२०२	७३	६५	३७६
१०	९	२६०	१५५	३८	४६२
११	५६	१६८	३२	११३	३६९

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकाका सबै वडाहरूबाट गैर सरकारी संस्थामा पहुचको अवस्था हेर्दा समय विभाजनका आधारमा पहुच रहेको र केही घरधूरीले नगरपालिकामा यस्ता संस्था छैन वा हाम्रो गाउ, टोल , समाज र वडामा नै नभएको तथा केहीले थाहा नभएको बताएका थिए । यसलाई प्रतिशतको आधारमा निम्न ग्राफमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

ग्राफ.१६: गैर सरकारी संघ संस्थामा पहुचको अवस्था



श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

वन तथा वातावरणिय स्थिति :

यस परिच्छेदमा सप्तकोशी नगरपालिका भित्रको वन, वातावरण तथा जैविक विविधता, प्राकृतिक प्रकोप र विपदको अवस्थाको बारेमा चर्चा गरिएको छ ।

८.१. वन जंगल र खोलानाला:

यस नगरपालिकामा वन जंगल को अवस्था सिमावर्ती गाउ र नगरपालिकाहरुमा मात्र रहेको यसको भौगोलिक अवस्थितिमा देखिन्छ । खोलानाला यस नगरपालिकामा ठूला नभए पनि धेरै वटा स-साना खहरे, खोल्सा र नालाहरु रहेको पाइन्छ, भने यस नगरपालिकालाई पूर्वमा तथा पश्चिम मा...वटा खोलाहरुले सिमा रेखा भौगोलिक रुपमा छुट्याएको पाइन्छ । यि र यस ठाउका ठूला खोला भएपनि यस ठाउको सिचाइको लागि काशी नदीवाट आएका दुइवटा सिचाइका ठूला नहरहरुले यहाको जमिनको धेरै भू-भागमा सिचाइ सुविधा पुर्याएको पाइन्छ । यस क्षेत्रको पूर्व उत्तरी भू-भागमा उष्ण प्रदेशिय प्रकारको वन भएकोले यहाको हावापानी जाडोमा अत्यधिक जाडो र गर्मीमा पनि अत्यधिक गर्मी हुने हुन्छ । यस नगरपालिकाका वासीन्दाले व्यक्तिगत रुपमा आफ्नो खेतवारी तथा उच्चा जमिनहरुमा वृक्षरोपण गरी नगरपालिकाको क्षेत्रलाई हराभरा नै राखेको पाइन्छ । आप, लिच्ची, कटहर जस्ता फलफूल बगान तथा उच्चा जमिनमा वास, सिसौ, सिमलका रुख तथा बोट विरुवाहरु प्रशस्तै मात्रामा पाइने गरेको छ ।

८.२. जैविक विविधता र वातावरणिय अवस्था :

यस नगरपालिकामा जैविक विविधताको रुपमा हेर्ने हो भने अत्यन्त नया रुपमा पाइन्छ । यस क्षेत्रमा हालसम्म कुनै अध्ययन अनुसन्धान भएको पाइदैन । स-साना खालि जमिनमा उभिएका बोट विरुवा ले यहाको वातावरणिय स्वच्छता प्रदान गरेको छ । जडीवुट्टि जन्त्य बोट विरुवा, जंगली जनावर तथा पशुपक्षीहरुका वारेम यस क्षेत्रमा अध्ययन अनुसन्धान नभएका कारणवाट वातावरणिय क्षेत्र एकदमै नया क्षेत्र मान्नु पर्ने देखिन्छ । यस नगरपालिकामा पाइने प्रमुख चराचुरुङ्ग तथा जंगली जनवारहरु स्थाई र यहि ठाउका नभएर बाहिरवाट आउने र केही समय यस क्षेत्रमा विचरण गरी पुन आफ्नै वासस्थान फर्कने भएकोले यस क्षेत्रमा स्थाई रुपमा पाइने वन्यजन्तु र चराचुरुङ्गहरु स्थाई प्रकृतिका छैनन् । पर्यावरणिय सन्तुलनका लागि पारिस्थितिक जैविक प्रणालीलाई सन्तुलित रुपवाट कायम राख्न ,जिवजन्तु , वनस्पति र प्राणी बिच स्थापित सम्बन्धलाई दिगो रुपमा कायम राख्न सजगता अपनाउनु पर्ने देखिन्छ । दिगो विकासका निम्ति पूर्वाधार विकाशका क्रममा हुने वतावरणिय, प्राकृतिक तथा पारिस्थितिक विनासलाई न्यूनिकरण गर्न नितान्त आवश्यक छ । वातावरणिय असन्तुलनले प्राणी तथा वातावरणिय अन्य क्षेत्रमा क्रमिक रुपमा ह्रास र विनास हुदै अन्ततः लोप हुने अवस्था पनि हुन सक्दछ । विषम हावापानीमा विभिन्न जात, जाती र प्राणी तथा वनस्पति रहेको यस नगरपालिकामा यसको सम्बर्द्धन संरक्षणको लागि स्थानीय वासिन्दाहरुले जानेर वा अन्जानमा भइ रहेको दोहनलाई सम्बोधन हुनु जरुरी पनि देखिन्छ ।

मानव जीवनको लागि जैविक विविधताको संरक्षण अपरिहार्य छ । दैनिक जीवनको लागि आवश्यक पर्ने पारिस्थितिक तथा जैविक प्रणालीको सन्तुलनको लागि समेत महत्वका साथ हेर्नु पर्ने हुन्छ । यस नगरपालिका क्षेत्रमा अत्यधिक आधोगिक प्रतिष्ठानहरु भएको तथा वातावरणिय क्षेत्रमा शुन्य दरमा काम भएका कारणले भविष्यको लागि यस क्षेत्रले आजैवाट गहन रुपमा सोच्नु पर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

जैविक विविधताको रुपमा यस क्षेत्रमा अस्थाई रुपमा विचरण गर्ने प्रमुख जनावर तथा चराचुरुङ्गहरु सम्बन्धी विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरीएको छ ।

तालिका न.१४१ : अस्थाई विचरणका रुपमा पाइने जनवार र चराचुरुङ्गी

वासस्थानको नाम	मुख्य अस्थाई रुपमा पाइने जनवारको नाम	मुख्य जंगली चराचुरुङ्गी	सरीसृप
सामूदायिक वन	हात्ती, बाँदर, बदेल	सुगा, धनेश, कोयल	गोमन, करेत
धार्मिक वन	हरिण, चित्तल	काग, रुप्पी,लाटोकोशेरो	धामन, गोहोरो
निजि वन	निलगाई, दुम्सी	चीवे, बाज, मैना	हरेउ, सिरिसे
सरकारी वन	खरायो,स्याल, न्याउरी मुसा आदी,	ढुकुर, बट्टाई, जुरेली, चिल, चमेरा, घोवी चरा, तोप चरा, माटिकोरे आदी	डोम जातका पानी सर्प आदी

श्रोत: वन कार्यलय सप्तरी, २०७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकामा अस्थाई तथा स्थाई प्रकृतिका जनवारहरु पाइने गरेका छन् । यहा वासस्थानको लागी स्थान अभावको कारणले यहा स्थाई रुपमा सरिसृप र स्थानीय चराचुरुङ्गीहरु जुन खुल्ला क्षेत्र तथा वासका भाङ्ग मा बसोवास गर्दछन् । ति बाहेकका अन्य अस्थाई प्रकृतिका मात्र वन्यजन्तु पाइने गरेको छ ।

८.३. प्राकृतिक प्रकोप र विपदको व्यवस्थापन:

सप्तकोशी नगरपालिकाको धरातलिय स्वरुपको हिसावमा हेर्दा समथर तराइ भू-भाग रहेको पाइन्छ । यो क्षेत्र सप्तरी जिल्लाकै अत्यन्त उर्वर भूमिका रुपमापनि परिचित रहेको छ । यहाको माटो कालो, दोमट भएको हुदा उत्पादन राम्रो हुन्छ । यहा वलौटे माटो भएको क्षेत्र र कालो चिन्टाइलो माटो भएका कारणले वलौटे दोमट भू-भागमा भूक्षय हुने भएकोले उच्च जोखिम पूर्ण रुपमा पनि रहेका छन् । भौगोलिक हिसाबले कमजोर भू-भाग र तल्लो खालको अवस्थाले गर्दा यहा वर्षेनि भूक्षय, बाढी, नदीकटान र डुवान हुने गरेको छ । यसरी वातावरणिय असन्तुलन भएका कारणले हुने प्राकृतिक प्रकोप ले यस क्षेत्रमा वार्षिक रुपमा धेरै ठूलो धनजनको क्षति हुने गरेको छ । यस तितो अवस्थालाई मनन गर्दै भूक्षय, बाढी र डुवानको क्षेत्रमा यसका समस्या र कारणहरु पहिल्याएर समाधानका लागी एक निकायलाई मात्र जिम्मेवार नठानी प्राथमिकताका साथ अगाडी बढनु र बढाउनु पर्ने आजको टड्कारो आवश्यकता देखिन्छ । यस नगरपालिकामा वार्षिक रुपमा हुने प्रकोपका विवरणलाई देहायको तालिकामा दिइएको छ ।

तालिका न.१४२ : प्राकृतिक प्रकोपको अवस्था

क्र.स	सम्भावित प्रकोप	विद्यमान अवस्था	समय
१	भुकम्प	भुकम्पय जोखिमका दृष्टिले नेपनल विश्वका ११ औँ स्थानमा रहेको छ र गाउपालिकामा भुकम्प प्रतिरोधी भवन कमै मनत्रामा भएको, भवन आचारसंहिता लागु नभएको ।	जुनसुकै समयमा
२	बाढी/डुवान	गाउमा साना तिना नदि/खोला बग्ने गरेको र वर्षा याममा नदी तथा खोलाहरुले आसपासका भू-भागहरु वर्षेनि कटान गरि क्षति पुर्याइरहेकोछ । वर्षेनि धेरैपरिवार प्रभावित तथा जनधनको ठूलो क्षति हुने भइरहेको छ ।	असार, श्रावण, भाद्र
३	आगलागी	अति विपन्न समूदायका घरहरुमा सचेतनाको अभाव, अग्नीनियन्त्रण यन्त्रको अभाव, चुल्होमा आगो वाल्दा मटिटतेलको प्रयोग, सलाई लाइटर जस्ता आगोवाल्ने वस्तुहरु बच्चाले खेलाउदा, विद्युतिय सर्ट र सर्किटका कारणले आगलागीका घटनाहरु बढी हुने गरेको ।	चैत-जेष्ठ
४	महामारी	प्रकोपको रुपमा भाडापखाला लगायत पानीजन्य रोग बढ्ने गरेको, श्रोत साधनको अभाव र जनचेतनामा	विपद पछि, अन्य

		कमी,अनुकुल क्षमताको कमी ।	समयमा
५	वर्डप्लु ,अन्यप्लु	अव्यवस्थित कुखुरा तथा सुगुर, हाँस पालन ।	जुनसुकै समयमा
६	मौसमी सुख्खा	पानी नपरेको समय, नहरको पानी नपुगेको क्षेत्र ।	जुनसुकै समयमा
७	फिट आतंक	जदवायु परिवर्तन, बढी विषदी प्रयोगका कारण लाभकारी चरा र किरा लोप	खेती मौसम
८	चट्याड, असिना	बढीजसो पानी परेको वर्षा याममा	जुनसुकै समयमा

श्रोत: स्थलगत अध्ययन र जिल्ला प्रोफाइल -२०७२/०७३

८.४. प्राकृतिक विपद वा प्रकोपको आधारमा पारिवारीक विवरण :

यस नगरपालिकामा सम्पूर्ण घरधूरीहरुलाई परिवार बसोवास गरेको स्थानमा विगत ५ वर्षको अवधिमा कस्ता-कस्ता विपद वा प्रकोपको सामना गर्नु भयो, भोग्नु भयो भनी बहुउत्तर आउने प्रश्न सोधिएको थियो । यस्ता विपद र प्राकृतिक प्रकोप तथा मानव असावधानी का तर्फबाट भएको घटना , दूर्घटना जस्ता विषयहरुले प्रत्यक्ष रुपमा हानी, नोक्सानी र क्षति गराएको पाइएको छ । यस गाउपालिकामा विगत ५ वर्षमा भएका क्षतिको विवरणहरु देहाय बमोजिम रहेका छन् ।

तालिका न.१४३ : प्रकोपको आधारमा क्षतिको आर्थिक तथा मानविय विवरण

क्र.स	प्रकोपको विवरण	आर्थिक क्षति	घाइते	मानविय क्षति, विरामी, प्रभावित	मृत्यू
१	भुकम्प	३८२५०००	०	१४	०
२	पहिरो	१९००००	०	०	०
३	बाढी , डुवान	१६१५६२४३३	१	३२१५	१०
३	आगलागी	१२१६०००	२	२	०
४	महामारी	०	०	०	०
५	खडेरी	६००००	१	५	०
६	सडक दूर्घटना	८१४००००	५	६	०
७	अन्य	६००००	०	०	०

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार नगरपालिकामा विगत ५ वर्षको अवधिमा भएका यस गाउपालिका का ११ वटै वडाहरुमा भएको प्राकृतिक प्रकोपहरु मध्ये भुकम्प , बाढी डुवान, आगलागी , महामारी , खडेरी , सडक दुर्घटना तथा विभिन्न प्रकारका क्षतिहरुका वारेमा तथ्यांक दिइएको छ । यस नगरपालिकामा अत्यधिक क्षति हुने प्राकृतिक प्रकोपहरुमा बाढी तथा डुवान, सडक दूर्घटना र आगलागी जस्ता प्रकोपहरु प्रमुख रहेका छन् ।

९.१. आवश्यकताको विश्लेषणको पृष्ठभूमि:

यस परिच्छेदमा यस नगरपालिकाका ११ वटै वडाहरूमा आवश्यकताको वडागत रूपमा स्तरीकरण गरी विश्लेषण गरिएको छ । स्थलगत अध्ययनका क्रममा घरधूरी सर्वेक्षण गर्दा प्रत्येक घरधूरीमा तपाइको नगरपालिका वा वडा कार्यलयवाट तत्कालै के सेवा वा चाहनाको इच्छा राख्नु भएको छ वा तपाइ विकाश निर्माण वा पूर्वाधारको क्षेत्रमा तत्कालै के चाहना राख्नुहुन्छ भनी प्रश्न राखिएको थियो । यसरी प्राप्त ९०% भन्दा बढी घरधूरीले जवाफ दिएको वा आफ्नो गाउ, टोल, समाज र वडाका विकाशका निम्ती दिइएका आवश्यकताहरूलाई स्तरिकरण गरी व्यक्तिगत चाहना वा इच्छाइएका कुरा भन्दा समूगत हक हितका लागी व्यक्त गरिएको आवश्यकतालाई लिएर विश्लेषण गरिएको छ ।

यस परिच्छेदमा व्यक्तिगत आवश्यकता भन्दा सामूहिक आवश्यकताहरूको coding गरी यस तथ्यांकलाई विश्लेषण गर्नु महत्वपूर्ण हुन जाने हुदा यहा व्यक्ति विशेष वा निश्चित घरधूरीको आवश्यकता भन्दा समग्र वडाको विकाश निर्माण, कुनै वर्ग विशेष भन्दा समग्र नगरपालिकाको हित र उत्थानका लागी व्यक्त गरिएको विचार र आकांक्षा लाई यहा विश्लेषण गरिएको छ । व्यक्तिगत रूपका आवश्यकता जस्तै भुलको व्यवस्था, १ थान विजुली पोल, लत्ता कपडा, पानी छान्ने फिल्टरको व्यवस्था जस्ता व्यक्तिगत आवश्यकतालाई यस स्तरीकरणमा समावेश गरिएको छैन ।

सप्तकोशी नगरपालिकाका ११ वटै वडाहरूमा तत्कालै का आवश्यकताहरूको स्तरिकरण अर्थात प्राथमिकीकरण गर्ने सवालमा व्यक्तिगत आवश्यकता , पारिवारीक आवश्यकता जस्ता कुराहरूलाई सामाजिकीकरण र समूदाय, वर्गको हितमा देखिने सम्भावना रहेका आवश्यकताहरूलाई गाउ, टोल र समाजका कुनै वर्ग विशेषका हितका लागी उपयुक्त हुने सम्भावना देखिएका कुराहरूलाई यस प्राथमिकीकरण गर्दा मूलत त्यस वडामा प्रत्येक घरधूरीले पहिलो प्रकृतिको कुरा बताउने सन्दर्भ सँग मेल खाने भएकोले आवश्यकताको विश्लेषण गर्दा बढी भन्दा बढी घरधूरीले बताएका कुराहरूलाई प्राथमिकतामा राखेर त्यसैगरी दोश्रो तथा तेश्रो आवश्यकता पनि विश्लेषण गरिएको छ ।

९.२. विकाश आवश्यकताको प्राथमिकीकरण :

यस अध्ययनका क्रममा गरिएको स्थलगत सर्वेक्षण वाट प्राप्त आवश्यकताहरूको वर्गिकरण गरी घरधूरीहरूमा सबैभन्दा बढी घरधूरीले बताएका आवश्यकतालाई पहिलो त्यसैगरी दोश्रो र तेश्रो गरी वर्गिकरण गरेर विश्लेषणात्मक कुराहरूलाई तालिकीकरण गरिएको छ ।

तालिका न.१४४ : वडा न.१ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	सीपमूलक तालिम महिला/पुरुष	खानेपानीको व्यवस्था	फोहोर व्यवस्थापन र डस्विन व्यवस्था
२	सुलभ र निशुल्क स्वास्थ्य	गरिवि को समाधान	गुणस्तरीय शिक्षा र प्राविधिक शिक्षा
३	तटबन्ध र बाढी नियन्त्रण	रोजगार श्रृजना र व्यवस्था	दमकल को व्यवस्था
४	बाटो ग्राभेल र मर्मत	सुकुम्वासी समस्या समाधान	वृद्धवृद्धाका लागी निशुल्क उपचार

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.१ मा जम्मा घरधूरी मध्ये १०० प्रतिशत घरधूरीले यस शिर्षकमा जवाफ दिएका थिए । तालिकाको पहिलो प्राथमिकतामा ४ वटा विषय, दोश्रोमा पनि ४ वटा विषय साथै तेश्रोमा पनि ४ वटा विषय नै समेटिएको छ । प्रत्येक विषयमा कति घरधूरीले सेसँग सम्बन्धीत जवाफ दिए का थिए भनेर प्रत्येक घरधूरी संख्या पनि राखिएको छ । मुख्य रूपमा वडामा यसरी उठेका विषयहरूमा बाटोको स्तरोन्नती, सडक कालोपत्रे, ह्यूम पाइप

जडान, सीप मूलक तालिमको व्यवस्था, रोजगारीको व्यवस्था गर्ने , निशुल्क औषधी जस्ता विषयहरु पनि आएका थिए ।

९.३. वडा न.२ को आवश्यकताको प्राथमिकीकरण:

सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.२ मा जम्मा घरधूरी ५६९ सर्भेक्षणका क्रममा देखिन्छ । त्यसमध्ये ९५ प्रतिशत घरधूरीहरुले वडाका तत्कालका आवश्यकता र चाहनाहरुलाई अभिव्यक्त गरेका थिए । यस वडामा पनि धेरै व्यक्तिगत इच्छा र आकांक्षाहरु समेटिएका थिए भने यस स्तरिकरणमा त्यस्ता परेका चाहना र आवश्यकताहरुलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.१४५ : वडा न.२ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	बाटोको स्तरोन्नति	सुकुम्वासी व्यवस्थापन	कृषि तालिमको व्यवस्था
२	सीपमूलक तालिम	खानेपानीको व्यवस्था	आवासको व्यवस्था
३	रोजगारीको व्यवस्था	नदीवाघको व्यवस्था	निशुल्क शिक्षा
४	अपाङ्ग लाई सहूलियत	ट्यूम पाइपको व्यवस्था	स्वास्थ्य केन्द्र टाढा भयो

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.२ मा बाटोको स्तरोन्नती भित्र, सडक कालोपत्रे, ग्राभेल सडकमा नालीको व्यवस्था र बाटोमा माटो हाल्ने जस्ता आवश्यकताहरु समेटिएका छन् भने सीपमूलक तालिममा महिला तथा पुरुषहरुलाई आय आर्जनका लागि मुख्य रुपमा सिलाई कटाइ तालिम, व्यूटि पार्लर तालिम साथै अन्य आय आर्जन गर्ने सीपहरु हस्तकला, अचार बनाउने जस्ता कुराहरु पनि समेटिएको छ । यसरी नै सुकुम्वासी समस्या समाधान गर्न पहल गर्न, जग्गा नहुनेहरुलाई जग्गा प्रदान गरि कृषिमा लगाउने कुराहरु पनि आएका छन् । यसरी हेर्दा गाउ, टोल र वडाको विकाशका लागि कुनैपनि विन्दूवाट काम सुरु गर्ने र तिनीहरुलाई तत्कालै सम्बोधन गर्न सकेको खण्डमा गाउपालिका वासीहरुको विकाश चाहानालाई सम्बोधन गर्न सकिने देखिन्छ ।

९.४. वडा न.३ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:

यसैगरी वडा न.३ मा रहेको जम्मा ३१७ घरधूरीहरुमा सर्भेक्षण गरिएको थियो । यस सर्भेक्षणमा भाग लिने सबै घरधूरीहरुले निम्नानुसारका आवश्यकताहरु बताएका थिए । सुविधा सम्पन्न सरकारी अस्पतालको व्यवस्था जसमा दक्ष विशेषज्ञ डाक्टरहरुको व्यवस्था, रोजगारीको व्यवस्था, सरकारी क्याम्पसको निर्माण गरी सबै विषयहरु पठनपाठन गराउनु पर्ने, बाढी नियन्त्रण, ढल रनालाको व्यवस्थापन, बाटो कालोपत्रे , ग्राभेल गराउनु पर्ने, खानेपानीको लागि ट्यूबेल व्यवस्थापन, विभिन्न सीपमूलक तालिमको व्यवस्था, पार्कको व्यवस्था, एम्बुलेन्सको व्यवस्था, फोहोरमैला व्यवस्थापन जस्ता विषयहरु यस वडावाट आएका तत्काल कार्यहरु भनेर उल्लेख गरिएको थियो । जसलाई देहायको तालिकामा राखि कति घरधूरीहरुले ति कुरा उठाएका रहेछन् भन्ने वारेमा विश्लेषण गरिएको छ ।

तालिका न.१४६ : वाड न. ३ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	नदिको तटबन्ध	सीपमूलक तालिम	दमकलको व्यवस्था
२	रोजगारको सुविधा	दक्ष डाक्टरको व्यवस्था	शौचालय निर्माण
३	सुविधा सम्पन्न सरकारी अस्पताल	सडक को व्यवस्थापन	त्रियुगा नदिको संरक्षण
४	सडकको स्तरोन्नती	खानेपानी धाराको व्यवस्था	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

यस तालिकामा उल्लेख गरिएका प्राथमिकताहरु नगरपालिकाको विकासका निमित्त नगरवासीले राखेका चाहना हुन् । सडक निर्माण, रोजगारको व्यवस्था, शौचालय निर्माण लगायतका रहेका छन् ।

१.५. वडा न.४ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:

सप्तकोशी नगरपालिका वडा न.४ मा आवश्यकताहरुको स्तरिकरण गर्ने सवालमा यहा रहेका जम्मा ४७९ घरधूरीहरुमध्ये सबै घरधूरीहरुको प्रतिक्रिया यस सर्भेक्षणमा प्राप्त भएको थियो । अन्य वडाहरुकै जसरी नै यहा पनि धेरै नै उत्तर व्यक्तिगत इच्छा तथा लाभको लागी प्रस्तुत भएका थिए । यसलाई गहन रुपमा ति व्यक्तिगत इच्छा र चाहनालाई सामूहिक हितका लागी प्रस्तुत गर्न सकिने जतिलाई यसमा समावेश गरिएको छ । लुगाफाटा, भुल जस्ता कुराहरु नितान्त वैयक्तिक चाहना भएपनि दैनिक रोजगारीको बाटोमा उन्मुख भएका गरीव, निम्खा र सुकुम्वासी वर्गका धेरै व्यक्तिहरुको चाहना त्यहि छ भनि वडाले त्यस्ता कुराहरुको सम्बोधन गरी सामूहिक रुपमा ति कार्यहरु गर्न सक्दछ । यस वडाको मुख्य मुख्य रुपमा निम्नानुसारका आवश्यकताहरु पहिचान गरी तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका न.१४७ : वडा न.४ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	रोजगारको व्यवस्था	खानेपानीको व्यवस्था	विद्युतीकरण
२	सडक सुविधा	सीपूलक तालिम	सिचाइको व्यवस्था
३	हस्पिटल निर्माण	कृषि तालिमको व्यवस्था	
४	हेल्थपोष्टको निर्माण		

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिकामा देखाइए अनुसार यस वडा कार्यलय वा नगरपालिका बाट रोजगारको व्यवस्था भने जस्तै जागीर, भन्ने उत्तर बढी साथै सडक सुविधामा सडकको स्तरोन्नती, कालोपत्रे, ग्राभेल माटो हाल्ने, सडकको चौडाइ बढाउने, खानेपानीमा ट्यूब्वेल व्यवस्था गर्ने जस्ता कुरालाई विभिन्न रुपमा प्रस्तुत गरेका तथ्यांकमा देखिन्छ । यी यस्ता आवश्यकतालाई स्तरिकरण गर्नु भन्दा पहिला विषय वस्तुलाई coding गरेर एकरूपता कायम गरी माथीको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

९.६. वडा न.५ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:

सप्तकोशी नगरपालिकाको वडा न.५ अन्तर्गत जनगणना विधिद्वारा समेटिएका सम्पूर्ण नगरपालिकाका ३२१ घरधूरीहरुमा पनि अन्य वडाहरु जस्तै, तत्काल तपाइहरु कस्तो सेवा वा चाहाना गाउँपालिका वा वडा कार्यलयवाट राख्नुन गर्दा अन्य वडाहरुमा जस्तै यस वडामा पनि सडकको अवस्थामा सूधार, खानेपानी, स्वास्थ्य चौकी, शौचालय निर्माण, रोजगारीको व्यवस्था लगायतका कुराहरु मै मुख्य रुपमा केन्द्रीत रहेको देखिन्छ । यस ५ न.वडामा तत्कालका आवश्यकताहरुलाई देहाय अनुसार गरिएको छ ।

तालिका न.१४८ : वडा न.५ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	व्यवस्थित बाटो	नदि नियन्त्रण	कृषि अनुदान
२	नालाको व्यवस्था	कृषि तालिम	एम्बुलेन्स सेवा
३	सीपमूलक तालिम	ट्यूम पाइप	शौचालय निर्माण
४	रोजगारी	खानेपानी	

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकाको वडा न.५ नगरपालिकाकै मध्य भागमा अवस्थित छ । यहा पनि मानिसको आवश्यकता थरी थरीका पाइएका छन् ती आवश्यकताको स्तरिकरण गर्नु पूर्व गुणात्मक तथ्यांक विश्लेषणका विधी प्रयोग गरि बढीजसो घरधूरीले भन्न खोजेको र एक रुपता भल्कने बढी माग र चाहना राखेका आवश्यकतालाई स्तरिकरण गरी माथीको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ । यस वडामा पहिलो आवश्यकता आएको भएपनि दोश्रो र तेश्रो आवश्यकता एकदमै कम आएको छ ।

९.७. वडा न.६ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:

यस सर्वेक्षणका क्रममा वडा न.६ का वडा अन्तर्गतका घरधूरीहरुमा तत्कालका आवश्यकताहरु अलि पृथक ढंगवाट आएका पनि देखिन्छन् । आवश्यकता अन्य वडाकै जस्तै भएपनि बढीजसो घरधूरीले एउटै आवश्यकता तिनै चरणमा वताएका पनि छन् । जस्तो कि सुकुम्वासीलाई जग्गा,सुकुम्वासी व्यवस्थापन, सुकुम्वासीलाई विकाश निर्माणमा प्राथमिकता जस्ता कुरा कै सेरोफेरोमा आएको देखिन्छ ।

तालिका न.१४९ : वडा न.६ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	त्रियूगा नदीको नियन्त्रण/जल निकास	कृषि तालिम	गरिवलाई शिक्षा सहज र सर्वसुलभ हुनु परो
२	बाटोघाटोको राम्रो व्यवस्था	सडक बत्तिको सुविधा	खानेपानीको फिल्टर
३	सुकुम्वासी समस्या समाधान	रोजगारी व्यवस्था	हस्पिटलको व्यवस्था
४	सीपमूलक तालिम महिला/पुरुष	चेतनामूलक तालिम	एम्बुलेन्स सेवा

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.६ का घरधूरीवाट प्राप्त भएका तत्कालका आवश्यकताहरुको स्तरिकरण गरिएको छ । जहा सबैभन्दा धेरै घरधूरीले रोजगार, बाटोघाटो, सुकुम्वासी समस्या समाधान र सीपमूलक तालिम जस्ता कुराहरु उठाएको पाइन्छ । मुख्य रूपमा त्यहा हिउदे सडक राम्रो भएतापनि बर्खा लागेपछि धेरै समस्या हुनाले त्यसको स्तरिकरण र स्तरोन्नती जस्ता कुराहरु समेटिएका छन् ।

१.८.वडा न.७ को आवश्यकता सम्बन्धी स्तरिकरण:

यस अध्ययनका क्रममा वडा न.७ को घरधूरीहरु बाट आएका तत्कालका आवश्यकता सामूहिक रूपका व्यक्तिगत तवरका तथा गाउटोलका लागी समग्र पक्षको व्यवस्था हुने खालका आवश्यकता आएका छन् । ति विभिन्न घरधूरीले वताएका कुराहरुको प्राथमिकता क्रम निर्धारण गरी स्तरिकरण गरिएको छ । जसलाई देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका न.१५० : वडा न.७ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	स्वदेशमै रोजगार	सीपमूलक तालिम	सुकुम्वासी रोजगार
२	व्यवस्थित बाटोघाटो	सडक बत्ति व्यवस्थित	सार्वजनिक शौचालय
३	एम्बुलेन्स सेवा	आवश्यकता अनुसार मलखाद	कृषि अनुदान
४	कोशीटप्पु को वन्यजन्तुको व्यवस्थापन	खानेपानीको व्यवस्था	खोला नाला तार जाली

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.७ मा रहेका घरधूरीहरु मध्ये सबैभन्दा बढी घरधूरीहरुले हालको तत्कालै गर्नुपर्ने पहिलो प्राथमिकतामा देखेका काम एम्बुलेन्स सेवार कोशीटप्पु को वन्यजन्तुको व्यवस्थापन गर्नु देखिन्छ । प्रत्येक घरधूरीको कुनैमा पहिलो, कुनैमा तेश्रो नम्बरमा आएको विषय नै एम्बुलेन्स सेवाहो । यसैगरी दोश्रोमाकोशीटप्पु को वन्यजन्तुको व्यवस्थापन,खानेपानीको व्यवस्थाजस्ता समेटिदै अन्ततोगोत्वा सबैको उद्देश्य एम्बुलेन्स सेवा र कोशीटप्पु को वन्यजन्तुको व्यवस्थापनगर्ने नै देखिन्छ ।

तालिका न.१५१ : वडा न.८ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	स्वदेशमै रोजगार	सपिमूलक तालिम	हात्ती नियन्त्रण
२	कोशीटप्पु को वन्यजन्तुको व्यवस्थापन	सडक बत्ति व्यवस्थित	फोहोर व्यवस्थापन
३	एम्बुलेन्स सेवा	आवश्यकता अनुसार मलखाद	कृषि अनुदान
४	सार्वजनिक यातायातको व्यवस्था	खानेपानीको व्यवस्था	शान्ति सुरक्षा

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.८ मा रहेका घरधूरीहरु मध्ये सबैभन्दा बढी घरधूरीहरुले हालको तत्कालै गर्नुपर्ने पहिलो प्राथमिकतामा देखेका काम कोशीटप्पु को वन्यजन्तुको व्यवस्थापन गर्नु पर्ने देखिन्छ । यसैगरी दोश्रोमा

व्यवस्थित बाटोघाटो, मर्मत , ग्राभेल, कालेपत्रे, नाला, ह्यूम पाइप, हात्ती नियन्त्रणजस्ता समेटिदै अन्ततोगोत्वा सवैको उद्देश्य बाटोको स्तरोन्नती गरी बाटो व्यवस्थित गर्ने नै देखिन्छ ।

तालिका न.१५२ : वडा न.९ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	स्वदेशमै रोजगार	सीपमूलक तालिम	सुकुम्वासी रोजगार
२	व्यवस्थित बाटोघाटो	सडक बत्ति व्यवस्थित	सार्वजनिक शौचालय
३	हाटबजारको व्यवस्था	भूमि सुधार	विद्युत अनुदान
४	सार्वजनिक यातायातको व्यवस्था	खानेपानीको व्यवस्था	आगो नियन्त्रण
४	हात्ती नियन्त्रण	खानेपानीको व्यवस्था	शान्ति सुरक्षा

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार यस नगरपालिकाको वडा न.९ तल्लो भागमा अवस्थित छ । यहा पनि मानिसको आवश्यकता थरी थरीका पाइएका छन् ती आवश्यकताको स्तरिकरण गर्नु पूर्व गुणात्मक तथ्यांक विश्लेषणका विधी प्रयोग गरि बढीजसो घरधूरीले भन्न खोजेको र एक रुपता भल्कने बढी माग र चाहना राखेका आवश्यकतालाई स्तरिकरण गरी माथीको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ । यस वडामा पहिलो आवश्यकता आएको भएपनि दोश्रो र तेश्रो आवश्यकता एकदमै कम आएको छ ।

तालिका न.१५३ : वडा न.१० को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	स्वदेशमै रोजगार	सीपमूलक तालिम	सुकुम्वासी रोजगार
२	व्यवस्थित बाटोघाटो	सडक बत्ति व्यवस्थित	सार्वजनिक शौचालय
३	एम्बुलेन्स सेवा	सोलार बत्ति	शिक्षामा सुधार
४	खेलकुद मैदानको व्यवस्था	खानेपानीको व्यवस्था	कृषि तालिम

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.१० मा रहेका घरधूरीहरु मध्ये सवैभन्दा बढी घरधूरीहरुले हालको तत्कालै गर्नुपर्ने पहिलो प्राथमिकतामा देखेका काम व्यवस्थित बाटोघाटो र रोजगारीको अवसर निर्माण गर्नु देखिन्छ । प्रत्येक घरधूरीको कुनैमा पहिलो, कुनैमा तेश्रो नम्बरमा आएको विषय नै रोजगारी हो । यसैगरी दोश्रोमा व्यवस्थित बाटोघाटो, मर्मत , ग्राभेल, कालोपत्रे, नाला, ह्यूम पाइप, पानीको निकास जस्ता समेटिदै अन्ततोगोत्वा सवैको उद्देश्य बाटोको स्तरोन्नती गरी बाटो व्यवस्थित गर्ने नै देखिन्छ ।

तालिका न.१५४ : वडा न.११ को घरधूरीवाट प्राप्त मुख्य आवश्यकता सम्बन्धी विवरण

क्र.स	पहिलो आवश्यकताको विवरण	दोश्रो आवश्यकताको विवरण	तेश्रो आवश्यकताको विवरण
१	स्वदेशमै रोजगार	सीपमूलक तालिम	सुकुम्वासी व्यवस्थापन
२	व्यवस्थित बाटोघाटो	सडक बत्ति व्यवस्थित	सार्वजनिक शौचालय
३	हेल्थपोष्ट	आवश्यकता अनुसार मलखाद	सुविधा सम्पन्न स्कुल
४	सिचाइ सुविधा	खानेपानीको व्यवस्था	खोला नाला तार जाली

श्रोत: पार्श्वचित्र २०७६/७७

माथीको तालिका अनुसार वडा न.११ मा रहेका घरधूरीहरु मध्ये सबैभन्दा बढी घरधूरीहरुले हालको तत्कालै गर्नुपर्ने पहिलो प्राथमिकतामा देखेका काम व्यवस्थित बाटोघाटो र रोजगारीको अवसर निर्माण गर्नु देखिन्छ । प्रत्येक घरधूरीको कुनैमा पहिलो, कुनैमा तेश्रो नम्बरमा आएको विषय नै स्वास्थ्य सेवा हो । यसैगरी दोश्रोमा व्यवस्थित बाटोघाटो, मर्मत , ग्राभेल, कालेपत्रे, नाला, ट्यूम पाइप, पानीको निकास जस्ता समेटिदै अन्ततोगोत्वा सबैको उद्देश्य बाटोको स्तरोन्नती गरी बाटो व्यवस्थित गर्ने र स्वास्थ्य सेवा नै देखिन्छ ।

यसरी हेर्दा सप्तकोशी नगरपालिकाका सबै वडाहरुवाट तत्कालै सम्बोधन गर्नुपर्ने विषय प्रत्येक घरधूरी वाट आएका विकाश निर्माण, स्वरोजगार, आत्मनिर्भर जीवन स्तरका क्षेत्र लगायत शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि र सुकुम्वासी समस्याका कुराहरु तथा जीवनस्तर सरल र सहज रहोस् भनि गरिने अन्य विविध प्रकारका विषय लगायत सरकारी सेवा सुविधा, सहजताका आवश्यकता पनि आएका छन् । जसलाई माथी वडागत रुपमा प्रस्तुत गरीसकिएको छ । जसले गर्दा भोलीका दिनमा वडाअनुसार कार्यक्रम छनौट र लागू गर्दा माथीका कुनै विषयवस्तुहरुले सहयोग गर्ने अपेक्षा राख्न सकिन्छ ।

परिच्छेद - १०

संस्थागत सुशासनको स्थिति

नगरपालिका भित्रको संस्थागत तथा सुशासनको विद्यमान अवस्था कस्तो छ, यसका संरचनात्मक ढाँचाहरू कस्ता छन् भन्ने बारेमा यस परिच्छेदमा दिइएको छ।

१०.१. सरकारी कार्यलय सम्बन्धी विवरण:

यस सप्तकोशी नगरपालिकामा विभिन्न सेवा प्रवाह गर्ने उद्देश्यले स्थापित सरकारी कार्यलयहरू, शान्ति सुरक्षा र अमनचयनका उद्देश्यले स्थापित कार्यलय, विकाश निर्माणमा साभेदार कार्यलयहरू मुख्यतया नगरपालिका क्षेत्रमा रहेका हुन्छन्। यस शिर्षकमा सरकारी कार्यलय सँग सम्बन्धीत भएर तलको तालिकामा दिइएको छ।

तालिका न.१५५ : सरकारी कार्यलय सँग सम्बन्धीत विवरण

क्र.स	सरकारी कार्यलय	ठेगाना	जनशक्ति	कार्यक्षेत्र
१	नगरकार्यपालिकाको कार्यलय			नगरपालिका भरी
२	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र			नगरपालिका भरी
३	हुलाक कार्यलय			
४	प्रहरी कार्यलय			
५	शसस्त्र प्रहरी कार्यलय			
६				
७				
८				
९				

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

१०.२. नगरपालिकामा रहेका विभिन्न समूह सम्बन्धी विवरण:

नगरपालिकामा विभिन्न प्रकारका समूहहरू मार्फतसंगठित रूपमा महिला र पुरुषहरू विचमा आवद्ध भएर विभिन्न रूपमा कार्य गरी रहेका हुन्छन्। जसमा विशेषत बचत तथा ऋण सहकारी जस्ता सहकारी संस्थाहरू संगठित रूपमा विकाश निर्माणदेखि सामूदायिक चेतना अभिवृद्धि गर्ने, सरसफाई र सशक्तिकरण का क्षेत्रमा पनि काम गरेका हुन्छन्। गाउँपालिका क्षेत्र अन्तर्गत रहेर शान्ति सुरक्ष, समाजमा मेलमिलाप, हिंसा र अपराध विरुद्ध सशक्त हुन यस्ता समूह, समिति र संगठनहरूको भूमिका महत्वपूर्ण हुन्छ। यस्ता सकारात्मक सोचको विकाश र विस्तार गर्ने गरी गठन भएका र स्थापना भएका संघ संस्था र समूहहरूको विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ।

तालिका न.१५६ : नगरपालिकामा रहेका विभिन्न समूहहरूको विवरण

समूहको नाम	ठेगाना	सदस्य संख्या		जम्मा
		महिला	पुरुष	

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

१०.३.विकाश साभेदार गर्ने गैर सरकारी संस्था:

नगरपालिका भित्र आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, विकाश सहयोग र सहकार्य गर्ने विकाश साभेदार तथा गैर सरकारी संस्थाहरू पनि कार्यरत रहेका हुन्छन् । सुशासन, लक्षित वर्ग सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास र समुन्नतीका क्षेत्रमा तथा सांस्कृतिक र धार्मिक कार्यहरूलाई अगाडी बढाउने कार्य पनि भइरहेको देखिन्छ । यस्ता विकाश संग सम्बन्धीत यस क्षेत्रमा कार्यरत साभेदारहरूको विवरण देहाय बमोजिम छ ।

तालिका न.१५७ : विकाश साभेदार गर्ने गैर सरकारी संस्था

विकाश साभेदार संस्था	कार्यक्रमको विषयगत क्षेत्र	ठेगाना	लक्षित वर्ग		जम्मा
			महिला	पुरुष	

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

१०.४. नगरपालिकाको संगठनात्मक संरचना:

१०.५. नगरपालिका आफैले बनाएका नियम/विनियमहरूको नियमावलि:

तालिका न.१५८

क्र.स	नियम/विनियम/कार्यविधी/निर्देशिका नाम	कार्यन्वयनमा आएको मिति
१		
२		
३		
४		
५		
६		
७		
८		
९		
१०		
११		
१२		

श्रोत: नगरपालिका कार्यलय २०७७

१०.६. नगरकार्यपालिका सदस्यको नामावली:

तालिका न.१५९ : नगरकार्यपालिका सदस्यको नामावली:

क्र.स	कार्यपालिका सदस्यको नाम	पद	सम्पर्क नम्बर

